गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति

150 YEARS OF CELEBRATING THE MAHATMA

वार्षिक प्रतिवेदन

2019-2020

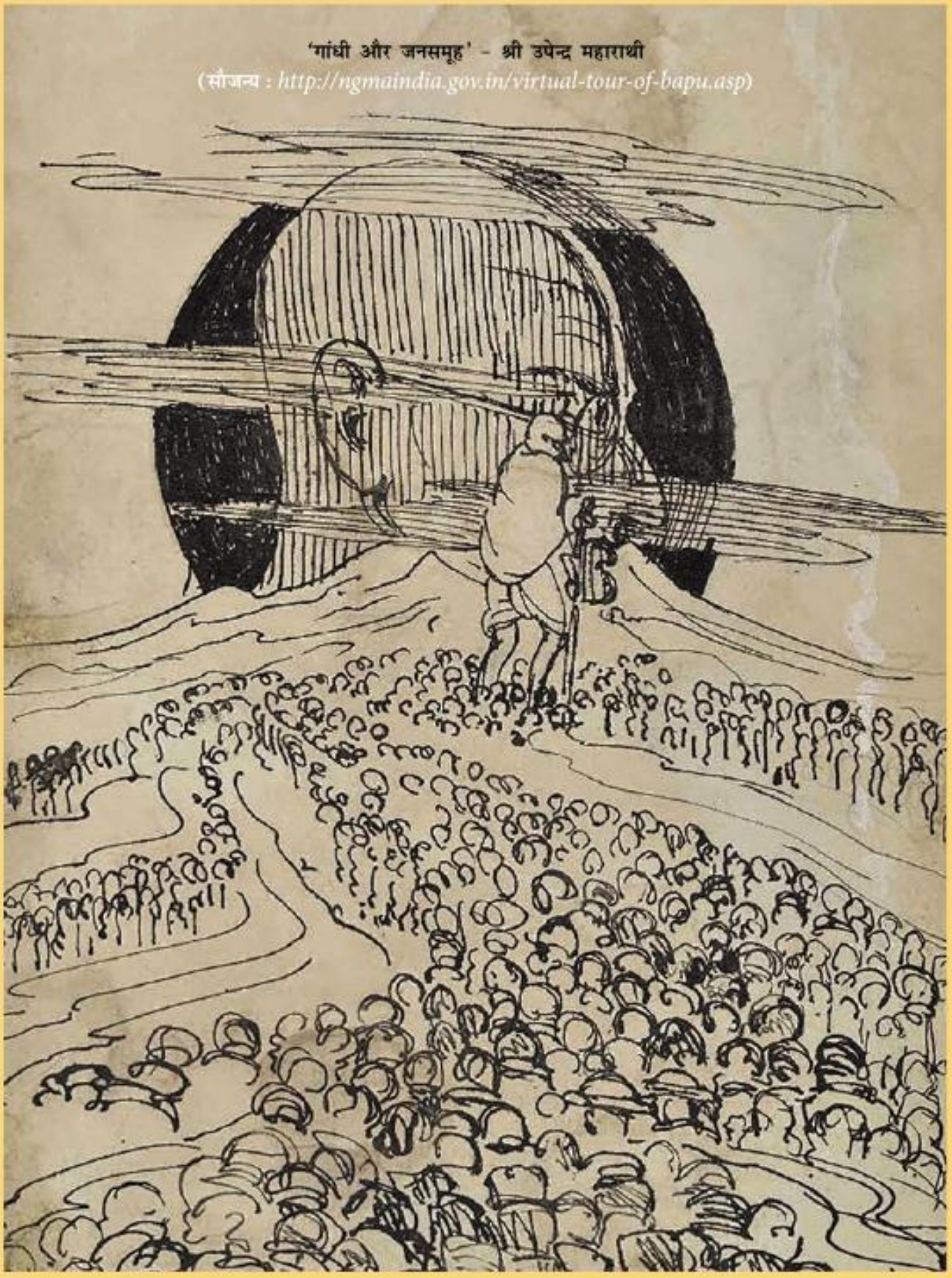

'गांधी और जनसमूह' - श्री उपेन्द्र महारथी

(सौजन्य : *http://ngmaindia.gov.in/virtual-tour-of-bapu.asp*)

वार्षिक प्रतिवेदन

2019-2020

गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति

विषय सूची

1.	प्रस्तावना	03
2.	परिचय	05
3.	समिति की संरचना	13
4.	कार्यक्रम की समय रेखा	14
5.	महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि	31
6.	महत्वपूर्ण पहल	36
7.	अन्तरराष्ट्रीय कार्यक्रम	50
8.	गांधी की 150वीं जयन्ती के अवसर पर सांस्कृतिक विनिमय कार्यक्रमः दूतावासों के साथ...	60
9.	विशेष कार्यक्रम	67
10.	बच्चों के लिये कार्यक्रम	81
11.	युवाओं के लिए कार्यक्रम	92
12.	महिलाओं के लिए कार्यक्रम	102
13.	तिहाड़ में	106
14.	हिंदी को बढ़ावा देने के लिए कार्यक्रम	107
15.	परिचर्चा/संवाद/सम्मेलन	109
16.	उन्मुख कार्यक्रम	128
17.	पूर्वोत्तर में कार्यक्रम	132
18.	सृजन	140
19.	विविध कार्यक्रम	143
20.	पुस्तक मेले तथा प्रदर्शनियाँ	151
21.	पुस्तकालय, प्रलेखन और प्रकाशन	154
22.	गांधी स्मृति में विशिष्ट अतिथि	156
23.	सेवानिवृत्त स्टाफ सदस्यों की विदाई	166
24.	मीडिया में	167

प्रस्तावना

प्रौद्योगिकी पर गांधीवादी दृष्टिकोण का पुनः अवलोकन

मैं कुछ हाथों में नहीं, बल्कि सभी के पास धन की उपलब्धता चाहता हूं– महात्मा गांधी

तकनीक के इस युग में, हर दिन तेजी से प्रौद्योगिकी प्रगति कर रही है। इससे हमारे जीने के तरीके और दुनिया को समझने की हमारी दृष्टि में बदलाव आ रहा है। नवाचार और कृत्रिम बुद्धि का उपयोग, चिकित्सा प्रणाली का विस्तार, ब्लॉक–चेन तकनीक आदि दुनिया भर की असंख्य तकनीकी प्रगति में शामिल है। इनमें से कई प्रोद्यौगिकी इस बात को पुनः परिभाषित कर रही हैं कि हम कैसे रहते हैं और क्या करते हैं, परंतु कई ऐसी तकनीक हैं, जो विवादित हैं। इन नई प्रगति के उपयोग को लेकर विश्व में अनेक बार बहस हुई हैं। ये बहस अक्सर बंटी हुई और विज्ञान के सन्दर्भ में नैतिकता और अस्पष्टता में उलझी हुई रहती हैं।

उदाहरण के लिए, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और रोबोटिक्स के क्षेत्र में प्रगति उन लोगों को और स्वतंत्र होने के लिए प्रेरित करेगी, जो नैतिक मुद्दों को जन्म देने वाली स्थितियों को सुलझा सकते हैं। इसी तरह नैतिकता और शुचिता पर बहस पहले से ही मानव आनुवांशिकी और जीनोम आधारित उपचार के सन्दर्भ में आरम्भ हो गई है। इसके अलावा नई प्रौद्योगिकी के अद्भुत विस्तार के बावजूद, दुनिया अनेक अभूतपूर्व समस्याओं का सामना कर रही है। दुनिया के सामने जलवायु परिवर्तन एक प्रमुख चुनौती है, जिससे दुनिया के विभिन्न हिस्सों में सामाजिक उथल–पुथल हो रही है। इस चुनौती से निपटने में प्रौद्योगिकी की प्रगति भी सक्षम नहीं है। बल्कि तकनीक कई मामलों में समस्या को सुलझाने की बजाय इसे बढ़ा ही रही है।

प्रौद्योगिकी के उपयोग की उपरोक्त चिंताओं और इससे उत्पन्न होने वाले संकट की संभावनाओं को देखते हुए हमें सतत् प्रौद्योगिकी के गांधीवादी दृष्टिकोण पर पुनः गौर करना होगा।

इस विषय पर हम आगे बढ़ें, उससे पहले यह जरूरी है कि हम इस भ्रांति को दूर करें कि गांधीजी मशीनीकरण के विरोधी थे। वे एक महान विचारक थे। मशीनीकरण के बारे में अपने विचार यंग इंडिया के 17 मई, 1926 के अंक में प्रकट करते हुए वे कहते हैं, "क्या तुम सभी मशीनों के खिलाफ हो। मेरा उत्तर सशक्त रूप से 'नहीं' है। लेकिन मैं इसके अंधाधुंध उपयोग के खिलाफ हूं। मैं मशीन की प्रतीत होने वाली विजय से चकित होने से इंकार करता हूं। मैं तमाम विनाशकारी मशीन के अत्यंत विरोध में हूं। लेकिन सरल औजार, उपकरण और ऐसी मशीनरी जो व्यक्तिगत श्रम को बचाती है व लाखों लोगों के बोझ को हल्का करती है, मुझे उसका स्वागत करना चाहिए।"

यंग इंडिया(13–11–1924) में वे मशीनरी और प्रौद्योगिकी से सम्बन्धित मुद्दों पर बात करते हैं, "यह स्पष्ट है कि सभी वैज्ञानिक खोज को लालच और उत्कंठा के साधन होने से रोकना चाहिए, क्यों लोग नई मशीनरी को लेकर इतने उत्साहित हो जाते हैं, जबकि वास्तव में वह उनकी नौकरी खत्म कर सकती है।" उन्होंने कहा, "मुझे मशीनों के प्रति दीवानगी पर आपत्ति है। दीवानगी श्रम–बचत मशीनरी के लिए होनी चाहिए। लेकिन मनुष्य, मजदूरों की बचत पर चलते हैं, इससे हजारों श्रमिक बेरोजगार हो जाते हैं और उन्हें भूखे मरने के लिए खुली सड़कों पर छोड़ दिया जाता है। मैं समय और श्रम बचाना चाहता हूं, किन्तु चन्द मनुष्यों के लिए नहीं, अपितु सभी के लिए। मैं कुछ हाथों में नहीं, बल्कि सभी के पास धन की उपलब्धता चाहता हूं। आज मशीनरी केवल चन्द लोगों को लाखों लोगों की पीठ पर सवारी करने में मदद करती है। इसके पीछे श्रम बचाने की मानसिकता नहीं है, बल्कि लालच है।"

"मुझे मशीनों के प्रति दीवानगी पर आपत्ति है। दीवानगी श्रम–बचत मशीनरी के लिए होनी चाहिए। लेकिन मनुष्य, मजदूरों की बचत पर चलते हैं, इससे हजारों श्रमिक बेरोजगार हो जाते हैं और उन्हें भूखे मरने के लिए खुली सड़कों पर छोड़ दिया जाता है। मैं समय और श्रम बचाना चाहता हूं, किंतु चंद मनुष्यों के लिए नहीं, अपितु सभी के लिए। मैं कुछ हाथों में नहीं, बल्कि सभी के पास धन की उपलब्धता चाहता हूं। आज मशीनरी केवल चंद लोगों को लाखों लोगों की पीठ पर सवारी करने में मदद करती है। इसके पीछे श्रम बचाने की मानसिकता नहीं है, बल्कि लालच है।"

मो. क. गांधी

"तब आप मशीनों के खिलाफ नहीं हैं, बल्कि इस तरह की गालियों के खिलाफ लड़ रहे हैं, जिसके बारे में आज बहुत ज्यादा सबूत हैं। मैं बिना सोचे–समझे 'हां' कहूंगा, लेकिन मैं यह कहना चाहूंगा कि वैज्ञानिक खोज और सत्य के अन्वेषण में सबसे पहले केवल लालच के साधन बंद होने चाहिए।"

लालच, जो मानव को नए अविष्कारों के लिए प्रेरित कर रहा है, के विषय में बोलते हुए गांधीजी कहते हैं," एक समय आएगा, जब वे लोग जिन पर अपनी लालसाओं की पूर्ति करने की सनक सवार है, जो व्यर्थ में सोचते हैं कि वे वास्तविक धन, दुनिया भर का वास्तविक ज्ञान एकत्र कर रहे हैं, वे कदमों को थामेंगे और कहेंगे, "ये हमने क्या किया?" सभ्यताएं आईं और गईं और हमारी तमाम प्रगति के बावजूद, मुझे बार–बार यह बताना पड़ता है कि, "किस उद्देश्य से?" डार्विन के समकालीन वैलेस ने भी ऐसा ही कहा है," पचास साल के शानदार अविष्कार और खोज ने मानव जाति के नैतिक उत्थान में एक इंच भी नहीं जोड़ा है।"

गांधी ने सवाल किया," क्या दुनिया गतिवान त्वरित साधनों के लिए बेहतर है? ये साधन मनुष्य की आध्यात्मिक प्रगति को कैसे आगे बढ़ाते हैं? क्या वे अंतिम उपाय में बाधा नहीं डालते और क्या मनुष्य की महत्वाकांक्षा की कोई सीमा है? एक समय मे हम कुछ मील प्रति घंटे की यात्रा से संतुष्ट थे, आज हम एक घंटे में सैंकड़ों मील की दूरी पर बातचीत करना चाहते हैं। एक दिन में अंतरिक्ष में उड़ान भरने की इच्छा कर सकते हैं। इसका परिणाम क्या होगा? अराजकता।" (यंग इंडिया, 21–1–1926)

उन्होंने दार्शनिक होते हुए कहा," मैं पूरी तरह से दूरी और समय को नष्ट करने, पशु वृत्ति बढ़ाने और अपनी संतुष्टि की तलाश में पृथ्वी के अंतिम छोर तक जाने की मूर्खतापूर्ण हसरत का पूर्णतया विरोधी हूं। यदि आधुनिक सभ्यता इस सबके लिए खड़ी है और मैंने इसका कार्य समझ लिया है, तो मैं इसे शैतानी सभ्यता कहूंगा।"(यंग इंडिया, 17–3–1927)

वास्तव में गांधीजी भविष्यद्रष्टा थे। उन्होंने हमें अराजकता और नैतिक संकट पर पहले ही चेता दिया था और कहा था कि नई तकनीक को निरन्तर अधिक प्रोत्साहित करने से अराजकता उत्पन्न होगी।

नैतिक कसौटी पर प्रौद्योगिकी के उपयोग पर गांधी दर्शन के 'सात पाप' में से एक था–मानवता रहित विज्ञान। गांधीजी चिंतित थे कि अगर विज्ञान और प्रोद्यौगिकी पतनशील मूल्यों और नैतिकता विहीन होगी, तो इसका कोई लाभ नहीं। यदि हम प्रगति करते हैं, तो यह देखना वाजिब होगा कि क्या यह प्रगति वास्तव में मानव जाति को लाभ पहुंचाने वाली है, या उस पर हानिकारिक प्रभाव डालने वाली।

चूंकि गांधीजी मानव की परस्पर निर्भरता के महत्व को समझते थे, इसलिए वे मनुष्य के वर्चस्व, विजयी और लालची प्रवृति के खिलाफ थे। उन्होंने महसूस किया कि ये समस्याओं की जड़ हैं और प्रौद्योगिकी को मानव की परस्पर निर्भरता के सिद्धांतों के साथ तालमेल बैठाना आवश्यक है। उनका मानना था कि मानव को प्रौद्योगिकी और मशीनों का गुलाम या शिकार नहीं बनना चाहिए।

अपने लेख "Today in Tech: Gandhi on technology; Microsoft's new visa proposal" में श्री एन. एस. रामनाथ लिखते हैं कि महात्मा गांधी उन मशीनों के समर्थन में थे, जो जनता तक पहुंचने में सक्षम थी और उनके जीवन को बेहतर बना सकती थीं। यहां तक कि वह चरखे को भी बेहतर बनाने के लिए निरन्तर प्रयासरत थे। वह मशीनों के मानव विरोधी पहलू के खिलाफ थे। लुइस फिशर ने लिखा था कि गांधी के साथ हुई एक मुलाकात ने चार्ली चैप्लिन को इस कदर प्रभावित किया कि वे इस मुद्दे पर Modern Times नामक फिल्म बनाने को प्रेरित हुए।

प्रोद्यौगिकी के तीव्र विकास और उसके आसपास घूमने वाले नैतिक मुद्दों की सामग्री के दृष्टिगत यह आवश्यक है कि दुनिया भर के अविष्कारक और वैज्ञानिक मानव केन्द्रित दृष्टिकोण अपनाएं। उनका दृष्टिकोण मानव की आपसी निर्भरता के सिद्धांतों के प्रति जागरूक होना चाहिए। इन रणनीतियों को सुनिश्चित करके हम ऐसी तकनीकों को बनाने में सक्षम होंगे, जो मानव जाति की सच्ची सेवा में तत्पर होंगी।

दीपंकर श्री ज्ञान
निदेशक

परिचय

गांधी स्मृति में स्थित गांधी संग्रहालय का एक दृश्य।

गांधी स्मृति एवं दर्शन समितिः एक रूपरेखा

गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति का गठन 1984 में राजघाट स्थित गांधी दर्शन एवं 5, तीस जनवरी मार्ग स्थित गांधी स्मृति के विलय द्वारा 1984 में एक स्वायत्त निकाय के रूप में हुआ था और यह भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय के रचनात्मक सुझाव और वित्तीय सहायता के तहत कार्यशील है।

भारत के प्रधानमंत्री इसके अध्यक्ष हैं और इसके पास वरिष्ठ गांधीवादियों एवं सरकार के विभिन्न विभागों के प्रतिनिधियों का एक मनोनीत निकाय है जो इसे इसकी गतिविधियों के लिए दिशानिर्देश देते हैं। समिति का मूलभूत उद्देश्य और लक्ष्य विभिन्न सामाजिक–शैक्षणिक तथा सांस्कृतिक कार्यक्रमों के जरिये महात्मा गांधी के जीवन, मिशन एवं विचारों को प्रचारित करना है।

समिति के दो परिसर हैं:

(क) गांधी स्मृति

5, तीस जनवरी मार्ग, नई दिल्ली के पुराने बिड़ला भवन पर स्थित गांधी स्मृति वह पवित्र स्थल है जहां महात्मा गांधी ने अपने नश्वर शरीर का 30 जनवरी, 1948 को त्याग किया था। महात्मा गांधी इस घर में 9 सितंबर, 1947 से 30 जनवरी, 1948 तक रहे थे। इस भवन में उनके जीवन के अंतिम 144 दिनों की स्मृतियां संजोई हुई हैं। पुराने बिड़ला भवन को भारत सरकार ने 1971 में अधिग्रहित कर लिया और इसे राष्ट्रपिता के राष्ट्रीय स्मारक के रूप में परिवर्तित कर दिया जिसे 15 अगस्त 1973 को आम जनता के लिए खोल दिया गया।

यहां जो जगह संरक्षित हैं उनमें वह कमरा, जिसमें गांधी जी रहते थे और वह प्रार्थना मैदान जहां आम जनसभा होती थी, शामिल हैं। इसी स्थान पर गांधी जी हत्यारे की गोलियों के शिकार हुए। भवन और परिदृश्य को उसी प्रकार संरक्षित रखा गया है जिस प्रकार वे उन दिनों थे।

इस स्मारक की संरचना में शामिल हैं :

(1) महात्मा गांधी और उनके उन महान आदर्शों, जिनका वे प्रतिनिधित्व करते थे, की याद को बनाये रखने के लिए दृश्यात्मक पहलू

(2) जीवन के कुछ खास मूल्यों, जिन्होंने गांधी को महात्मा बनाया, पर ध्यान केंद्रित करने के लिए शैक्षणिक पहलू और

(3) सेवा से संबंधित गतिविधियां।

संग्रहालय में जो चीजें प्रदर्शित की गई हैं, उनमें गांधी जी ने जितने वर्ष यहां व्यतीत किए हैं उनसे संबंधित तस्वीरें, वस्तुशिल्प, चित्र, भित्तिचित्र, शिलालेख और स्मृति चिन्ह शामिल हैं। गांधी जी की कुछ व्यक्तिगत जरूरत की चीजों को भी बहुत संभाल कर यहां संरक्षित किया गया है।

इसका प्रवेश द्वार भी बहुत ऐतिहासिक महत्व का है क्योंकि इसी द्वार के शीर्ष से प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू ने दुनिया को महात्मा गांधी की मृत्यु हो जाने की सूचना दी थी '_हमारे जीवन से प्रकाश चला गया है और हर जगह अंधेरा छा गया है....'

महात्मा गांधी की एक आदमकद प्रतिमा जिसमें खगोल से निकलते हुए एक लड़का और एक लड़की अपने हाथों में एक कबूतर को थाम कर उनकी बगल में दोनों तरफ खड़े हुए है, जो गरीबों और वंचितों के लिए उनकी सार्वभौमिक चिंता को दर्शाती है, गांधी स्मृति के मुख्य प्रवेश स्थल पर आगंतुकों का स्वागत करती है। यह विख्यात मूर्तिकार श्री राम सुतार की कृति है। मूर्ति के निचले हिस्से पर बापू का कथन उल्लिखित है, 'मेरा जीवन ही मेरा संदेश है।'

जहां राष्ट्रपिता की हत्या हुई थी, वहां एक शहीद स्तंभ बनाया गया है। यह महात्मा गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति: एक रूपरेखा गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति का गठन 1984 में राजघाट स्थित गांधी दर्शन एवं 5, तीस जनवरी मार्ग स्थित गांधी स्मृति के विलय द्वारा 1984 में एक स्वायत्त निकाय के रूप में हुआ था और यह भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय के रचनात्मक सुझाव और वित्तीय सहायता के तहत कार्यशील है।

भारत के प्रधानमंत्री इसके अध्यक्ष हैं और इसके पास वरिष्ठ गांधीवादियों एवं सरकार के विभिन्न विभागों के प्रतिनिधियों का एक मनोनीत निकाय है जो इसे इसकी गतिविधियों के लिए दिशानिर्देश देते हैं। समिति का मूलभूत उद्देश्य और लक्ष्य विभिन्न सामाजिक–शैक्षणिक तथा सांस्कृतिक कार्यक्रमों के जरिये महात्मा गांधी के जीवन, मिशन एवं विचारों को प्रचारित करना है।

समिति के दो परिसर हैं:

(क) गांधी स्मृति

5, तीस जनवरी मार्ग, नई दिल्ली के पुराने बिड़ला भवन पर स्थित गांधी स्मृति वह पवित्र स्थल है जहां महात्मा गांधी ने अपने नश्वर शरीर का 30 जनवरी, 1948 को त्याग किया था। महात्मा गांधी इस घर में 9 सितम्बर, 1947 से 30 जनवरी, 1948 तक रहे थे। इस भवन में उनके जीवन के अंतिम 144 दिनों की स्मृतियां संजोई हुई हैं। पुराने बिड़ला भवन को भारत सरकार ने 1971 में अधिग्रहित कर लिया और इसे राष्ट्रपिता के राष्ट्रीय स्मारक के रूप में परिवर्तित कर दिया जिसे 15 अगस्त 1973 को आम जनता के लिए खोल दिया गया।

यहां जो जगह संरक्षित हैं उनमें यह कमरा, जिसमें गांधी जी रहते थे और वह प्रार्थना मैदान जहां आम जनसभा होती थी, शामिल हैं। इसी स्थान पर गांधी जी हत्यारे की गोलियों के शिकार हुए। भवन और परिदृश्य को उसी प्रकार संरक्षित रखा गया है जिस प्रकार वे उन दिनों थे।

गांधी स्मृति में प्रार्थना स्थल का एक दृश्य।

इस स्मारक की संरचना में शामिल हैं :

(1) महात्मा गांधी और उनके उन महान आदर्शों, जिनका वे प्रतिनिधित्व करते थे, की याद को बनाये रखने के लिए दृश्यात्मक पहलू

(2) जीवन के कुछ खास मूल्यों, जिन्होंने गांधी को महात्मा बनाया, पर ध्यान केंद्रित करने के लिए शैक्षणिक पहलू और

(3) सेवा से संबंधित गतिविधियां।

संग्रहालय में जो चीजें प्रदर्शित की गई हैं, उनमें गांधी जी ने जितने वर्ष यहां व्यतीत किए हैं उनसे संबंधित तस्वीरें, वस्तुशिल्प, चित्र, भित्तिचित्र, शिलालेख और स्मृति चिन्ह शामिल हैं। गांधी जी की कुछ व्यक्तिगत जरूरत की चीजों को भी बहुत संभाल कर यहां संरक्षित किया गया है।

इसका प्रवेश द्वार भी बहुत ऐतिहासिक महत्व का है क्योंकि इसी द्वार के शीर्ष से प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू ने दुनिया को महात्मा गांधी की मृत्यु हो जाने की सूचना दी थी '...हमारे जीवन से प्रकाश चला गया है और हर जगह अंधेरा छा गया है....'

शहीद स्तम्भ : गांधी स्मृति में महात्मा गांधी का बलिदान स्थल।

महात्मा गांधी की एक आदमकद प्रतिमा जिसमें खगोल से निकलते हुए एक लड़का और एक लड़की अपने हाथों में एक कबूतर को थाम कर उनकी बगल में दोनों तरफ खड़े हुए हैं, जो गरीबों और वंचितों के लिए उनकी सार्वभौमिक चिंता को दर्शाती है, गांधी स्मृति के मुख्य प्रवेश स्थल पर आगंतुकों का स्वागत करती है। यह विख्यात मूर्तिकार श्री राम सुतार की कृति है। मूर्ति के निचले हिस्से पर बापू का कथन उल्लिखित है, 'मेरा जीवन ही मेरा संदेश है।'

जहां राष्ट्रपिता की हत्या हुई थी, वहां एक शहीद स्तम्भ बनाया गया है। यह महात्मा गांधी की शहादत की याद दिलाता है तथा उन सभी कष्टों और कुर्बानियों के मूर्त रूप का स्मरण करता है जो भारत की स्वतंत्रता की लम्बी लड़ाई की विशेषता रही है।

स्तम्भ के चारों तरफ श्रद्धालुओं के लिए एक श्रद्धापूर्ण परिक्रमा करने के लिए पत्थर का एक विस्तृत मार्ग बनाया है। स्तंभ के सामने एक चौड़ी जगह बनाई गई है जिस पर श्रद्धांजलि अर्पित कर सकें। स्तंभ के निकट निचले मैदान पर गुरूदेव टैगोर के शब्द हैं, 'वह प्रत्येक झोंपड़ी की देहरी पर रुके थे।'

प्रार्थना स्थल के केन्द्र में एक मण्डप है जिसकी दीवारों पर भारत की सांस्कृतिक यात्रा की अनवरतता, दुनिया के साथ उसके सम्बन्ध एवं एक 'सार्वभौमिक व्यक्ति' के रूप में महात्मा गांधी के उद्भव और उनके व्यक्तित्व में सन्निहित मानव जीवन की सभी दैवीय चीजों का चित्रण करते भितिचित्र हैं ठीक वैसा ही जैसा कि उन्होंने कहा: 'मेरी भौतिक आवश्यकताओं के लिए मेरा गांव मेरी दुनिया है लेकिन मेरी आध्यात्मिक ज़रूरतों के लिए सम्पूर्ण दुनिया मेरा गांव है।'

मंडप के बाहर लाल बलुशाही पत्थर से निर्मित एक बेंच है, जिस पर महात्मा गांधी प्रार्थना के दौरान या विशाल जनसमूह से, जो उन कष्टकारी दिनों में उनसे सलाह लेने और शांति पाने के लिए पुराने बिड़ला भवन के लॉन में एकत्र होते थे, बातचीत के दौरान बैठा करते थे।

हरी घास का मैदान प्रार्थना स्थल की मुख्य विशेषता है जो सफेद फूलों की सजावटपूर्ण परिधि से चारों तरफ से घिरा हुआ है। स्मारक स्थल के प्रवेश के दाहिने लॉन के निकट खुदा हुआ है 'गांधीजी के सपनों का भारत।' प्रार्थना स्थल के निकट के घुमावदार मार्ग पर अल्बर्ट आइंस्टीन के शब्द लिखे हुए हैं "आने वाली पीढ़ियां मुश्किल से यकीन करेंगी....।" घुमावदार मार्ग के केन्द्र में विख्यात कलाकार शंख चौधरी की कांसे में एक कृति है जो गांधी जी द्वारा अपने बलिदान से जलाई गई 'शाश्वत शिखा' का प्रतीक है।

गांधी स्मृति में गांधी जी के कमरे को ठीक उसी प्रकार रखा गया है जैसा यह उनकी हत्या के दिन था। उनकी सारी चीज़ें, उनका चश्मा, टहलने की छड़ी, एक चाकू, कांटा और चम्मच, वह खुरदुरा पत्थर जिसका इस्तेमाल वह साबुन की जगह करते थे, प्रदर्शन के लिए रखी गई हैं। उनका बिस्तर

जर्मन चांसलर माननीया सुश्री एंजेला मार्केल, माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के साथ गांधी स्मृति में स्थापित डिजिटल प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुए। श्री मोदी ने सुश्री मार्केल की इस यात्रा की अगवानी की।

गांधी स्मृति में स्थित गांधीजी के कक्ष का एक दृश्य।

फर्श पर बिछी एक चटाई पर था जो सफेद और सादा था जिसकी बगल में लकड़ी की एक नीची तख्ती रखी रहती थी। भगवद् गीता की एक पुरानी और उनके द्वारा उपयोग में आ चुकी एक प्रति भी रखी हुई है।

पूरे भवन को अब विभिन्न खंडों में विभाजित कर दिया गया है। भवन के मुख्य प्रवेश के दोनों तरफ महात्मा द्वारा रचित 'ए सर्वेंट्स प्रेयर यानी एक सेवक की प्रार्थना', और उनका शाश्वत–संदेश उनका जन्तर प्रदर्शित किया गया है।

मोहनदास करमचंद गांधी के महात्मा गांधी के रूप में क्रमिक विकास का चित्रण सरल व्याख्यान के साथ श्वेत–श्याम चित्रों की एक पट्टी के जरिये किया गया है। दक्षिणी हिस्से में एक सभागार और एक समिति कक्ष भी है।

इसके अतिरिक्त, प्रदर्शनी का समायोजन इस प्रकार किया गया है कि दक्षिणी हिस्सा मोहनदास करमचंद गांधी नामक एक बालक की जीवन यात्रा और उसके क्रमिक विकास और किस प्रकार अपने 'सत्य के प्रयोगों' के जरिये उसने भारत और मानवता के उद्धार का नेतृत्व किया, का सरल चित्रण दर्शाता है।

महात्मा गांधी की 150वीं जयन्ती पर उन्हें श्रद्धांजलि देने हेतु संग्रहालय में डिजिटल प्रदर्शनी भी स्थापित की गई है। इस प्रदर्शनी में महात्मा गांधी के नेतृत्व में भारत के स्वतंत्रता संघर्ष का इतिहास दर्शाया गया है। यहां स्थापित 'वैष्णव जन तो' का पैनल आगंतुकों के आकर्षण का विशेष केन्द्र है। इस पैनल में महात्मा गांधी के प्रिय भजन वैष्णव जन को विश्व के विभिन्न कलाकारों ने अपनी आवाज दी है। यह पहल माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की प्रेरणा से विदेश मंत्रालय, भारत सरकार ने की है, जिसमें विश्व के 124 देशों के लोगों ने इस भजन को अपनी मूल भाषा में गाया है।

दक्षिण खण्ड में लगी प्रदर्शनी में, उस बच्चे, जिसे मोहनदास करमचंद गांधी के नाम से हम जानते हैं का सफर और उनके उभार का वर्णन किया गया है, साथ ही यह दर्शाया गया है कि कैसे उन्होंने 'सत्य के साथ अपने प्रयोग' के माध्यम से भारत और मानवता का नेतृत्व किया।

उत्तरी हिस्से में पांच विभिन्न खण्ड हैं। पहला खण्ड, उस कमरे की ओर जाने वाली एक गैलरी है जिसमें गांधीजी ने अपने जीवन के अन्तिम 144 दिन व्यतीत किए। यह खण्ड शान्ति और शहादत की उनकी यात्रा को समर्पित है। इसके आगे दूसरा खण्ड है, यह एक अन्य कक्ष है जिसमें उनके जीवन के अन्तिम 48 घंटों पर विशेष ध्यान केंद्रित किया गया है जिसकी परिणति उनकी शहादत में हुई। इस खण्ड में एक सभागार भी है जिसमें महात्मा गांधी पर आधारित फिल्में दिखाने की सुविधाएँ मौजूद हैं।

उत्तरी हिस्से का तीसरा खण्ड 'गांधीजी के सपनों का भारत' और उन नियमों और सिद्धांतों को प्रदर्शित करता है जो इस सपने को साकार करने के लिए भावी पीढ़ियों के लिए वे अपनी विरासत के रूप में छोड़ कर गए है–18 सूत्री रचनात्मक कार्यक्रम। गांधीजी दुनिया के सामने वैज्ञानिक सुस्पष्टता के साथ भारत को विकास के एक मॉडल के रूप में प्रस्तुत करना चाहते थे। उनकी जीवन यात्रा समाप्त हो चुकी–राष्ट्रपिता दुनिया से चले गए है, लेकिन उनकी धरोहर अभी भी शेष है, और सबसे बढ़कर, एक अधूरा सपना एक चुनौती के रूप में हमारे सामने है और वह है 'उनके सपनों के भारत का निर्माण करना।'

चौथे खण्ड सुमना में कुल मिलाकर 28 अहाते/पट्टियाँ हैं। इस खण्ड में त्रिआयामी लघुचित्र स्थित हैं। इनमें महात्मा गांधी के जीवन की, उनके बचपन से शहादत तक की महत्वपूर्ण घटनाओं का चित्रण है। श्रीमती सुशीला रजनी पटेल द्वारा सृजित संग्रहालय का यह हिस्सा एक समृद्ध अनुभव प्रदान करता है।

पाँचवें खण्ड सन्मति, गांधी स्मृति साहित्य केन्द्र में एक छत के नीचे उपलब्ध गांधी साहित्य एवं अन्य सम्बन्धित पुस्तकों का एक विशाल संकलन है। एक विशेष खण्ड इसका व्याख्यान करने को समर्पित है कि किस प्रकार दुनिया महात्मा गांधी का सम्मान करती है।

पहले हिस्से में महात्मा गांधी के शानदार जीवन को कलाकारों की नज़रों से प्रदर्शित किया गया है। दूसरा हिस्सा गांधी द्वारा स्वयं पर की गई चर्चा है।

दीर्घा के मध्य में, लोगों को 2 मि. 30 सेकेंड के एक मल्टीमीडिया एनीमेशन के द्वारा समावेशित, आत्मलीन और महात्मा गांधी की उपस्थिति का

गांधी स्मृति के परगोला में स्थापित प्रदर्शनी 'मोहन से महात्मा' का अवलोकन करते हुए विभिन्न स्कूलों के बच्चे।

अहसास कराया जाता है जिसमें उनके बलिदान की दिशा में राष्ट्रपिता की अन्तिम यात्रा का वर्णन है। इसे विख्यात गायक कुमार गंधर्व के गायन द्वारा चित्रित किया गया है।

गांधी स्मृति परिसर में बने परगोला में सामयिक प्रदर्शनियाँ लगाई जाती हैं तथा अभी इसमें राष्ट्रीय अभिलेखागार द्वारा निर्मित विशेष प्रदर्शनी 'मोहन से महात्मा' प्रदर्शित है जिसको वरिष्ठ गांधीजन श्री अनुपम मिश्र के मार्ग. निर्देशन में तैयार किया गया है। इस प्रदर्शनी का उद्घाटन गांधी जयन्ती, 2 अक्तूबर, 2015 को माननीय संस्कृति मंत्री तथा समिति के उपाध्यक्ष डॉ. महेश शर्मा द्वारा किया गया।

अपनी यात्रा के दौरान आगंतुक एक भव्य 'विश्व शान्ति घंटे' का भी दर्शन करते हैं। इस स्थान पर 31 जनवरी, 1948 को राष्ट्रपिता के भौतिक अवशेष हज़ारों लोगों द्वारा श्रद्धांजलि दिए जाने के लिए रखे गए थे। भारत सरकार के विदेश मंत्रालय ने गांधी स्मृति को यह विश्व शान्ति घंटा भेंट स्वरूप दिया था। विदेश मंत्रालय को शान्ति घंटा इंडोनेशिया की विश्व शान्ति घंटा समिति से प्राप्त हुआ था और इसका उद्घाटन 11 सितम्बर, 2006 को सत्याग्रह के 100 वर्ष पूरे होने के अवसर पर आयोजित एक विशेष समारोह में किया गया था। यह विश्व को दुनिया भर के शांतिदूतों द्वारा किए गए बेशुमार संघर्षों की याद दिलाता है और एक दूसरे के साथ शान्ति के साथ सद्भावपूर्ण तरीके से जीने का संदेश देता है।

तत्कालीन बिरला हाउस में महात्मा गांधी द्वारा ध्यान के लिए उपयोग की गई शैय्या का गांधी स्मृति में प्रदर्शन।

यहां से आगंतुकों को उस कक्ष में ले जाया जाता है जहां बापू जी ने अपने जीवन के अन्तिम 144 दिन व्यतीत किए। जब वे इस कक्ष से बाहर आते हैं तब वे फोटो प्रदर्शनी जिसके साथ–साथ प्रत्यक्षदर्शियों की आखों देखी घटनाओं के विवरण भी शामिल होते हैं, के माध्यम से इन 144 दिनों के इतिहास से परिचित हो चुके होते हैं।

गांधी स्मृति में सृजन, खादी, कुटीर उद्योग एवं ग्रामीण विकास पर गांधीवादी दृष्टिकोण को प्रदर्शित करता है।

गांधी स्मृति में शहीद स्तम्भ के निकट कीर्ति मंडप पंडाल, जिसका नाम विख्यात सरोद वादक उस्ताद अमजद अली खान ने रखा है, के पास बड़े कार्यक्रमों के लिए 500 भागीदारों को समायोजित करने की क्षमता है।

समाज के वंचित वर्गों को कम्प्यूटर, सिलाई एवं कशीदाकारी, प्रारंभिक शिशु देखभाल एवं शिक्षा, समुदाय स्वास्थ्य, कताई एवं बुनाई, स्वांग एवं संगीत का कौशल प्रदान करने के लिए सृजन–गांधी स्मृति शैक्षणिक केंद्र की गांधी स्मृति में स्थापना की गई है। सृजन का उद्देश्य उन्हें इन व्यावसायिक पाठ्यक्रमों को सीखने में सहायता करना है जिससे कि उनमें स्व–सहायता, आत्मविश्वास एवं आजीविका कमाने के प्रति सम्मान का भाव भरा जा सके।

2005 में संग्रहालय में 'शाश्वत गांधी' शीर्षक की एक मल्टीमीडिया प्रदर्शनी जोड़ी गई जो भवन की पहली मंजिल पर स्थित है। इसमें अत्याधुनिक इलैक्ट्रॉनिक हार्डवेयर एवं नवीन मीडिया का उपयोग किया है जिससे कि गांधीजी के जीवन एवं दर्शन को जीवंत बनाया जा सके। दृष्टिकोण ऐतिहासिक एवं व्याख्यात्मक दोनों ही प्रकार का रहा है। 21वीं सदी की प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल करती यह प्रदर्शनी गांधीवादी विचारों को रेखांकित करती है– सच के सिद्धांतों के प्रति सत्याग्रही की प्रतिबद्धता। फाइबर शीशे से निर्मित बा एवं बापू के दो प्रतिमाएं, जो थाईलैंड के दंपति श्री डेचा सैसोमबून एवं श्रीमती विपा सैसोमबून की कृतियां हैं, को भी मल्टी–मीडिया संग्रहालय में रखा गया है।

ये सभी तत्व गांधी स्मृति को एक सम्पूर्ण संग्रहालय बनाते हैं।

(ख) गांधी दर्शनः राजघाट

दूसरा परिसर राजघाट पर महात्मा गांधी समाधि के निकट स्थित है।

महात्मा गांधी की शहादत के 21 वर्षों के बाद पूरी दुनिया ने 1969 में उनकी जन्म शताब्दी को उस प्रकार मनाना शुरू किया जो शांति के यात्री के अनुरूप है। उसके बाद महात्मा गांधी की जन्म शताब्दी मनाने के लिए 36 एकड़ में फैला परिसर अस्तित्व में आया। भारत के 13 राज्यों एवं सात दूसरे देशों ने गांधी दर्शन अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनी का सृजन किया। प्रदर्शनी का मुख्य उद्देश्य गांधी के संदेश और आधुनिक विश्व की पृष्ठभूमि में सत्य एवं अहिंसा के सिद्धांत तथा जिस प्रकार इसने राष्ट्र के जीवन को तथा आधुनिक विश्व को प्रभावित किया है, उसकी व्याख्या करना है।

आज गांधी दर्शन में दो प्रदर्शनियों के मंडप है "मेरा जीवन ही मेरा संदेश" और मिट्टी मॉडल से निर्मित "स्वतंत्रता संग्राम"।

मेरा जीवन ही मेरा संदेश शीर्षक की पहली दीर्घा में दीवारों पर सैकड़ों पुरालेखीय चित्र संक्षिप्त व्याख्याओं के साथ लगाए गए हैं। इनमें से कुछ तस्वीरों में एक बच्चे एवं एक युवा व्यक्ति के रूप में गांधी जी की दुर्लभ तस्वीरें हैं। एक अनुकृति उस घर की भी है जिसमें उनका जन्म हुआ था तथा सेना का वास्तविक वाहन भी है जिसमें उनके पार्थिव शरीर को अंत्येष्टि स्थल तक ले जाया गया था, जिसे अब राजघाट के नाम से जाना जाता है।

इसके अतिरिक्त, आगन्तुक गांधीजी के स्कूल की रिपोर्ट कार्ड, अखबारों की कतरन तथा कार्टून जो समसामयिक रिपोर्ट एवं उनकी गतिविधियों की समीक्षाओं को प्रदर्शित करती हैं, गांधीजी एवं लियो टॉल्सटॉय के बीच पत्रों का आदान–प्रदान, उनकी पत्नी तथा बच्चों की तस्वीरों एवं अन्य दिलचस्प सामग्रियां भी देख सकते है।

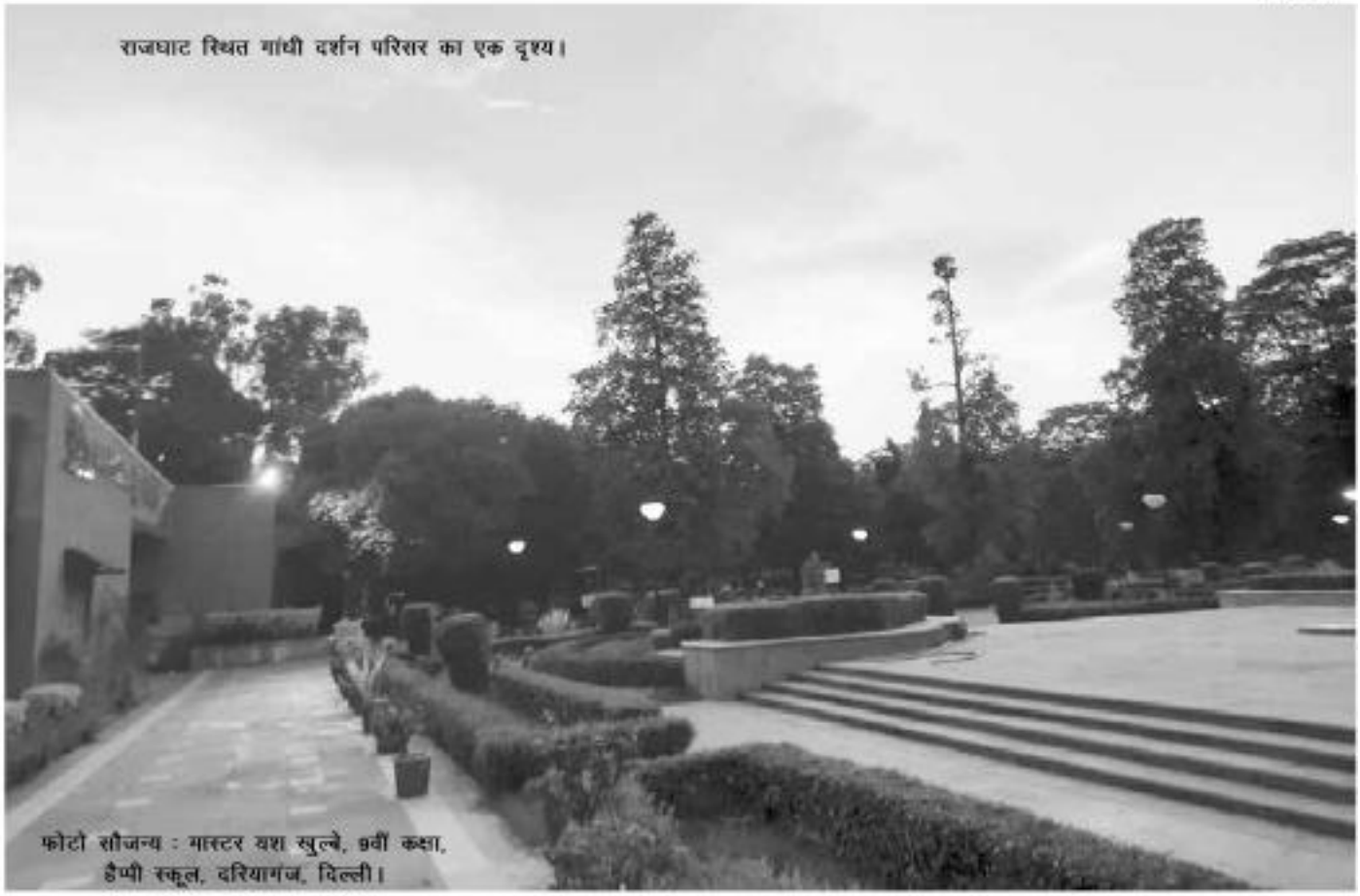

राजघाट स्थित गांधी दर्शन परिसर का एक दृश्य।

फोटो सौजन्य : मास्टर यश खुल्बे, 9वीं कक्षा, डैप्पी स्कूल, दरियागंज, दिल्ली।

इस प्रदर्शनी में गांधीजी की हत्या के बाद दुनिया भर के देशों में आने वाले वर्षों में जारी किए गए स्मारक टिकटों को प्रदर्शित किया गया है; दूसरी प्रदर्शनी में पत्रों को प्रदर्शित किया गया है जो उन्हें भेजे गए थे। विशेष रूप से ये पत्र दर्शाते हैं कि एक साधारण गुजराती वकील ने अपने जीवन काल में कितनी व्यापक प्रसिद्धि पाई।

उदाहरण के लिए, एक पत्र 'गांधीजी: वे चाहे जहां भी हों को संबोधित किया गया है, दूसरे पत्र मे जो न्यूयॉर्क से पोस्ट किया गया था लिफाफे पर केवल गांधीजी का रेखाचित्र यानि स्केच भर था।

संक्षेप में, 274 पट्टिकाओं के साथ इस मंडप में निम्नलिखित हैं:

1) पट्टिका संख्या 1 से 273 में गांधी जी के जन्म से लेकर हत्या तक की तस्वीरें हैं, जिनकी संख्या लगभग 1600 है।

2) पट्टिका संख्या 274 में महात्मा गांधी के जन्म शताब्दी वर्ष पर जारी की गई विभिन्न देशों के 75 टिकट हैं।

3) नमक सत्याग्रह के दौरान उपयोग में लाई गई नौका एवं तख्ती तथा बंदूक वाहन जिसमें महात्मा गांधी के पार्थिव अवशेष को बिड़ला भवन से राजघाट तक ले जाया गया, भी यहां रखा गया है।

4) यहां पर अनुकृतियां हैं:

- गुजरात के पोरबंदर में गांधी जी का घर
- साबरमती आश्रम
- यरवदा जेल।

समिति के पूर्व अभिरक्षक स्वर्गीय श्री अनिल सेनगुप्ता द्वारा संयोजित, निर्मित **भारत के स्वाधीनता संग्राम** पर आधारित चिकनी मिट्टी के पटल।

गांधी दर्शन राजघाट में स्थापित प्रसिद्ध रूसी मूर्तिकार श्री डमिटरी बोरिसोविच राइबिचेव द्वारा निर्मित गांधीजी की प्रतिमा।

1994 में, गांधीजी की 125वीं जन्म शताब्दी के दौरान, राष्ट्र को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री श्री नरसिम्हा राव ने औपचारिक रूप से राजघाट स्थित गांधी दर्शन में अंतरराष्ट्रीय गांधीवादी अध्ययन केन्द्र की स्थापना करने की घोषणा की। 30 जनवरी, 2000 को राष्ट्रपति के. आर. नारायणन ने प्रधानमंत्री तथा समिति के अध्यक्ष, श्री अटल बिहारी वाजपेयी एवं कई अन्य गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में परिसर में अंतरराष्ट्रीय गांधीवादी अध्ययन एवं शांति अनुसंधान केन्द्र के स्थापना की घोषणा करते हुए एक स्तम्भ का अनावरण किया।

ढांचागत सुविधाएं :

गांधी दर्शन, राजघाट पर उपलब्ध सुविधाएं

- गांधीजी द्वारा और उन पर लिखी हुई तथा संबंधित विषयों पर 15000 किताबों के साथ एक पुस्तकालय तथा दस्तावेजीकरण केन्द्र।
- 'मेरा जीवन ही मेरा संदेश है' प्रदर्शनी मंडप।
- सभी सुविधाओं से सुसज्जित सम्मेलन, संगोष्ठी एवं भाषण कक्ष।
- प्रवासी विद्वानों के लिए अंतरराष्ट्रीय छात्रावास।
- महात्मा गांधी से संबंधित स्थायी चित्र एवं किताबें।
- 100 व्यक्तियों को समायोजित करने की सुविधाओं के साथ शयनागार।
- प्रकाशन विभागः किताबों के साथ यह पत्रिका तथा एक समाचार पत्रिका का भी प्रकाशन करता है।
- चित्र इकाई।
- राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर की बड़ी बैठकों के लिए शिविर की सुविधा।
- संपर्क कार्यक्रमों के लिए खुली जगह।

समिति के उद्देश्य हैं:

1. गांधीवादी आदर्शों एवं दर्शन को बढ़ावा देने के लिए गतिविधियों की योजना बनाना एवं उन्हें आयोजित करना।
2. संग्रहालय से संबंधित मानक मानदंडों के अनुरूप गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति को खुला रखना तथा आगंतुकों को अधिकतम सुविधाएं प्रदान करने के लिए रखरखाव करना।
3. गांधी स्मृति संग्रहालय एवं गांधी दर्शन प्रदर्शनी दोनों में ही श्रोता विकास एवं संग्रहालय प्रबंधन संरचना को बढ़ावा देना।
4. प्रदर्शनी, फिल्मों, गांधीयाना, पोस्टरों एवं कला, संस्कृति एवं प्रौद्योगिकी के विभिन्न रूपों जैसे शैक्षणिक माध्यमों के जरिये महात्मा गांधी के जीवन एवं संदेश के प्रति जागरूकता पैदा करने के लिए कदमों को बढ़ावा देना।
5. दुर्लभ पुस्तकों, साहित्य, चित्रों, फिल्मों एवं दस्तावेज आदि समेत किताबों के पुस्तकालय को विकसित एवं संरक्षित करना।

1930 के दांडी मार्च में महात्मा गांधी द्वारा वेजलपुर, गुजरात में भीड़ को सम्बोधित करने हेतु इस्तेमाल की गई बेंच। इसे गांधी दर्शन राजघाट स्थित प्रदर्शनी 'मेरा जीवन ही मेरा संदेश है' में रखा गया है।

गांधी दर्शन, राजघाट स्थित प्रदर्शनी 'मेरा जीवन ही मेरा संदेश है' का मनमोहक दृश्य।

गांधी दर्शन परिसर में अध्ययनरत अंतरराष्ट्रीय स्कॉलर के लिए विश्रामगृह।

गांधी दर्शन स्थित प्रदर्शनी 'मेरा जीवन ही मेरा संदेश है' में रखा वाहन। तत्कालीन बिरला हाउस से राजघाट तक महात्मा गांधी की अंतिम यात्रा इसी वाहन से निकाली गई थी।

6. महात्मा गांधी के महत्वपूर्ण स्मृति चिन्हों को एकत्रित, संरक्षित एवं प्रदर्शित करना।
7. गांधीवादी कार्य एवं समाज की बेहतरी के लिए स्वयंसेवकवाद को बढ़ावा देना।
8. महात्मा गांधी के दर्शन एवं आदर्शों से संबंधित विभिन्न गतिविधियों के जरिये अंतिमजनों को अधिकार संपन्न बनाने का फोकस करना।
9. गांधीवादी मूल्यों एवं कार्यों को ग्रहण करने के लिए बच्चों, युवाओं, महिलाओं तथा अन्य समूहों की क्षमताओं का विकास करना जिससे कि गांधीवादी दर्शन को व्यावहारिक रूप से लागू करने के जरिये व्यवहारगत बदलाव/विकास लाया जा सके।
10. जरूरत के अनुरूप गांधी दर्शन एवं गांधी स्मृति के दोनों परिसरों तथा वहां की सभी चल एवं अचल संपत्तियों की पुर्नबहाली, सुरक्षा एवं प्रबंधन।
11. महात्मा गांधी के बारे में एवं जिन मूल्यों को उन्होंने प्रचारित किया, उसके बारे में लोगों के विभिन्न वर्गों की जानकारी बढ़ाने के लिए पत्रिकाओं का प्रकाशन।
12. समसामयिक मुद्दों के संदर्भ में गांधीवादी दर्शन पर अंतःविषय अनुसंधान का संचालन।
13. शिक्षा पर गांधीवादी दृष्टिकोण को प्रोत्साहित करना एवं उनका संवर्द्धन करना तथा शांति, पारिस्थितिकी सुरक्षा, समानता और न्याय के लिए शिक्षा को सुगम बनाना।
14. महात्मा गांधी एवं गांधीवादी दर्शन की बेहतर एवं गहरी समझ के लिए विभिन्न विश्वविद्यालयों तथा शैक्षणिक संस्थानों के साथ व्यापक तरीके से काम करना।
15. गांधीवादी रचनात्मक कार्य के एक हिस्से के रूप में व्यवसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रमोंएवंअन्यआजीविका पहलों के जरिये समाज के कमजोर वर्गों को अधिकार संपन्न बनाना।
16. समाज की चुनौतिपूर्ण समस्याओं पर विचार करना एवं उन्हें दूर करने के लिए कार्य करना।
17. सामूहिक जीवन, सामूहिक काम, शांति एवं अहिंसा की संस्कृति के लिए काम करने के लिए विभिन्न हितधारकों को शामिल करना।
18. खासकर सुदूर क्षेत्रों में महात्मा गांधी के जीवन एवं संदेश को पहुंचाना।
19. ऐसी अन्य गतिविधियां शुरू करना तथा सभी पूर्ववर्ती शासनादेशों को पूरा करना और उपरोक्त उद्देश्यों को पूरा करने के लिए अन्य संस्थानों के साथ सहयोग करना।

1930 के ऐतिहासिक दांडी मार्च के दौरान महात्मा गांधी द्वारा प्रयुक्त नांव।

समिति की संरचना

शासी निकाय

अध्यक्ष

माननीय प्रधानमंत्री

उपाध्यक्ष

श्री प्रहलाद सिंह पटेल, माननीय संस्कृति मंत्री

सदस्य

प्रभारी मंत्री, संस्कृति मंत्रालय
दिल्ली के उपराज्यपाल
दिल्ली के मेयर
श्री लक्ष्मीदास
श्री शंकर कुमार सान्याल
सुश्री रजनी बख्शी
श्री नारायण भाई भट्टाचार्जी
डॉ. हर्षवर्धन कामराह
सुश्री निलिमा वर्धन
डॉ. सुपर्णा गोप्रु
सचिव, संस्कृति मंत्रालय
प्रधानमंत्री के सूचना सलाहकार
प्रमुख इंजीनियर, सीपीडब्ल्यूडी
सचिव (व्यय), वित्त मंत्रालय
सचिव, शहरी विकास मंत्रालय
दिल्ली के आयुक्त, दिल्ली नगर निगम
अध्यक्ष/प्रशासक, नई दिल्ली पालिका समिति

सदस्य सचिव

संयुक्त सचिव, संस्कृति मंत्रालय

कार्यकारी समिति

अध्यक्ष,

श्री प्रहलाद सिंह पटेल

सदस्य

श्री लक्ष्मीदास
श्री शंकर कुमार सान्याल
सुश्री रजनी बख्शी

सदस्य सचिव

संयुक्त सचिव, संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार

निदेशक

श्री दीपंकर श्री ज्ञान (झा.प्र.से)

कार्यक्रम की समय रेखा

अप्रैल 2019-जनवरी 2020

क्रम संख्या	अप्रैल 2019 से जनवरी 2020 तक स्वीकृत कार्यक्रम	कार्यक्रम के आयोजन की तारीख	स्थान	कार्यक्रम का विवरण
1	वंचितों के लिए थियेटर कार्यशाला	1–6 अप्रैल, 2019	आदर्श प्राइमरी स्कूल नोएडा	इस कार्यशाला में रंगमंच के साथ–साथ बच्चों को चरित्र निर्माण, संवाद, बॉडी लैंग्वेज और स्टेज का मुकाबला करने का भी प्रशिक्षण दिया गया। कार्यक्रम में लगभग 100 बच्चों ने हिस्सा लिया।
2	भारत में महात्मा गांधी की प्रथम सजा के 100 साल पूर्ण होने पर कार्यक्रम	10 अप्रैल, 2019	पलवल, हरियाणा	महात्मा गांधी की पहली गिरफ्तारी की 100वीं वर्षगांठ पर गांधी स्मृति आश्रम ट्रस्ट पलवल और गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति राजघाट, नई दिल्ली द्वारा 10 अप्रैल, 2019 को एक सर्व–धर्म प्रार्थना का आयोजन किया गया।
3	जलियांवाला बाग नरसंहार के 100 साल : श्रद्धांजलि	13 अप्रैल, 2019	जलियांवाला बाग, अमृतसर	13 अप्रैल, 2019 को जलियांवाला बाग की घटना के शताब्दी समारोह कार्यक्रम के तहत गाँधी स्मृति एवं दर्शन समिति ने पहल की. इस पहल में दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के संस्थानों सहित कई संस्थानों ने भाग लिया।
4	स्वास्थ्य शिविर	13 अप्रैल और 22 अप्रैल, 2019	नई दिल्ली	पहला शिविर 13 अप्रैल, 2019 को गाँधी स्मृति एवं दर्शन समिति के कर्मचारियों और परिवार के सदस्यों के लिए आयोजित किया गया था। शिविर में लगभग 150 व्यक्तियों ने हिस्सा लिया। दूसरा शिविर बेला गाँव की झुग्गी के लिए आयोजित किया गया था। एम्स के डॉक्टरों ने इस शिविर का आयोजन किया था। बेला गाँव की झुग्गी बस्ती के लगभग 750 लोगों की जांच की।
5	वकील के रूप में महात्मा गांधी नामक प्रदर्शनी का उद्घाटन	22 अप्रैल, 2019	साकेत, नई दिल्ली	इस प्रदर्शनी का उद्घाटन न्यायमूर्ति आशा मेनन, जिला एवं सत्र न्यायाधीश, दक्षिण पूर्व जिला, साकेत न्यायालय द्वारा किया गया।
6	अहिंसक संचार के माध्यम से न्यायपालिका में मध्यस्थता की शक्ति का महत्व	27 अप्रैल, 2019	साकेत, नई दिल्ली	जिला और सत्र न्यायालय, साकेत, नई दिल्ली के परिसर में "अहिंसक संचार" पर एक सत्र आयोजित किया गया था। इस कार्यक्रम की अगुवाई जस्टिस आशा मेनन, जिला एवं सत्र न्यायाधीश, दक्षिण ने की।
7	चित्तौड़गढ़ के आदिवासी बच्चों के साथ बातचीत	1–2 मई, 2019	नई दिल्ली	चित्तौड़गढ़ राजस्थान की भील जनजाति के 75 से अधिक प्रतिभागियों ने दो दिवसीय परिचर्चात्मक सत्र में भाग लिया।
8	आपसी सह–अस्तित्व और सुखी जीवन पर स्कूली बच्चों के लिए कार्यशाला	3–4 मई, 2019	स्वरुप नगर, नई दिल्ली	कार्यशाला का उद्देश्य मानव से मानव, मानव से प्रकृति और मानव से वन्यजीव के बीच आपसी सह–अस्तित्व को बढ़ावा देना था, ताकि हर प्राणी सुख से रह सके। कार्यक्रम में लगभग 100 बच्चों ने हिस्सा लिया।
9	आपसी सह–अस्तित्व और सुखी जीवन पर स्कूली बच्चों के लिए कार्यशाला	6 मई, 2019	महरौली, नई दिल्ली	कार्यशाला के संचालन का उद्देश्य बच्चों को "मैं और हम" की यात्रा के माध्यम से माइंडफुलनेस का अभ्यास करने के लिए प्रेरित करना था। कार्यक्रम में लगभग 100 बच्चों ने हिस्सा लिया।
10	किशोरों और सुधार गृह के बच्चों के लिए कार्यशाला	16–17 मई, 2019	नोएडा, उत्तर प्रदेश	कार्यशाला का उद्देश्य कुछ केन्द्रीय विषयों की ओर बच्चों का ध्यान आकर्षित करना था, जो संगठन उन्हें सोचने और बच्चों के विशेष समूह की सोच प्रक्रियाओं में मामूली बदलाव करने के लिए प्रोत्साहित करता है।
11	आपसी सह–अस्तित्व और सुखी जीवन पर स्कूली बच्चों के लिए कार्यशाला	17 मई, 2019	बुराड़ी, नई दिल्ली	स्वस्तिक पब्लिक स्कूल, इब्राहिमपुर गाँव, के बच्चों को सहअस्तित्व के महत्व से अवगत कराना और यह समझाना कि प्रकृति, मानव और वन्य जीवन का एक साथ रहना कितना महत्वपूर्ण है। कार्यक्रम में लगभग 100 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।
12	सूचनात्मक समाज में पुस्तकालयों के बदलते कार्य पर पर संगोष्ठी	18 मई, 2019	गाँधी दर्शन राजघाट, नई दिल्ली	कार्यक्रम में लगभग 150 प्रतिभागियों ने भाग लिया जिसमें डीपीएल के तत्वावधान में विभिन्न संस्थानों/पुस्तकालयों से पुस्तकाल्याध्यक्ष शामिल थे। संगोष्ठी का अन्य उप–विषय "गांधी और शांतिः पुस्तकाल्याध्यक्षों के लिए प्रासंगिकता" था।

13	रंग और कूची के माध्यम से गांधी विचारों की अभिव्यक्ति	18–21 मई, 2019	गाँधी दर्शन, नई दिल्ली	उत्तर–मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र इलाहाबाद, उत्तर प्रदेश के सहयोग से गाँधी स्मृति एवं दर्शन समिति ने 18 से 21 मई, 2019 तक गांधी दर्शन में "कार्यशाला–सह–चित्रकला प्रदर्शनी" का आयोजन किया। दिल्ली, गाजियाबाद और उत्तर प्रदेश के कलाकारों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया।
14	'गांधीवादी अर्थशास्त्र और समकालीन समाज' पर प्रदर्शनी	22 मई, 2019	साकेत जिला न्यायालय, दिल्ली	गाँधी स्मृति एवं दर्शन समिति द्वारा "गांधीवादी अर्थशास्त्र और समकालीन समाज" पर डिजाइन और शोधित प्रदर्शनी का उद्घाटन 22 मई, 2019 को नई दिल्ली के साकेत जिला न्यायालय में किया गया।
15	स्वास्थ्य शिविर	26 मई, 2019	बुराड़ी, नई दिल्ली	अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) के डॉक्टरों के साथ मिलकर गाँधी स्मृति एवं दर्शन समिति और हेल्दी एजिंग इंडिया ने 26 मई, 2019 को बुराड़ी में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया। इसमें लगभग 200 लोगों ने हिस्सा लिया। स्वास्थ्य शिविरों की श्रृंखला महात्मा गांधी की 150वीं जयंती समारोह के भाग के रूप में विभिन्न स्लम बस्तियों में आयोजित की गई थी।
16	कोलकाता हवाई अड्डे पर गाँधी स्मृति एवं दर्शन समिति द्वारा 'गांधी गैलरी' की स्थापना	मई, 2019	पश्चिम बंगाल	एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एएआई), कोलकाता के सहयोग से समिति ने "गांधी गैलरी" (मोहन से महात्मा) की स्थापना की। महात्मा गांधी की 150वीं जयंती के अवसर पर नेताजी सुभाष चंद्र बोस इंटरनेशनल एयपोर्ट पर यह गैलरी स्थापित की गयी है। महात्मा के जीवन, विचारों, दर्शन और गतिविधियों पर आधारित इस गैलरी का उद्घाटन पश्चिम बंगाल के माननीय राज्यपाल श्री के. सी. त्रिपाठी ने किया।
17	गाँधी समर स्कूल	27–31 मई, 2019	असम	समिति द्वारा असम के राज्य बाल भवन में, पांच दिवसीय गांधी समर स्कूल का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में लगभग 82 बच्चों ने भाग लिया। इस समर स्कूल में कॉमिक्स, माइम, स्टोरी टेलिंग, कठपुतली और न्यूज़लैटर पर कार्यशाला आयोजित की गई।
18	प्रकाशन	मई, 2019	गाँधी स्मृति एवं दर्शन समिति, नई दिल्ली	महात्मा गांधी की 150वीं जयंती के अवसर पर समिति ने "गांधी 150 श्रृंखला" के तहत कुछ प्रकाशनों को शुरू करने की पहल की है : 1. गांधी शतकोत्तर– श्री रामउपदेश सिंह विदेह 2. पंचायती राज– श्री लक्ष्मीदास 3. आधुनिक भारत के गुमनाम समाज शिल्पी– डॉ. प्रमोद कुमार 4. गांधी युग के हास्य–व्यंग्य– सम्पादक श्री प्रवीण दत्त शर्मा 5. सामाजिक आन्दोलन– श्री लक्ष्मीदास 6. Unsung builders of modern Bharat–डॉ. प्रमोद कुमार 7. Nonviolent Communication : A Gandhian Approach – डॉ. वेदाभ्यास कुंडू 8. Ethics Matters! The time is now!!– श्री राहुल शरण
19	विश्व पर्यावरण दिवस पर संगोष्ठी	4 जून, 2019	गाँधी स्मृति एवं दर्शन समिति, नई दिल्ली	'इकोसॉफिकल सोसाइटी' के सहयोग से समिति ने विश्व पर्यावरण दिवस की पूर्व संध्या पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया। 4 जून, 2019 को गांधी दर्शन में आयोजित इस संगोष्ठी में लगभग 60 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।
20	लोक अभियोजकों के लिए अहिंसक संचार पर कार्यशाला	12 जून, 2019	नई दिल्ली	कार्यशाला का संचालन समिति के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. वेदाभ्यास कुंडू ने किया। उन्होंने गांधीवादी अहिंसा, अहिंसक संचार के विभिन्न तत्वों और कैसे सरकारी अभियोजक अपने पेशेवर काम में साधनों का उपयोग कर सकते हैं, के बारे में बताया।
21	महात्मा गांधी के रचनात्मक कार्यक्रम पर संगोष्ठी और 'Mahatma Gandhi's Vision : Radhakrishna's Action' पुस्तक का विमोचन	19 जून, 2019	गाँधी स्मृति, नई दिल्ली	गाँधी स्मृति एवं दर्शन समिति, नई दिल्ली के सहयोग से राधाकृष्ण प्रतिष्ठान ने 19 जून, 2019 को गांधी स्मृति में "महात्मा गांधी के रचनात्मक कार्यक्रमों "पर एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया। प्रसिद्ध गांधीवादी के राधाकृष्ण की 26वीं पुण्यतिथि के मौके पर आयोजित इस कार्यक्रम का आरम्भ 'महात्मा गांधी के रचनात्मक कार्यक्रमों पर एक संगोष्ठी के साथ हुआ। सेमिनार में गांधीवादी संगठनों के 75 कार्यकर्ताओं ने भाग लिया।
22	5वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन	21 जून, 2019	राजा गार्डन, नई दिल्ली	21 जून, 2019 को राजा गार्डन, नई दिल्ली में होमगार्ड के महानिदेशालय में 5वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस को मनाने के लिए लगभग 1000 प्रतिभागी शामिल हुए। उत्साही प्रतिभागियों ने योगाभ्यास किया। योगाचार्य दिलीप तिवारी व सहायकों ने योग सत्र का संचालन किया।

23	5वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर दिल्ली होमगार्ड्स के साथ प्राकृतिक चिकित्सा पर संगोष्ठी	21 जून, 2019	राजा गार्डन, नई दिल्ली	5वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर, गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति, नई दिल्ली के स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम के एक भाग के रूप में प्राकृतिक चिकित्सा पर एक सेमिनार का आयोजन किया गया था। वरिष्ठ प्राकृतिक विशेषज्ञ डॉ. मंजू अग्रवाल ने संगोष्ठी का संचालन किया और प्राकृतिक चिकित्सा उपचार के विभिन्न लाभों पर चर्चा की।
24	5वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर कार्यक्रम	21 जून, 2019	गांधी दर्शन, नई दिल्ली	गांधी दर्शन परिसर में लगभग 200 प्रतिभागी 21 जून, 2019 को 5वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का जश्न मनाने के लिए एकत्रित हुए। गांधी दर्शन परिसर में इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) आरसी 2, खादी और ग्रामोद्योग आयोग केवीआईसी के प्रतिभागियों ने योग दिवस समारोह में भाग लिया। नेहा, अमित, मनोज के साथ योग चिकित्सकों वरुण नौटियाल ने योगासन किए।
25	महात्मा गांधी और लोकनायक जयप्रकाश नारायण के समाज को मजबूत करने की दिशा में योगदान पर संवाद कार्यक्रम	25 जून, 2019	गांधी दर्शन, नई दिल्ली	लोकनायक जयप्रकाश नारायण संस्थान के सहयोग से समिति ने 25 जुलाई, 2019 को गांधी दर्शन में महात्मा गांधी और लोकनायक जयप्रकाश नारायण के समाज को मजबूत करने की दिशा में योगदान विषय पर एक संवाद का आयोजन किया। इस कार्यक्रम ने जयप्रकाश नारायण के एक कार्यकर्ता, सिद्धांतवादी, समाजवादी और राजनीतिक नेता के रूप और महात्मा गांधी की अहिंसा और सत्याग्रह की शाश्वत अवधारणा को रेखांकित किया। लगभग 90 लोगों ने चर्चा में भाग लिया। सिक्किम के पूर्व राज्यपाल, श्री बी. के. सिंह इस अवसर पर मुख्य अतिथि थे।
26	समिति के माननीय उपाध्यक्ष द्वारा राष्ट्रपिता को श्रद्धांजलि अर्पित की	29 जून, 2019	गांधी स्मृति, नई दिल्ली	गाँधी स्मृति एवं दर्शन समिति के नए उपाध्यक्ष और केन्द्रीय संस्कृति और पर्यटन मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री प्रह्लाद सिंह पटेल ने 29 जून, 2019 को गांधी स्मृति में राष्ट्रपिता को श्रद्धांजलि अर्पित की। गाँधी स्मृति का यह उनका पहला दौरा था।
27	"महात्मा गांधी की 150वीं वर्षगांठ और विश्व शांति के लिए हिमालय की बौद्ध सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण पर तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन"	26–28 जून, 2019	लेह	महात्मा गांधी की 150वीं जयंती के अवसर पर हिमालय के बौद्ध सांस्कृतिक धरोहरों के संरक्षण के लिए तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन, महाबोधि अंतरराष्ट्रीय ध्यान केन्द्र, लेह, लद्दाख और समिति द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया गया था। आज के अशांत समय में विश्व शांति की आवश्यकता के बारे में जागरूकता पैदा करने और आध्यात्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से यह कार्यक्रम आयोजित किया गया।
28	प्रकाशन	जून, 2019	नई दिल्ली	डॉ. वाई. पी. आनंद की पुस्तक "Gandhian Economic Principles" का प्रकाशन।
29	दो दिवसीय मीडिया कार्यशाला	6–7 जुलाई, 2019	गांधी दर्शन, नई दिल्ली	इस कार्यशाला में मीडिया और पत्रकारिता पेशे के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की गई। पत्रकारिता के विभिन्न कॉलेजों, संस्थानों और विश्वविद्यालयों के लगभग 100 छात्रों ने भाग लिया।
30	महात्मा गांधी का भाषा चिंतन	10 जुलाई, 2019	गांधी दर्शन, नई दिल्ली	राजभाषा कार्यान्वयन समिति ने "महात्मा गांधी का भाषा चिन्तन" विषय पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया। संगोष्ठी में दिल्ली और आसपास के विभिन्न क्षेत्रों के विभिन्न सार्वजनिक उपक्रमों ने भाग लिया। सेमिनार में गांधीवादी साहित्य पर एक पुस्तक बिक्री काउंटर भी स्थापित किया गया था और इसे उत्साही प्रतिभागियों द्वारा पसंद किया गया।
31	प्रभाष प्रसंग में महात्मा गांधी के विचारों की झलक	15 जुलाई, 2019	गांधी दर्शन, नई दिल्ली	वरिष्ठ पत्रकार प्रभाष जोशी की स्मृति में 10वें प्रभाष प्रसंग व्याख्यान का आयोजन किया गया।
32	"गांधी और मंडेला की विरासत और समकालीन प्रासंगिकता" पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन	18–19 जुलाई, 2019	गांधी भवन, दिल्ली विश्वविद्यालय	दिल्ली विश्वविद्यालय के गांधी भवन में "गांधी, मंडेला की विरासत और समकालीन प्रासंगिकता" विषय पर दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आगाज गांधी और मंडेला पर आधारित फोटो–प्रदर्शनी के उद्घाटन के साथ हुआ। इसका शुभारम्भ दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. योगेश कुमार त्यागी ने किया.
33	23 अगस्त को "शांतिसेना दिवस" के रूप में मनाने को लेकर परामर्श बैठक – "एक नॉन वायलेंस और नॉन किलिंग करने वाले भारत की ओर"	20 जुलाई, 2019	गांधी दर्शन, नई दिल्ली	समिति ने 20 जुलाई, 2019 को गांधी दर्शन, राजघाट में एक परामर्शी बैठक का आयोजन किया, जिसमें हर साल 23 अगस्त को "शांतिसेना दिवस–टुवर्ड्स नॉन–वायलेंट एंड नॉन–किलिंग इंडिया" के रूप में मनाया जाना प्रस्तावित था। बैठक की अध्यक्षता गांधी शांति मिशन, केरल के अध्यक्ष प्रो. एन. राधाकृष्ण ने की।

34	दिल्ली न्यायिक अकादमी में नवनियुक्त न्यायिक अधिकारियों का अहिंसक संचार में प्रशिक्षण कार्यक्रम	27 जुलाई, 2019	दिल्ली न्यायिक अकादमी	लगभग 100 नवनियुक्त न्यायिक अधिकारियों ने इस प्रशिक्षण में भाग लिया। प्रशिक्षण का संचालन प्रोफेसर टी. के. थॉमस, वरिष्ठ सीडिया शिक्षकों और डॉ. वेदाभ्यास कुंडू, कार्यक्रम अधिकारी, गांधी स्मृति और दर्शन समिति द्वारा किया गया था।
35	"लिंग संवेदीकरण और मासिक धर्म स्वास्थ्य पर कार्यशाला का आयोजन	26 जुलाई, 2019	कल्याणपुरी पुलिस स्टेशन, नई दिल्ली	इंस्टीच्यूट ऑफ सोशल स्टडीज ट्रस्ट (ISST) के सहयोग से समिति ने 26 जुलाई, 2019 को कल्याणपुरी पुलिस स्टेशन में "लिंग संवेदीकरण और मासिक धर्म स्वास्थ्य" पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया। कार्यशाला का उद्देश्य 'लिंग संवेदीकरण और मासिक स्वास्थ्य और स्वच्छता' के बारे में लोगों की सोच में बदलाव करने को प्रेरित करना था। कार्यशाला में किशोरियों, घरेलू कामगारों, गृहिणियों और स्थानीय समुदाय के अन्य लोगों ने हिस्सा लिया।
36	एमसीडी प्राइमरी स्कूल के शिक्षकों के लिए गांधी कथा का आयोजन	27 जून, 2019	दिल्ली	गांधीवादी फोरम फॉर एथिकल कॉर्पोरेट गवर्नेंस (SCOPE) ने महात्मा गांधी की 150वीं जयन्ती के उपलक्ष्य में प्राथमिक कक्षा के छात्रों के लिए गांधी कथा आयोजित की, इसमें दिल्ली नगर निगम (उत्तर और दक्षिण क्षेत्र) के पच्चीस शिक्षकों व विद्यार्थियों ने भाग लिया।
37	जगन्नाथ पुरी में स्वच्छता अभियान	4–14 जुलाई, 2019	ओड़िशा	गांधी स्मृति और दर्शन समिति द्वारा ओड़िशा की जगन्नाथ पुरी रथ यात्रा में भाग लिया गया, जिसमें एक विशेष स्वच्छता अभियान की शुरुआत की गयी। समिति के स्वयंसेवकों और कर्मचारियों द्वारा जगन्नाथ मंदिर, रथ यात्रा के मार्गों और पुरी के समुद्र तट पर नियमित श्रमदान व सफाई अभियान चलाया गया।
38	गांधी गैलरी–कोलकाता हवाई अड्डे पर "महात्मा गांधी व्याख्या केंद्र" का शुभारम्भ	25 जुलाई, 2019	पश्चिम बंगाल	पश्चिम बंगाल के माननीय राज्यपाल, श्री केशरी नाथ त्रिपाठी ने 25 जुलाई, 2019 को नेताजी सुभाष चन्द्र बोस अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे, कोलकाता में महात्मा गांधी की 150वीं जयंती के अवसर पर आयोजित एक विशेष समारोह में "गांधी गैलरी–महात्मा गांधी व्याख्या केन्द्र" का उद्घाटन किया।
39	"73 आवर्स ऑफ हैंड राइटिंग चेंज आइडियाज फॉर द नेशन" पैन इंडिया का एक अभियान	अगस्त, 2019	देश भर में	भारत का 73वाँ स्वतंत्रता दिवस इस वर्ष पूरे भारत में महात्मा गांधी के परिवर्तन मंत्र से प्रेरित होकर मनाया गया। समिति द्वारा कोच्चि स्थित गैर–लाभकारी संस्था के साथ मिलकर "73 घंटे राइटिंग चेंज आइडियाज़ ऑफ नेशन' के तौर पर एक अनूठा अभियान शुरू किया। इसके तहत पूरे भारत में छात्रों को एक सामाजिक परिवर्तन विचार को पोस्टकार्ड पर उतारने के लिए आमंत्रित किया गया। महात्मा गांधी का परिवर्तन मंत्र "स्वयं वह परिवर्तन बनिए जो आप दुनिया में देखना चाहते हैं" से प्रेरित इस अभियान को जाति, पंथ और धर्म के बंधन से परे भारत के ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों और अनेक संस्थानों का शानदार समर्थन मिला।
40	गांधी 150 पर ग्राम स्वराज पदयात्रा	16–19 अगस्त, 2019	दमोह, मध्य प्रदेश	महात्मा गांधी की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में, समिति ने महात्मा गांधी के जीवन, संदेश और दर्शन को समाज के विभिन्न वर्गों तक ले जाने के उद्देश्य से एक "ग्राम स्वराज पदयात्रा" का आयोजन किया। ग्राम स्वराज पदयात्रा का नेतृत्व माननीय संस्कृति मंत्री और समिति के उपाध्यक्ष, श्री प्रहलाद सिंह पटेल ने किया। यह पदयात्रा मध्य प्रदेश में जिला अनंतपुर से दमोह तक निकाली गयी।
41	प्रति वर्ष 23 अगस्त को 'शांति सेना दिवस' के रूप में मनाने के विषय पर प्रेस सम्मेलन	1 अगस्त, 2019	नई दिल्ली	महात्मा गांधी द्वारा परिकल्पित शांति सेना, जिसे विनोबा भावे द्वारा आगे बढाया गया। गांधीवादी संगठनों के एक समूह द्वारा शांति सेना को पुनर्जीवित होने की संभावना है। 1 अगस्त, 2019 को नई दिल्ली में गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति, गांधी शांति मिशन और अखिल भारतीय हरिजन सेवक संघ ने अन्य संगठनों के साथ मिलकर एक प्रेस सम्मेलन किया जिसमें, 23 अगस्त को शांति सेना दिवस के रूप में मनाने का प्रस्ताव रखा गया।
42	चाय, कॉफी और म्यूज़िक के माध्यम से 'जिम्मेदार देशभक्ति' के विचारों का प्रकटीकरण	14 अगस्त, 2019	नई दिल्ली	मंजिल मिस्टिकसंस्था के साथ समिति ने गांधी दर्शन, राजघाट में 73वें स्वतंत्रता दिवस के जश्न के रूप में और महात्मा की 150वीं जयन्ती के अवसर पर 'जिम्मेदार देशभक्ति' के विषय पर "चाय, कॉफी और म्यूज़िक" कार्यक्रम का आयोजन किया। इसमें लगभग 150 प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिसमें छात्र, जीवन के विभिन्न क्षेत्रों के संरक्षक, सेना के जवान, वरिष्ठ संगीतकार शामिल थे।

43	नवनियुक्त सहायक सचिवों (IAS अधिकारियों) के लिए गांधीवादी दर्शन पर ओरिएण्टेशन कार्यक्रम	9 अगस्त, 2019	नई दिल्ली	समिति ने नवनियुक्त सहायक सचिवों का एक दिवसीय ओरिएण्टेशन कार्यक्रम आयोजित किया। प्रतिभागियों को गांधी दर्शन, राष्ट्रीय गांधी संग्रहालय और गांधी दर्शन के मण्डप का दौरा भी करवाया गया। इसमें करीब 160 सहायक सचिवों ने भाग लिया। इस अवसर पर गांधीवादी दर्शन और आदर्शों पर महात्मा गांधी के प्रपोत्र श्रीकृष्ण कुलकर्णी, आईआईएम, कोलकाता ने व्याख्यान प्रस्तुत किया।
44	महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि के रूप में खादी के लिए हस्ताक्षर	10 अगस्त, 2019	नई दिल्ली	'खादी के लिए संकल्प'– इनक्लेडिबल ट्रांसफॉर्मिंग चैरिटेबल फाउण्डेशन (ITCF) द्वारा समिति के सहयोग से गांधीजी की 150वीं जयंती और चरखे की 100वीं वर्षगांठ के अवसर पर खादी के लिए हस्ताक्षर कार्यक्रम का आयोजन किया। 10 अगस्त, 2019 को नई दिल्ली के चाणक्यपुरी में आयोजित एक कार्यक्रम में अपने तरह के पहले फैशन शो का आयोजन किया गया, जहां 7 राज्यों के बुनकरों ने अपने विशेष शिल्प का प्रदर्शन किया, जिसमें आजादी के वस्त्र खादी का प्रचार किया गया।
45	जामा मस्जिद में ईद–उल–जुहा पर स्वच्छता अभियान का आरम्भ	11 अगस्त, 2019	नई दिल्ली	समिति ने मौलाना अबुल कलाम आजाद फाउण्डेशन के साथ मिलकर 11 अगस्त, 2019 को ईद–उल–जुहा के अवसर पर जामा मस्जिद में एक स्वच्छता अभियान का आयोजन किया। समिति से श्री अरबिंदो मोहंती ने मौलाना अबुल कलाम आजाद फाउण्डेशन के अध्यक्ष इमरान खान के साथ कार्यक्रम का समन्वय किया। इस अभियान में समिति के कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। बाद में शाही इमाम बुखारी के साथ एक बैठक हुई। कार्यक्रम में लगभग 50 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।
46	गांधी दर्शन में गांधी वार्ता का शुभारम्भ	14 अगस्त, 2019	नई दिल्ली	युवाओं के बीच महात्मा गांधी के संदेश को फैलाने के उद्देश्य से गांधी दर्शन में एक विशेष कार्यक्रम में "गांधी वार्ता" की शुरुआत की, यह कार्यक्रम महात्मा गांधी की 150वीं जयंती के अवसर पर आयोजित किया गया।
47	73वाँ स्वतंत्रता दिवस समारोह	15 अगस्त, 2019	नई दिल्ली	समिति के निदेशक ने 15 अगस्त, 2019 को गांधी दर्शन,राजघाट में 73वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर तिरंगा फहराया और एक ईमानदार समाज की स्थापना के लिए महात्मा गांधी के दृष्टिकोण को अपनाने की प्रेरणा दी। स्टाफ सदस्यों से समाज के लिए रचनात्मक कार्य करने का आह्वान करते हुए, निदेशक श्री दीपंकर श्री ज्ञान ने कहा कि सभी को समाज के लिए योगदान देना चाहिए। स्टाफ सदस्यों के बच्चों ने इस अवसर पर सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ दीं।
48	एम्स के 19वें द्विवार्षिक सम्मेलन पर "सिल्वर इंडिया" का समर्थन करने पर चर्चा	17–18 अगस्त, 2019	नई दिल्ली	जियोफिजिक्स विभाग, AIIMS द्वारा एनाटॉमी विभाग और जेरिएट्रिक मेडिसिन विभाग और स्वास्थ्य मंत्रालय के सहयोग से "जेरोन्टोलॉजी (भारत) एसोसिएशन के 19वें द्विवार्षिक सम्मेलन में पॉल्यूशन एजिंग के उभरते परिदृश्य पर बहु–विषयक कार्यशालाओं का आयोजन किया गया। समिति, हेल्प एज इंडिया, इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च और इंडियन एजिंग कांग्रेस के तत्वावधान में 17–18 अगस्त, 2019 को अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान में यह सम्मेलन आयोजित हुआ। सम्मेलन का विषय था "एजिंग वर्ल्ड में कल्याण के प्रतिमानों को बदलना।
49	एक विद्यार्थी–एक पेड़ : वृक्षारोपण कार्यक्रम	23 अगस्त, 2019	नई दिल्ली	गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति और इग्नू आरसी –2 ने संयुक्त रूप से इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय में विभिन्न पाठ्यक्रमों में दाखिला लेने वाले छात्रों को एक पेड़ लगाने के लिए अनिवार्य करने की दिशा में एक पहल की, जो उनके पाठ्यक्रम का हिस्सा बन गया है। ऐसा करने पर उन्हें क्रेडिट अंक प्रदान किए जाएंगे। समिति निदेशक श्री दीपंकर श्री ज्ञान, प्रशासनिक अधिकारी, श्री एस. ए. जमाल, डॉ. रीता चौहान और इग्नू के अन्य प्रोफेसर 23 अगस्त, 2019 को इस पहल के तहत आयोजित वृक्षारोपण अभियान में शामिल हुए।

50	पेंशन अदालत	23 अगस्त, 2019	नई दिल्ली	गांधी दर्शन में समिति के सेवानिवृत्त कर्मचारियों के साथ 23 अगस्त, 2019 को एक "पेंशन अदालत" का आयोजन किया गया था। पेंशनरों से संबंधित मुद्दों पर चर्चा करते हुए, समिति निदेशक श्री दीपंकर श्री ज्ञान, प्रशासनिक अधिकारी श्री एस. ए. जमाल ने महसूस किया कि इस तरह की सभा से पेंशनरों की शिकायतों और उनके द्वारा सामना किए जा रहे मुद्दों के निवारण की गुंजाइश देती है, जिस पर सीधे आधिकारिक हस्तक्षेप की आवश्यकता है। लगभग 50 से अधिक पेंशनरों ने इस चर्चा में भाग लिया।
51	भारत के राष्ट्रपति द्वारा करुणा पर विश्व युवा सम्मेलन का उद्घाटन	23 अगस्त, 2019	नई दिल्ली	यूनेस्को महात्मा गांधी इंस्टीच्यूट ऑफ एजुकेशन एंड पीस (MGIEP) द्वारा विज्ञान भवन, नई दिल्ली में पहली बार करुणा पर विश्व युवा सम्मेलन का आयोजन किया गया था, इसकी विषय वस्तु थी : 'वसुधैव कुटुम्बकम: गांधी के लिए समकालीन विश्व'। यह सम्मेलन जिसमें समिति एक भागीदार थी, का उद्घाटन भारत के माननीय राष्ट्रपति श्री राम नाथ कोविंद द्वारा किया गया था, और 27 देशों का प्रतिनिधित्व करने वाले लगभग 1,000 युवाओं ने इसमें भाग लिया।
52	हमारी साहित्य परम्परा में महात्मा गांधी के प्रभाव पर संगोष्ठी	25 अगस्त, 2019	नई दिल्ली	अखिल भारतीय साहित्य परिषद के सहयोग से समिति ने 25 अगस्त, 2019 को गांधी दर्शन में "महात्मा गांधी के प्रभाव हमारी साहित्य परम्परा में" पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया। इलाहाबाद उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश और छत्तीसगढ़ के लोकायुक्त श्री शंभुनाथ श्रीवास्तव, जो मुख्य अतिथि थे, ने इस अवसर पर कहा कि भारतीय साहित्य की चेतना में सम्पूर्ण सृष्टि के कल्याण की कामना की जाती है।
53	कस्तूरबा गांधी पर फिल्म की स्क्रीनिंग	27–29 अगस्त, 2019	नई दिल्ली	कस्तूरबा गांधी पर आधारित "गांधी की प्रेरणा: कस्तूरबा" नामक एक फिल्म की स्क्रीनिंग 27 अगस्त, 2019 को गांधी स्मृति में आयोजित की गई थी। श्री मनीष ठाकुर द्वारा निर्देशित, फिल्म स्वतंत्रता के संघर्ष के दौरान कस्तूरबा गांधी द्वारा दक्षिण अफ्रीका और भारत में निभाई गई भूमिका का वर्णन करती है। इस फिल्म में कस्तूरबा गांधी के रूप में 'बा' का चित्रण एक मजबूत इरादों वाले व्यक्तित्व के रूप में किया गया है।
54	समतुल्य विकास के लिए "गांधीवादी आर्थिक सिद्धांतों" पर संगोष्ठी	28 अगस्त, 2019	नई दिल्ली	फेडरेशन ऑफ इंडियन एक्सपोर्ट ऑर्गनाइजेशन के सहयोग से समिति ने 28 अगस्त, 2019 को समान विकास के लिए गांधीवादी आर्थिक सिद्धांतों पर एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया। फेडरेशन ऑफ इंडियन ऑर्गनाइजेशन से सम्बन्ध विभिन्न समूहों/व्यापारिक घरानों के लगभग 60 प्रतिभागियों ने संगोष्ठी में हिस्सा लिया।
55	"गिव नॉन किलिंग अ चांस : आर नॉन–किलिंग सोसायटी पॉसिबल" पुस्तक का विमोचन	31 अगस्त, 2019	नई दिल्ली	कोणार्क पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड के सहयोग से समिति ने 31 अगस्त, 2019 को गांधी स्मृति में श्री अनूप स्वरूप की पुस्तक, "नॉन–किलिंग अ चांस–आर नॉन किलिंग सोसाइटीज पॉसिबल" का पुस्तक विमोचन समारोह आयोजित किया।
56	ऑटो चालकों के लिए आरपीएल प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारम्भ	13 अगस्त, 2019	नई दिल्ली	दिनांक 13–14, 20–21 और 27–28, अगस्त 2019 को आयोजित ऑटो चालकों के प्रशिक्षण कार्यक्रम में मूल्यांकनकर्ताओं, श्री अरुण कुमार महाराज, श्री ऋषि, श्री अरविंद कुमार, श्री अर्पित, श्री सेराक नेहदी और श्री अर्जुन अरोड़ा द्वारा मूल्यांकन के साथ–साथ प्रशिक्षण कार्यक्रम के तीन बैच आयोजित किए गये. लगभग 126 ऑटो चालकों ने प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया।
57	युवाओं ने दोहराई शांति–, निर्माण के गांधीवादी मिशन के प्रति अपनी प्रतिबद्धता	29 अगस्त, 2019	कोयम्बटूर	गांधी स्मृति और दर्शन समिति व शांति आश्रम कोयम्बटूर ने संयुक्त रूप से कोयम्बटूर पीस फेस्टिवल 2019 का आयोजन जीआरडी ऑडिटोरियम, पीएसजी कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड साइंस, कोयम्बटूर में किया। इस कार्यक्रम में 47 संस्थानों के कुल 1,432 युवाओं ने भाग लिया।
58	गुमला में महात्मा गांधी व्याख्या केन्द्र का उद्घाटन	30 अगस्त, 2019	झारखण्ड	महात्मा गांधी की 150वी जयन्ती को मनाने के लिए आयोजित समारोहों के क्रम में विकास भारती बिशुनपुर के सहयोग से समिति ने झारखण्ड के गुमला में व्याख्या केन्द्र की स्थापना की। इसका उद्घाटन 30 अगस्त, 2019 को बिशुनपुर में किया गया।
59	शांति स्थापना और सह अस्तित्व पर छात्रों के लिये कार्यशाला	9 अगस्त, 2019	असम	समिति द्वारा 09 अगस्त, 2019 को एक्सोम विद्या मंदिर, नूनमाटी, गुवाहाटी, असम के स्कूली बच्चों के लिए "स्कूली बच्चों पर शांति निर्माण और आपसी सह–अस्तित्व" विषय पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में लगभग 110 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

60	शिक्षकों और छात्रों के मध्य शांति और अहिंसक संचार के महत्व पर शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम	16–17 अगस्त, 2019	असम	गांधी स्मृति और दर्शन समिति, नई दिल्ली द्वारा जमुना देवी सरस्वती विद्या मंदिर, उमरंगसो के सहयोग से 16–17 अगस्त, 2019 को "शिक्षकों और छात्रों के मध्य शान्ति और अहिंसक संचार के महत्व पर एक प्रशिक्षण कार्यक्रम" का आयोजन किया गया। उमरंगसो के विभिन्न स्कूलों के 75 शिक्षक और प्राचार्यों ने इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया।
61	सौर ऊर्जा पर कार्यशाला: सतत ऊर्जा का एक स्रोत	13 अगस्त, 2019	मेघालय	कार्यशाला में खद–अर–गोर उच्च प्राथमिक विद्यालय के शिक्षकों सहित लगभग 200 छात्रों ने भाग लिया।
62	"टेक्नो गांधीवादी दर्शन" पर पांच दिवसीय वर्कशॉप	27–31 अगस्त, 2019	अरुणाचल प्रदेश	समिति ने गांधी अध्ययन केन्द्र, एनआईटी अरुणाचल प्रदेश के सहयोग से राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, अरुणाचल प्रदेश में "टेक्नो–गांधीवादी दर्शन" पर पांच दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया। आयोजन में अरुणाचल प्रदेश के विभिन्न कॉलेजों और स्कूलों ने भाग लिया।
63	सतत् विकास लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए सतत नेतृत्व पर एक दिवसीय कार्यशाला	29 अगस्त, 2019	डिब्रूगढ़, असम	29 अगस्त, 2019 को मौरन जूनियर कॉलेज, मौरनहाट, डिब्रूगढ़, असम के छात्रों के लिए सतत् विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए स्थायी नेतृत्व पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में लगभग 300 छात्रों और शिक्षकों ने भाग लिया।
64	आपसी सह–अस्तित्व और शांति निर्माण में बच्चों की भूमिका पर कार्यशाला	31 अगस्त, 2019	गुवाहाटी, असम	समिति ने 31 अगस्त, 2019 को अमलप्रभा दास शिक्षा प्रतिष्ठान, लालमती, बसिस्ता, गुवाहाटी में आपसी सह–अस्तित्व और शांति निर्माण में बच्चों की भूमिका पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया। इस स्कूल की स्थापना पूर्वोत्तर के वरिष्ठ गांधीवादी बैदो अमलप्रभा दास की स्मृति में की गई थी। कार्यशाला में लगभग 100 छात्रों ने हिस्सा लिया।
65	छत्तीसगढ़ विधानसभा के माननीय अध्यक्ष डॉ.चरणदास महंत का गांधी स्मृति दौरा	29 अगस्त, 2019	गांधी स्मृति, नई दिल्ली	छत्तीसगढ़ विधानसभा के माननीय अध्यक्ष डॉ. चरणदास महंत ने 29 अगस्त, 2019 को गांधी स्मृति का दौरा किया. समिति निदेशक श्री दीपंकर श्री ज्ञान द्वारा उनका स्वागत किया गया। सम्मानित अतिथि ने गांधी स्मृति संग्रहालय का भी दौरा किया।
66	महात्मा गांधी और डायस्पोरा पर अंतरराष्ट्रीय सम्मलेन	17–18 सितम्बर 2019	नई दिल्ली	डायस्पोरा रिसर्च एंड रिसोर्स सेंटर (DRRC)–अंतरराष्ट्रीय सहयोग परिषद–भारत (ARSP) और गाँधी स्मृति एवं दर्शन समिति ने संयुक्त रूप से नई दिल्ली में "महात्मा गांधी और डायस्पोरा" पर दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया। सम्मेलन का आयोजन महात्मा गांधी की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में किया गया था और इसका उद्घाटन माननीय संस्कृति मंत्री और समिति के उपाध्यक्ष श्री प्रहलाद सिंह पटेल ने किया।
67	पूज्य मोरारी बापू की गांधी मानस कथा का राष्ट्रपति द्वारा उद्घाटन.	24 सितम्बर से 2 अक्तूबर, 2019	नई दिल्ली	भारत के माननीय राष्ट्रपति श्री राम नाथ कोविंद ने 24 सितम्बर, 2019 को गांधी आश्रम, हरिजन सेवक संघ में महात्मा गांधी की 150वीं जयन्ती के उपलक्ष्य में आयोजित पूज्य मोरारी बापू की गांधी मानस कथा का उद्घाटन किया।
68	गांधी–150 के लिए स्कूल के शिक्षकों के साथ बैठक	6 सितम्बर, 2019	नई दिल्ली	गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति द्वारा 6 सितम्बर, 2019 को दिल्ली और NCR के विभिन्न स्कूलों और संस्थानों के शिक्षकों और समन्वयकों के साथ एक बैठक आयोजित की गयी। बैठक की अध्यक्षता समिति निदेशक श्री दीपंकर श्री ज्ञान ने की, जिन्होंने महात्मा की 150वीं जयन्ती मनाने के लिए समिति की विभिन्न पहलों के बारे में प्रतिभागियों को बताया। गांधी दर्शन में आयोजित इस बैठक में 30 स्कूलों के लगभग 55 शिक्षकों ने भाग लिया।
69	लिंग संवेदीकरण और मासिक धर्म स्वास्थ्य पर कार्यशाला	6 सितम्बर, 2019	नई दिल्ली	समिति ने मंडोली जेल में "लिंग संवेदीकरण और मासिक धर्म स्वास्थ्य" पर एक कार्यशाला का आयोजन किया। कार्यशाला का उद्देश्य स्वास्थ्य विषयों के प्रति महिला कैदियों का ध्यान आकर्षित करना और मासिक धर्म स्वास्थ्य, स्वच्छता और प्राकृतिक चिकित्सा के बारे में उन्हें प्रोत्साहित करना था।
70	दो संतों और सत्याग्रहियों की स्मृति	11 सितम्बर, 2019	नई दिल्ली	समिति ने दो संतों और सत्याग्रहियों–महात्मा गांधी और उनके आध्यात्मिक पुत्र, आचार्य विनोबा भावे को एक स्मृति कार्यक्रम में याद किया। समिति ने 11 सितम्बर, 1906 को दक्षिण अफ्रीका में महात्मा गांधी द्वारा शुरू किए गए पहले ऐतिहासिक सत्याग्रह की 113वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में एक कार्यक्रम आयोजित किया था। यह कार्यक्रम 11 सितम्बर को आयोजित किया गया था। इस अवसर पर समिति ने आचार्य विनोबा भावे को उनकी 125वीं जयन्ती पर श्रद्धांजलि अर्पित की।

71	गांधी जयंती कार्यक्रम के लिए पूर्वाभ्यास	14, 24, 26, 29, 30 सितम्बर व 1 अक्तूबर, 2019	नई दिल्ली	दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के 31 स्कूलों के 1000 से अधिक बच्चों ने गांधी की 150वीं जयन्ती पर होने वाले संगीतमय कार्यक्रम की रिहर्सल में भाग लिया. दिनांक 14, 24, 26 और 29 30 सितम्बर और 1 अक्तूबर को गांधी स्मृति में आयोजित इस रिहर्सल में पांच अलग–अलग स्कूलों के 1000 बच्चों तथा मूल्य निर्माण शिविर में भाग लेने वाले 85 बच्चे सम्मिलित हुए।
72	माय गोव डॉट इन के सहयोग से गाँधी प्रश्नोत्तरी का आयोजन	जुलाई से सितम्बर 2019	नई दिल्ली	आमजन में गांधीवाद की भावना को पुनः जागृत करने के लिए, गाँधी स्मृति और दर्शन समिति ने 25 जून, 2019 से 09 अगस्त, 2019 तक MyGov-in पर गांधी प्रश्नोत्तरी का आयोजन किया । प्रश्नोत्तरी का उद्देश्य नागरिकों को राष्ट्रपिता के जीवन, संदेश और दर्शन से परिचित कराना था। इस ऑनलाइन क्विज में देश भर के एक लाख से अधिक लोगों ने हिस्सा लिया। अंग्रेजी और हिंदी दोनों श्रेणी में अंतिम तीन विजेताओं को क्रमशः रू. 21,000/–, रू. 15,000/– और रू. 11000/– की पुरस्कार राशि के साथ गांधीवादी साहित्य से सम्मानित किया गया। परिणाम सितम्बर 2019 को घोषित किए गए थे।
73	"महात्मा गांधी मोबाइल क्विज ऐप" के लिए लोगो और टैगलाइन डिजाइनिंग प्रतियोगिता	सितम्बर 2019	नई दिल्ली	महात्मा गांधी की 150वीं जयन्ती के अवसर पर गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति ने महात्मा की "मेरा जीवन मेरा संदेश है" उद्धरण के साथ समुदाय की आवृत्तियों को संशोधित करने का एक और तरीका जोड़ा। इसके तहत समिति ने मल्टीप्लेयर "महात्मा गांधी मोबाइल क्विज ऐप" का शुभारम्भ किया है। एप्लिकेशन आरम्भ करने के पीछे मूल उद्देश्य लोगों को महात्मा की शिक्षाओं से जोड़ना और इस प्रकार डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से उपयोगकर्ता की व्यस्तता को बढ़ाना था। यह सितम्बर 2019 के दौरान शुरू किया गया था।
74	दिल्ली पुस्तक मेला में चरखा प्रशिक्षण बना लोगों के आकर्षण का केन्द्र	11–15 सितम्बर, 2019	नई दिल्ली	समिति ने महात्मा गांधी के जीवन और संदेश पर एक प्रदर्शनी लगाकर दिल्ली पुस्तक मेले में भाग लिया। भाग लेने वाले बच्चों के लिए एक पेंटिंग प्रतियोगिता भी आयोजित की गई, जिसमें काफी बच्चों ने भाग लिया।
75	यूथ फॉर प्रिवेंटिव पर नेशनल फेस्टिवल	20–21 सितम्बर, 2019	नई दिल्ली	गाँधी स्मृति एवं दर्शन समिति के सहयोग से निष्ठा संस्था द्वारा 20–21 सितम्बर, 2019 को गांधी दर्शन में महात्मा गांधी की 150वीं जयन्ती के अवसर पर राष्ट्रीय उत्सव "यूथ फॉर प्रिवेंटिव हेल्थ" का आयोजन किया। कार्यक्रम में 200 लोगों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम का उद्घाटन श्री लक्ष्मीदास, उपाध्यक्ष, हरिजन सेवक संघ, श्री बेगराज खटाना, पूर्व उपाध्यक्ष, राष्ट्रीय बाल एवं महिला विकास और सदस्य हिंदी समिति द्वारा किया गया। डॉ. गोपाल जी ने सत्र की अध्यक्षता की।
76	10 दिवसीय मूल्य निर्माण शिविर का उदघाटन	24 सितम्बर, 2019	नई दिल्ली	10 दिवसीय मूल्य निर्माण शिविर का उद्घाटन सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय के तहत राष्ट्रीय सफाई कर्मचारी आयोग के अध्यक्ष श्री मनहर वलजीभाई जला द्वारा गांधी दर्शन में किया गया।
77	धर्म गुरुओं के साथ बैठक	27 सितम्बर, 2019	नई दिल्ली	समिति निदेशक श्री दीपंकर श्री ज्ञान ने गांधी स्मृति में गांधी जयन्ती (2 अक्तूबर) कार्यक्रम के सम्बन्ध में 27 सितम्बर, 2019 को गांधी स्मृति में विभिन्न धर्मों के धार्मिक नेताओं के साथ बैठक की। यह बैठक महात्मा गांधी की 150वीं जयन्ती को मनाने के लिए समारोह के प्रकाश में थी।
78	राष्ट्रीय स्वच्छता निशन द्वारा उपहार में दिया गया वृक्ष	28 सितम्बर, 2019	नई दिल्ली	श्री पंकज शर्मा तकनीकी सहयोगी एवं श्रीमती ललिता ने 28 सितम्बर, 2019 को गांधी दर्शन में पौधारोपण किया। यह पौधा राष्ट्रीय स्वच्छता निशन द्वारा समिति निदेशक श्री दीपंकर श्री ज्ञान को उपहार स्वरुप दिया गया था।
79	भारत रत्न आचार्य विनोबा भावे की 125वीं जयन्ती और महात्मा गांधी की 150वी जयन्ती पर एक वर्ष के कार्यक्रम का शुभारम्भ	11 सितम्बर, 2019	ओड़िशा	विनोबा सेवा प्रतिष्ठान, गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति, संस्कृति विभाग और ओडिया भाषा साहित्य विभाग, ओडिशा सरकार, गांधी ग्लोबल फाउण्डेशन के संयुक्त तत्वाधान में महात्मा गांधी की 150वीं जयन्ती के अवसर पर राज्य स्तरीय सम्मेलन आयोजित किया गया था।
80	महात्मा गांधी और डॉ. भीमराव अम्बेडकर पर दो दिवसीय कार्यशाला और संगोष्ठी	10–11 सितम्बर, 2019	बिहार	बिहार के मधेपुरा जिले के बमनगामा में 10–11 सितम्बर, 2019 को "महात्मा गांधीजी और डॉ. बी. आर. अम्बेडकर" पर दो दिवसीय युवा कार्यशाला और संगोष्ठी हुई। बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री भोला पासवान शास्त्री ने गांधी स्मृति और दर्शन समिति, नई दिल्ली के सहयोग से आयोजित इस कार्यक्रम का उद्घाटन किया।

81	पूर्वोत्तर युवा सम्मेलन	6–8 सितम्बर, 2019	तेजपुर विश्वविद्यालय, असम	गांधी स्मृति और दर्शन समिति, नई दिल्ली के सहयोग से जनसंचार एवं पत्रकारिता विभाग, तेजपुर विश्वविद्यालय ने 'शान्ति और अहिंसा की संस्कृति में योगदान में युवाओं की भूमिका' विषय पर तीन दिवसीय पूर्वोत्तर युवा सम्मेलन का आयोजन किया। इसमें पूर्वोत्तर के 18 संस्थानों के कुल 150 प्रतिभागियों ने भाग लिया।
82	स्कूलों में अहिंसक संचार का परिचय	26 सितम्बर, 2019	असम	26 सितंबर, 2019 को गुवाहाटी के सरनिया आश्रम में स्कूलों में गांधीवादी अहिंसक संचार शुरू करने के लिए लगभग 50 शिक्षकों और छात्रों ने एक उन्मुखीकरण कार्यक्रम में भाग लिया। समिति के कार्यक्रम अधिकारी, डॉ. वेदाभ्यास कुण्डू ने कार्यशाला का संचालन किया। उन्होंने अहिंसक संचार के विभिन्न तत्वों की व्याख्या की और ये कैसे कक्षा और स्कूल प्रबंधन में लागू किये जा सकते हैं, इसके बारे में बताया।
83	राष्ट्रपिता और राष्ट्रभाषा पर संगोष्ठी	28 सितम्बर, 2019	मणिपुर	नागरी लिपि परिषद द्वारा महात्मा गांधी की 150वीं जयन्ती के अवसर पर गाँधी स्मृति एवं दर्शन समिति, के सहयोग से एस कुला महिला महाविद्यालय, नंबूल विष्णुपुर, मणिपुर में "राष्ट्रपिता और राष्ट्रभाषा" पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया था। आचार्य श्री श्याम किशोर सिंह, जो मणिपुर के राष्ट्रीय भाषा प्रचारक हैं, ने इस संगोष्ठी का आयोजन किया।
84	महात्मा गांधी की 150वीं जयन्ती और अंतरराष्ट्रीय अहिंसा दिवस पर कार्यक्रम	2 अक्तूबर, 2019	नई दिल्ली	भारत के माननीय राष्ट्रपति श्री राम नाथ कोविंद के नेतृत्व में कृतज्ञ राष्ट्र ने 2 अक्तूबर, 2019 को महात्मा गांधी को गांधी स्मृति में आयोजित कार्यक्रम में श्रद्धांजलि अर्पित की। महात्मा गांधी की 150वीं जयन्ती को अहिंसा दिवस के रूप में मनाया गया। दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, मध्य प्रदेश और जालंधर के 38 संस्थानों से आये लगभग 1000 बच्चों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया और महात्मा को संगीतमय श्रद्धांजलि अर्पित की।
85	गांधी ग्लोबल सोलर यात्रा	2 अक्टूबर, 2019	देश भर में	महात्मा गांधी की 150वीं जयन्ती पर 2 अक्तूबर, 2019 को एक भव्य समारोह में देश के विभिन्न हिस्सों से लगभग एक मिलियन छात्र सौर राजदूत अपने 'सौर अध्ययन लैप' के साथ इकट्ठे हुए थे। यह आयोजन गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति व आईआईटी मुंबई द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया गया था। इसका उद्देश्य जलवायु परिवर्तन के प्रतिकूल प्रभावों के प्रति दस लाख से अधिक छात्रों के संवेदीकरण और उन्हें अक्षय ऊर्जा के भविष्य के प्रचारक बनाने और "ग्लोबल स्टूडेंट सोलर एम्बेसडर" बनाना था।
86	मूल्य निर्माण शिविर के समापन समारोह में बच्चों ने किया रचनात्मकता का प्रदर्शन	3 अक्तूबर, 2019	गांधी दर्शन, नई दिल्ली	गांधी दर्शन, नई दिल्ली में आयोजित मूल्य सृजन शिविर के समापन समारोह में बच्चों ने अपनी रचनात्मकता का प्रदर्शन किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि मध्य प्रदेश के श्री आलोक गोस्वामी थे। शिक्षकों ने भी इस अवसर पर अपने अनुभव साझा किए।
87	गांधीवादी शैक्षिक विचारों की प्रासंगिकता पर राष्ट्रीय बैठक	4–5 अक्तूबर, 2019	नई दिल्ली	नेशनल इंस्टीच्यूट ऑफ एजुकेशनल प्लानिंग एंड एडमिनिस्ट्रेशन के सहयोग से समिति ने गांधीवादी शैक्षिक विचारों की प्रासंगिकता: नीतियां और उनका अभ्यास विषय पर 4–5 अक्तूबर, 2019 को दो दिवसीय राष्ट्रीय चर्चा बैठक आयोजित की।
88	न्यायिक प्रणाली में अहिंसक संचार को लागू करने पर ओरिएण्टेशन कार्यक्रम	14 अक्तूबर, 2019	दिल्ली न्यायिक अकादमी	गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति और दिल्ली न्यायिक अकादमी ने संयुक्त रूप से 14 अक्तूबर, 2019 को गांधी दर्शन में न्यायिक अधिकारियों के लिए "न्यायिक प्रणाली में अहिंसात्मक संचार को लागू करने" पर एक ओरिएण्टेशन कार्यक्रम का आयोजन किया। समिति निदेशक श्री दीपंकर श्री ज्ञान ने 150 न्यायिक अधिकारियों का स्वागत करते हुए प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन किया। डॉ. वेदाभ्यास कुण्डू, कार्यक्रम अधिकारी ने दिन भर के परिचर्चात्मक प्रशिक्षण कार्यक्रम का संचालन किया।
89	नेतृत्व साधना शिविर	16–20 अक्तूबर, 2019	नई दिल्ली	रामभऊ म्हालगी प्रबोधिनी (आरएमपी) के सहयोग से समिति ने गांधी दर्शन में "नेतृत्व साधना शिविर" के 9वें संस्करण का आयोजन किया। 15 राज्यों के 39 प्रतिनिधियों ने आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में हिस्सा लिया। कार्यक्रम में मॉडल संसद सहित 30 सत्र थे।

90	महात्मा गांधी के विचारों और हिंदी भाषा के सिद्धांतों पर संवाद	18 अक्तूबर, 2019	नई दिल्ली	गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति के तत्वावधान में दिल्ली पब्लिक लाइब्रेरी, दिल्ली हिंदी साहित्य सम्मेलन ने 18 अक्तूबर, 2019 को गांधी दर्शन में "हिन्दी और गांधी" पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। गुजरात के पूर्व राज्यपाल डॉ ओ पी कोहली कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे।
91	सरदार पटेल विद्यालय में प्रदर्शनी–सह–पुस्तक–प्रदर्शनी	19–20 अक्तूबर, 2019	नई दिल्ली	सरदार पटेल विद्यालय लोधी रोड, द्वारा गांधीजी की 150वीं जयन्ती पर 19–20 अक्तूबर, 2019 को एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। गांधी स्मृति और दर्शन समिति ने खादी उत्पादों की प्रदर्शनी और एक पुस्तक प्रदर्शनी भी आयोजित की। श्रीमती सोनी राय और सुश्री सिमरन ने समिति का प्रतिनिधित्व किया।
92	भारत की साहित्यिक कल्पना में गांधी" पर राष्ट्रीय संगोष्ठी	22–23 अक्तूबर, 2019	नई दिल्ली	मोहनदास करमचंद गांधी की 150वीं जयन्ती मनाने के लिए, "भारत की साहित्य कल्पना में गांधी" नामक दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन अंग्रेजी विभाग, जामिया मिलिया इस्लामिया द्वारा गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति, नई दिल्ली के सहयोग से 22–23 अक्तूबर, 2019 को किया गया था।
93	राष्ट्रीय गांधी जयंती संगोष्ठी 2019 "गांधी और समकालीन मुद्दे: पुरानी कहानी नया परिप्रेक्ष्य"	23 अक्तूबर, 2019	नई दिल्ली	गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति इंडियालोग फाउण्डेशन, दर्शन विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, गांधी भवन दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा महात्मा गांधी की 150वीं जयन्ती के मौके पर "गांधी और समकालीन मुद्दों पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी दिल्ली विश्वविद्यालय के गांधी भवन में आयोजित की गयी। इस संगोष्ठी का मूल उद्देश्य गांधी के विचारों की प्रासंगिकता को प्रस्तुत करना था और यह दिखाना था कि विभिन्न समकालीन मुद्दों द्वारा उत्पन्न चुनौतियों की मांगों को पूरा करने के लिए उनके विचारों पर काम कैसे किया जा सकता है।
94	"महात्मा गांधी सीमाओं से पार" पर अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार	23–24 अक्तूबर, 2019	नई दिल्ली	रामलाल आनंद कॉलेज के गांधी स्टडी सर्कल द्वारा गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति के सहयोग से दिल्ली विश्वविद्यालय के राम लाल आनंद कॉलेज में "महात्मा गांधी सीमाओं से पार" दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया। कार्यक्रम में लगभग 170 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। भारत में सोमालिया की राजदूत सुश्री फादुमा अब्दुल्लाही मोहम्मद, इस अवसर पर मुख्य अतिथि थे।
95	रंगों की रचनात्मकता के साथ दीवाली समारोह का आयोजन	24 अक्तूबर , 2019	नई दिल्ली	दीपों के पर्व दीपावली के मौके पर समिति के कर्मचारियों ने अपने–अपने विभागों को सुंदर और रंगीन डिजाइनों (रंगोली) से सजाया। 25 अक्तूबर, 2019 को इस उत्सव का समापन एक सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ हुआ और श्रीमती शुभांगी गिरधर की रंगोली को सर्वश्रेष्ठ रंगोली का पुरस्कार मिला।
96	सतर्कता जागरूकता सप्ताह के अवसर पर प्रतिज्ञा कार्यक्रम	28 अक्तूबर, 2019	नई दिल्ली	समिति निदेशक श्री दीपंकर श्री ज्ञान ने 28 अक्तूबर, 2019 को गांधी दर्शन में "सतर्कता जागरूकता सप्ताह" के अवसर पर ईमानदारी, अखण्डता और पारदर्शिता की शपथ दिलाई। इस अवसर पर प्रशासनिक अधिकारी श्री एस. ए. जमाल भी उपस्थित थे।
97	होटल अशोक, नई दिल्ली में प्रदर्शनी	30 सितम्बर से 3 अक्तूबर, 2019	नई दिल्ली	महात्मा गांधी की 150वीं पर समिति ने 30 सितम्बर से 3 अक्तूबर, 2019 तक चाणक्यपुरी में अशोक इण्टरनेशनल में "मोहन से महात्मा" नामक एक प्रदर्शनी लगाई। इस मौके पर महात्मा गांधी द्वारा लिखित और उन पर आधारित पुस्तकों की प्रदर्शनी लगायी गई। समिति के सृजन केन्द्र द्वारा लगाया गया खादी वस्त्रों का स्टाल कार्यक्रम का एक और आकर्षण था।
98	सरदार वल्लभभाई पटेल की 144वीं जयन्ती पर "रन फॉर यूनिटी" का आयोजन	31 अक्तूबर 2019	नई दिल्ली	सरदार वल्लभभाई पटेल की 144वीं जयन्ती के उपलक्ष्य में गांधी दर्शन में आयोजित "रन फॉर यूनिटी" में आठ किलोमीटर दौड़ की प्रतियोगिता हुई, जिसमें लगभग 225 प्रतिभागियों ने भाग लिया। एशियाई मैराथन चैम्पियन डॉ. श्रीमती सुनीता गोदारा के नेतृत्व में इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया।
99	दूरदर्शन और माय गोव पर "मोनिया से महात्मा" प्रश्नोत्तरी का आयोजन	सितम्बर–अक्तूबर 2019	नई दिल्ली	महात्मा गांधी की 150वीं जयन्ती के अवसर पर गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति, दूरदर्शन और MyGov-in द्वारा संयुक्त रूप से "मोनिया से महात्मा तक" प्रश्नोत्तरी का आयोजन किया गया। MyGov-in पर तीन सप्ताह की प्रारंभिक प्रश्नोत्तरी के बाद, 24 प्रतिभागी मोनिया श्रेणी (छह क्षेत्रों में से 4 शीर्ष स्कोरर) और महात्मा वर्ग के 24 प्रतिभागियों (छह क्षेत्रों से 4 शीर्ष स्कोरर) को कुल 80,000 प्रतिभागियों में से चुना गया। बाद में सभी विजेताओं को अगले राउंड के लिए दिल्ली बुलाया गया.

100	गांधी जयंती का आयोजन	2 अक्तूबर 2019	पलवल, हरियाणा	गांधी सेवा आश्रम ट्रस्ट, पलवल हरियाणा के सहयोग से समिति ने 2 अक्तूबर, 2019 को हरियाणा के पलवल में महात्मा गांधी की 150वीं जयन्ती मनाने के लिए एक सार्वजनिक कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम की शुरुआत आर्य समाज के आचार्यों ने योग से की। कार्यक्रम में 300 से अधिक लोगों ने भाग लिया।
101	मुजफ्फरपुर–आनंद विहार सप्त क्रांति एक्सप्रेस में महात्मा गांधी के जीवन पर प्रदर्शनी	2 अक्तूबर 2019	बिहार	भारतीय रेलवे के पूर्व मध्य रेलवे जोन ने एक्सप्रेस ट्रेन पर महात्मा गांधी पर आधारित "मोहन से महात्मा" प्रदर्शनी लगाकर महात्मा गांधी को उनकी 150वीं जयंती पर श्रद्धांजलि दी। "मुजफ्फरपुर–आनंद विहार सप्त क्रांति एक्सप्रेस" पर यह प्रदर्शनी मुजफ्फरपुर से चलाई गयी। यह प्रदर्शनी गांधी स्मृति और दर्शन समिति द्वारा लगाई गई थी और 2 अक्तूबर, 2019 को संसद सदस्य माननीय श्री राधामोहन सिंह द्वारा इसका उद्घाटन किया गया था।
102	महात्मा गांधी और पारम्परिक कृषि : एक सम्वाद	6–7 अक्तूबर 2019	सीकर, राजस्थान	समिति ने 6–7 अक्तूबर, 2019 को जोर की ढ़ाणी, गोधाम ग्राम पिस्ता कटराथल, जिला सीकर, राजस्थान में महात्मा गांधी और पारम्परिक खेती (महात्मा गांधी उद्गम पारम्परिक कृषि) पर दो दिवसीय वार्ता का आयोजन किया। समिति निदेशक श्री दीपंकर श्री ज्ञान ने गांव के लगभग 145 प्रतिभागियों को सम्बोधित किया।
103	छत्तीसगढ़ विधान सभा के माननीय सदस्यों के साथ विशेष सत्र	3 अक्तूबर, 2019	छत्तीसगढ	महात्मा गांधी की 150वीं जयन्ती मनाने के लिए 3 अक्तूबर, 2019 को विधानसभा के माननीय सदस्यों के लिए छत्तीसगढ़ विधान सभा में "अण्डरस्टैंडिंग गांधी" पर एक विशेष सत्र आयोजित किया गया था। प्रख्यात गांधीवादी और हरिजन सेवक संघ के उपाध्यक्ष श्री लक्ष्मीदास इस अवसर पर मुख्य वक्ता थे।
104	महात्मा गांधी के जीवंत दर्शन : महात्मा के आकार के होलोग्राम द्वारा अहिंसा व्याख्यान में भाग	1 अक्तूबर, 2019	नई दिल्ली	भारत के स्थायी प्रतिनिधिमंडल और गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति के सहयोग से एमजीआईईपी द्वारा चौथे अहिंसा व्याख्यान का आयोजन किया गया जिसमें पैनलिस्ट और महात्मा गांधी के जीवन आकार के होलोग्राम के बीच एक संवाद प्रस्तुत किया गया। इसमें शिक्षा के लिए सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) की दिशा में बातचीत की गयी।
105	जर्मन चांसलर माननीया डॉ. एंजेला मर्केल का दौरा	1 नवम्बर, 2019	नई दिल्ली	भारत के माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने जर्मन चांसलर डॉ. एंजेला मार्केल के साथ 1 नवम्बर, 2019 को गांधी स्मृति का दौरा किया। उन्होंने संग्रहालय का दौरा किया और प्रसिद्ध कलाकार श्री उपेन्द्र महारथी और इंडो–हंगरी चित्रकार एलिजाबेथ क्रूनर द्वारा बनाए गए स्केच और चित्रों को देखा। माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और जर्मन चांसलर डॉ. मर्केल ने शहीद स्तम्भ पर महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि दी और पुष्पांजलि अर्पित की।
106	विमर्श 2019 : युवा सम्मेलन	2–4 नवम्बर, 2019	नई दिल्ली	समर्थ शिक्षा समिति के सहयोग से समिति ने 2–4 नवम्बर, 2019 को गांधी दर्शन में आयोजित तीन दिवसीय संगोष्ठी के दौरान विकास के विभिन्न मुद्दों पर चर्चा का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में विद्वानों, शिक्षाविदों और साहित्यकारों ने हिस्सा लिया।
107	भारत में बोलिविया बहुराष्ट्रीय राज्य के दूतावास के सहयोग से शांति के लिए संगीत कार्यक्रम	13 नवम्बर, 2019	नई दिल्ली	महात्मा गांधी की 150वीं जयन्ती के उत्सव के भाग के रूप में, समिति ने देश के भीतर और विश्व स्तर पर महात्मा के संदेश को प्रचारित करने के लिए "महात्मा गांधी की राह में" पहल शुरू की है। इस सन्दर्भ में, समिति द्वारा शांति के लिए संगीत कार्यक्रम भारत में बोलिविया बहुराष्ट्रीय राज्य के दूतावास के सहयोग से 13 नवम्बर, 2019 को गांधी स्मृति में आयोजित किया गया।
108	भारत में ग्वाटेमाला के दूतावास के सहयोग से शांति के लिए संगीत कार्यक्रम	18 नवम्बर, 2019	नई दिल्ली	इस कार्यक्रम में लगभग 100 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। समारोह में ग्वाटेमाला के राजदूत महामहिम श्री जियोवानी कैस्टिलो के साथ एक इंटरैक्टिव सत्र हुआ। कार्यक्रम में अनेक गणमान्य लोग उपस्थित थे।
109	पल्लवन	17 नवम्बर, 2019	नई दिल्ली	कलाकारों, साहित्यकारों, शिक्षाविदों, सामाजिक कार्यकर्ताओं, मानवविज्ञानी सहित लगभग 350 लोगों ने 17 नवम्बर, 2019 को संस्कार भारती के सहयोग से समिति द्वारा गांधी दर्शन, राजघाट में आयोजित एक दिवसीय चर्चा 'पल्लवन' में भाग लिया। माननीय संस्कृति मंत्री और समिति के उपाध्यक्ष श्री प्रहलाद सिंह पटेल ने डॉ. सोनल मानसिंह (प्रख्यात नृत्य गुरु), डॉ. राजेश्वर आचार्य (हिंदुस्तानी शास्त्रीय गायक) और श्री दीपंकर श्री ज्ञान (निदेशक, गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति) के साथ कार्यक्रम का उद्घाटन किया। यह चर्चा भारतीय सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण और संवर्धन पर आधारित थी।

110	गाँधी स्मृति एवं दर्शन समिति में अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधिमंडल का दौरा	20 नवम्बर, 2019	नई दिल्ली	लियो टॉल्स्टॉय के पौत्र सुश्री टॉल्सटया एकातेरिना, श्री एंड्रे टॉल्स्टॉय, ने रूस के लियो टॉलस्टॉय संग्रहालय "यास्नाया पोलीना" के नौ सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल के साथ 20 नवम्बर, 2019 को गांधी दर्शन का दौरा किया। प्रतिनिधिमंडल का स्वागत समिति के कार्यकारिणी सदस्य श्री लक्ष्मीदास ने किया। इस अवसर पर प्रतिनिधि मंडल ने गांधी दर्शन में स्थापित "मेरा जीवन मेरा संदेश है" नामक प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया।
111	मौलिक कर्तव्य और नैतिक मूल्य	26 नवम्बर, 2019	नई दिल्ली	भारत के संविधान की 70वीं वर्षगांठ के अवसर पर आयोजित सनारोह में सिम्बोसिस लॉ स्कूल के छात्रों सहित दिल्ली और एनसीआर के 12 स्कूलों से आए 143 छात्रों ने "मौलिक कर्तव्यों और नैतिक मूल्यों" पर एक संवाद में शिरकत की। 26 नवम्बर, 2019 को गांधी दर्शन, राजघाट में गाँधी स्मृति एवं दर्शन समिति द्वारा यह कार्यक्रम आयोजित किया गया था।
112	नई तालीम और बुनियादी शिक्षा	21–23 नवम्बर, 2019	पटना, बिहार	महात्मा गांधी के "नई तालीम और बुनियादी शिक्षा" पर तीन दिवसीय सत्र का आयोजन 21–23 नवम्बर, 2019 को वृंदावन बेसिक स्कूल, चम्पारण, बिहार में किया गया था। कार्यक्रम का आयोजन सेंटर फॉर इनोवेशन इन पब्लिक सिस्टम्स (CIPS), पटना के सहयोग से किया गया था।
113	ग्रामीण विकास और प्रबंधन के लिए गांधीवादी दृष्टिकोण	23 नवम्बर, 2019	पटना, बिहार	कार्मिक प्रबंधन और औद्योगिक सम्बन्ध विभाग, पटना विश्वविद्यालय के सहयोग से समिति ने 23 नवम्बर, 2019 को पटना में "ग्रामीण विकास और प्रबंधन के लिए गांधीवादी दृष्टिकोण" पर एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया।
114	अहिंसक संचार	23 नवम्बर, 2019	पटना, बिहार	23 नवंबर, 2019 को समिति द्वारा आर्केड बिजनेस स्कूल, पटना, बिहार के छात्रों के लिए अहिंसक संचार पर एक प्रशिक्षण सत्र का आयोजन किया गया। समिति के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. वेदाभ्यास कुण्डू ने कार्यक्रम का संचालन किया। इसी दिन समिति द्वारा पटना के इंडियन स्कूल ऑफ बिजनेस के छात्रों के लिए 'अहिंसक संचार' पर एक और प्रशिक्षण सत्र आयोजित किया गया, इसका संचालन भी समिति के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. वेदाभ्यास कुण्डू ने किया।
115	रीडिंग फेस्टिवल का आनंद	4–8 नवम्बर, 2019	रोइंग, अरुणाचल प्रदेश	गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति व आईसीडीएस विभाग के सहयोग से अरुणाचल प्रदेश के लोअर दिबांग वैली जिला प्रशासन द्वारा 4–8 नवम्बर, 2019 से रोइंग, रीडिंग फेस्टिवल, अरुणाचल प्रदेश का आयोजन किया गया। इसका उद्घाटन 4 नवम्बर, 2019 को प्रख्यात शिक्षाविद् और भारत में कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय (केजीबीवी) की दादी, प्रो. विमला रामचंद्रन द्वारा किया गया था।
116	गांधीवादी मूल्यों को बढ़ावा	28 नवम्बर, 2019	इम्फाल, मणिपुर	28 नवम्बर, 2019 को डेल्टा एडवांस स्कूल, इम्फाल, मणिपुर के छात्रों के लिए "गांधीवादी मूल्यों को उभारने" के बारे में एक ओरिएन्टेशन कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। इसमें गांधीवादी दर्शन के विभिन्न आयामों पर चर्चा के साथ इसे कैसे बच्चों द्वारा दैनिक जीवन में आत्मसात किया जा सकता है, पर मंथन किया गया।
117	स्कूलों में शांति और अहिंसा का परिचय देने के लिए शिक्षकों का दो दिवसीय प्रशिक्षण	29–30 नवम्बर, 2019	इम्फाल, मणिपुर	समिति ने राज्य शिक्षा अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद, मणिपुर के साथ मिलकर इम्फाल, मणिपुर में 29–30 नवम्बर, 2019 को स्कूलों में शान्ति और अहिंसा का परिचय देने के लिए शिक्षकों का दो दिवसीय प्रशिक्षण आयोजित किया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में लगभग 100 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।
118	स्वीडिश राजा, रानी द्वारा महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि अर्पित	2 दिसम्बर, 2019	नई दिल्ली	स्वीडिश किंग कार्ल XVI गुस्ताफ फोल्के हुबर्टस और रानी सिल्विया सोमरलथ ने 2 दिसम्बर, 2019 को गांधी स्मृति का दौरा किया और महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि अर्पित की।
119	सामुदायिक महिलाओं द्वारा सामुदायिक विकास के मुद्दे पर आवाज उठाना	4–5 दिसम्बर, 2019	नई दिल्ली	'सेवा' संस्था के विभिन्न क्षेत्रों, जिनमें मुस्तफाबाद, सुंदर नगर, हरकेश नगर, राजीव नगर, रघुबीर नगर, न्यू अशोक नगर, उत्तम नगर, जहाँगीर पुरी शामिल है, की लगभग 30 महिलाओं ने पंजाब और बिहार के प्रतिनिधियों के साथ 4–5 दिसम्बर, 2019 को गांधी दर्शन में आयोजित प्रशिक्षकों के प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया।

120	"शांति और अहिंसा की ओर महात्मा गांधी के मार्ग पर भारत और जाम्बिया"	6 दिसम्बर, 2019	नई दिल्ली	महात्मा गांधी की 150वीं जयन्ती पर आयोजित समारोह की कड़ी में समिति ने शान्ति और अहिंसा की गांधीवादी दर्शन की प्रासंगिकता का अंतरराष्ट्रीय क्षेत्र में प्रचार करने के उद्देश्य से एक संयुक्त सांस्कृतिक कार्यक्रम के लिए नई दिल्ली में विभिन्न दूतावास/उच्च आयोगों तक सम्पर्क करने का प्रयास किया। इसी क्रम में 6 दिसम्बर, 2019 को नई दिल्ली में जाम्बिया के उच्चायोग के साथ गांधी स्मृति में एक कार्यक्रम आयोजित किया गया था। भारत में जाम्बिया के उच्चायुक्त, श्रीमती जुडिथ के. के. कानगोमा–कपिजिम्पंगा समारोह में मुख्य अतिथि थे।
121	"अनसंग बिल्डर्स ऑफ मॉडर्न भारत" किताब श्री प्रणब मुखर्जी को भेंट की गई	6 दिसम्बर, 2019	नई दिल्ली	पूर्व राष्ट्रपति श्री प्रणव मुखर्जी को समिति निदेशक श्री दीपंकर श्री ज्ञान, सह सम्पादक श्री पंकज चौबे और लेखक श्री प्रमोद कुमार ने अपनी पुस्तक "अनसंग बिल्डर्स ऑफ मॉडर्न भारत" की प्रति भेंट की। श्री प्रणब मुखर्जी के निवास पर 6 दिसम्बर, 2019 को समिति द्वारा प्रकाशित इस पुस्तक के साथ समिति निदेशक ने उन्हें एक स्मृति चिन्ह भी प्रदान किया।
122	प्रथम गांधी स्मृति शांति और अहिंसा व्याख्यान	8 दिसम्बर, 2019	नई दिल्ली	महात्मा गांधी की 150वीं जयन्ती के अवसर पर "गांधी स्मृति शान्ति और अहिंसा व्याख्यान" का आयोजन किया गया। प्रसिद्ध बौद्ध विद्वान श्री समथोंग रिनपोछेजी ने इस अवसर पर प्रमुख व्याख्यान दिया। प्रो. (डॉ.) केशव राव वुरकुला, कुलपति, नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ स्टडी एंड रिसर्च इन लॉ, राची, ने समारोह की अध्यक्षता की।
123	"एक वैश्विक अहिंसक ग्रह के लिए गांधीवादी मार्ग" पर व्याख्यान	9 दिसम्बर, 2019	नई दिल्ली	समिति द्वारा 9 दिसम्बर, 2019 को गांधी दर्शन में "एक वैश्विक अहिंसक ग्रह के लिए गांधीवादी मार्ग: शांति की संस्कृति के लिए रणनीतियां" पर एक दिवसीय चर्चा का आयोजन किया गया। इस चर्चा में, प्रख्यात गांधीवादी और अन्य प्रबुद्ध लोगों ने देश और दुनिया में शांति स्थापित करने की प्रक्रिया और विश्व शांति में अहिंसा के महत्व पर चर्चा की। इस कार्यक्रम में मुख्य वक्ता श्रद्धेय प्रो. समथोंग रिनपोछे थे। हरिजन सेवा संघ के उपाध्यक्ष श्री लक्ष्मीदास ने चर्चा का संचालन किया।
124	जापान के शिजेनकन विश्वविद्यालय के प्रतिनिधिमंडल का गांधी स्मृति दौरा	10 दिसम्बर, 2019	नई दिल्ली	शिजनकॉन यूनिवर्सिटी जापान के ग्रेजुएट स्कूल ऑफ लीडरशिप एंड इनोवेशन टोक्यो के प्रतिनिधिमंडल ने स्कूल ऑफ इंस्पायर्ड लीडरशिप (एसओआईएल), गुरुग्राम, भारत के सहयोग से 10 दिसम्बर, 2019 को गांधी स्मृति का दौरा किया।
125	प्रबुद्ध सम्वाद ने किया भारत की सांस्कृतिक और पारम्परिक विरासत को संरक्षित करने के लिए लोगों से आग्रह	10 दिसम्बर, 2019	नई दिल्ली	राष्ट्रवाद और सांस्कृतिक विरासत 'पर एक संवाद का आयोजन 10 दिसम्बर, 2019 को गांधी दर्शन में किया गया। इसमें 400 से अधिक प्रतिभागियों की सभा को सम्बोधित करते हुए विशिष्ट अतिथियों ने भारत की सांस्कृतिक विरासत पर गर्व करने की आवश्यकता पर बल दिया।
126	"अनसंग बिल्डर्स ऑफ मॉडर्न भारत " किताब श्री लालकृष्ण आडवानी को भेंट की गई	13 दिसम्बर, 2019	नई दिल्ली	गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति द्वारा प्रकाशित पुस्तक "अनसंग बिल्डर्स ऑफ मॉडर्न भारत" के लेखक श्री प्रमोद कुमार के साथ समिति के श्री पंकज चौबे ने श्री लालकृष्ण आडवाणी को 13 दिसम्बर को उनके आवास पर जाकर प्रकाशित पुस्तक की प्रति भेंट की।
127	नॉन किलिंग के विचार के प्रति लोगों को जागरूक करना और उनका समर्थन जुटाना: प्रो. एन. राधाकृष्णन	18 दिसम्बर, 2019	नई दिल्ली	समिति ने 18 दिसम्बर, 2019 को गांधी दर्शन में "नॉन किलिंग इंडिया एंड वन करोड़ नॉन वॉयलेंट फैमिली" अभियान के शुभारम्भ के अवसर पर एक संवाद आयोजित किया। इस चर्चा की अध्यक्षता गांधी: 150 समिति, भारत सरकार के सदस्य प्रो. एन. राधाकृष्ण, ने की। चर्चा में अन्य प्रतिभागियों में डॉ. अनूप स्वरूप, श्री गोविंदनाथन नायर, डॉ. वाई. पी. आनंद, श्री गुरुदत्त, प्रो. संजीव, प्रो. रमेश कुमार, श्री यतीश मिश्रा, डॉ. वेदाभ्यास कुण्डू, छात्र और अनेक युवा शामिल थे।
128	तीन दिवसीय युवा नेतृत्व विकास कार्यक्रम	19–21 दिसम्बर, 2019	नई दिल्ली	समिति द्वारा नेहरू युवा केन्द्र संगठन मध्य दिल्ली के सहयोग से दिसम्बर 19–21, 2019 को गांधी दर्शन में तीन दिवसीय "युवा नेतृत्व विकास कार्यक्रम" का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में 55 प्रतिभागियों ने भाग लिया।
129	गांधी और बुद्ध हमारे ज्ञानोदय में हमें प्रकाशित सकते है: शांतम सेठ	22 दिसम्बर, 2019	नई दिल्ली	गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति ने 'अहिंसा ट्रस्ट' के साथ मिलकर "महात्मा गांधी और गौतम बुद्ध के मार्ग पर तीर्थयात्रा" विषय पर दुनिया के विभिन्न हिस्सों से लगभग 55 अंतरराष्ट्रीय प्रतिभागियों के साथ एक संवाद का आयोजन किया। प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व अहिंसा ट्रस्ट के धर्माचार्य शांतम सेठ ने किया। सदस्यों ने 22 दिसम्बर, 2019 को गांधी स्मृति में शहीद स्तम्भ पर महात्मा गांधी को अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

130	तृतीय अनुपम मिश्र व्याख्यान	22 दिसम्बर, 2019	नई दिल्ली	प्रख्यात पत्रकार और हिंदी दैनिक "जनसत्ता" के पूर्व सम्पादक, श्री बनवारीजी ने 22 दिसम्बर, 2019 को गांधी दर्शन में तीसरा "अनुपम मिश्र स्मृति व्याख्यान" प्रस्तुत किया। इसमें विभिन्न गांधीवादी संगठनों के प्रतिनिधियों समेत लगभग 95 प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यक्रम में दिवंगत श्री अनुपम मिश्र के परिवार के सदस्य, युवा और छात्र, पत्रकार भी शामिल हुए। व्याख्यान का विषय "स्वराज और गांधीजी" था।
131	गांधी –150 के मौके पर लाइव पेंटिंग प्रदर्शन	23 दिसम्बर, 2019	नई दिल्ली	गांधी स्मृति और दर्शन समिति के सहयोग से मीडिया परिवार ने 23 दिसम्बर, 2019 को गांधी दर्शन में एक लाइव पेंटिंग प्रदर्शन का आयोजन किया। गांधीजी की 150वीं जयन्ती के हिस्से के रूप में राष्ट्रपिता को श्रद्धांजलि के रूप में कलाकारों ने महात्मा गांधी पर एक लाइव पेंटिंग की।
132	गाँधी कथा का आयोजन	24 दिसम्बर, 2019	नई दिल्ली	खेल एवं युवा मामलों के मंत्रालय, संस्कृति मंत्रालय और गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति द्वारा गांधी दर्शन में गांधी कथा का आयोजन किया गया। जिसमें डॉ. शोभना राधाकृष्ण द्वारा महात्मा गांधी के जीवन प्रसंगों का वर्णन किया गया। कार्यक्रम में नेहरू युवा केन्द्र संगठन के लगभग 270 युवाओं की भागीदारी रही.
133	सदभावना प्रीति भोज प्रसाद	26 दिसम्बर, 2019	नई दिल्ली	महात्मा गांधी की 150वीं जयन्ती मनाने के लिए, समिति ने 26 दिसम्बर, 2019 को गांधी दर्शन में एक "सद्भावना प्रीति भोज प्रसाद" की मेजबानी की। राजीव गांधी कल्याण संस्थान ने गरीब बच्चों, विशेषकर बालिकाओं को उपहार देकर इस कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम में लगभग 255 लोगों ने हिस्सा लिया।
134	वार्षिक समीक्षा बैठक आयोजित	30 दिसम्बर, 2019	नई दिल्ली	समिति निदेशक श्री दीपंकर श्री ज्ञान ने 30 दिसम्बर, 2019 को गांधी दर्शन में सम्पूर्ण स्टाफ की वार्षिक समीक्षा बैठक ली। समिति की विभिन्न इकाइयों ने समीक्षा बैठक में अपनी प्रस्तुतियां दीं, जिसमें महात्मा गांधी की 150वीं जयन्ती को लेकर भविष्य के कार्यक्रमों पर चर्चा की गई। दिन भर चली इस बैठक में विभिन्न इकाइयों के विभिन्न मुद्दों और उनके समाधान पर मंथन किया गया।
135	पूर्व सांसद श्री ए. बी. स्वामी को श्रद्धांजलि	31 दिसम्बर, 2019	नई दिल्ली	समिति निदेशक श्री दीपंकर श्री ज्ञान के नेतृत्व में स्टाफ ने 31 दिसम्बर, 2019 को ओड़िशा के पूर्व संसद सदस्य, श्री अलजंगी विश्वनाथ स्वामी को श्रद्धांजलि अर्पित की। वह 91 वर्ष के थे। पूर्व सांसद ने गुआपाडा जिले के खारियार रोड में अपने आवास पर अंतिम सांस ली। 18 जुलाई, 2019 को नबरंगपुर जिले में जन्मे श्री स्वामी 2012 से 2018 तक एक स्वतंत्र उम्मीदवार के रूप में संसद के ऊपरी सदन, राज्य सभा के लिए चुने गए थे।
136	गांधी विनिमय कार्यक्रम	24–26 दिसम्बर, 2019	पटना, बिहार	समिति ने दो बुनियादी विद्यालय, बृंदावन, कुमारबाग और सिरसिया अड्डा के बच्चों को स्कूल ऑफ क्रिएटिव लर्निंग पटना में भेजकर तीन दिवसीय गांधी विनिमय कार्यक्रम का आयोजन किया। 24–26 दिसम्बर, 2019 तक आयोजित इस कार्यक्रम में 30 बच्चों और समन्वयक शिक्षकों ने कार्यक्रम में भाग लिया।
137	गांधीवादी सिद्धांतों और न्यायपालिका पर संगोष्ठी	10 दिसम्बर, 2019	रांची, झारखण्ड	समिति ने नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ स्टडी एंड रिसर्च इन लॉ, रांची के सहयोग से 10 दिसम्बर, 2019 को रांची में गांधीवादी सिद्धांतों और न्यायपालिका पर एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया। इस संगोष्ठी के हिस्से के रूप में गांधीवादी सिद्धांतों के विभिन्न आयामों पर चर्चा की गई जो न्यायिक प्रणाली के लिए महत्त्वपूर्ण हैं।
138	न्यायिक प्रणाली में अहिंसक संचार पर कार्यशाला	11 दिसम्बर, 2019	रांची, झारखण्ड	11 दिसम्बर, 2019 को नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ स्टडी एंड रिसर्च इन लॉ, रांची में न्यायिक प्रणाली में अहिंसक संचार समिति द्वारा एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में विधि महाविद्यालयों के अनेक छात्रों ने भाग लिया।
139	कौशल विकास के लिए गांधीवादी परिप्रेक्ष्य पर संगोष्ठी	13 दिसम्बर, 2019	रांची, झारखण्ड	"कौशल विकास के लिए गांधीवादी परिप्रेक्ष्य" पर चर्चा करने के लिए, गांधी स्मृति और दर्शन समिति ने 13 दिसम्बर, 2019 को झारखण्ड के रांची में एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया। कार्यक्रम का आयोजन विकास भारती बिशुनपुर के सहयोग से किया गया था। संगोष्ठी की अध्यक्षता पद्मश्री श्री अशोक भगत ने की। अपने सम्बोधन में श्री भगत ने कौशल विकास में गांधीवादी दृष्टिकोण अपनाने पर जोर दिया।

140	गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति द्वारा दिल्ली पब्लिक लाइब्रेरी की पुस्तक प्रदर्शनी में शिरकत	1 से 15 जनवरी, 2019	दिल्ली	महात्मा गांधी की 150वीं जयन्ती और 550वें प्रकाश पर्व के अवसर पर, दिल्ली पब्लिक लाइब्रेरी (DPL) ने 1–15 जनवरी, 2020 से 15–दिवसीय उत्सव का आयोजन किया, जिसके दौरान विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। महात्मा गांधी की पुस्तकों और तस्वीरों पर एक प्रदर्शनी प्रदर्शित की गई, जिसमें समिति ने भी भाग लिया।
141	महात्मा गांधी के मार्ग पर– शांति और अहिंसा की ओर भारत–रवांडा	7 जनवरी, 2019	दिल्ली	भारत में रवांडा के उच्चायोग के साथ मिलकर समिति ने 7 जनवरी, 2020 को एक संवादात्मक सत्र का आयोजन किया। इस अवसर पर भारत में रवांडा के उच्चायुक्त श्री अर्नेस्ट रवामुको, ने रवांडा के इतिहास पर व्याख्यान दिया और कैसे देश स्वयं विकसित हुआ व 1994 के रवांडा नरसंहार के बाद शांतिपूर्ण राज्य बना, इस विषय पर उन्होंने अपने विचार व्यक्त किये। रमन मुंजाल विद्या मंदिर सीनियर सेकेण्डरी स्कूल, दिल्ली–जयपुर हाईवे, हरियाणा और मंथन स्कूल गाजियाबाद के छात्रों सहित 125 प्रतिभागियों ने कार्यक्रम में भाग लिया।
142	'अपने संविधान को जानें' पर प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित	10 जनवरी, 2020	नई दिल्ली	भारत के संविधान निर्माण के 70 वर्षों के पूर्ण होने के अवसर पर, समिति ने दूरदर्शन के सहयोग से दूरदर्शन स्टूडियो में "अपने संविधान को जानो" शीर्षक से एक प्रश्नोत्तरी का आयोजन किया।
143	72वें शहीदी दिवस के लिए पूर्वाभ्यास	जनवरी, 2020	नई दिल्ली	लगभग 450 बच्चों ने क्रमशः 17, 21, 22, 24, 27, 28 और 29 जनवरी, 2020 को गांधी दर्शन और गांधी स्मृति में महात्मा गांधी की 72वीं पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि के रूप में समिति द्वारा आयोजित संगीतमय पूर्वाभ्यास में भाग लिया। दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के 20 से अधिक स्कूलों के बच्चों ने पूर्वाभ्यास में भाग लिया।
144	10 दिवसीय मूल्य निर्माण शिविर का आयोजन	23 जनवरी से 2 फरवरी, 2020	नई दिल्ली	गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति द्वारा 23 जनवरी से 2 फरवरी, 2020 तक गांधी दर्शन में 10 दिवसीय मूल्य निर्माण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में कस्तूरबा महिला विद्यापीठ सेवापुरी, वाराणसी, उत्तर प्रदेश के शिक्षकों और समन्वयकों के साथ लगभग 46 बच्चे मधेपुरा बिहार के जिला प्रशासन द्वारा अनुशंसित आठ विद्यालयय और भारतीय विद्या भवन, हैदराबाद तेलंगाना के विद्यार्थी सम्मिलित हुए।
145	ऑस्ट्रियाई इतिहासकार डॉ. मार्गिट फ्रांज द्वारा व्याख्यान	27 जनवरी, 2020	नई दिल्ली	महात्मा गांधी की 150वीं जयन्ती के मौके पर समिति द्वारा भारत में ऑस्ट्रियाई उच्चायोग के साथ 27 जनवरी, 2020 को 'अंतरराष्ट्रीय प्रलय स्मरण' की पूर्व संध्या पर व्याख्यान आयोजित किया गया। जाने–माने इतिहासकार डॉ. मार्गित फ्रांज द्वारा "गांधी का भारत: निर्वासित यहूदियों के लिए एक सुरक्षित आश्रय" विषय पर व्याख्यान दिया गया।
146	शिक्षा के भविष्य" पर "होलोग्राफिक गांधी 'के साथ संवाद	27 जनवरी, 2020	नई दिल्ली	महात्मा गांधी की 150वीं जयन्ती और 'संयुक्त राष्ट्र अंतरराष्ट्रीय शिक्षा दिवस' मनाने के लिए शिक्षकों, छात्रों, शिक्षाविदों और नीति निर्माताओं सहित लगभग 400 प्रतिभागियों ने कमानी ऑडिटोरियम में "शिक्षा के भविष्य" विषय पर आयोजित एक चर्चा में भाग लिया। यह कार्यक्रम गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति और यूनेस्को एमजीआईईपी द्वारा आयोजित किया गया।
147	महात्मा गांधी की शहादत की 72वीं वर्षगांठ	30 जनवरी, 2020	नई दिल्ली	महात्मा गांधी के बलिदान दिवस पर भारत के माननीय उपराष्ट्रपति श्री एम. वेंकैया नायडू और माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में गांधीजी को श्रद्धांजलि अर्पित की गयी। गांधी स्मृति में आयोजित सर्वधर्म प्रार्थना सभा में संगीत मार्तण्ड पद्म विभूषण पंडित जसराज ने भक्ति संगीत की प्रस्तुति दी। इसके अतिरिक्त दिल्ली, एनसीआर के 23 स्कूलों के लगभग 500 बच्चे, मधेपुरा, बिहार के जिला प्रशासन द्वारा अनुशंसित आठ स्कूलों के बच्चे भारतीय विद्या भवन हैदराबाद तेलंगाना और कस्तूरबा महिला विद्यापीठ सेवापुरी वाराणसी के बच्चों ने भी महात्मा गांधी को संगीतमय श्रद्धांजलि अर्पित की।
148	कलाकार संजीव आनंद द्वारा निर्मित महात्मा गांधी की चारकोल स्केच की प्रदर्शनी का उद्घाटन	30 जनवरी, 2020	नई दिल्ली	गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति की पूर्व अध्यक्ष श्रीमती तारागांधी भट्टाचार्जी, ने 30 जनवरी, 2020 को गांधी स्मृति, कीर्ति मंडप में महात्मा गांधी के जीवन की प्रमुख ऐतिहासिक घटनाओं पर फ्री–हैंड चारकोल स्केच की एक चौदह–पैनल प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। वर्तमान में फ्लोरिडा में रहने वाले एक भारतीय श्री संजीव आनंद द्वारा इस प्रदर्शनी को तैयार किया गया था।

149	पंचायती राज व्यवस्था में महिलाओं की क्षमता बढ़ाने पर कार्यशाला	20 जनवरी, 2020	रायपुर, छत्तीसगढ़	नवीन अंकुर महिला मंडल द्वारा रायपुर छत्तीसगढ़ में "पंचायती राज व्यवस्था में महिलाओं की क्षमताओं को बढ़ाने" पर 20 जनवरी, 2020 को एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसमें रायपुर अंचल की पांच ग्राम पंचायतों की लगभग 335 महिलाओं ने भाग लिया।
150	महात्मा के मार्ग पर–शांति और अहिंसा की ओर भारत और अर्मेनिया	10 फरवरी, 2020	नई दिल्ली	महात्मा गांधी की 150वीं जयन्ती पर श्रद्धांजलि स्वरूप गांधी स्मृति में सांस्कृतिक–आदान–प्रदान कार्यक्रम आयोजित किया गया था। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में भारत में आर्मेनिया के राजदूत श्री अरमान मार्टिरोसियन थे।
151	महात्मा के मार्ग में–शांति और अहिंसा की ओर भारत उज़्बेकिस्तान	14 फरवरी, 2020	नई दिल्ली	उज़्बेकिस्तान के दूतावास के सहयोग से समिति ने "महात्मा के मार्ग में –शांति और अहिंसा की ओर भारत उज़्बेकिस्तान" पर एक परिचर्चात्मक सत्र आयोजित किया। उज़्बेकिस्तान के कलाकारों द्वारा उज़्बेकिस्तान के लोक संगीत पर एक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। दूतावास द्वारा एक प्रदर्शनी भी लगाई गई थी।
152	प्रो. जे. एस. राजपूत की पुस्तक–गांधी को समझने का यही समय" का श्री मोहन भागवत द्वारा विमोचन.	17 फरवरी, 2020	नई दिल्ली	इस पुस्तक विमोचन कार्यक्रम में लगभग 525 लोगों ने हिस्सा लिया। प्रख्यात संविधान विशेषज्ञ डॉ. सुभाष कश्यप, प्रो. जे. एस. राजपूत, शिक्षाविदों, लेखकों और अन्य लोगों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया।
153	गांधी–कारीगर हाट का उद्घाटन	20 फरवरी, 2020	नई दिल्ली	गांधी दर्शन में आयोजित एक विशेष समारोह में, पूर्व राज्य सभा सांसद, डॉ. कर्ण सिंह, ने "गांधी–कारीगर हाट" का उद्घाटन किया, जिसमें 200 से अधिक लोग मौजूद थे। जैन मुनि राष्ट्रसंत गुरुदेव श्री नम्र मुनि, समिति के कार्यकारिणी सदस्य श्री लक्ष्मीदास, प्रख्यात गांधीवादी श्री बसंत सिंह, श्री सीता राम गुप्ता, सीईओ ल्यूपिन ह्यूमन वेलफेयर ऑर्गनाइजेशन, भरतपुर के साथ समिति निदेशक श्री दीपंकर श्री ज्ञान इस अवसर पर उपस्थित थे।
154	"रिपोर्ट टू गांधी" पर राष्ट्रीय सम्मेलन	21–23 फरवरी, 2020	नई दिल्ली	इस कार्यक्रम में लगभग 125 प्रतिभागियों ने भाग लिया। जिसमें सर्वोदय कार्यकर्त्ता, गांधीवादी रचनात्मक कार्यकर्त्ता, विभिन्न राज्यों जैसे पश्चिम बंगाल, बिहार, तमिलनाडु, गोवा, ओड़िशा, हरियाणा, केरल के समकालीन शिक्षाविदों ने समकालीन दुनिया के मुद्दों और चुनौतियों पर चर्चा की। इस अवसर पर विभिन्न संगठनों द्वारा गांधी की 150वीं जयन्ती पर किये जाने वाले कार्यक्रमों पर मंथन किया गया।
155	'बा' के 76वें निर्वाण दिवस पर कस्तूरबा कथा	22 फरवरी, 2020	नई दिल्ली	'बा', कस्तूरबा गांधी का 76वां निर्वाण दिवस (पुण्यतिथि) 22 फरवरी, 2020 को कथा व्यास डॉ. शोभना राधाकृष्ण द्वारा कस्तूरबा कथा का आयोजन करके गांधी दर्शन में मनाया गया। 'कस्तूरबा कथा' में कस्तूरबा के आरम्भिक जीवन से लेकर आगा खाँ पैलेस में 22 फरवरी 1944 को बापू की गोद में उनके अंतिम दिन तक की उनके जीवन के विभिन्न चरणों की कथाओं का वर्णन किया गया।
156	"21वीं सदी में अहिंसा का अभ्यास" पर व्याख्यान	25 फरवरी, 2020	नई दिल्ली	समिति द्वारा शुरू की गयी, शांति और अहिंसक व्याख्यान श्रृंखला के तहत "21वीं सदी में अहिंसा का अभ्यास "विषय पर एक व्याख्यान, गांधी दर्शन में आयोजित किया गया। इसमें प्रख्यात जर्मन विद्वान डॉ. मार्टिन अर्नोल्ड द्वारा प्रमुख व्याख्यान दिया गया।
157	अहिंसा सद्भावना यात्रा और संवाद	26 फरवरी, 2020	नई दिल्ली	जैन मुनि राष्ट्रसंत गुरुदेव श्री नामरामुनी महाराज ने 'अहिंसा सद्भावना यात्रा' तीर्थयात्रा के समापन कार्यक्रम में भाग लिया। यह यात्रा राजकोट से कोलकाता और वाराणसी होते हुए लगभग 2700 किलोमीटर की दूरी तय करते हुए दिल्ली पहुँचकर सम्पन्न हुई। कार्यक्रम में लगभग 200 लोगों ने हिस्सा लिया।
158	अहिंसक सामाजिक नेतृत्व पर युवाओं के लिए दो–दिवसीय कार्यशाला	22–23 फरवरी, 2020	कोलकाता	गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति ने साल्ट लेक इंस्टीच्यूट ऑफ पर्सनैलिटी डेवलपमेंट एंड वैल्यू एजुकेशन (SIPDAVE), कोलकाता के साथ मिलकर "अहिंसक सामाजिक नेतृत्व" के लिए इस युवा कार्यशाला का आयोजन किया। कार्यशाला का आयोजन रामकृष्ण मिशन इंस्टीच्यूट फॉर कल्चर, कोलकाता में किया गया था। कार्यशाला में पश्चिम बंगाल के विभिन्न जिलों के लगभग 300 युवाओं ने हिस्सा लिया। भाग लेने वाले युवाओं ने अहिंसक रणनीतियों का उपयोग करके समाज के अंतिम व्यक्ति के लिए काम करने का संकल्प लिया।

159	"महात्मा गांधी के भोजन के साथ प्रयोग–स्वास्थ्य की कुंजी" पर संवाद	2 मार्च, 2020	नई दिल्ली	गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति ने 2 मार्च, 2020 को गांधी दर्शन में "महात्मा गांधी के भोजन के साथ प्रयोग–स्वास्थ्य की कुंजी" विषय पर एक दिवसीय संवाद की मेजबानी की। इस कार्यक्रम का आयोजन केन्द्रीय भण्डार के साथ–साथ उनके रणनीतिक साझेदार, सीएसएल द्वारा किया गया था। इस अवसर पर केन्द्रीय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्रालय, श्री जितेन्द्र सिंह मुख्य अतिथि थे। माननीय संस्कृति मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल ने इस मौके पर कहा कि जो लोग स्वास्थ्य और भोजन के बारे में महात्मा गांधी के विचारों को महज सनक के रूप में खारिज करते हैं, वे वास्तव में खुद के साथ बहुत बड़ा अन्याय करते हैं क्योंकि ऐसा करने में वे केवल एक ध्वनि वैज्ञानिक राय से वंचित रहते हैं।
160	अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस की पूर्व संध्या पर शांति प्रार्थना	7 मार्च, 2020	नई दिल्ली	गिल्ड ऑफ सर्विसेज, गांधी स्मृति और दर्शन समिति द्वारा संयुक्त रूप से 7 मार्च, 2020 को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस की पूर्व संध्या पर एक अंतर–विश्वास शांति प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विभिन्न समाजों के धार्मिक नेताओं, गायकों और नागरिक समाज के सदस्यों ने भाग लिया। इस अवसर पर गिल्ड ऑफ सर्विसेज की चेयरपर्सन डॉ. वी. मोहिनी गिरी उपस्थित थीं। महात्मा गांधी के शहादत स्थल, गांधी स्मृति के वातावरण में कबीर, तुलसीदास, गुरु नानक के गीतों ने और महात्मा गांधी के पसंदीदा गीत वैष्णव जन तो और रामधुन ने माहौल को भक्तिरस से सराबोर कर दिया।
161	ब्रिक्स प्रतिनिधिमंडल का गांधी स्मृति दौरा	12 मार्च, 2020	नई दिल्ली	12 मार्च, 2020 को ब्रिक्स फोरम के प्रतिनिधियों के रूप में रूस के आठ सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने दांडी मार्च की 90वीं वर्षगांठ पर गांधी स्मृति पहुंचकर गांधीजी को श्रद्धांजलि अर्पित की। सार्वजनिक क्षेत्र के संगठन की अध्यक्ष सुश्री लुडमिला सेकाचेवा का यह पहला दौरा नहीं था, क्योंकि वह "ब्रिक्स के महान शिक्षक" पर काम कर रही थीं। सुश्री गुजेल स्ट्रेलकोवा के साथ सुश्री लुडमिला, एशियाई और अफ्रीकी देशों के संस्थान, मास्को के एसोसिएट प्रोफेसर, ने समिति को झण्डे और पत्रक प्रस्तुत किए, जिसमें ब्रिक्स देशों के बीच स्वस्थ और आजीवन सहयोग का संदेश था। एक अन्य विशिष्ट अतिथि गुरु प्रेम प्रयोजन थे जिनका जन्म इंग्लैंड में हुआ था लेकिन अब उन्हें वृंदावन में वेदों में महारत हासिल है।
162	COVID-19 पर जागरूकता कार्यशाला	17 मार्च, 2020	नई दिल्ली	समिति के 50 प्रतिभागियों ने गांधी स्मृति में COVID-19 पर आयोजित जागरूकता कार्यशाला में भाग लिया, जिसे विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा 'महामारी' घोषित किया गया है। डॉ. मंजू अग्रवाल द्वारा इस कार्यशाला का संचालन किया गया, जहां प्रतिभागियों को सुरक्षात्मक मास्क वितरित किए गए। इसी तरह का एक जागरूकता कार्यक्रम 17 मार्च को गांधी दर्शन राजघाट में डॉ. मंजू अग्रवाल द्वारा आयोजित किया गया था। जिसमें लगभग 100 प्रतिभागियों ने भाग लिया था। कार्यशाला का समापन हाथ धोने और अन्य स्वास्थ्य और स्वच्छता दिशा–निर्देशों की विभिन्न तकनीकों के व्यावहारिक प्रदर्शन के साथ हुआ।

महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि

महात्मा गांधी की 150वीं जयन्ती और अंतरराष्ट्रीय अहिंसा दिवस का आयोजन

भारत के माननीय राष्ट्रपति, श्री रामनाथ कोविन्द के नेतृत्व में 2 अक्तूबर को महात्मा गांधी की 150वीं जयन्ती पर कृतज्ञ राष्ट्र ने 2 अक्तूबर 2019 को महामहिम राष्ट्रपति श्री रामनाथ कोविन्द के नेतृत्व में महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि अर्पित की। गाँधी स्मृति में आयोजित इस कार्यक्रम को अंतरराष्ट्रीय अहिंसा दिवस के रूप में मनाया। दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र मध्य प्रदेश और जालंधर के 38 संस्थानों से आये लगभग 1000 बच्चों ने कार्यक्रम में भाग लिया और राष्ट्रपिता को संगीतमय श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम के दौरान बच्चों ने संयुक्त राष्ट्र के 193 सदस्य देशों के झण्डे लहराए जिसमें भारतीय तिरंगा भी शामिल था।

इस अवसर पर माननीय संस्कृति मंत्री और समिति के उपाध्यक्ष श्री प्रहलाद सिंह पटेल, संस्कृति मंत्रालय के सचिव श्री अरुण गोयल, संयुक्त सचिव श्री एस. सी. बर्मा, समिति की कार्यकारिणी सदस्य श्री शंकर कुमार सान्याल, श्री लक्ष्मीदास, समिति के पूर्व सलाहकार श्री बसंत और विभिन्न क्षेत्रों के गणमान्य लोग उपस्थित थे।

इस अवसर पर आयोजित सर्व–धर्म प्रार्थना सभा में विभिन्न धर्मों के धार्मिक नेताओं ने भाग लिया। संयुक्त राष्ट्र सूचना केन्द्र के भारत और भूटान प्रभारी श्री राजीव चन्द्रन ने इस अवसर पर संयुक्त राष्ट्र महासचिव श्री एंटोनियो गुतरस के संदेश को पढ़ा।

शास्त्रीय कलाकार पद्म श्री पंडित अजय चक्रवर्ती ने इस अवसर पर गांधीजी रवीन्द्रनाथ टैगोर, आचार्य विनोबा भावे के पदों का गायन किया और भक्ति संगीत का प्रस्तुतिकरण किया।

गांधी स्मृति में महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि अर्पित करते पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह।

गांधी स्मृति में महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि अर्पित करते गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति के उपाध्यक्ष व माननीय संस्कृति मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल। उनके साथ हैं समिति के निदेशक श्री दीपंकर श्री ज्ञान।

महात्मा गांधी की 150वीं जयंती के अवसर पर महामहिम राष्ट्रपति श्री रामनाथ कोविंद महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए।

पद्मश्री पं. अजय चक्रवर्ती, जिन्होंने संगीतमय कार्यक्रम प्रस्तुत किया, गांधीजी को श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए।

(ऊपर से नीचे) महात्मा गांधी की 150वीं जयन्ती पर तिरंगा और यूएन के 198 सदस्य देशों का झण्डा लहराते, मध्यप्रदेश, जालंधर सहित दिल्ली और एनसीआर के विभिन्न स्कूलों के 38 बच्चे और दिव्यांग बच्चे।

पद्मश्री पं. अजय चक्रवर्ती महामहिम राष्ट्रपति को स्मृतिचिन्ह भेंट करते हुए, साथ में समिति के माननीय उपाध्यक्ष व संस्कृति मंत्री श्री प्रहलाद पटेल और निदेशक श्री दीपंकर श्री ज्ञान व अनेक धर्मगुरू भी दिखाई दे रहे हैं।

संगीत मार्तण्ड पंडित जसराज द्वारा महात्मा गांधी के शहीदी दिवस पर भक्ति संगीत का आयोजन

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 72वीं पुण्यतिथि के अवसर पर प्रख्यात शास्त्रीय गायक 91 वर्षीय पंडित जसराज ने गांधी स्मृति में भक्ति संगीत के माध्यम से बापू को श्रद्धासुमन भेंट किये। गांधी स्मृति में 30 जनवरी, 2020 को आयोजित इस कार्यक्रम में बापू के प्रिय भजनों की मनोहारी प्रस्तुती दी गयी। इस अवसर पर भारत के माननीय उपराष्ट्रपति श्री एम. वेंकैया नायडू और माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने समाज के विभिन्न क्षेत्रों से आये 2000 से अधिक लोगों की उपस्थिति में प्रार्थना सभा में शिरकत की और गांधी जी के पसंदीदा भजन रघुपति राघव राजा राम को सुना। पूर्व उप राष्ट्रपति, डॉ. मोहम्मद हामिद अंसारी, पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह, संस्कृति मंत्री और समिति के उपाध्यक्ष श्री प्रहलाद सिंह पटेल, समिति की पूर्व उपाध्यक्षा श्रीमती तारागांधी भट्टाचार्जी व संस्कृति मंत्रालय के अनेक अधिकारी भी इस कार्यक्रम में शामिल हुए।

गांधी स्मृति में महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि अर्पित करते गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति के उपाध्यक्ष व माननीय संस्कृति मंत्री श्री प्रहलाद पटेल। उनके साथ हैं समिति के निदेशक श्री दीपंकर श्री ज्ञान।

महात्मा गांधी के 72वें बलिदान दिवस पर गांधी स्मृति मे श्रद्धांजलि अर्पित करते माननीय उपराष्ट्रपति श्री वैंकेया नायडू। समिति के उपाध्यक्ष व माननीय संस्कृति व पर्यटन मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल भी उनके साथ हैं।

महात्मा गांधी के 72वें बलिदान दिवस पर गांधी स्मृति में अपने दादाजी को श्रद्धांजलि अर्पित करती गांधीजी की पौत्री व गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति की पूर्व उपाध्यक्ष श्रीमती तारा गांधी भट्टाचार्य।

महात्मा गांधी के 72वें बलिदान दिवस पर श्रद्धांजलि अर्पित करते माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी।

(बाएं से दाए) संस्कृति मंत्रालय के सचिव श्री योगेन्द्र त्रिपाती, संयुक्त सचिव एस. सी. ब्रम्मा व समिति निदेशक श्री दीपंकर श्री ज्ञान महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए।

कार्यक्रम में दिल्ली, एनसीआर के 23 स्कूलों के लगभग 500 बच्चे, जिसमें मधेपुरा, बिहार के जिला प्रशासन द्वारा अनुशंसित आठ स्कूलों के बच्चे, भारतीय विद्या भवन हैदराबाद तेलंगाना और कस्तूरबा महिला विद्यापीठ सेवापुरी वाराणसी के बच्चे भी शामिल थे, ने महात्मा गांधी को एक संगीतमय श्रद्धांजलि अर्पित की, जिसे स्वर तृष्णा के श्री सुधांशु बहुगुणा ने समन्वित किया। युवा कृष्ण प्रसन्ना ने बांसुरीवादन कर सुधांशुजी का सहयोग किया।

बापा आश्रम आवासीय प्राथमिक विद्यालय, हरिजन सेवक संघ और कस्तूरबा बालिका विद्यालय ईश्वर नगर के बच्चों ने अपने समन्वयकों के साथ चरखा कताई का प्रदर्शन किया और विभिन्न धर्मों के धर्मगुरुओं ने धर्मग्रंथों का पाठ किया।

गांधीजी के इस कार्यक्रम का समापन दो मिनट की मौन श्रद्धांजलि के साथ हुआ।

महात्मा गांधी के 72वें बलिदान दिवस पर 30 जनवरी, 2020 को भक्ति संगीत का कार्यक्रम प्रस्तुत करते हुए संगीत मार्तंड पद्मविभूषण पंडित जसराज।

दिल्ली, एनसीआर, बिहार, वाराणसी, हैदराबाद, के 23 स्कूलों के करीब 500 बच्चों ने महात्मा गांधी को संगीतमयी श्रद्धांजलि दी, जबकि काफी संख्या में आए विभिन्न क्षेत्रों के गणमान्य लोगों ने गांधीजी के स्मारक स्थल पर श्रद्धासुमन अर्पित किए।

महात्मा गांधी के 72वें बलिदान दिवस पर 30 जनवरी, 2020 को महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए संगीत मार्तंड पद्मविभूषण पंडित जसराज।

कार्यक्रम के पश्चात पंडित जसराज से बातचीत करते माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी। उनके साथ लोकसभा के माननीय स्पीकर श्री ओम बिरला भी हैं।

महात्मा गांधी के 72वें बलिदान दिवस पर 30 जनवरी को प्रार्थनास्थल पर उपस्थित विभिन्न धर्मों के गुरू, चित्र में श्री सुधांशु बहुगुणा भी बच्चों के संगीतमय श्रद्धांजलि कार्यक्रम का संचालन करते दिखाई दे रहे हैं, उनके साथ बांसुरी पर श्री कृष्ण प्रसन्ना हैं।

समारोह में चरखा कताई का प्रदर्शन करते हुए गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति के सदस्यगण।

राष्ट्रपिता की 72वीं पुण्यतिथि पर महात्मा गांधी को मौन श्रद्धांजलि।

महत्त्वपूर्ण पहल

गांधी : 150 के तहत महत्त्वपूर्ण पहल

कोलकाता

गाँधी स्मृति एवं दर्शन समिति द्वारा कोलकाता एयरपोर्ट पर गांधी गैलरी की स्थापना

पश्चिम बंगाल के माननीय राज्यपाल श्री केशरी नाथ त्रिपाठी ने 25 जुलाई, 2019 को नेताजी सुभाष चन्द्र बोस अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा, कोलकाता में महात्मा गांधी की 150वीं जयंती के अवसर पर आयोजित एक विशेष समारोह में गांधी गैलरी–महात्मा गांधी व्याख्या केन्द्र का उद्घाटन किया। श्री शंकर कुमार सान्याल, सदस्य, कार्यकारी समिति जीएसडीएस और अध्यक्ष हरिजन सेवक संघ, श्री कौशिक भट्टाचार्य, निदेशक कोलकाता एयरपोर्ट, श्री दीपंकर श्री ज्ञान, निदेशक, गांधी स्मृति और दर्शन समिति, श्रीमती गीता शुक्ला, शोध अधिकारी और अन्य उद्घाटन समारोह में उपस्थित थे। भूमा इन्फोटेक के श्री मनीष भी इस अवसर पर उपस्थित थे।

(ऊपर और नीचे) कोलकाता हवाई अड्डे पर गांधी गैलरी के उद्घाटन समारोह में दीप प्रज्ज्वलित करते हुए पं. बंगाल के माननीय राज्यपाल श्री केसरीनाथ त्रिपाठी। चित्र में समिति के कार्यकारिणी सदस्य श्री शंकर कुमार सान्याल, समिति निदेशक श्री दीपंकर श्री ज्ञान व कोलकाता हवाई अड्डा के निदेशक श्री कौशिक भट्टाचार्य भी महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि दे रहे हैं।

उद्घाटन के बाद, माननीय राज्यपाल ने गांधी गैलरी में प्रदर्शनी का अवलोकन किया कियोस्क के माध्यम से महात्मा गांधी की जीवन यात्रा पर आधारित डिजिटल प्रदर्शनी भी उन्होंने देखी।

उल्लेखनीय है कि महात्मा गांधी की 150वीं जयन्ती के अवसर पर गाँधी स्मृति एवं दर्शन समिति द्वारा गांधी गैलरी–महात्मा गांधी व्याख्या केन्द्र की स्थापना भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) के सहयोग से की गयी है। यह महात्मा के जीवन, विचारों, दर्शन और गतिविधियों पर आधारित एक स्थायी प्रदर्शनी गैलरी है।

यह गैलरी के कोलकाता हवाई अड्डे के आगमन लाउंज में स्थापित किया गया है, जहां महात्मा गांधी के पश्चिम बंगाल के साथ जुड़ाव को 24 पैनलों में प्रदर्शित किया गया है। स्थानीय नेताओं, स्वतंत्रता

कोलकाता हवाई अड्डे पर डिजिटल इंटरेक्टिव कियोस्क का उद्घाटन करते हुए पं. बंगाल के माननीय राज्यपाल श्री केसरीनाथ त्रिपाठी। उनके साथ श्रीमती गीता शुक्ला, श्री कौशिक भट्टाचार्य, श्री दीपंकर श्री ज्ञान व श्री शंकर कुमार सान्याल भी उपस्थित हैं।

गांधीजी की 150वीं जयन्ती के अवसर पर कोलकाता हवाई अड्डे पर गांधी गैलरी के उद्घाटन समारोह में पं. बंगाल के माननीय राज्यपाल श्री केसरीनाथ त्रिपाठी के साथ उपस्थित जनसमूह।

सेनानियों और अन्य लोगों के साथ उनकी तस्वीरों का प्रदर्शन किया गया है। इस प्रदर्शनी में गुरुदेव रवीन्द्रनाथ टैगोर और नेताजी सुभाष चन्द्र बोस के साथ गांधीजी के सम्बन्धों को प्रमुखता से दिखाया गया है। सोदपुर आश्रम, नोआखली यात्रा, 1946–1947 में साम्प्रदायिक सद्भाव बनाए रखने के उनके प्रयासों को भी विस्तृत रूप से प्रदर्शित किया गया है।

इसके अतिरिक्त गांधी गैलरी में स्थापित डिजिटल कियोस्क में प्रौद्योगिकी के उपयोग के माध्यम से महात्मा गांधी के जीवन और समय को लोगों

पं. बंगाल के माननीय राज्यपाल श्री केसरीनाथ त्रिपाठी के साथ समूहचित्र के अवसर पर उपस्थित कोलकाता हवाई अड्डे और गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति के कर्मचारीगण।

के समक्ष प्रस्तुत किया गया है। इसमें गांधी जी के आदर्शों और दर्शन को समझने और युवा पीढ़ी को गांधी की जानकारी देने के लिए क्विज, महात्मा पर फिल्में और अन्य जानकारी शामिल की गयी है।

महात्मा गांधी का कोलकाता के साथ विशेष रूप से गुरुदेव रवीन्द्रनाथ टैगोर से सम्बन्ध सभी जानते हैं। फीनिक्स आश्रम से लौटने पर महात्मा गांधी ने अपने परिवार और अन्य लोगों के साथ शांतिनिकेतन को अपने अस्थायी विराम स्थल के रूप में चुना था। यहाँ कवि, जिन्होंने अपने गायन से हजारों लोगों को आजादी को गले लगाने के लिए प्रेरित किया और महात्मा गांधी, जिन्होंने त्याग का अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किया, मिले और भारत और मानव जाति के प्रति उनके प्रेम ने उन्हें एकजुट किया। गुरुदेव ने गांधी को "महात्मा" : एक महान आत्मा की उपाधि से सम्मानित किया। नेताजी सुभाष चन्द्र बोस ने भी 1944 में पहली बार बापू को "राष्ट्रपिता" के रूप में सम्बोधित किया था।

उल्लेखनीय है कि संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार ने चरणबद्ध तरीके से पूरे भारत में 50 नामित हवाई अड्डों पर "गांधी गैलरी" स्थापित करने की जिम्मेदारी गाँधी स्मृति एवं दर्शन समिति को सौंपी है। इससे पहले लाल बहादुर शास्त्री अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा, वाराणसी में भी समिति द्वारा गांधी गैलरी की स्थापना की गयी है, जिसका उद्घाटन उत्तर प्रदेश के माननीय राज्यपाल श्री राम नाईक ने जनवरी 2019 को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ किया।

कोलकाता हवाई अड्डे का अवलोकन करने आये समिति की कार्यकारिणी सदस्य और हरिजन सेवक संघ के अध्यक्ष श्री शंकर कुमार सान्याल ने कहा कि विभिन्न हवाई अड्डा परिसरों में गांधी गैलरी की स्थापना बहुत अच्छी पहल है। यह एक नया आयाम खोलेगी, क्योंकि इस गैलरी को दुनिया के विभिन्न कोनों से आने वाले बहुत से लोगों द्वारा देखा जाएगा। शांति, सार्वभौमिक भाईचारा और अहिंसा के बापू के संदेश, जो आज न केवल यात्रियों, बल्कि हवाई अड्डे से गुजरने वाली युवा पीढ़ी के बीच भी उतना ही प्रासंगिक है, क्योंकि वे गांधीजी से ज़्यादा परिचित नहीं हैं।

श्री सान्याल ने श्री कौशिक भट्टाचार्य, निदेशक हवाई अड्डा, श्री एच. पुल्ला, महाप्रबंधक (ओपीएस), श्री पंकज गुप्ता, महाप्रबंधक (इंजीनियरिंग–सिविल) और एयरपोर्ट अथोरिटी ऑफ इंडिया के अन्य अधिकारियों से 10 और 13 मई, 2019 को मुलाकात की और गांधी की 150वीं जयन्ती के कार्यक्रमों को लेकर चर्चा की।

झारखण्ड

गुमला में महात्मा गांधी व्याख्या केन्द्र का उद्घाटन

महात्मा गांधी की 150वीं जयंती को मनाने के लिए आयोजित समारोहों के सिलसिले में, विकास भारती बिशुनपुर के सहयोग से समिति ने झारखण्ड के गुमला में व्याख्या केन्द्र की स्थापना की। व्याख्या केन्द्र का उद्घाटन 30 अगस्त, 2019 को बिशुनपुर में सुधीर जोशी (भैयाजी) और श्री आर. पी. सिंह, क्षेत्रीय निदेशक ओएनजीसी, बोकारो द्वारा किया गया था। विकास भारती के सचिव पद्मश्री श्री अशोक भगत, उद्घाटन समारोह में शामिल हुए।

समिति की शोध अधिकारी श्रीमती गीता शुक्ला ने प्रदर्शनी केन्द्र के लेआउट के बारे में उद्घाटन समारोह में प्रस्तुती दी और कार्यक्रम के दौरान प्रतिनिधियों को केन्द्र का दौरा भी करवाया।

मध्य प्रदेश

गांधी की 150वीं जयंती पर ग्राम स्वराज यात्रा का आयोजन

महात्मा गांधी की 150वीं जयन्ती के उपलक्ष्य में, गाँधी स्मृति और दर्शन समिति ने महात्मा गांधी के जीवन, संदेश और दर्शन को समाज के विभिन्न वर्गों तक ले जाने के उद्देश्य से एक "ग्राम

समिति द्वारा झारखण्ड के गुमला में स्थापित महात्मा गांधी व्याख्यान केन्द्र की प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुए माननीय सुधीर जोशी (भैयाजी), उनके साथ हैं पद्मश्री अशोक भगत (चेयरमैन, विकास भारती बिशनपुर) और समिति की शोध अधिकारी श्रीमती गीता शुक्ला।

स्वराज पदयात्रा'' का आयोजन किया। ग्राम स्वराज पदयात्रा का नेतृत्व माननीय संस्कृति मंत्री और समिति के उपाध्यक्ष, श्री प्रहलाद सिंह पटेल ने किया। दिनांक 16–19 अगस्त, 2019 तक मध्य प्रदेश के जिला अनंतपुर से दमोह, तक 86 किमी. की दूरी तय करने वाली इस पदयात्रा में समिति निदेशक श्री दीपंकर श्री ज्ञान, महात्मा गांधी के परपोते और भारत सरकार की गांधी 150 समिति के सदस्य, श्रीकृष्णजी कुलकर्णी, समिति के पूर्व सलाहकार श्री बसंत, डॉ.

(ऊपर) महात्मा गांधी व्याख्या केन्द्र के उद्घाटन समारोह में उपस्थित माननीय सुधीर जोशी व अन्य गणमान्य लोग (नीचे) अतिथियों को प्रदर्शनी के बारे में बताती हुई समिति की शोध अधिकारी श्रीमती गीता शुक्ला।

वेदाभ्यास कुण्डू, कार्यक्रम अधिकारी, श्री जगदीश प्रसाद, श्री रमन कुमार, श्री यतेन्द्र सिंह और कुछ अन्य स्टाफ सदस्य माननीय मंत्री के साथ शामिल हुए। एकता परिषद के श्री पी. वी. राजगोपाल भी यात्रा में शामिल हुए।

अपने जीवनकाल में, महात्मा गांधी ने नागरिकों की चेतना को जगाने और उन्हें ब्रिटिश राज से मुक्ति दिलाने के भारत के प्रयास में शामिल करने को कई पदयात्राएं कीं। महात्मा गांधी, सत्याग्रह, उपवास, पदयात्राओं, प्रार्थना सभाओं आदि में, मुख्य तत्व पारदर्शिता, मानवीय दृष्टिकोण और साधनों की शुद्धता पर जोर देते थे ताकि वांछित लोग अपनी गरिमा के साथ अपना आदर्श जीवन प्रस्तुत कर सकें।

महात्मा गांधी के इस बुनियादी दर्शन को देखते हुए, माननीय प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदी ने संसद के माननीय सदस्यों से अपने निर्वाचन क्षेत्रों में ''पदयात्रा'' करने और ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर महात्मा गांधी की दृष्टि को प्रत्येक बूथ पर प्रतिष्ठित नागरिकों से जोड़ने की अपील की।

गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति के माननीय उपाध्यक्ष व संस्कृति मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल मध्यप्रदेश के दमोह में 86 किमी. की ग्राम स्वराज पदयात्रा का नेतृत्व करते हुए। अंनतपुर से दमोह तक निकली इस यात्रा को भारी जनसमर्थन मिला।

ग्राम स्वराज पदयात्रा में समाज के विभिन्न वर्गों के लोगों के साथ चलते माननीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल। यात्रा में समिति निदेशक श्री दीपंकर श्री ज्ञान भी दिखाई पड़ रहे हैं।

जनसाधारण की भागीदारी दर्शाता ग्राम स्वराज पदयात्रा का विहंगम दृश्य।

16 अगस्त को माननीय संस्कृति मंत्री और समिति उपाध्यक्ष श्री प्रहलाद सिंह पटेल ने अनंतपुरा से चांदपुर तक यात्रा शुरू की उसके बाद चांदपुर से चिरारी, चिरारी से बागसपुरा, बागसपुरा से गोपालपुरा, गोपालपुरा से गुना, गुना से बालेह (रहली विधानसभा) लगभग 22 किलोमीटर की दूरी तय की गयी।

17 अगस्त को यात्रा बालेह से पिपरिया घाट तक शुरू हुई और गुन्जोरा के लिए रवाना हुई। गुन्जोरा से उदयपुरा तक उदयपुरा से मोढ़ पिपरिया मोढ़ाद से गढ़ाकोटा, गढ़ाकोटा से दातपुरा तिराहा, दंतपुरा से खेजरा तिराहा, खेजरा तिराहा से घोगरा, घोघरा से बंसकला लगभग 32 किलोमीटर की दूरी तय की गयी।

18 अगस्त को, यात्रा ने पथरिया विधानसभा से खेजाखेड़ी पथरिया विधान सभा क्षेत्र की लगभग 23 किलोमीटर की दूरी तय की। इस दौरान निम्नलिखित स्थानों को कवर किया गया: बंसकला से पथरिया, पथरिया से बैलाखेड़ी, बैलाखेड़ी से नोरू तिराहा तक नोरु तिराहा से मारा तिराहा, मारा तिराहा से छपरी, छपरी से सदगुरु तिराहा, सदगुरु से सेमरा, सेमरा से जोरतला, जोरतला से खोजाखेड़ी पथरिया विधानसभा।

19 अगस्त को, श्री प्रहलाद सिंह पटेल ने अपनी यात्रा की समाप्ति के लिए खोजखेड़ी विधानसभा से दमोह विधानसभा तक की यात्रा शुरू की और निम्नलिखित स्थानों को कवर किया गया: खोजखेड़ी से परसोरिया, परसोरिया से पिपरिया तिराहा, पिपरिया तिराहा से टिडोनी तिराहा, टिडोनी तिराहा से इमली चौराहा, इमली चौराहा से दमोह के गुरुद्वारा तक। यहीं पर मध्य प्रदेश के दमोह की झुग्गी में गांधीजी ने गुरुद्वारा की नींव रखी थी। महात्मा गांधी अनंतपुर से गढ़ाकोटा होते हुए दमोह आए। मीरा बेन उनके साथ थीं। क्षेत्र के प्रमुख स्वतंत्रता सेनानी पंडित जगन्नाथ प्रसाद पटेरिया द्वारा उन्हें शेवरले कार में दमोह लाया गया था।

श्री प्रहलाद सिंह पटेल ने यात्रा के दौरान आयोजित विशाल जनसभा को सम्बोधित करते हुए कहा कि इस गुरूद्वारे का शिलान्यास महात्मा गांधी ने किया था, अतः गांधीजी को श्रद्धांजली स्वरूप इसी स्थान पर उन्होंने इस यात्रा का समापन करने का फैसला किया।

राष्ट्र के परिवर्तन के लिए हस्तलिखित विचार : पैन इंडिया का एक अभियान

भारत का 73वाँ स्वतंत्रता दिवस महात्मा गांधी के परिवर्तन मंत्र से प्रेरित होकर, भारत भर से आये सामाजिक परिवर्तन विचारों के एक अनूठे प्रदर्शन के साथ मनाया गया। समिति ने कोच्चि स्थित गैर–लाभकारी संस्था के साथ मिलकर पूरे भारत में छात्रों को एक सामाजिक परिवर्तन विचार को पोस्टकार्ड पर लिखने के लिए आमंत्रित करते हुए 'राष्ट्र के लिए हस्तलिखित परिवर्तन विचार' का 73 घंटे का एक अनूठा अभियान शुरू किया। यह अभियान महात्मा गांधी के कालातीत परिवर्तन मंत्र: स्वयं वह परिवर्तन बनिए, जिसे आप दुनिया में देखना चाहते हैं, पर आधारित था। इसके लिए व्यक्तिगत निमंत्रण पूरे भारत के 1500 से अधिक शैक्षिक संस्थानों को ईमेल के माध्यम से दिया गया और उन्हें CHANGE150 कार्यशाला आयोजित करने का अनुरोध किया गया। यह स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर आयोजित एक घंटे का सत्र था, जिसके दौरान छात्र पोस्टकार्ड पर अपने सामाजिक परिवर्तन विचारों को स्पष्ट करने के लिए अपने सम्बन्धित संस्थानों में एक साथ आएंगे। इस अभियान में एक लाख से अधिक प्रतिभागी शामिल हुए।

इस अभियान को भारत के हर क्षेत्रों में, ग्रामीण से शहरी तक, जाति, पंथ, धर्म और आर्थिक बन्धनों की भावनाओं से दूर रहते हुए अपर जनसमर्थन मिला।

इस अभियान के तहत भारत के 15 राज्यों के 35 शहरों से परिवर्तन विचार आए। इनमें नवोदय विद्यालय, केन्द्रीय विद्यालय, भारतीय विद्या भवन और दिल्ली पब्लिक स्कूल से लेकर आईआईएम,

महात्मा गांधी की 150वीं जयंती पर समिति द्वारा समिति उपाध्यक्ष व माननीय संस्कृति मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल के नेतृत्व में आयोजित ग्राम स्वराज पदयात्रा की झलकियां। यह यात्रा 16 से 19 अगस्त, 2019 तक मध्य प्रदेश के विभिन्न हिस्सों में निकाली गई थी, जिसमें माननीय समिति उपाध्यक्ष ने भारी संख्या में उपस्थित लोगों से चर्चा की।

आईआईटी और सैनिक स्कूलों तक, इस अद्वितीय अभियान का हिस्सा बने। इस कार्यक्रम के प्रति लोगों में जूनून का आलम यह था कि कई डाकघरों में पोस्टकार्ड की अभूतपूर्व कमी के बावजूद, इनमें से कई शिक्षण संस्थानों ने अपने CHANGE150 कार्यशालाओं को बाद में फिर से आयोजित किया और कई ने चार्ट पेपर का उपयोग करके अपने स्वयं के पोस्टकार्ड भी बनाए।

के 150 शहरों के आम नागरिकों द्वारा पोस्टकार्ड पर हस्तलिखित परिवर्तन विचारों को जुटाने के लिए एक जन–संचालित मिशन पर रही है। इस प्रकार हजारों लोगों द्वारा प्राप्त संदेशों ने महात्मा के परिवर्तन के मंत्र को कार्य–बिंदुओं में बदल दिया, और युवा भारत को हमारे समाज और राष्ट्र के बड़े हित के लिए सोचने के लिए प्रेरित किया।

BREATHING LIFE INTO BAPU'S 'CHANGE MANTRA'
ACROSS LENGTH & BREADTH OF INDIA

यहां तक कि जब समयसीमा पूरी होने की तारीख बहुत नजदीक थी, तब समिति और लेटरफार्म ने देश भर में फैले 1500 शैक्षणिक संस्थानों को ईमेल और व्यक्तिगत पत्रों के माध्यम से इस अभियान हेतु आमंत्रित करने के लिए कड़ी मेहनत की, और उन्हें महात्मा गांधी की 150वीं जयन्ती वर्ष पर आयोजित कार्यक्रमों का हिस्सा बनने में उनकी मदद की। गांधीजी के परिवर्तन के विचारों से युवाओं को जोड़ने के लिए इस अभियान के तहत भारत भर के युवाओं की उर्जा का उपयोग किया गया। इस तरह के कार्यक्रम देश के विभिन्न हिस्सों में युवाओं को एक साथ जोड़कर महात्मा गांधी की 150वीं जयन्ती समारोह में सफलतापूर्वक ऊर्जा का शानदार समावेश करते हैं। इस कार्यक्रमों के माध्यम से उनकी प्रभावशीलता अधिक संसाधनों और सावधानीपूर्वक अनुवर्ती के साथ कई गुना बढ़ सकती है।

CHANGE150 परियोजना, कोच्चि स्थित गैर–लाभकारी संगठन लेटरफार्म्स द्वारा, 2 अक्तूबर 2018 को शुरू हुई और भारत के राज्यों

इंडिया पोस्ट, नेशनल गांधी म्यूज़ियम दिल्ली, नेशनल रेल म्यूज़ियम दिल्ली और कोच्चि मुज़िरिस बेनेले, CHANGE150 पोस्टकार्ड डिस्प्ले जैसे प्रतिष्ठित संगठनों के साथ भागीदारी करते हुए हजारों आम नागरिकों को एक साधारण पोस्टकार्ड लेने और एक सोशल चेंजमेकर होने के लिए अपना पहला कदम उठाने के लिए प्रेरित किया गया है।

भारत के राष्ट्रपति ने पूज्य मोरारी बापू की गांधी मानस कथा का उद्घाटन किया

भारत के माननीय राष्ट्रपति श्री रामनाथ कोविन्द ने 24 सितम्बर, 2019 को गांधी आश्रम, किंग्सवे कैम्प, दिल्ली में महात्मा गांधी की 150वीं जयन्ती के अवसर पर हरिजन सेवक संघ द्वारा आयोजित पूज्य मोरारी बापू की गांधी मानस कथा का उद्घाटन किया।

सभा को सम्बोधित करते हुए, राष्ट्रपति ने कहा कि गांधीजी का जन्म भारत में हुआ था, लेकिन वे सम्पूर्ण विश्व और मानवता के

थे। पूरी दुनिया उन्हें एक 'महान आत्मा' के रूप में याद करती है, जिसने हमें 'अहिंसा' और 'सत्याग्रह' का मार्ग दिखाया है। गांधीजी का जीवन एक महाकाव्य की तरह है। और दुनिया भर में लाखों लोग उनकी जीवन–कहानी सुन रहे हैं और उससे प्रेरणा पा रहे हैं। राष्ट्रपति ने कहा कि देश भर और अन्य देशों की अपनी यात्राओं में, उन्होंने हमेशा पाया कि आम लोगों से लेकर राज्यों के प्रमुखों तक, सभी ने गांधीजी के लिए बहुत सम्मान रखा।

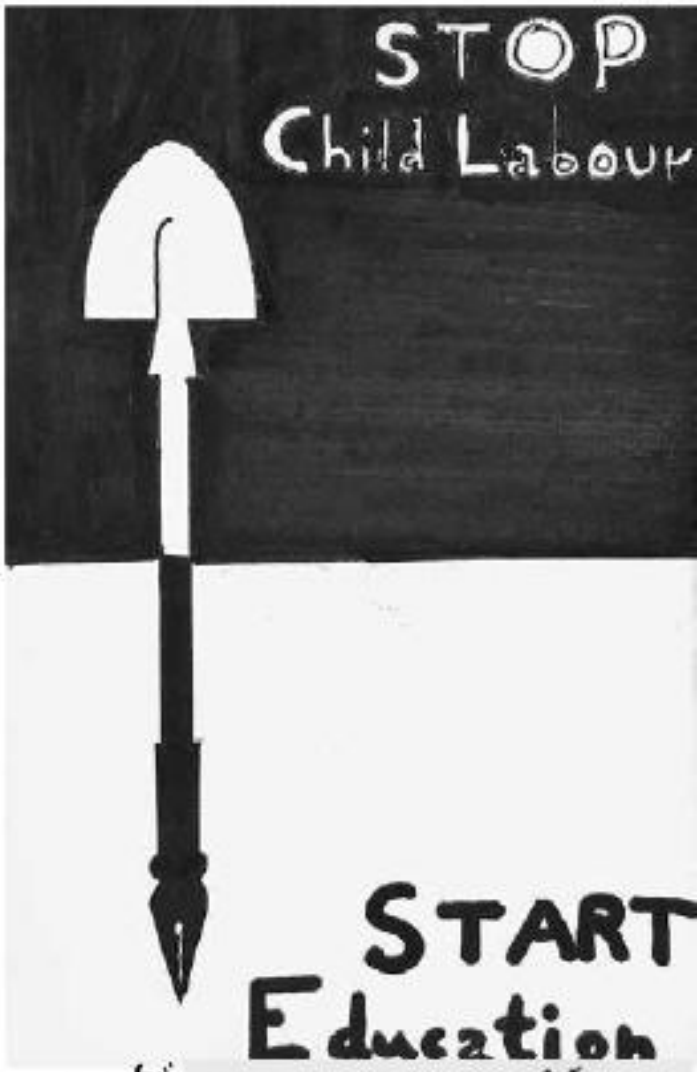

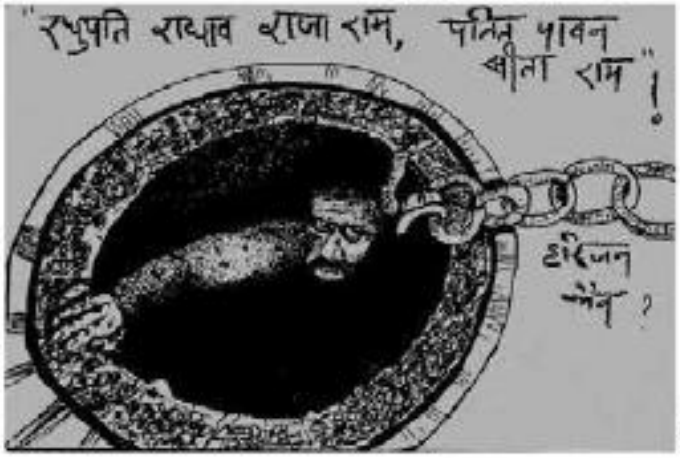

CHANGE IDEAS...

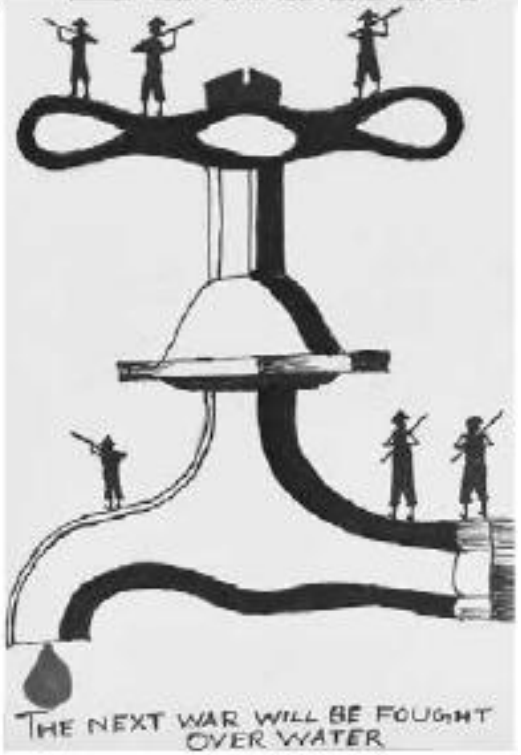

श्री प्रहलाद सिंह पटेल, माननीय संस्कृति और पर्यटन मंत्री भी इस अवसर पर उपस्थित थे। श्री शंकर कुमार सान्याल, अध्यक्ष हरिजन सेवक संघ ने उपस्थित लोगों का स्वागत किया। माननीय राष्ट्रपति ने गांधी आश्रम में कस्तूरबा गांधी की प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया।

गाँधी स्मृति एवं दर्शन समिति द्वारा "मोहन से महात्मा" पर एक प्रदर्शनी प्रदर्शित की गई। इस अवसर पर समिति द्वारा प्रकाशित पुस्तक, "एथिक्स मैटर्स : द टाइम इस नाउ" की प्रति माननीय राष्ट्रपति को भेंट की गयी।

प्रथम गांधी स्मृति शांति और अहिंसा व्याख्यान

प्रसिद्ध बौद्ध विद्वान परम पूज्य प्रो. सामधोंग रिम्पोचे ने कहा कि हिंसा और अशांति को यदि नष्ट करना है, तो उसके लिए मनुष्य को सर्वप्रथम स्वयं के मन में शांति स्थापित करनी होगी। बिना

महामहिम राष्ट्रपति श्री रामनाथ कोविंद समिति द्वारा प्रकाशित व राहुल शरण द्वारा लिखित पुस्तक 'एथिक्स मैटर्सः द टाइम इज नाउ' की प्रति, समिति के उपाध्यक्ष व माननीय मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल से प्राप्त करते हुए। चित्र में स्वामी चिदानन्द सरस्वती, पूज्य मुरारी बापू और हरिजन सेवक संघ के अध्यक्ष श्री शंकर कुमार सान्याल।

आंतरिक शांति के, हम विश्व शांति की कल्पना नहीं कर सकते। श्री रिम्पोचे गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति की ओर से नई दिल्ली स्थित गांधी स्मृति परिसर में आयोजित प्रथम गांधी स्मृति व्याख्यान में प्रमुख वक्ता के तौर पर अपने विचार व्यक्त कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि जब तक व्यक्ति के मन में शांति नहीं होगी, वह प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से हिंसक रहेगा। इसलिए हमें यह सोचना होगा कि हम बुद्ध, महावीर और गांधी के उपदेशों को गहराई से देखते हए, स्वयं को किस प्रकार शांत रख सकते हैं। अपने सम्बोधन में राष्ट्रीय विधि एवं शोध विश्वविद्यालय रांची के कुलपति प्रो. केसव राव वडुकुला ने कहा कि महात्मा गांधी की प्रासंगिकता को समस्त वैश्विक समुदाय ने मान्यता प्रदान की है। इसलिए पूरा विश्व महात्मा गांधी की जयन्ती को अहिंसा दिवस के रूप में मनाता है। उन्होंने कहा कि शांति और अहिंसा बाह्य जगत में खोजने से गन्वेषणा करने से मिलने वाला नहीं है। सर्वप्रथम अपनी आन्तरिक शांति को स्थापित करना होगा, व्यक्ति की आन्तरिक शांति स्थापित होगी तो यह अहिंसा को सहज रूप से अपना सकेंगे, तभी वह अन्य लोगों को भी शांति और अहिंसा की ओर प्रेरित करने की क्षमता रखेंगे। इसके बिना हम शांति और अहिंसा की जितनी भी बातें करें, वह सब एक शब्दों का ही व्यापार रह जाएगा, यथार्थ में कोई आ नहीं पाएगा। शांति एक मन का गुण है। पाश्चात्य जगत में आज शांति की बात करते हैं, तो युद्ध रहित क्षेत्र या युद्ध रहित समय को शांति मानते हैं। युद्ध रहे या न रहे, हिंसा समाप्त होने वाली नहीं है। घोषित–अघोषित युद्ध निरन्तर चलता रहता है और उससे हिंसा निरन्तर होती रहती है, हिंसा से अशांति फैलती है। अशांति से हिंसा फैलती है, तो यह एक तरह से चक्र है, उसका कहीं अन्त होने वाला नहीं है, अगर हिंसा को सही मायने में अंकुश या निर्मूल करना है तो मन की शांति नितान्त आवश्यक है, जब एक व्यक्ति के मन में शांति नहीं होगी तो वो प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से हिंसक रहेगा।

इस अवसर पर हरिजन सेवक संघ के उपाध्यक्ष श्री लक्ष्मीदास की दो पुस्तकों 'पंचायती राज' व 'गांधी और सामाजिक आन्दोलन' और गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति के सम्पादक श्री प्रवीण दत्त शर्मा की पुस्तक 'गांधी युग के हास्य व्यंग्य' का विमोचन भी किया गया। समिति द्वारा इन पुस्तकों की श्रृंखला का प्रकाशन महात्मा गांधी की 150वीं जयन्ती पर किया गया है।

(ऊपर) परम श्रद्धेय श्री समधोंग रिन्पोचे, श्रीमती तारा गांधी भट्टाचार्य और श्री दीपंकर श्री ज्ञान उद्घाटन समारोह में दीप प्रज्ज्वलन करते हुए।
(नीचे) पूज्य श्री समधोंग रिन्पोचे को महात्मा गांधी की प्रतिकृति भेंट कर सम्मानित करते समिति के निदेशक श्री दीपंकर श्री ज्ञान।

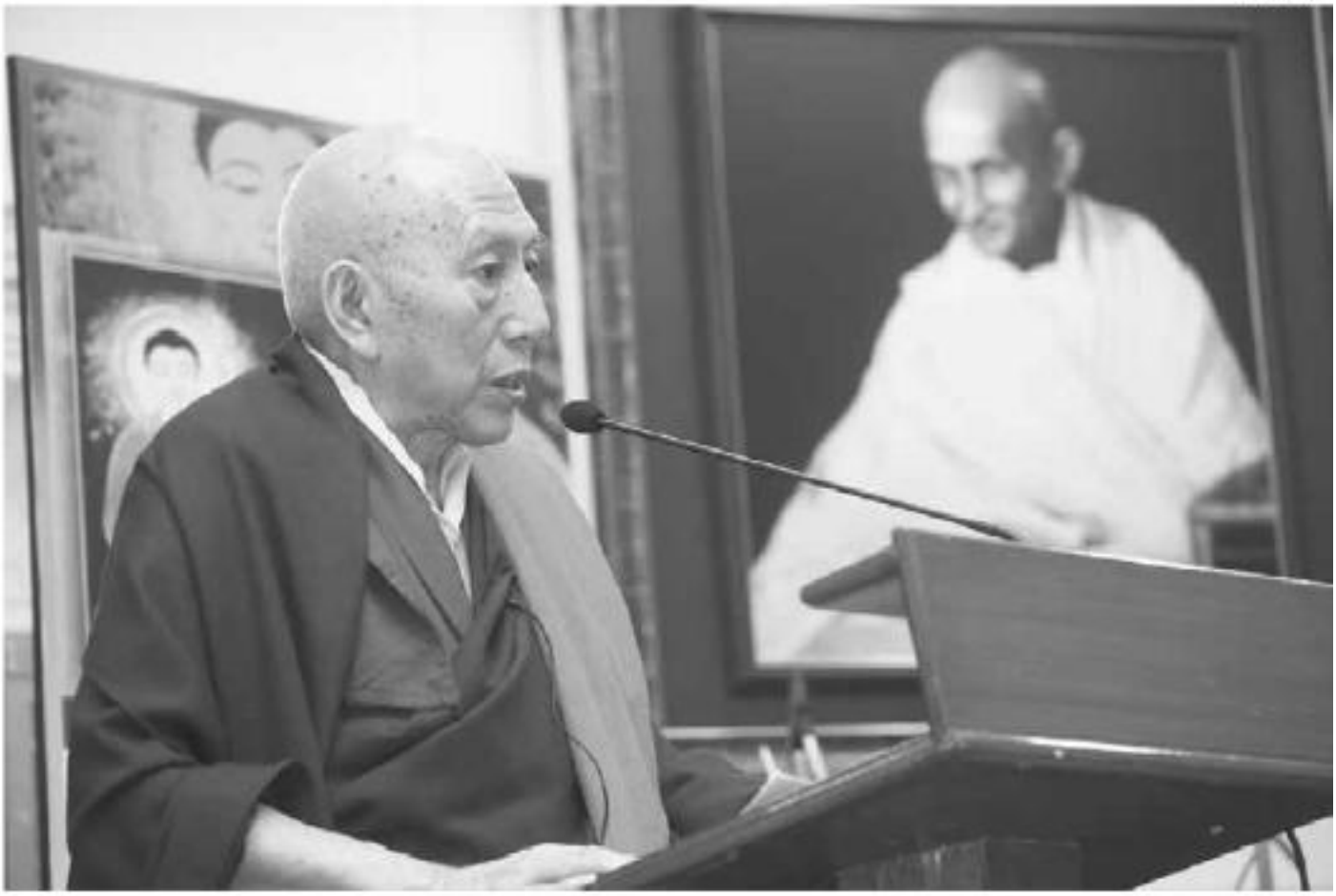

परम पूज्य प्रो. सम्धोंग रिन्पोचे 'प्रथम गांधी स्मृति शांति और अहिंसा व्याख्यान' प्रस्तुत करते हुए और उपस्थित लोग उसे तल्लीनता से सुनते हुए। चित्र में भारतीय विद्या भवन के मेहता विद्या स्कूल के बच्चे सर्वधर्म प्रार्थना भी प्रस्तुत करते दिखाई दे रहे हैं।

कार्यक्रम के आरम्भ में भारतीय विद्या भवन के मेहता स्कूल के बच्चों ने सर्वधर्म प्रार्थना प्रस्तुत की। समिति निदेशक श्री दीपंकर श्री ज्ञान ने सभी अतिथियों व आगंतुकों का आभार व्यक्त किया।

इस अवसर पर श्रीमती तारा गांधी भट्टाचार्य, श्री बाई. पी. आनन्द, श्री सतपाल ग्रोवर, श्री रामचन्द्र राही, श्री संजय सिंह सहित अनेक

समारोह में नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ स्टडी एंड रिसर्च इन लॉ, रांची के कुलपति प्रो. डॉ. केसवराव वुरूकुला को चरखा भेंट करते हुए समिति निदेशक श्री दीपंकर श्री ज्ञान।

प्रथम गांधी स्मृति व्याख्यान के दौरान समिति के कार्यकारिणी सदस्य श्री लक्ष्मीदास की पुस्तक का विमोचन करते परम पूज्य प्रो. समधोंग रिन्पोचे, डॉ. केसवराव वरूकुला और समिति निदेशक श्री दीपंकर श्री ज्ञान।

गणमान्य लोग उपस्थित थे।

"शिक्षा के भविष्य" पर होलोग्राफिक गांधी के साथ संवाद

महात्मा गांधी की 150वीं जयंती के अवसर पर संयुक्त राष्ट्र अंतरराष्ट्रीय शिक्षा दिवस को मनाने के लिए कमानी सभागार नई दिल्ली में 27 जनवरी, 2020 को "शिक्षा का भविष्य" विषय पर एक चर्चा आयोजित की गयी। गाँधी स्मृति एवं दर्शन समिति के सहयोग से यूनेस्को एमजीआईईपी द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में शिक्षकों, छात्रों, शिक्षाविदों और नीति निर्धारकों सहित लगभग 400 प्रतिभागियों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम का सत्र 'होलोग्राफिक गांधी' के साथ चर्चा से आरम्भ हुआ, जिसमें अनेक उत्साही युवा प्रतिभागियों ने भाग लिया। माननीय मानव संसाधन विकास मंत्री श्री रमेश पोखरियाल निशंक इस अवसर पर मुख्य अतिथि थे। प्रख्यात लेखक और कवि व राज्य सभा के पूर्व सदस्य डॉ. करण सिंह, पूर्व शिक्षा मंत्री फ्रांस, सुश्री नजत वलौद–बेल्कैम, यूनेस्को के गवर्निंग बोर्ड में भारत के प्रतिनिधि श्री जगमोहन सिंह राजपूत, यूनेस्को एमजीआईईपी के निदेशक श्री अनंता दुरैयप्पा के साथ श्री दीपंकर श्री ज्ञान, निदेशक गाँधी स्मृति एवं दर्शन समिति ने चर्चा में भाग लिया। यूनेस्को एमजीआईईपी के निदेशक श्री अनंत दुरियाप्पा ने चर्चा का संचालन किया।

पैनल चर्चा गांधी के एक स्थायी होलोग्राम के साथ शुरू हुई, जिसने गांधी की विचारधारा के बारे में 7 मिनट तक बात की। यह चर्चा महात्मा गांधी डिजिटल संग्रहालय की तकनीकी टीम द्वारा विकसित की गई, जिसमें गांधीजी के सत्याग्रह, अहिंसा, दयालुता और आलोचनात्मक जिज्ञासा पर आधारित लेखन अंशों को समाहित किया गया था। जबकि अधिकांश लोग गांधी को केवल उनके राजनीतिक विचारों और लेखन के लिए ही जानते हैं, गांधी के होलोग्राम ने बताया कि शिक्षा के बारे में गांधीजी के विचार क्या थे।

चर्चा में भाग लेते हुए भारत सरकार के मानव संसाधन विकास मंत्री श्री रमेश पोखरियाल निशंक ने विश्व में स्थायी शांति की संस्कृति बनाने के लिए शांति और अहिंसा के गांधीवादी मूल्यों को

संवाद कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को सम्बोधित करते हुए केन्द्रीय मानव संसाधन विकास मंत्री डॉ. रमेश पोखरियाल निशंक, राज्यसभा सांसद डॉ. कर्णसिंह, प्रसिद्ध शिक्षाविद् डॉ. जे. एस. राजपूत और समिति के निदेशक श्री दीपंकर श्री ज्ञान।

यूनेस्को एमजीआईईपी के निदेशक डॉ. अनंत दुरूपैया, अन्य विशिष्ट व्यक्तियों के साथ होलोग्राफिक गांधी के साथ परिचर्चा में भाग लेते हुए। इस परिचर्चा में वर्तमान समय में शैक्षणिक क्षेत्र के विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गई, साथ ही यू. एन. के एसडीजी 4 लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में कदम उठाने पर विमर्श किया गया।

बढ़ावा देने के महत्त्व पर प्रकाश डाला। श्री पोखरियाल निशंक ने कहा: अकादमिक सफलता, महत्त्वपूर्ण है, किन्तु यह हमारी शिक्षा प्रणाली का अंतिम लक्ष्य नहीं हो सकती। शिक्षा को एक गंभीर लक्ष्य का पीछा करना चाहिए, वह है–मानव उत्कर्ष के लिए शिक्षा। यदि वास्तविक सामाजिक परिवर्तन प्राप्त करना है, तो गांधीजी की शिक्षाओं को हमारी शिक्षा प्रणालियों में ढालने और हमारे दैनिक जीवन में अनुकरणीय बनाने की आवश्यकता होगी।

अपने सम्बोधन में श्री दीपंकर श्री ज्ञान ने कहा, "यदि वास्तविक सामाजिक परिवर्तन को प्राप्त करना है, तो गांधी के उन विचारों को, जो उन्होंने अपने प्रयोगों के माध्यम से सावधानीपूर्वक लागू किए हैं, को हमारी शिक्षा प्रणाली में लागू किया जाना चाहिए। ये कौशल या दक्षता जैसे सहानुभूति, माइंडफुलनेस, आवेग नियंत्रण और दयालुता निरन्तर प्रयोग और अनुभव के माध्यम से बनाई जा सकती है, गांधीजी ने इन रास्तों को स्वयं बनाया था। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि असमानता, बहिष्कार, हिंसा और सम्प्रदायवाद जैसी वैश्विक चुनौतियों के बढ़ने के परिणामस्वरूप एक व्यापक सामाजिक असंतुलन पैदा हो गया है, जिसने मानवता को अलग कर दिया है और कहा कि व्यक्तियों समाज या राष्ट्र के निर्माण हेतु बुद्धि और चरित्र पर ध्यान केन्द्रित करने वाली शिक्षा मुख्य लक्ष्य होना चाहिए।

शिक्षा की वर्तमान स्थिति पर विचार प्रकट करते हुए सुश्री बेल्केस्म ने कहा: "शिक्षा प्रणालियों को आज कार्यबल के अनुकूल कौशल विकसित करने से परे देखने की आवश्यकता है। हमें अपने बच्चों के भावनात्मक कौशल को विकसित करने की आवश्यकता है और इसमें गांधी की करुणा और सहानुभूति, अहिंसा और सच्चाई पर आधारित शिक्षाओं पर जोर देना हमारी शिक्षा प्रणालियों के लिए बेहद फायदेमंद हो सकता है।'

संवाद श्रृंखला पर टिप्पणी करते हुए डॉ. दुरुपैया ने कहा कि "बेहतर भविष्य के लिए, हमें केवल एक ऐसी शिक्षा पर ध्यान केन्द्रित नहीं करना चाहिए जो मानव पूंजी का निर्माण करे बल्कि ऐसी शिक्षा को बढ़ावा देना चाहिए, जिससे मानव का उत्कर्ष हो। उन्होंने आगे कहा, "जब तक हमारी वर्तमान शिक्षा प्रणालियां भावनात्मक बुद्धि मत्ता का निर्माण नहीं करती हैं, तब तक हम अत्यधिक साक्षर लोगों की ऐसी दुनिया के रूप में समाप्त हो सकते हैं, जिनके पास सहानुभूति की कमी है और केवल स्वयं की भलाई के लिए चिंतित हैं, लेकिन यह टिकाऊ नहीं है और यह शांतिपूर्ण और टिकाऊ समाजों का निर्माण नहीं करेगा। "

इसके अलावा डॉ. करण सिंह ने कहा कि जब हम आज दुनिया की स्थिति को देखते हैं, तो हमें महसूस होता है कि हमें भविष्य में ऐसे नेताओं की जरूरत है जो केवल अपने नेतृत्व और बौद्धिक कौशल में शानदार नहीं हैं, अपितु इसके बजाय हमें भावनात्मक रूप से लचीला, दयालु और सहानुभूति रखने वाले गांधीजी जैसे नेताओं की आवश्यकता है। गांधीजी के गुणों का अनुकरण करने के लिए हम युवा को कैसे सशक्त बना सकते हैं, मुझे लगता है कि हमारी शिक्षा प्रणाली कम उम्र में ऐसे गुणों को पेश करने में एक अनिवार्य भूमिका निभा सकती है।

यह चर्चा मुख्यत: आज की दुनिया में शिक्षा के अर्थ और उन उपायों पर जो संयुक्त राष्ट्र (यूएन) के सतत विकास लक्ष्य (एसडीजी) 4–समावेशी और न्यायसंगत गुणवत्ता की शिक्षा को सुनिश्चित करने और जीवन भर के अवसरों को बढ़ावा देने के लिए हासिल किए जाने हैं, पर केन्द्रित रही। पैनल ने हमारी शिक्षा प्रणालियों में भावनात्मक और साथ ही संज्ञानात्मक पहलुओं को विकसित करने की महत्त्वपूर्ण आवश्यकता पर चर्चा की, ताकि इस शिक्षा से उन युवाओं का निर्माण हो सके, जो टिकाऊ शांति को बढ़ावा दें। यह चर्चा भविष्य की शिक्षा और महत्त्वपूर्ण दक्षताओं के भविष्य पर केन्द्रित थी, जिन्हें अधिक शांतिपूर्ण और स्थायी समाजों की खोज में शिक्षा प्रणालियों में विकसित करने की आवश्यकता है।

संवाद का एक अनूठा पहलू एक युवा विचार था। कुन्नी ने गांधी के उन गुणों का जिक्र किया जो उनके लिए प्रेरणादायी थे। उन्होंने कहा कि उसने आत्म–शिक्षा के माध्यम से स्कूली शिक्षा की शून्यता को भरने का प्रयास करते हुए लगभग एक दशक पहले महात्मा से प्रेरणा ली थी। मेरे अफसोस की बात यह है कि उस समय तक स्कूल में बिताया गया समय मुझे अपने सोचने के लिए आवश्यक उपकरणों से लैस करने में विफल रहा था। तब मैंने उन मूल्यों पर विचार किया जो मुझे इस खूबसूरत ग्रह पर सामंजस्यपूर्ण रूप से सह–अस्तित्व में लाने में सक्षम थे। इसलिए मैं प्रकाश के लिए गांधी को धन्यवाद देता हूं और आशा करता हूं कि आज और भविष्य के छात्रों को पीछे मुड़कर नहीं देखना पड़ेगा और इस तरह के पुरातन, अत्याचारी, बौद्धिक रूप से शामक और भावनात्मक रूप से स्तब्ध करने वाले अनुभव के परिणामों पर अफसोस होगा।

संवाद के दौरान प्रतिभागी अतिथियों से संवाद करते हुए होलोग्राफिक गांधी।

गांधी दर्शन में गांधी–कारीगर हाट का उद्घाटन

एक विशेष समारोह में, राज्यसभा के पूर्व सदस्य डॉ कर्ण सिंह ने 20 फरवरी 2020 को गांधी दर्शन में "गांधी–कारीगर हाट" का उद्घाटन किया, जिसमें 200 से अधिक लोग मौजूद थे। जैन मुनि राष्ट्रसंत गुरुदेव श्री नम्र मुनि, समिति के कार्यकारिणी सदस्य और उपाध्यक्ष हरिजन सेवक संघ श्री लक्ष्मी दास, प्रख्यात गांधीवादी श्री बसंत सिंह, श्री सीता राम गुप्ता, सीईओ ल्यूपिन ह्यूमन वेलफेयर ऑर्गनाइजेशन, भरतपुर के साथ समिति निदेशक श्री दीपंकर श्री ज्ञान इस अवसर पर उपस्थित थे।

डॉ.कर्ण सिंह ने इस अवसर पर न केवल "गांधी–कारीगर हाट" का उद्घाटन किया, बल्कि उन्होंने "बहुउद्देश्यीय सामुदायिक केंद्र" की भी आधारशिला रखी, जिसे गांधी दर्शन में विकसित किया जाएगा। गांधी–कारीगर हाट और बहुउद्देश्यीय सामुदायिक केंद्र का उद्घाटन डॉ करण सिंह द्वारा उनके स्थानीय संसद क्षेत्र विकास योजना (सदस्य एलएएलएडीएस) से प्राप्त दो करोड़ रुपये के अनुदान से हुआ है।

इस अवसर पर बोलते हुए डॉ. करण सिंह ने कहा कि यह उनके सांसद फंडों में से सबसे बड़ा अनुदान है जो उन्होंने गांधी दर्शन को दिया है, क्योंकि उन्हें लगता है कि कौशल विकास और स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देने से सम्बन्धित सांस्कृतिक, शैक्षणिक और विभिन्न अन्य गतिविधियों पर गांधी दर्शन में इस पैसे का सही उपयोग किया जाएगा।

उन्होंने आगे कहा कि उन्होंने महात्मा गांधी को देखा था और गांधीजी के साथ एक पल की मुलाकात ने उनका जीवन बदल दिया था। उन्होंने कहा कि आज हालांकि जबरदस्त विकास हुआ है, लेकिन संघर्ष भी तेज हुए हैं, जो विनाशकारी है। उन्होंने अभद्र भाषा और क्रोध में वृद्धि पर अपनी चिंता व्यक्त की और कहा कि अहिंसा या अहिंसा की प्रासंगिकता ही मानव को अधिक मानवीय बना सकती है। उन्होंने युवाओं से अपने भीतर करुणा विकसित करने का आह्वान किया।

श्री लक्ष्मीदास, श्री बसंत और श्री सीता राम गुप्ता ने भी इस अवसर पर अपने विचार प्रकट किये और कारीगरों और ग्रामीण विकास के प्रति

राज्यसभा के पूर्व सांसद डॉ. कर्णसिंह गांधी दर्शन में बनने वाले बहुउद्देशीय समागार का शिलान्यास करते हुए। चित्र में श्री बसंत, श्री सीताराम गुप्ता और श्री लक्ष्मीदास भी दिखाई दे रहे हैं।

गांधी दर्शन में कारीगर हाट का उद्घाटन करते पूर्व राज्यसभा सांसद डॉ. कर्णसिंह, साथ में हैं श्री दीपंकर श्री ज्ञान, श्री लक्ष्मीदास, श्री बसंत और श्री सीताराम गुप्ता।

अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया और आशा व्यक्त की कि गांधी–कारीगर हाट स्वदेशी श्रमिकों को अवसर देगा और गांधीजी की आत्मनिर्भरता की अवधारणा को बढ़ावा देगा।

इस अवसर पर श्री सीता राम गुप्ता ने क्रमशः समिति के श्री प्रमोद राम और श्री गेंदालाल को नाई और मेसन के टूल किट दिए।

इससे पहले निदेशक श्री दीपंकर श्री ज्ञान ने डॉ. करण सिंह का आभार व्यक्त किया जिन्होंने अपनी सांसद निधि से समिति को अनुदान देने के बारे में सोचा, जिसके कारण गांधी कारीगर हाट की स्थापना हो सकी। उन्होंने आशा जताई कि इससे लोगों को अपनी प्रतिभा और कौशल को प्रदर्शित करने के नए अवसर मिलेंगे। उन्होंने डॉ. सिंह को शीघ्र ही "बहुउद्देश्यीय सामुदायिक केन्द्र" की स्थापना का आश्वासन दिया।

तानसेन संगीत विद्यालय नजफगढ़ के कलाकार श्री ज्योति प्रकाश के नेतृत्व में गांधीजी के प्रिय भजनों का प्रस्तुतिकरण करते हुए।

गांधी दर्शन में कारीगर हाट के उद्घाटन समारोह को सम्बोधित करते हुए समिति निदेशक श्री दीपंकर श्री ज्ञान। समारोह में मंचासीन हैं डॉ. कर्णसिंह, श्री लक्ष्मीदास, श्री बसंत और श्री सीताराम गुप्ता

समारोह में उपस्थित लोगों को सम्बोधित करते श्री लक्ष्मीदास। समारोह में मंचासीन हैं डॉ. कर्णसिंह, श्री नम्रमुनि जी, श्री बसंत और श्री सीताराम गुप्ता।

श्री सीताराम गुप्ता श्री लक्ष्मीदास और श्री बसंत के साथ समिति के कर्मचारी श्री प्रमोद राम और श्री गेंदालाल को टूल किट प्रदान करते हुए।

कारीगर हाट के उद्घाटन अवसर पर उपस्थित लोग।

कार्यक्रम की शुरुआत तानसेन विद्यालय, नजफगढ़ के कलाकारों द्वारा गाए गए भजनों के साथ हुई। जिसकी अगुवाई श्री ज्योति प्रकाश मिश्रा ने की, जिन्होंने महात्मा गांधी के पसंदीदा भजनों की प्रस्तुति दी।

गांधी कारीगर हाट की कुछ झलकियां।

अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम

लेह– जम्मू और कश्मीर

महात्मा गांधी की 150वीं वर्षगांठ पर हिमालय की बौद्ध सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण के लिए विश्व शांति पर तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन

हम एक ही वैश्विक परिवार के हैं – भिक्खु संघसेन

महात्मा गांधी की 150वीं जयन्ती पर हिमालय के बौद्ध सांस्कृतिक धरोहरों के संरक्षण के लिए तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन,

विश्व शांति की कामना और हिमालय में बौद्ध सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण हेतु की गई धम्म पदयात्रा का एक दृश्य। इसमें करीब 200 साधु–सन्यासी और थाईलैंड के लोग सम्मिलित हुए।

26 जून से महाबोधि अंतरराष्ट्रीय ध्यान केन्द्र, लेह, लद्दाख और गाँधी स्मृति एवं दर्शन समिति द्वारा संयुक्त रूप से लेह में आयोजित किया गया। यह सम्मेलन आज के अशांत समय में विश्व शांति की आवश्यकता के बारे में जागरूकता पैदा करने के उद्देश्य से आयोजित किया गया था। अधिवेशन का एक और विशेष उद्देश्य आध्यात्मिक पर्यटन को बढ़ावा देकर, हिमालय के बौद्ध सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण की ओर दुनिया का ध्यान आकर्षित करना था।

कार्यक्रम में हिमालय में 'विश्व धर्म पद यात्रा' में थाईलैंड के 200 भिक्षुओं, ननों और आम लोगों ने शिरकत की। विश्व शांति के लिए कार्यरत लोगों को प्रेरित करने के उद्देश्य से आयोजित, इस सम्मेलन में बौद्ध देश थाईलैंड और हिमालय के लोगों के बीच आध्यात्मिक और सांस्कृतिक समबन्धों को मजबूत करने का प्रयास किया गया। डेढ़ महीने की कठिन शांति यात्रा का आयोजन महान शांति प्रवर्तक, आदरणीय फारपट्टियारीपट्टी थोंगसुक के मार्गदर्शन और नेतृत्व में किया जाता है, जो कि थाईलैंड के सिंगबुरी रॉयल मंदिर के एक्सेलसिस्टिक प्रांत के गवर्नर हैं।

यात्रा के पूरा होने के बाद, महाबोधि अंतरराष्ट्रीय ध्यान केन्द्र (MMIC) के संस्थापक आदरणीय भिक्खु संघसेन द्वारा तीन दिवसीय सम्मेलन की शुरुआत की गयी।

इस सम्मेलन में, कजाकिस्तान के पूर्व राजदूत फुंचोक स्टोबदान ने हिमालयन सांस्कृतिक विरासत के बारे में बात की और बताया कि हम हिमालयी संस्कृति को कैसे बचा सकते हैं।

डॉ. तापी दोर्जी, CIMOD, नेपाल ने हिमालयी क्षेत्र के कल्याण के बारे में बात की। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि हम हिमालयी क्षेत्र की बेल्ट को कैसे बचा सकते हैं और उन सभी देशों से अनुरोध किया है जो बेल्ट को बचाने के लिए आगे आने के लिए तत्पर हैं।

भिक्खु संघसेना ने अपने सम्बोधन में तीर्थयात्रियों को यात्रा के पूरा होने पर बधाई दी और कहा, "लोग यह समझने में असमर्थ हैं कि सभी धर्म समान हैं। कि सभी मनुष्य जन्म लेते हैं और सूर्य का प्रकाश लेते हैं,

वही पानी पीते हैं, और अंत में हम सभी काल को प्राप्त हो जाते हैं। तो, अंतर कहां है? हमारा अज्ञान यह अंतर पैदा करता है। यह पद यात्रा हर किसी को याद दिलाने के लिए है कि हम एक वैश्विक परिवार से हैं।"

पदयात्रा के प्रतिनिधियों को खद्दक (लद्दाखी पारम्परिक स्कार्फ) पहनाया गया था। फरा परिवत्थिसुत्ती (थाई रॉयल टेम्पल के लॉर्ड एबोट और पद यात्रा कार्यक्रम के नेता) ने भी प्रतिभागियों को सम्बोधित किया।

विश्व शांति के लिए आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में उपस्थित सन्यासियों को सम्बोधित करते हुए विशिष्ट अतिथि।

इस अवसर पर डॉ. सुजैन वॉन डेर हीड, श्री बिनोद चौधरी, डॉ. बिन्नी सरीन और कई प्रमुख प्रतिनिधियों व प्रतिष्ठित वक्ताओं ने भी अपने विचार रखे।

भारत के माननीय प्रधानमंत्री ने भी MMIC अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के लिए अपनी शुभकामनाएँ भेजीं। इस संदेश में प्रधानमंत्री ने लिखाः "लेह में पीस वॉक' समारोह आयोजित करने की पहल इस समय पर और विचारशील है। भारत को सदियों से शांतिप्रिय और अहिंसक समाज और राष्ट्र होने के लिए व्यापक रूप से स्वीकार किया गया है।

महात्मा गांधी के विचारों और जीवन ने कई पीढ़ियों को सत्य और अहिंसा के मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित किया। शांति हमारे देश में एक दर्शन और दैनिक जीवन जीने का तरीका रहा है। ध्यान और योग सभी के लिए आंतरिक शांति और सद्भाव की शुरुआत करने में एक लम्बा रास्ता तय कर सकता है।

"एमएमआईसी का आदर्श वाक्य –"कार्रवाई में दया, कार्रवाई में मध्यस्थता "निश्चित रूप से सम्मेलन के लिए माहौल प्रदान करता है। मुझे यकीन है कि विभिन्न धर्मों के बीच बातचीत एक दूसरे के विश्वासों, विचारों और कार्यों की बेहतर प्रशंसा और उच्च समझ का नेतृत्व करेगी।"

गांधी और मंडेला की विरासत और इसकी समकालीन प्रासंगिकता" पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

दिल्ली विश्वविद्यालय के गांधी भवन और गाँधी स्मृति एवं दर्शन समिति के सौजन्य से दिल्ली विश्वविद्यालय ने 18–19 जुलाई, 2019 को गांधी भवन में "गांधी और मंडेला की विरासत और उसकी समकालीन प्रासंगिकता" पर दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया। 18 जुलाई को सम्मेलन की शुरुआत गांधी और मंडेला पर फोटो–प्रदर्शनी के साथ हुई, जिसका

महात्मा गांधी की 150वीं जयन्ती पर गांधी भवन, दिल्ली विश्वविद्यालय और गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति द्वारा 'गांधी और मंडेला की विरासत और इसकी समकालीन प्रासंगिकता' विषय पर आयोजित सम्मेलन के कुछ दृश्य।

उद्घाटन दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. योगेश कुमार त्यागी ने किया।

दिल्ली विश्वविद्यालय के गांधी भवन के निदेशक प्रो. रमेश सी. भारद्वाज ने स्वागत भाषण दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. योगेश कुमार त्यागी ने की। उद्घाटन सत्र "गांधी के भूलो, क्षमा करो और आगे बढ़ो व नेल्सन मंडेला के सच्चाई और सुलह" के विचारों और समाज के विकास के लिए काम करने पर विचार–विमर्श किया। उन्होंने मंडेला की आशा और दृढ़ संकल्प के साथ गांधीवादी सत्य और अहिंसा की व्याख्या की।

भारत में इरिट्रिया के राजदूत एलेम टायसे, इस अवसर पर मुख्य अतिथि थे। प्रो. सी. सी. दुबे, डायरेक्टर कॉलेज ऑफ ओपन लर्निंग, दिल्ली विश्वविद्यालय और अध्यक्ष, एसओएल, दिल्ली विश्वविद्यालय ने भी इस अवसर पर अपने विचार प्रकट किये।

इस अवसर पर प्रो. मोहिनी माथुर की पुस्तक डॉ. नेल्सन मंडेला (हिंदी) का भी विमोचन किया गया। प्रो. माथुर ने डॉ. मंडेला के जीवन की विशेषताओं की जानकारी लोगों को दी। विश्वविद्यालय के अफ्रीकन स्टडीज विभाग के प्रो. सुरेश कुमार ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया।

19 जुलाई, 2019 को आयोजित तकनीकी सत्रों में दो 'पूर्ण सत्र' और तीन 'तकनीकी सत्र' रखे गए। इस अवसर पर श्री रामचन्द्र राही, अध्यक्ष, गांधी स्मारक निधि, श्री अनादरॉय रामदेव, अटॉर्नी कंवेन्सर ब्राम्फोनेटिन जोहान्सबर्ग, दक्षिण अफ्रीका और अन्य लोगों ने भी अपने विचार रखे। समापन सत्र की अध्यक्षता श्री प्रफुल्ल केतकर, सम्पादक ऑर्गेनाइजर साप्ताहिक द्वारा की गई थी।

राष्ट्रपति द्वारा "करुणा" विषय पर आयोजित विश्व युवा सम्मेलन का उद्घाटन

"शिक्षा को मात्र साक्षरता से परे जाने की जरूरत है": राम नाथ कोविंद

यूनेस्को एमजीआईईपी ने 23 अगस्त, 2019 को विज्ञान भवन, नई दिल्ली में दयालुता पर पहली बार विश्व युवा सम्मेलन का आयोजन किया, जिसका विषय था–'वसुधैव कुटुम्बकमः समकालीन विश्व के लिये भारत'। समिति के सहयोग से आयोजित इस सम्मेलन का उद्घाटन भारत के महामहीम राष्ट्रपति श्री राम नाथ कोविंद द्वारा किया गया, और एशिया, युरोप, अफ्रीका, लैटिन अमेरिका जैसे 27 से अधिक देशों का प्रतिनिधित्व करने वाले लगभग 1,000 युवा इसमें शामिल हुए। इस अवसर पर, यूनेस्को एमजीआईईपी के प्रमुख प्रकाशन द ब्लू डॉट के दसवें संस्करण का विमोचन किया गया, जो सामाजिक और भावनात्मक शिक्षण पर केन्द्रित था।

भारत सरकार के केंद्रीय, मानव संसाधन विकास मंत्री, श्री रमेश पोखरियाल निशंक, यूनेस्को MGIEP के, शासी बोर्ड अध्यक्ष प्रो. जे. एस. राजपूतय मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार के सचिव श्री आर. सुब्रह्मण्यम और नोबेल शांति पुरस्कार विजेता, कैलाश सत्यार्थी इस अवसर पर उपस्थित थे।

महात्मा गांधी से प्रेरित, सम्मेलन का उद्देश्य वैश्विक युवाओं और नीति निर्धारकों को एक साथ आने के लिए एक अभिनव, आकर्षक और प्रेरणादायक मंच प्रदान करना और संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) को प्राप्त करने के लिए उचित मार्ग की खोज करना था।

उद्घाटन सत्र में दो युवा प्रतिनिधियों, सुश्री सुहानी जलोटा, संस्थापक, मैना महिला फाउण्डेशन, और सुश्री सरीना पेटरेस्कु, संस्थापक, टीमूवस ने भी अपने विचार व्यक्त किये।

मुख्य अतिथि के रूप में अपने उद्घाटन भाषण में, राष्ट्रपति श्री राम नाथ कोविंद ने कहा, "शिक्षा को केवल साक्षरता से परे जाने की आवश्यकता है। हमें नौजवानों को शिक्षित करने की जरूरत है ताकि वे वर्ग और नस्ल की सीमाओं को लांघ सकें और उसे पार कर सकें। राष्ट्रपति ने जोर दिया कि "गांधीजी के नक्शेकदम पर चलते हुए, हमें खुद को और अपने बच्चों को बातचीत करने और उन लोगों के साथ जुड़ने देना चाहिए, जिन्हें हम 'उन्हें' के रूप में परिभाषित करते हैं।" ज्यादा सम्वाद एक संवेदनशील समझ विकसित करने का सबसे अच्छा तरीका है, जो हमारे पूर्वाग्रहों को दूर करने में हमारी मदद कर सकता है।"

श्री रमेश पोखरियाल निशंक, माननीय मंत्री, मानव संसाधन विकास मंत्रालय ने इस अवसर पर कहा, "दयालुता के पर्याय गांधी ने कहा था कि प्रार्थना में एक हजार सिर

करुणा पर आयोजित पहले अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में मंच पर उपस्थित महामहिम राष्ट्रपति श्री रामनाथ कोविन्द, साथ में केन्द्रीय मानव संसाधन विकास मंत्री डॉ. रमेश पोखरियाल निशंक भी कार्यक्रम में उपस्थित हुए।

महामहिम राष्ट्रपति श्री रामनाथ कोविन्द, केन्द्रीय मानव संसाधन विकास मंत्री डॉ. रमेश पोखरियाल निशंक के साथ यूनेस्को एमजीआईईपी के प्रकाशन ब्लू डॉट का विमोचन करते हुए।

झुकाने की तुलना में एक व्यक्ति के प्रति दयालुता दिखाना अधिक प्रशंसनीय होता है।" श्री आर. सुब्रह्मण्यम, सचिव, मानव संसाधन विकास मंत्रालय ने महात्मा गांधी के विचारो को व्यक्त करते हुए कहा कि "भारत और दुनिया में लोगों को महात्मा गांधी का यह आह्वान समझना था कि चरित्र सबसे महत्वपूर्ण है"

ग्रेमी पुरस्कार विजेता और एसडीजी चैंपियन रिकी केज करूणा पर अपनी प्रस्तुति देते हुए। 2015 में अपने एलबम संसारा के लिए ग्रेमी अवार्ड से सम्मानित इस युवा संगीतकार ने अपनी प्रस्तुतियों से शांति और सद्भावना का संदेश दिया।

और कहा कि "मानवीय गुणों जैसे दयालुता को एक–एक व्यक्ति में उभारा जा सकता है"।

यूनेस्को एमजीआईईपी के शासी बोर्ड अध्यक्ष श्री जे. एस. राजपूत ने आज दुनिया में युवाओं के लिए अहिंसा जैसे गांधीवादी सिद्धांतों की प्रासंगिकता की बात करते हुए कहा कि अहिंसा के अभाव में उथल–पुथल का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि "पूरी तरह से शांति, सतत विकास और वैश्विक नागरिकता सद्भाव के लिए महात्मा गांधी के सिद्धांतों पर आधारित शिक्षा डिजाइनिंग पर संस्थान की स्थापना आज बहुत आवश्यक है।"

यूनेस्को एमजीआईईपी के निदेशक डॉ. अनंता दुरैयप्पा ने अपने सम्बोधन के दौरान कहा कि इस सम्मेलन की प्रेरणा वह सामान्य मानसिकता थी कि "लोग तेजी से सोचने लगे हैं कि दयालु होना कमजोरी का संकेत है जबकि आक्रामकता का सम्मान है।" उन्होंने स्पष्ट किया कि मनुष्य को जन्म से ही रिश्तो के बंधन मे बांधा जाता है लेकिन समाजीकरण की प्रक्रिया उससे दूर हो जाती है। उन्होंने आगे कहा, "यदि वास्तविक सामाजिक परिवर्तन को प्राप्त करना है, तो गांधी की सीख, जिसे उन्होंने अपने प्रयोगों के माध्यम से सावधानीपूर्वक आत्मसात किया, को हमारी शिक्षा प्रणालियों में निर्मित करने और हमारे दैनिक जीवन में अनुकरणीय बनाने की आवश्यकता है। दयालुता के लिए विश्व युवा सम्मेलन, परिवर्तन के लिए दया के माध्यम से प्रेरित और सशक्त युवाओं के आन्दोलन को बनाने के हमारे लक्ष्य की दिशा में एक कदम है।

उद्घाटन समारोह में, ग्रैमी अवार्ड विजेता और दयालुता के लिए यूनेस्को एमजीआईईपी के वैश्विक राजदूत रिकी केज ने दयालु गान "शाइन योर लाइट", की शुरुआत की: जिसमें चार महाद्वीपों के संगीतकार जिसमें ग्रैमी पुरस्कार विजेता बांसुरी सदाचार, वॉटर केलरमैन, ग्रैमी पुरस्कार विजेता गायिका, लॉरा डिकिंसन, माजजी युवा चोइर और ग्रैमी नामित और गीत के सह–लेखक, लोनी शामिल है।

उद्घाटन समारोह के बाद, विविध क्षेत्रों जैसे दर्शन, तत्रिका विज्ञान, फिल्म निर्माण, साहित्य, अभिनय, शिक्षा, ध्यान, सक्रियता और सामाजिक कार्यों के विशेषज्ञों को एक साथ लाने के बारे में कई पूर्ण विचार–विमर्श किए गए। पैनल 1 "शांति की कला और विज्ञान" पर केन्द्रित था।

दोपहर के भोजन के बाद का सत्र शिक्षा पर उच्च स्तरीय बातचीत पर आधारित थी, जिसका विषय था–दयालुता और हिंसक अधिकता की रोकथाम: चरमपंथ से एक शक्ति तक। थकर खजाल, लेखक और सार्वजनिक वक्ता द्वारा संचालित इस सत्र में छः गतिशील युवा प्रतिभागियों और तीन नीति निर्धारको के बीच विमर्श हुआ। बहस में इस बात पर गहन चर्चा की गयी कि युवा लोग चरमपंथ और हिंसा की अधिकता पर क्या विचार रखते हैं, और कैसे सामाजिक और भावनात्मक शिक्षा को युवाओं द्वारा हिंसक कार्यों को रोकने के लिए एक उपकरण के रूप में इस्तेमाल किया जा सकता है।

सम्मेलन का समापन 'दया पर नई दिल्ली घोषणा' को अपनाने और उसे जारी करने के साथ हुआ। नई दिल्ली घोषणा 117 देशों के 1,200 से अधिक युवाओं की आवाज का संश्लेषण है और 27 देशों के 60 युवा प्रतिभागियों द्वारा सावधानीपूर्वक पुष्टि और सारांशित किया गया है। समापन समारोह के दौरान, 1200 से अधिक युवा आवाज का प्रतिनिधित्व करने वाले दो युवा प्रतिभागियों ने घोषणा पत्र प्रस्तुत किया, जिसे सम्मेलन में एकत्र हुए दर्शकों द्वारा सर्वसम्मति से अपनाया गया।

सम्मेलन के समापन समारोह में अपने विचार रखते हुए, नोबेल पुरस्कार विजेता कैलाश सत्यार्थी ने युवा सशक्तिकरण के बारे में अपने मजबूत विचारों को साझा किया और एक स्थायी भविष्य के प्रति सहानुभूति, करुणा जैसे गुणों के निर्माण पर उनका संगठन युवाओं के साथ कैसे काम कर रहा है, इसकी जानकारी दी।

सम्मेलन के बाद, 23 अगस्त को पहली बार यूनेस्को एमजीआईईपी दयालुता समारोह आईआईटी दिल्ली में आयोजित किया गया। इसमे जोरदार प्रस्तुतियों का नेतृत्व ग्रैमी–अवार्ड विजेता संगीतकार और यूनेस्को एमजीआईईपी के ग्लोबल किंडल एंबेसडर रिकी केज ने साथी–ग्रैमी विजेता लॉरा डिकिंसन, आईपी सिंह (बैंड फरीदकोट), फतेह और मुराद अली, मनोज जॉर्ज और मंजूनाथ सहित कलाकारों के एक समूह के साथ किया। लगभग 1,000 लोगों की उपस्थिति वाले इस कॉन्सर्ट में *full kindness anthem* की आधिकारिक वैश्विक रिलीज, 3 ग्रेमी–विजेताओं (फ्लोटिस्ट वॉल्टर केलरमैन सहित) और दक्षिण अफ्रीका के माजांसी यूथ चोइर के सहयोग से हुई। इसके अतिरिक्त, विश्व के जाने–माने स्पीड पेंटर विलास नायक ने संगीत की स्वरलहरियो के साथ 'महात्मा गांधी' पर एक सुंदर कलाकृति को चित्रित करके लोगो को हैरान कर दिया।

इसके अतिरिक्त सम्मेलन 20 अगस्त से 22 अगस्त, 2019 तक ओपी जिंदल विश्वविद्यालय, सोनीपत, हरियाणा में 3 दिवसीय गहन क्षमता–निर्माण कार्यशाला से पहले हुआ, जिसके दौरान

27 देशों के 60 युवाओं को सामाजिक और भावनात्मक शिक्षा के माध्यम से अतिवाद और हिंसा की रोकथाम पर प्रशिक्षित किया गया था।

सम्मेलन का आयोजन #kindnessMatters के भाग के रूप में SDGs अभियान के लिए किया गया था, जिसे अंतरराष्ट्रीय अहिंसा दिवस या महात्मा गांधी के जन्मदिन 2 अक्तूबर, 2018 को आरम्भ किया गया था। इस अभियान का लक्ष्य एसडीजी दयालुता के 17 परिवर्तनकारी कृत्यों के माध्यम से दुनिया के युवाओं का समर्थन जुटाना है। इस प्रकार, इस अभियान के माध्यम से, 50 से अधिक देशों से दयालुता के 5,000 से अधिक परिवर्तनकारी कार्य उत्पन्न हुए हैं। इस अभियान का उद्देश्य संयुक्त राष्ट्र के सदस्य देशों के लिए स्थायी विकास लक्ष्यों के लिए दयालुता का दशक घोषित करने के लिए अंतिम अनुरोध (वैश्विक युवाओं द्वारा दयालुता के 250,000 परिवर्तनकारी कहानियों द्वारा समर्थित) करना है।

"महात्मा गांधी और डायस्पोरा" पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

डायस्पोरा रिसर्च एंड रिसोर्स सेंटर (DRRC)–अंतरराष्ट्रीय सहयोग परिषद–भारत (ARSP) और गाँधी स्मृति एवं दर्शन समिति, नई दिल्ली ने संयुक्त रूप से नई दिल्ली में 17–18 सितम्बर, 2019 को "महात्मा गांधी और डायस्पोरा" विषय पर दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया। सम्मेलन का आयोजन महात्मा गांधी की 150वीं जयन्ती के उपलक्ष्य में किया गया था और इसका उद्घाटन माननीय संस्कृति मंत्री और समिति के उपाध्यक्ष श्री प्रहलाद सिंह पटेल द्वारा किया गया था। प्रतिष्ठित गांधीवादी श्री रामजी सिंह सम्मानित अतिथि थे। पूर्व राजदूत श्री वीरेंद्र गुप्ता, अध्यक्ष ARSP, पूर्व राजदूत अनूप मुदगल, अध्यक्ष DRRC, श्री नारायण कुमार, माननीय निदेशक, एआरएसपी भी इस अवसर पर उपस्थित थे। सम्मेलन में मॉरीशस, फिजी, यूएसए, कैलिफोर्निया, सूरीनाम, नीदरलैंड, हैदराबाद, अहमदाबाद, महाराष्ट्र, वाराणसी और नई दिल्ली के अंतरराष्ट्रीय प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।

गांधी दर्शन राजघाट में आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में उपस्थित लोगों को सम्बोधित करते हुए माननीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री एवं समिति के उपाध्यक्ष श्री प्रहलाद सिंह पटेल।

चित्र में (बाएं से दाएं) एआरएसपी के निदेशक श्री नारायण कुमार, श्री श्याम परांडे महासचिव, प्रसिद्ध गांधी विचारक प्रो. रामजी सिंह, पूर्व राजदूत श्री विरेन्द्र गुप्ता और गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति के निदेशक श्री दीपंकर श्री ज्ञान।

माननीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री एवं समिति के उपाध्यक्ष श्री प्रहलाद पटेल 'डायस्पोरा एंड नेशन बिल्डिंग' पुस्तिका का विमोचन करते हुए। उनके साथ हैं: श्री नारायण कुमार, श्री राकेश पांडे, श्री श्याम परांडे, प्रो. रामजी सिंह, श्री विरेन्द्र गुप्ता, श्री दीपंकर श्री ज्ञान और श्री अनूप मुदगल।

कार्यक्रम में उपस्थित विभिन्न देशों के प्रतिनिधि।

सम्मेलन ने महात्मा गांधी के "सत्याग्रह" के सिद्धांत के प्रभाव पर चर्चा की, जो पहले दक्षिण अफ्रीका और गिरमिटिया देशों में था, उसके बाद इसका वैश्विक प्रभाव रहा, जिसने समकालीन समय में भारतीय प्रवासी दुनिया की विशेषता बताई। शांति और अहिंसा के गांधीवादी सिद्धांतों ने प्रवासी भारतीयों सहित भारतीयों के बड़े राष्ट्रीय चरित्र पर गहरी छाप छोड़ी है।

सम्मेलन का एक और मुख्य आकर्षण गांधीजी की पोती और समिति की पूर्व उपाध्यक्ष श्रीमती तारागांधी भट्टाचार्जी के साथ एक विशेष सत्र था। श्रीमती तारागांधी ने गांधीजी के साथ अपने व्यक्तिगत अनुभव साझा किए, जिसे लोगों ने तन्मयता से सुना, लोगों के लिये ये अनुभव बहुत खास थे।

इस अवसर पर चार तकनीकी सत्रों में गहनता के साथ प्रासंगिक विषयों पर विचार–विमर्श किया गया: वे विषय थे:

1. महात्मा गांधी और भारतीय डायस्पोरा इसकी अध्यक्षता महात्मा गांधी संस्थान, मॉरीशस के महानिदेशक श्रीमती एस. एन. गायन ने की। इस सत्र में अन्य वक्ताओं में शामिल थे: श्री धर्म यादेश्व धूनी, अध्यक्ष, अप्रवासी घाट ट्रस्ट फंड, मॉरीशसय डॉ. अन्नपूर्णा पांडे, एंथ्रोपोलॉजी विभाग, कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय, सांता क्रूज, यूएसए डॉ. शीतल शर्मा, सहायक प्रोफेसर, स्कूल ऑफ इंटरनेशनल स्टडीज, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली श्री अनिल जोशी, पूर्व द्वितीय सचिव, फिजी में भारतीय उच्चायोगय प्रो. टी. पी. सिंह, प्रोफेसर, राजनीति विज्ञान विभाग, और समन्वयक, सामाजिक बहिष्कार और समावेशी नीति के अध्ययन केन्द्र, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी डॉ. रजनी सरीन मेडिकल डॉक्टर और डॉ. राजीव रंजन राय, सहायक प्रोफेसर, प्रवासन और डायस्पोरा अध्ययन विभाग, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा।

संवाद के दौरान महात्मा गांधी की पौत्री और समिति की पूर्व उपाध्यक्षा श्रीमती तारा गांधी भट्टाचार्य को सुनते विभिन्न देशों के प्रतिभागी, साथ में हैं प्रो. रामजी सिंह।

2. महात्मा गांधी और भारतीय डायस्पोरा–II की अध्यक्षता पूर्व राजदूत श्री वीरेन्द्र गुप्ता ने की। इस सत्र में वक्ताओं में शामिल थे: प्रो. त्रिलोकी नाथ पांडे, प्रोफेसर एमेरिटस, नृविज्ञान विभाग, कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय, डॉ. अंबा पांडे, स्कूल ऑफ इंटरनेशनल स्टडीज, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली, डॉ. श्रीमती सरिता बोधू, अध्यक्ष, भोजपुरी भाषी संघ मॉरीशस प्रो. चन्द्रशेखर भट्ट, प्रख्यात प्रोफेसर, तेजपुर विश्वविद्यालय और समाजशास्त्र के निदेशक और निदेशक, भारतीय डायस्पोरा, अध्ययन केन्द्र हैदराबाद विश्वविद्यालय डॉ. विधान पाठक, सहायक प्रोफेसर, अफ्रीकी अध्ययन केन्द्र, दिल्ली विश्वविद्यालय श्री चंद्रप्रकाश रामकलवाण, अध्यक्ष, गांधी भवन लवेन्स्थोर, मॉरीशस डॉ. मुन्नालाल गुप्ता, असिस्टेंट प्रोफेसर, डिपार्टमेंट ऑफ माइग्रेशन एंड डायस्पोरा स्टडीज, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा और श्री राकेश पांडे, संपादक, प्रवासी संसार।

3. गांधी और समावेशी विकास की अध्यक्षता पूर्व राजदूत श्री अनूप मुदगल ने की। इस अवसर पर विशेष अतिथि श्रीमती तारागांधी भट्टाचार्जी थीं। अन्य वक्ताओं में शामिल थे: श्री अनिल दत्ता मिश्रा, प्रख्यात गांधीवादी विद्वान और लेखक सम्पादक, सुलभ इंडिया, सुश्री रुचिका सिन्हा, सहायक प्रोफेसर, इतिहास विभाग, नोएडा इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी, ग्रेटर नोएडा, विमलेश कांत वर्मा, भाषाविज्ञान के पूर्व प्रोफेसर, दिल्ली विश्वविद्यालय और श्री अमित गुप्ता, संयुक्त सचिव, ARSP।

4. समकालीन समय में शांति और अहिंसा के मूल मूल्यों की अध्यक्षता श्री श्याम परांडे, महासचिव ARSP ने की। इस सत्र में वक्ताओं में शामिल थे: प्रो. गीता धर्मपाल, डीन ऑफ रिसर्च, गांधी रिसर्च फाउण्डेशन, महाराष्ट्र, डॉ. नरिंदर मोहकमिंग, एसोसिएट प्रोफेसर, एंटोन डी. कोम विश्वविद्यालय, सूरीनामय डॉ. नीरजा ए. गुप्ता, प्राचार्या, भवन आर्ट्स एंड कॉमर्स कॉलेज, खानपुर, अहमदाबाद, निदेशक सह समन्वयक, अध्ययन विदेश कार्यक्रम और प्रवासी अध्ययन, गुजरात विश्वविद्यालय, अहमदाबाद, प्रो. सुभाष चन्द्र, एसोसिएट प्रोफेसर, इंटरकल्चरल ओपन यूनिवर्सिटी (IOU), नीदरलैंड,अध्यक्ष जीएएचए और अध्यक्ष बोर्ड–ग्लोबल हार्मनी एसोसिएशन, इंडिया जीएचए और मंजू सेठ सेवानिवृत्त विदेशी राजनयिक।

सम्मेलन के एक भाग के रूप में एक गोलमेज चर्चा श्री नारायण कुमार की अध्यक्षता और संचालन में हुई।

सम्मेलन ने न केवल शिक्षाविदों और विद्वानों के बीच, बल्कि राजनीतिक/राजनयिक समुदाय और मीडिया के बीच भी गंभीर रुचि पैदा की, क्योंकि इस तरह के व्यापक और समकालीन विषयों को महात्मा गांधी के प्रवासी भारतीयों के योगदान की मान्यता के रूप में देखा गया था। प्रतिभागियों ने इस बारे में विस्तार से बताया कि महात्मा गांधी ने मानव समाज के

हर महत्त्वपूर्ण पहलू जैसे राजनीतिक, सामाजिक, आर्थिक, लिंग, सांस्कृतिक, अंतरराष्ट्रीय सम्बन्ध, स्थिरता, प्रौद्योगिकी और विश्वास को छुआ। उन्होंने यह भी सुनिश्चित किया कि गांधीजी के दर्शन केवल दर्शन या इतिहास के दायरे तक ही सीमित नहीं थे बल्कि समकालीन समय में भी उतने ही प्रासंगिक हैं यदि मानवता वास्तव में शांति, अहिंसा, न्याय के सिद्धांतों के आधार पर एक समाज बनाने में रुचि रखती है। वास्तव में, वसुधैव कुटुम्बकम (सम्पूर्ण विश्व एक परिवार है) का विचार शांति, अहिंसा और खुले दिमाग के गांधीवादी मूल्यों के बिना सम्भव नहीं है।

सम्मेलन का समापन एक समान रूप से प्रभावशाली मान्यताओं के साथ हुआ, जिसकी अध्यक्षता ARSP के महासचिव श्री श्याम परांडे ने की। भारतीय सांस्कृतिक सम्बन्ध परिषद (ICCR) के अध्यक्ष, डॉ. विनय सहस्रबुद्धे इस अवसर पर मुख्य अतिथि थे। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केन्द्र (IGNCA) के अध्यक्ष श्री राम बहादुर राय सम्मानित अतिथि थे।

प्रतिभागियों ने दोहराया कि आज, भारतीय समाज और प्रवासी अपने कौशल के लिए उतना ही मूल्यवान हैं जितना कि शांति और सहिष्णुता के लिए अपनी प्रतिबद्धता के लिए। उसी तरह, गांधीजी के स्वयं के व्यक्तित्व, विचार और उपकरण दक्षिण आफ्रीका और मॉरीशस में भारतीय प्रवासी द्वारा सामना की गई कठिनाइयों से सीधे प्रभावित थे। यह याद किया जा सकता है कि गांधीवादी दर्शन के इन सभी साधनों का पहली बार डायस्पोरा के साथ और भीतर प्रयोग किया गया था। यह एक महत्त्वपूर्ण दोतरफा धारा रही है, जो गांधीजी के शुरुआती राजनीतिक विचारों को प्रभावित करती है, जिसने उनके बड़े चरित्र और छवि को आकार दिया। भारतीय डायस्पोरा का अध्ययन करने का कोई भी प्रयास महात्मा गांधी के जीवन और संदेश के साथ जुड़े बिना असंभव प्रतीत होगा।

पेरिस में महात्मा गांधीः महात्मा के आकार के होलोग्राम द्वारा अहिंसा व्याख्यान में भागीदारी

भारत के स्थायी प्रतिनिधिमंडल के सहयोग से यूनेस्को एमजीआईईपी, और गाँधी स्मृति एवं दर्शन समिति ने चौथे अहिंसा व्याख्यान की मेजबानी की, जिसमें पैनलिस्ट और महात्मा गांधी के जीवन–आकार होलोग्राम के बीच एक संवाद प्रस्तुत किया गया। इस कार्यक्रम में शिक्षा के लिए सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) की दिशा में बातचीत की गयी।

इसे फ्रांस में भारत के राजदूत और यूनेस्को में भारत के स्थायी प्रतिनिधि, महामहिम, श्री विनय मोहन क्वात्रा और सहायक महानिदेशक प्राथमिकता अफ्रीका और विदेश सम्बन्ध, यूनेस्को, श्री फिरमिन बाउर्ड माटोको द्वारा आरम्भ किया गया। श्री अनंत दुरैयप्पा निदेशक यूनेस्को एमजीआईईपी ने मानव उत्कर्ष के लिए गांधी के शिक्षा दर्शन के महत्त्व के बारे में चर्चा की।

इस कार्यक्रम में यूनेस्को के कई सदस्य राज्यों के युवाओं, शिक्षकों, शिक्षाविदों, नीति–निर्माताओं और प्रतिनिधियों सहित लगभग 1000 लोगों ने भाग लिया।

यूनेस्को पेरिस में अहिंसा व्याख्यान पर प्रतिभागियों के साथ होलोग्राफिक गांधी के साथ चर्चा का दृश्य।

गांधीजी की 150वीं जयन्ती पर 1 अक्तूबर, 2019 को कक्ष संख्या 1, पेरिस में यूनेस्को मुख्यालय में अहिंसा वार्ता का आयोजन किया गया। जिसमे 400 लोगों ने व्याख्यान में भाग लिया और 20000 से अधिक ने ऑनलाइन लॉग इन किया।

भारतीय राजदूत श्री क्वात्रा ने शिक्षा के गांधीवादी मूल्यों को बढ़ावा देने के महत्व पर प्रकाश डाला। उनकी टिप्पणी ने महात्मा गांधी के होलोग्राम, ग्रीगोइरे बोरस्ट, वेरा एल खुरेई लैकोइल और अनंत दुरैयप्पा के बीच अत्यधिक आकर्षक संवाद के लिए माहौल निर्मित किया।

यह चर्चा आज दुनिया में शिक्षा पर गांधीजी के दृष्टिकोण को प्रस्तुत करने वाले पैनल के साथ शुरू हुई। इसने शिक्षा और एसडीजी के भविष्य के बारे में जागरूकता बढ़ाने (समावेशी और न्यायसंगत गुणवत्ता की शिक्षा सुनिश्चित करने और सभी के लिए आजीवन सीखने के अवसरों को बढ़ावा देने) पर ध्यान केन्द्रित किया।

महात्मा गांधी के होलोग्राम ने डेवलपमेंट साइकोलॉजी के प्रोफेसर और संज्ञानात्मक तंत्रिका विज्ञान के प्रोफेसर ग्रीगोएर बोरस्ट और यूनेस्को एमजीईईपी के टेक 2019 के सलाहकार बोर्ड के सदस्य

पेरिस में आयोजित यूनेस्को अहिंसा व्याख्यान में भाग लेते विभिन्न देशों से आए विशिष्ट प्रतिभागी।

वेरा एल खुरै लैकोइले के साथ विचारों का आदान–प्रदान किया।

महात्मा गांधी का होलोग्राफिक अवतार 1930–1940 के फोटो–मैप्ड चित्रों और उन्नत कॉन्टूरिंग सॉफ्टवेयर व 3डी प्रिंटिंग से बनाया गया था। डिजिटल मूर्तिकला उपकरण का उपयोग गांधी की वास्तविक जीवन छवि बनाने के लिए और उसे सजीव बनाने के लिए किया गया था। होलोग्राफी के माध्यम से, महात्मा गांधी का एक स्थायी होलोग्राम 2 से 3 मिनट के साथ कुल 15 मिनट तक बोल सकता है जिसने चर्चा के लिए स्वर निर्धारित किया है। यह चर्चा सत्याग्रह, अहिंसा, दयालुता, आलोचनात्मक जाँच और शिक्षा पर उनके लेखन पर आधारित थी।

महात्मा गांधी के होलोग्राम के उद्धरणों में से एक प्रसिद्ध उद्ध रण था, "सभी शिक्षा का सार दया है–सभी, दोस्तों, दुश्मनों, पुरुषों और जानवरों के लिए दयालुता। शिक्षा का मुख्य उद्देश्य चरित्र का निर्माण है। चरित्र निर्माण, निष्पक्ष ज्ञान का लक्ष्य होना चाहिए। ज्ञान साधन है और चरित्र निर्माण अंत है।"

गांधी ग्लोबल सोलर यात्राः दुनिया भर के 1 मिलियन छात्रो की सोलर एंबेसडर के रूप में समारोह में शिरकत

महात्मा गांधी की 150वीं जयन्ती के अवसर पर 2 अक्तूबर, 2019 को एक भव्य समारोह में देश के विभिन्न हिस्सों से लगभग 10 लाख छात्र सौर राजदूत अपने 'सौर अध्ययन लैंप' के साथ इकट्ठे हुए थे। यह आयोजन आईआईटी मुंबई और गाँधी स्मृति एवं दर्शन समिति द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया गया था।

गांधी ग्लोबल सोलर यात्रा गुजरात के साबरमती आश्रम से 25 दिसम्बर, 2018 को आईआईटी मुम्बई के प्रोफेसर चेतन सिंह सोलंकी द्वारा शुरू की गई थी। इस वर्ष, गांधी ग्लोबल सोलर यात्रा ने 10 लाख से अधिक छात्रों को दो अक्तूबर को सौर लैंप असेंबली में प्रशिक्षण दिया, जिसने इस यात्रा की परिणति को चिह्नित किया। इस वर्ष 80 से अधिक देशों ने इस पहल में भाग लिया।

यह एक दिवसीय कार्यक्रम उसी दिन लगभग 180 देशों में आयोजित किया गया था विशेष रूप से दक्षिण एशिया, अफ्रीका और लैटिन

भारत और विदेश के विभिन्न संस्थानों के छात्रों ने एक अनूठी पहल के तहत सोलर लैम्प को टूल और किट के माध्यम से बनाया। आईआईटी मुम्बई के सौजन्य से यह पहल हुई।

अमेरिका के देशों में जहाँ ऊर्जा की पहुंच का अभाव है। गांधी ग्लोबल सोलर यात्रा के अनुसार, यह कार्यक्रम 2 अक्तूबर को आत्मनिर्भरता के गांधीवादी सिद्धांतों को याद करने के लिए आयोजित किया गया था।

इसका उद्देश्य जलवायु परिवर्तन के प्रतिकूल प्रभावों के प्रति दस लाख से अधिक छात्रों के संवेदीकरण और उन्हें अक्षय ऊर्जा के भविष्य के प्रचारक बनाने और "ग्लोबल स्टूडेंट सोलर एंबेसडर" बनाने का था।

महात्मा गांधी की 150वीं जयन्ती के अवसर पर, 10,000 से अधिक छात्रों ने ग्लोबल स्टूडेंट सोलर असेंबली के हिस्से के रूप में अपने स्वयं के सोलर लैंप को "असेंबल और लाइटिंग" करके गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में स्थान बनाया।

समिति के तत्वाबधान में इस अखिल भारतीय आन्दोलन में अनेक स्कूलों ने भाग लिया, इन स्कूलो के नाम हैः राजकीय बुनियादी विद्यालय, बृंदाबन चम्पारण, कस्तूरबा बालिका विद्यालय भितिहरवा, राजकीय बुनियादी विद्यालय, सिरसिया, कस्तूरबा गांधी इंटरमीडिएट कॉलेज, सेवापुरी, वाराणसी, गवर्नमेंट जे. पी. बी. गर्ल्स हायर सेकेण्डरी स्कूल,

150 गौरवशाली वर्ष : महात्मा गांधी की 150वीं जयन्ती के मौके पर विद्यार्थियों ने असैम्बल सोलर लैम्प के माध्यम से अपनी मुहिम का जश्न मनाया, साथ ही गांधीजी को श्रद्धांजलि भी दी।

दमोह, मध्य प्रदेश, सरस्वती शिशु मंदिर हाई स्कूल, छतरपुर, मध्य प्रदेश, नोबल पब्लिक स्कूल, सागर, केन्द्रीय विद्यालय, दमोह, म. प्र., राजकीय उत्कृष्ठ उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, दमोह, म. प्र., शासकीय नवीन स्कूल, हाटा, म. प्र., शासकीय मॉडल हाई स्कूल, दमोह, म. प्र., श्री जागेश्वर नाथ स्कूल, दमोह, गवर्नमेंट एक्सीलेंस बॉयज स्कूल, दमोह, म. प्र., सरस्वती शिशु कन्या स्कूल, नवजागृति स्कूल, मध्य प्रदेश. शासकीय मॉडल स्कूल, मध्य प्रदेश, एक्सोम विद्या मंदिर, गुवाहाटी, असमय सरस्वती विद्या मंदिर, असम और पारिजात अकादमी, गुवाहाटी।

"सीमाओं के पार महात्मा गांधी" पर अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी

राम लाल आनंद कॉलेज के गांधी स्टडी सर्कल, दिल्ली विश्वविद्यालय ने समिति के सहयोग से 23–24 अक्तूबर, 2019 को राम लाल आनंद कॉलेज में "सीमाओं के पार महात्मा गांधी" पर दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया। कार्यक्रम में लगभग 170 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। इस अवसर पर भारत में सोमालिया के राजदूत महामहिम सुश्री फादुमा अब्दुल्लाही मोहम्मद मुख्य अतिथि थी। संगोष्ठी का आयोजन महात्मा गांधी की 150वीं जयन्ती के अवसर पर किया गया था। इस अवसर पर श्री रमेश भारद्वाज, निदेशक गांधी भवन, श्री राजदीप पाठक, कार्यक्रम कार्यकारी, गसदस, कॉलेज प्राचार्य डॉ. राकेश कुमार गुप्ता, जीएससी के संयोजक और आयोजन सचिव, आरएलए कॉलेज के देवेंद्र कुमार उपस्थित थे।

रामलाल आनंद कॉलेज के गांधी स्टडी सर्कल द्वारा आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में अपने विचार रखते हुए वक्ता।

दो दिवसीय सम्मेलन में सात अलग–अलग सत्रों में अनेक वक्ता शामिल हुए जैसे प्रो. सलिल मिश्रा, कुलपति, अम्बेडकर विश्वविद्यालयय डॉ. हरप्रीत कौर, प्राचार्या माता सुंदरी कॉलेज, प्रो. सुब्रत मुखर्जी, प्राध्यापक राजनीति विज्ञान प्रो. डॉ. होइमंती बरुआ, बांग्लादेश के विद्वान, डॉ. मनोज सिन्हा, प्राचार्य आर्यभट्ट कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, प्रो. संजय भारद्वाज, एसआईएस जेएनयू, प्रो. विघ्नेष कुमार, सीसीएसयू मेरठ, श्री दया प्रकाश सिन्हा, श्री बृज किशोर शर्मा, महात्मा गांधी सेंटर फॉर पीस स्टडीज के कार्यकारी निदेशक और जिंदल विश्वविद्यालय में स्कूल ऑफ लॉ के वाइस डीन प्रो. रामिन जहान बेगलोय जियानलुइगी सेगलेब्रा, यूनिवर्सिटी ऑफ वियना, और अनंता गिरी, प्राध्यापक मद्रास इंस्टीच्यूट ऑफ डेवलपमेंट स्टडीज, चेन्नई।

रामलाल आनंद कॉलेज के गांधी स्टडी सर्कल द्वारा आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में उपस्थित लोगों को सम्बोधित करते हुए प्रो. सलिल मिश्रा।

गांधी की 150वीं जयन्ती के अवसर पर सांस्कृतिक विनिमय कार्यक्रम: दूतावासों के साथ

महात्मा गांधी की राह में

शांति और अहिंसा की ओर भारत–बोलीविया

महात्मा गांधी की 150वीं जयन्ती के अवसर पर समिति ने महात्मा गांधी के संदेश को प्रचारित करने के लिए देश के भीतर और विश्व स्तर पर समाज के विभिन्न वर्गों तक पहुंचने के लिए एक पहल "महात्मा गांधी की राह में" शुरू की है।

गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति की कार्यकारिणी के सदस्य श्री लक्ष्मीदास कार्यक्रम के उद्घाटन अवसर पर दीप प्रज्ज्वलित करते हुए उनके साथ भारत में बोलिविया के राजदूत श्री जुआन कोर्टेज रोजस, संगीतकार जेनी कार्डेनस और समिति के निदेशक श्री दीपंकर श्री ज्ञान भी हैं।

(ऊपर) भारत में बोलिविया के राजदूत श्री जुआन कोर्टेज रोजस को गांधीजी की प्रतिकृति और चरखा भेंट कर सम्मानित करते हुए श्री दीपंकर श्री ज्ञान ।

(नीचे) बोलिवियाई संगीत के बारे में लोगों को जानकारी देतीं जेनी कार्डेनस।

(ऊपर) बोलिविया म्युज़िकल ग्रुप शांति पर आधारित गीत की प्रस्तुति देते हुए। ब्लू बैल्स मॉडल स्कूल के बच्चे कार्यक्रम का आनंद लेते हुए।

इस सन्दर्भ में, 13 नवम्बर, 2019 को समिति द्वारा भारत में बोलीविया के दूतावास के सहयोग से "शांति के लिए संगीत" सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया गया। गांधी स्मृति में हुए इस कार्यक्रम में डॉ. जुआन कॉर्टाज रोजास, भारत में बोलीविया के राजदूत, श्री लक्ष्मीदास, समिति के कार्यसमिति सदस्य, श्री दीपंकर श्री ज्ञान, निदेशक, श्री रिकार्डो कैला, स्वदेशी पीपुल्स मामलों के पूर्व मंत्री (बोलिविया), और मैडम वेनी कर्डेनस अपने ओर्केस्ट्रा के साथ मौजूद थे। कार्यक्रम में गौर इंटरनेशनल स्कूल और ब्लू बेल्स स्कूल, गुरुग्राम के बच्चों ने हिस्सा लिया।

इस कार्यक्रम का मुख्य एजेंडा समकालीन दुनिया में महात्मा गांधी के दर्शन की प्रासंगिकता विशेष रूप से अंतरराष्ट्रीय क्षेत्र में, कार्यक्रम का मुख्य एजेंडा था।

मैडम जेनी द्वारा गाए गीतों में शांति का संदेश निहित था, जिन्होंने बोलीविया और पैराग्वे के बीच चाको युद्ध में अपने पिता और दादा को

खोने के अपने अनुभव को साझा किया था। उन्होंने आधुनिक समय में गैर–हिंसा पर भी अपने विचार व्यक्त किये।

बोलीविया के पूर्व मंत्री, श्री रिकार्डो ने जलवायु परिवर्तन में अहिंसा के गांधीवादी आंदोलन का उल्लेख किया और आर्थिक विकास के प्रतीक "करघा" के महत्त्व का उल्लेख किया। इसके अलावा, भारत में बोलीविया के राजदूत ने संगीत की शक्ति पर जोर दिया। उन्होंने बोलीविया के नागरिकों पर युद्ध के प्रभाव को भी रेखांकित किया।

शांति और अहिंसा की ओर भारत–ग्वाटेमाला

गांधी स्मृति में 18 नवम्बर, 2019 को भारत में ग्वाटेमाला के दूतावास के सहयोग से सांस्कृतिक कार्यक्रम–"शांति के लिए संगीत" आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में लगभग 100 प्रतिभागियों ने भाग लिया। जिसमें भारतीय विद्या भवन के मेहता विद्यालय के छात्र भी शामिल थे। समारोह के गणमान्य व्यक्तियों में महामहिम श्री जियोवानी रेने कैस्टिलो, भारत में ग्वाटेमाला के राजदूत, श्री एस्माइलिन थॉमस डैनियल गोमेज, प्रथम सचिव और महावाणिज्यदूत, और भारतीय विद्या भवन के मेहता विद्यालय की प्राचार्या डॉ. अंजू टंडन शामिल थे। ग्वाटेमाला की राजदूत की धर्मपत्नी मैडम लेस्ली कैस्टिलो भी इस अवसर पर उपस्थित थीं।

इस अवसर पर माननीय राजदूत महोदय ने कार्यक्रम की पूरी विषय–वस्तु को बहुत सराहा, क्योंकि इसमें तीन महान घटनाओं–21 अक्तूबर को 1944 की ग्वाटेमाला क्रांति के रूप में, 13 नवम्बर जब ग्वाटेमाला में वामपंथियों के विरूद्ध गृह युद्ध आरम्भ हुआ था, और 16 नवम्बर को अंतरराष्ट्रीय सहिष्णुता दिवस का उल्लेख किया गया।

कार्यक्रम के उद्घाटन अवसर पर दीप प्रज्ज्वलित करते हुए भारत में ग्वाटेगाला के राजदूत ग्लोवानि रेनो कास्टिलो और उनकी पत्नी लेस्ली कास्टिलो।

उन्होंने लोगों को शांति, आत्म–सम्मान और सामाजिक न्याय के मूल्यों को प्रोत्साहित करने के लिए प्रेरित किया। महात्मा गांधी के विचारों को उद्धृत करते हुए उन्होंने कहा, "एक आंख के बदले एक आंख ही पूरी दुनिया को अंधा बना देती है।" ग्वाटेमाला के राजदूत के रूप में, महामहिम ने शांति बनाए रखने और नरसंहार से बचने के लिए लोगों के बीच संवाद के महत्त्व के बारे में बात की जिसने हजारों लोगों के दुःख को पीछे छोड़ दिया। इस अवसर पर सचिव द्वारा वीडियो प्रदर्शित किया गया, जिसमें शांति को प्राप्त करने और देश को स्थिर बनाने के लिए ग्वाटेमाला में होने वाली गतिविधियों की श्रृंखला के बारे में बताया गया।

इससे पूर्व डॉ. वेदाभ्यास कुण्डू ने कार्यक्रम के महत्त्व और आज के वैश्यिक परिदृश्य में इसके महत्त्व और साथियों के साथ बातचीत की पहल पर प्रकाश डाला। भारतीय विद्या भवन के छात्रों ने एक संगीतमय अंतर–प्रार्थना भी प्रस्तुत की। ग्वाटेमाला के राजदूत महामहिम श्री

(ऊपर) भारतीय विद्या भवन के मेहता विद्यालय के बच्चे श्रीमती नीला सरकार और श्री दीपक की अगुवाई में अपनी प्रस्तुति देते हुए।

(बाएं) समारोह में उपस्थित स्कूली बच्चों और अन्य को संबोधित करते हुए भारत में ग्वाटेमाला के राजदूत ग्लोवानि रेनो कोस्टिलो।

भारत में ग्वाटेमाला के राजदूत श्री ग्लोवानि रेनो कोस्टिलो को बरखा भेंट कर सम्मानित करते हुए समिति के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. वेदाभ्यास कुण्डू।

गांधी स्मृति में पीस गॉंग पर समूहचित्र के दौरान भारत में ग्वाटेमाला के राजदूत श्री ग्लोवानि रेनो कोस्टिलो स्कूली बच्चे, समिति के अधिकारीगण व अन्य।

गियोवानी कैस्टिलो के साथ छात्रों के बीच एक परिचर्चात्मक सत्र कार्यक्रम का एक और आकर्षण था।

शांति और अहिंसा की ओर भारत–जाम्बिया

महात्मा गांधी की 150वीं जयन्ती पर आयोजित समारोह की श्रृंखला में समिति ने संयुक्त सांस्कृतिक कार्यक्रम के लिए नई दिल्ली में विभिन्न दूतावास/उच्च आयोगों तक सम्पर्क साधने की कोशिश की। इस कार्यक्रम के आयोजन का उद्देश्य अंतरराष्ट्रीय क्षेत्र में शांति और अहिंसा की गांधीवादी दर्शन की प्रासंगिकता का प्रचार करना था।

6 दिसम्बर, 2019 को नई दिल्ली में जाम्बिया के उच्चायोग के साथ गांधी स्मृति में एक कार्यक्रम आयोजित किया गया था। भारत में जाम्बिया के उच्चायुक्त, श्रीमती जूडिथ के. के. कानगोमा–कपिजिम्पंगा समारोह में मुख्य अतिथि थे। भारत में जाम्बिया के उप–उच्चायुक्त, भारत में तंजानियाई उच्चायोग से सुश्री नतिका फ्रांसिस मूसिया, मलावी के उप उच्चायुक्त श्री पैट्रिक म्हेपो और विभिन्न दूतावासों के अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने कार्यक्रम में भाग लिया।

इस अवसर पर कैंब्रिज स्कूल, इंदिरापुरम और राष्ट्र शक्ति विद्यालय, उत्तम नगर के छात्रों ने संगीत कार्यक्रम की प्रस्तुतियाँ दीं। महामहिम श्रीमती जूडिथ के साथ बातचीत के दौरान, बच्चों ने पश्चिमी देशों के अलावा देश के इतिहास के बारे में जानने पर उत्कंठा दिखाई।

समिति की शोध सहयोगी डॉ. शैलजा गुल्लापल्ली, भारत में जाम्बिया के उच्चायुक्त श्रीमती जूडिथ के. के. कन्गोमा कपिजिम्पिंगा को गांधीजी की प्रतिकृति भेंट कर सम्मानित करते हुए।

समिति की शोध सहयोगी डॉ. शैलजा गुल्लापल्ली, भारत में जाम्बिया के उच्चायुक्त श्रीमती जूडिथ केके कन्गोमा कपिजिम्पिंगा को गांधीजी की प्रतिकृति भेंट कर सम्मानित करते हुए।

प्रतिभागी बच्चों ने जाम्बिया की उच्चायुक्त से संवाद किया।

गांधी स्मृति में आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को सम्बोधित करते हुए भारत में जाम्बिया की उच्चायुक्त श्रीमती जूडिथ के. के. कन्गोमा कपिजिम्पिंगा।

दूतावासों के साथ सांस्कृतिक विनिमय कार्यक्रम की संयोजिका सुश्री मानसी शर्मा गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति द्वारा दूतावासों के साथ सम्बन्ध स्थापित करने की पहल की जानकारी उपस्थित जनों को देती हुई।

भारत में जाम्बिया की उच्चायुक्त श्रीमती जूडिथ के. के. कन्गोमा कपिजिम्पिंगा को गांधी स्मृति का दौरा करवाते हुए गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति के कार्यक्रम कार्यकारी श्री राजदीप पाठक।

उच्चायुक्त ने उपस्थित जनों के समक्ष जाम्बिया के पहले राष्ट्रपति केनेथ डेविड कौंडा पर एक प्रेरणादायक प्रस्तुति दी, जिसे शांति और सामंजस्य के लिए महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार भी मिला।

साथ ही, भाग लेने वाले बच्चों के साथ बातचीत करते हुए, महामहिम जूडिथ ने मानवता और मानवतावाद के दर्शन का सार बताया, जिसने उनके पहले राष्ट्रपति श्री केनेथ कौंडा को महात्मा गांधी के नक्शेकदम पर चलने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने बताया कि कैसे जाम्बिया एक शांतिपूर्ण राष्ट्र रहा है। हालांकि उन्होंने इस बात पर चिंता जताई कि सोशल मीडिया द्वारा फैलाई गई अफवाहें शांतिपूर्ण देश के लिए एक बाधा बन सकती हैं। उन्होंने अपने देश की कानून व्यवस्था और शैक्षणिक व्यवस्था पर भी विस्तृत जानकारी दी। उसने यह बताने में गर्व महसूस किया कि जाम्बिया में महिलाओं को उनकी योग्यता के आधार पर कैसे पहचाना जाता है।

शांति और अहिंसा की ओर भारत–रवांडा

समिति द्वारा भारत में रवांडा के उच्चायोग के साथ मिलकर अंतरराष्ट्रीय क्षेत्र में शांति और अहिंसा की गांधीवादी दर्शन की प्रासंगिकता का प्रचार करने के लिए विभिन्न दूतावासों और उच्च आयोगों के साथ शुरू किए गए कार्यक्रमों की श्रृंखला में 7 जनवरी, 2020 को एक संवादात्मक सत्र आयोजित किया गया। भारत में रवांडा के उच्चायुक्त महामहिम श्री अर्नेस्ट रवामुकों, ने रवांडा के इतिहास पर व्याख्यान दिया और बताया कि कैसे सुलह और बातचीत के सिद्धांतों पर 1994 के रवांडा नरसंहार के बाद देश एक शांतिपूर्ण राज्य के रूप में विकसित हुआ।

रमन मुंजल विद्या मंदिर सीनियर सेकेण्डरी स्कूल, दिल्ली–जयपुर हाईवे, हरियाणा और मंथन स्कूल गाजियाबाद, फादर एंजेल स्कूल, भारत के अन्य दूतावासों और उच्च आयोगों के प्रतिनिधियों सहित 125 प्रतिभागियों को सम्बोधित करते हुए श्री अर्नेस्ट ने बताया कि वे आरम्भ से ही महात्मा गांधी और मार्टिन लूथर किंग से प्रभावित रहे हैं। उन्होंने कहा, "मैं भारत आने से बहुत पहले गांधीवादी हो गया था। महात्मा गांधी मार्टिन लूथर किंग और नेल्सन मंडेला का मुझ पर बहुत प्रभाव था। उन्होंने मुझे वैश्विक शांति की प्राप्ति के लिए अहिंसा का मार्ग सिखाया। उन्होंने कहा, "उनके विचारों को युवा पीढ़ी तक ले जाना चाहिए"।

गांधी स्मृति में संवाद कार्यक्रम का दीप प्रज्ज्वलन कर उद्घाटन करते भारत में रवांडा के उच्चायुक्त अर्नेस्ट रवामुक्यो। उनके साथ हैं समिति के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. वेदाभ्यास कुण्डू और उच्चायोग के अन्य अधिकारी। समिति के श्री विवेक राठौड़ भी इस अवसर पर उपस्थित हैं।

परिचर्चात्मक सत्र में उपस्थित लोगों को जिज्ञासाओं का जवाब देते भारत में रवांडा के उच्चायुक्त अर्नेस्ट रवामुक्यो।

कार्यक्रम के दौरान रवांडा उच्चायोग के एक अधिकारी को चरखा भेंट कर सम्मानित करतीं सुश्री मानसी शर्मा।

रवांडा के दुखद इतिहास का जिक्र करते हुए उन्होंने 1994 के सामूहिक नरसंहार का उल्लेख किया। जिसमें 500,000–1,074,017 के बीच लोग हताहत हुए थे, श्री अर्नेस्ट ने कहा कि इसके लिए दोषी कोई और नहीं बल्कि स्वयं हम थे। "यह हमारे समुदाय और जातीय समूहों के भीतर हुआ। यह ऐसे समय में हुआ जब बाहर की दुनिया के पास इस नरसंहार को रोकने के सभी अवसर थे"। वे परेशान करने

वाले पल थे। नरसंहार के पैमाने और क्रूरता ने दुनिया भर को झटका दिया, लेकिन किसी भी देश ने बलपूर्वक हत्याओं को रोकने के लिए हस्तक्षेप नहीं किया। अधिकांश पीड़ितों को उनके ही गाँव या कस्बों में, उनके पड़ोसियों और साथी ग्रामीणों द्वारा मार दिया गया था।

रमन मुंजाल विद्या मंदिर वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय दिल्ली–जयपुर राजमार्ग हरियाणा और मंथन विद्यालय गाजियाबाद के बच्चे रवांडा उच्चायोग के अधिकारियों के साथ एक समूहचित्र के दौरान।

उन्होंने कहा, "एक राष्ट्र के रूप में, हम अपने लोगों को खोने का जोखिम नहीं उठा सकते। हमें उसी गाँवों में वापस जाना पड़ा और उसी अपराधियों के बगल में रहना पड़ा और यह एक बहुत बड़ी चुनौती थी।" सरकार ने सुलह की प्रक्रिया हेतु काम करने का फैसला लिया–"कोई बदला लेने के लिए नहीं नहीं"। सरकार ने एक तथ्य को महसूस किया कि केवल पीड़ित ही वापस दे सकते हैं और माफ कर सकते हैं। 'नेवर अगेन' सुलह की प्रक्रिया के आदर्श वाक्य के रूप में 'नेवर अगेन' बन गया।

श्री अर्नेस्ट ने 'गकाका कोर्ट' के बारे में भी उल्लेख किया, जिसे सरकार ने रवांडा के सभी प्रशासनिक स्तरों पर स्थापित किया है। उन्होंने बताया कि गकाका कोर्ट प्रणाली पारम्परिक रूप से समुदायों के भीतर संघर्ष से निपटती है, लेकिन इसे नरसंहार अपराधों से निपटने के अनुकूल बनाया गया था। न्यायालयों की स्थापना के प्रमुख उद्देश्यों में नरसंहार के दौरान जो कुछ भी हुआ, उसके बारे में सच्चाई की पहचान करना, नरसंहार के संदिग्धों के पहचान की कोशिश, राष्ट्रीय एकता और सामंजस्य की प्रक्रिया को तेज करना और अपनी समस्याओं को हल करने के लिए रवांडा लोगों की क्षमता का प्रदर्शन करना शामिल था।

"हमने खुद को दीर्घकालिक समाधान के लिए एक प्रक्रिया विकसित करने के लिए देखा, जिसमें समुदाय को शामिल किया गया, सामाजिक प्रक्रिया के पुनर्निर्माण में महिलाओं की मदद ली गई, जहां अपराधियों के परिवार को सम्पत्ति के रूप में पीड़ितों के परिवार को कुछ दान करने के लिए कहा गया था।"

"आज रवांडा एक खुशहाल देश है जो अन्धेरे से वापस आ गया है", श्री अर्नेस्ट ने यह सूचना देते हुए कहा कि," सरकारी मशीनरी के साथ–साथ समुदाय के लोग देश की प्रगति के लिए खुले हाथ से काम कर रहे हैं।

इस अवसर पर रवांडा के इतिहास, कला, संस्कृति और सामुदायिक जीवन पर आधारित एक वृत्तचित्र भी दिखाया गया। इससे पहले दोनों स्कूलों के छात्रों ने महात्मा गांधी के पसंदीदा भजन और गीत प्रस्तुत किए।

शांति और अहिंसा की ओर भारत–आर्मेनिया

अंतरराष्ट्रीय क्षेत्र में महात्मा गांधी का संदेश प्रचारित करने के उद्देश्य से भारत में विभिन्न दूतावासों तक पहुंचने की दिशा में गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति की पहल के तहत, भारत में आर्मेनिया के दूतावास के साथ मिलकर समिति ने फरवरी में गांधी स्मृति में एक सांस्कृतिक–आदान–प्रदान कार्यक्रम का आयोजन किया। दिनांक 10 फरवरी, 2020 को आयोजित यह कार्यक्रम महात्मा गांधी की 150वीं जयन्ती पर श्रद्धांजलि के रूप में आयोजित किया गया था। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में भारत में आर्मेनिया के राजदूत श्री आर्मेन मार्टियारसियन थे। कार्यक्रम में आश्रय अधिकार अभियान और समरफील्ड्स स्कूल, गुरुग्राम के छात्रों ने भाग लिया।

श्री आर्मेन मार्टियारसियन ने शांति को बढ़ावा देने के लिए किये गए महात्मा गांधी से जुड़े प्रमुख अभियानों (जैसे जय जगत) का उल्लेख किया और बताया कि कैसे दुनिया भर के लोग इन अभियानों का हिस्सा बन रहे हैं। उन्होंने 2018 की अर्मेनियाई मखमली क्रांति के बारे में भी बताया जो शांतिपूर्ण विरोध का एक और उदाहरण है। उन्होंने दर्शकों से आदर्शवाद में अपना विश्वास जारी रखने का आग्रह किया।

भारत में आर्मेनिया के राजदूत, अरमेन मारटिरोसन अन्य विशिष्ट प्रतिनिधि जिल कार हैरिस और डॉ. मोहसिन वली के साथ दीप प्रज्ज्वलन कर गांधी स्मृति में आयोजित कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए।

भारत में आर्मेनिया के राजदूत, अरमेन मारटिरोसन द्विभाषी हिन्दी–अंग्रेजी आर्मेनिया फेयरीटेल्स पुस्तिका 'द गोल्डन सिटी' का अन्य गणमान्य व्यक्तियों के साथ विमोचन करते हुए।

इस अवसर पर बोलते हुए, श्री मार्टिरोसियन ने कहा, "यह सही कहा गया है कि गांधी न केवल भारत के हैं, बल्कि पूरे विश्व के हैं, और इसलिए, अभी भी सभी कोनों में उनके विचारों की एक विशेष प्रतिध्वनि है। एक नेता, राजनेता, लेखक, पत्रकार, बैरिस्टर, दार्शनिक और सामाजिक कार्यकर्त्ता के रूप में उन्होंने अपने जीवनकाल में कई भूमिकाएँ निभाईं

आर्मेनिया के दूतावास के एक प्रतिनिधि आर्मेनिया के सांस्कृतिक इतिहास के बारे में उपस्थित जनों को जानकारी देते हुए।

कार्यक्रम के दौरान आश्रय अधिकार अभियान के विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुति दी गई है।

आर्मेनिया के 'क्यात बैंड की रंगारंग प्रस्तुति दूतावासों के साथ सांस्कृतिक विनिमय कार्यक्रम में लोगों के आकर्षण का केन्द्र रही।

और दुनिया भर के अरबों लोगों के जीवन को छुआ। वास्तव में, मैं कहूंगा कि दुनिया का शायद ही कोई देश हो, जहां आज जाति, धर्म और जातीयता के विभाजन को पार करते हुए गांधीजी के अहिंसा के प्रति जुनून और उनके वास्तविक मानवतावाद ने लोगों को प्रेरित नहीं किया हो, और आर्मेनिया भी इस मामले में कोई अपवाद नहीं है।"

"गांधीजी ने नैतिकता, आत्मनिर्भरता, क्षमा और अहिंसा की शिक्षाओं की विरासत प्रदान की है। वह अपने आदर्शों के साथ रहते थे और सबसे कठिन समय में भी उन आदर्शों से समझौता नहीं करते थे। आज, उनके दर्शन 'आदर्शवाद' के इस अभिन्न घटक को या तो हमने विस्मृत कर दिया है या उन्हें गलत तरीके से समझा गया है। आज, हम आदर्शवाद में अपना विश्वास खो रहे हैं और इसे दैनिक जीवन के लिए व्यावहारिक दृष्टिकोण के बजाय एक अमूर्त दर्शन के रूप में मानते हैं। बचपन की शिक्षा के उद्देश्य के लिए आदर्शवाद अभी भी प्रतिस्पर्धी है, लेकिन वास्तविकता अक्सर क्रूरतापूर्ण सामग्री के रूप में सामने आती है। दुनिया का यह दृष्टिकोण हमें घरेलू और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर निरन्तर प्रतिद्वंद्विता और संघर्ष की ओर ले जाता है। परिणामस्वरूप, आधुनिक राजनीति की पाठ्यपुस्तक 'द प्रिंस ऑफ मैक्यावली' बन जाती है।

इस प्रकार, हम अपने जीवन को दो भागों में विभाजित करते हैं: एक जिसमें हम खुद को ठीक सिद्धांतों और भावनाओं में लिप्त करते हैं, और एक और जिसमें हम इस स्वप्न से मुक्त होते हैं और इसकी सभी सांसारिक अभिव्यक्तियों से वास्तविकता से निपटते हैं। उत्तरार्द्ध नैतिक शिक्षा का मूल्य घटाता है।"

इस अवसर पर होवनेस टूमैनन की द्विभाषी हिंदी–अंग्रेजी अर्मेनियाई परियों की किताब का विमोचन भी हुआ, जिसका शीर्षक था: "द गोल्डन सिटी"। इस पुस्तक का अनुवाद सुश्री नायरा मख्तारचयन ने नारेक खाचर्यन की पेंटिंग के साथ किया है। जय जगत ग्लोबल यात्रा

गांधी स्मृति में प्रार्थना स्थल पर भारत में आर्मेनिया के राजदूत, अरमेन मारटिरोसन के साथ अन्य प्रतिनिधि व समिति के सदस्यगण ।

(भारत से जिनेवा) के बारे में सुश्री जिल कैर–हैरिस ने चर्चा की।

'केट बैंड' की शानदार प्रस्तुति, वस्तुतः हमें उनके लोक संगीत के साथ आर्मेनिया की सड़कों पर ले गई। शेवली, गोरानी और हॉकंक के साथ, एक गीत प्रस्तुत किया गया था। गाने के बोल युद्ध के दौरान प्रेमियों के दर्द को दर्शाते हैं जहां सैनिक के पास जीवन की खुशी महसूस करने के लिए पर्याप्त समय नहीं है, लेकिन उसे पहले से ही युद्ध में जाना पड़ता है।

उज़्बेकिस्तान के दूतावास के साथ सांस्कृतिक आदान–प्रदान कार्यक्रम आयोजित किया गया।

उज़्बेकिस्तान के दूतावास के साथ समिति ने 14 फरवरी, 2020 को गांधी स्मृति में "महात्मा के मार्ग में–शांति और अहिंसा की ओर भारत–उज़्बेकिस्तान "कार्यक्रम में संवादात्मक सत्र आयोजित किया। उज़्बेकिस्तान गणराज्य के दूतावास के प्रथम सचिव श्री आजमजान इस अवसर पर सम्मानित अतिथि थे। कार्यक्रम में उपस्थित आंध्र शिक्षा समिति के छात्रों और अन्य लोगों को सम्बोधित करते हुए श्री आजमजान ने उज़्बेकिस्तान की सांस्कृतिक विरासत के बारे में बात की।

इस अवसर पर बोलते हुए, उन्होंने कहा, "इतिहास में उज़्बेकिस्तान और भारत के बीच सम्बन्धों की जड़ें गहरी हैं। कम्बोज के बारे में अक्सर कहा जाता है, जो संस्कृत और पाली साहित्य में वर्तमान उज़्बेकिस्तान के कुछ हिस्सों को शामिल करता है। शक ने कौरवों

भारत में उज़्बेकिस्तान गणराज्य के प्रथम सचिव श्री आजमजोन मनसुरो कार्यक्रम में उपस्थित स्कूली बच्चों, गणमान्य लोगों और अन्य प्रतिनिधियों को सम्बोधित करते हुए।

(ऊपर) आंध्र एजुकेशन सोसायटी के बच्चे और (नीचे) उज़्बेक कलाकारों द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया।

की ओर से महाभारत में भाग लिया। प्राचीन व्यापार मार्ग 'उत्तरपथ' उज़्बेकिस्तान से होकर गुजरता था। बाद के वर्षों में, उज़्बेकिस्तान फरगना, समरकंद, बुखारा यूरोप और चीन से भारत को जोड़ने वाले व्यापार मार्गों पर प्रमुख शहरों के रूप में उभरा।" उन्होंने आगे कहा, "भारत ने सोवियत काल के दौरान उज़्बेक एसएसआर के साथ घनिष्ठ सम्पर्क किया था। भारतीय नेताओं ने अक्सर ताशकंद और अन्य स्थानों का दौरा किया।"

उन्होंने यह भी कहा कि तीन उज़्बेक शिक्षण संस्थान, प्राथमिक से स्नातकोत्तर स्तर तक हिंदी भाषा के अध्ययन को बढ़ावा देते हैं और कहा कि उज़्बेक टीवी चौनल नियमित रूप से भारतीय फिल्में और धारावाहिक दिखाते हैं।

उन्होंने उज़्बेकिस्तान के उन कलाकारों के बारे में भी उल्लेख किया, जिन्होंने 20 अक्तूबर, 2018 को गांधी स्मृति में महात्मा गांधी को संगीतमय श्रद्धांजलि अर्पित की, जब महात्मा गांधी की आत्मकथा का उज़्बेक भाषा में अनुवाद गांधी स्मृति को भेंट किया गया था।

कार्यक्रम में और अधिक रंग जोड़ते हुए, आंध्र वरिष्ठ माध्यमिक स्कूल के बच्चों ने महात्मा गांधी के पसंदीदा धुनों लीड काइंडली लाइट और रघुपति राघव राजा राम को प्रस्तुत किया। उज़्बेक कलाकारों ने अपनी संस्कृति का एक संगीतमय पैनोरमा भी प्रस्तुत किया जिसमें लोक गीत और नृत्य शामिल थे जिसमें भारत–उज़्बेक सम्बन्धों के रंग और जीवंतता थी।

इस अवसर पर उज़्बेकिस्तान की संस्कृति की पुस्तकों की एक अस्थायी प्रदर्शनी का भी आयोजन किया गया जिसे गांधी स्मृति गैलरी में लगाया गया था।

विशेष कार्यक्रम

पलवल हरियाणा

भारत में महात्मा गांधी की प्रथम गिरफ़्तारी के 100 साल पूर्ण होने पर कार्यक्रम

10 अप्रैल, 1919 का दिन इतिहास में उस दिन के रूप में दर्ज है, जब रौलट एक्ट के खिलाफ महात्मा गांधी के धर्मयुद्ध से घबराकर तत्कालीन औपनिवेशिक शासन द्वारा पलवल रेलवे स्टेशन पर उनको गिरफ़्तार किया गया था। महात्मा गांधी की पहली गिरफ़्तारी की 100वीं वर्षगांठ के अवसर पर, गांधी स्मृति आश्रम ट्रस्ट पलवल, हरियाणा 10 अप्रैल, 2019 को गाँधी स्मृति एवं दर्शन समिति, राजघाट, नई दिल्ली और गांधी सेवा आश्रम ट्रस्ट, पलवल द्वारा एक सर्व धर्म प्रार्थना का आयोजन किया गया था।

(बाएं) पलवल हरियाणा में महात्मा गांधी की प्रथम राजनीतिक हिरासत को दर्शाता इन्सीग्निया।

(दाएं) गांधी आश्रम ट्रस्ट पलवल में अपने दौरे के दौरान समिति निदेशक दीपंकर श्री ज्ञान।

इस अवसर पर श्री दीपंकर श्री ज्ञान, समिति निदेशक, श्री देवी चरण मंगला, प्रमुख, गांधी सेवा आश्रम ट्रस्ट और श्रीमती अलका गुप्ता, प्राचार्य, डीएवी पब्लिक स्कूल, डॉ. वेदाभ्यास कुण्डु, कार्यक्रम अधिकारी, गाँधी स्मृति एवं दर्शन समिति, श्री गुलशन गुप्ता, श्री रिज़वान–उर–रहमान, श्री ए. मोहंती, सुश्री कनक कौशिक, श्री विवेक और श्री राकेश शर्मा उपस्थित थे।

हवन/यज्ञ समारोह के अनुष्ठान के माध्यम से प्रसाद वितरित कर इस कार्यक्रम की शुरुआत हुई। इसके बाद सर्व–धर्म प्रार्थना, जिसमें श्री विवेक द्वारा पवित्र बाइबिल से, श्री रिज़वान–उर–रहमान द्वारा पवित्र कुरान से पाठ, श्री अरबिंद मोहंती द्वारा बौद्ध प्रार्थना, श्री गुलशन गुप्ता द्वारा भागवत गीता से भक्ति पाठ और सुश्री कनक कौशिक द्वारा गुरबाणी का पाठ किया गया।

कार्यक्रम में महात्मा गांधी की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित करने के साथ ही न्यासियों और प्रतिभागियों का सम्मान किया गया, सम्मानित होने वालों में श्री महेंद्र कालरा, श्री सत्यप्रकाश मित्तल, श्री मुकुट लाल गौतम, श्री हेम चन्द सिंगला, श्री विनोद बंसल, श्री धर्मपाल गोयल, श्री आशीष मंगला, श्री दौलत राम गुप्ता, श्री कैलाश आर्य, श्री गुरमेश आर्य, श्री हरिओम, श्री वरुण, श्री अरुण सैनी और कई अन्य गांधीवादी शामिल थे। राष्ट्र गान के साथ कार्यक्रम सम्पन्न हुआ।

जलियांवाला बाग नरसंहारः 100 साल पर श्रद्धांजलि

100 साल पहले, 13 अप्रैल, 1919 को, पंजाब के सबसे बड़े धार्मिक त्योहारों में से एक बैसाखी के दिन अमृतसर के जलियांवाला बाग में एकत्र हुए लगभग 20,000 पुरुषों, महिलाओं और बच्चों के एक शांतिपूर्ण समूह का तत्कालीन अंग्रेज सरकार द्वारा नरसंहार किया गया था। इस घटना में अनेक लोग हताहत हो गये थे।

बीएसएफ स्कूल शिलॉंग के विद्यार्थियों द्वारा तैयार 13 अप्रैल, 1919 के जलियांवाला बाग कांड को दिखाता स्कैच।

जलियांवाला बाग हत्याकांड के 100 साल पूरे होने के मौके पर मृतकों की याद में मौन रखते हुए दिल्ली पब्लिक स्कूल सोनीपत के विद्यार्थीगण।

इस भयावह नरसंहार ने पूरे देश में एक भयावह लहर व्याप्त कर दी। लोग आतंक, भय और दुख से ग्रस्त हो गये थे। जलियांवाला त्रासदी ने ब्रिटिश शासन की सत्ता को उखाड़ फेंकने के लिए

जलियांवाला बाग हत्याकांड के 100 साल पूरे होने पर असैंबली मीटिंग में घटना को याद करते हुए दिल्ली पब्लिक स्कूल सोनीपत के विद्यार्थीगण।

इतिहास के पाठ्यक्रम और भारत के संघर्ष के रंगमंच को बदल दिया। इसने अगले 28 वर्षों तक भारतीय स्वतंत्रता के लिए समर्पित स्वतंत्रता सेनानियों के लिए गर्मजोशी और प्रेरणा के सबसे बड़े स्रोत के रूप में कार्य किया, और अंततः भारत ने विदेशी शासन से स्वतंत्रता प्राप्त की।

ब्लू बैल्स स्कूल के बच्चों द्वारा बनाई गई पेंटिंग।

कस्तूरबा बालिका विद्यालय ईश्वर नगर के बच्चे जलियांवाला बाग हत्याकांड पर आधारित पेंटिंग का प्रदर्शन करते हुए।

एग्ज़ोम विद्या मन्दिर, नूनमति, गुवाहाटी के बच्चे समारोह में विभिन्न गतिविधियों में भागीदारी करते हुए।

100 साल बाद भी दुनिया और मानवता शांति के लिए त्राहि–त्राहि कर रही है। जबकि संघर्ष और हिंसा दुनिया के विभिन्न हिस्सों में बेरोकटोक जारी हैं, आज भी एक शांतिपूर्ण समाज के सह–अस्तित्व की वैश्विक चुनौती बनी हुई है। विश्व समुदाय और पूरी मानवता का इस बात पर दृढ़ विश्वास है कि हिंसा कभी भी शांति नहीं पैदा कर सकती है। अहिंसा पर आधारित अपने आख्यानों में, महात्मा गांधी ने हिंसा के दुष्प्रभावों का ज़िक्र करते हुए कहा था कि "एक आंख के बदले आंख की प्रवृति ही पूरी दुनिया को अंधा बना देती है"। सौभाग्य से दुनिया भर में पवित्रता और अहिंसा के पक्ष में आवाजों की संख्या बढ़ रही है।

गीत वितान कला केन्द्र छत्तीसगढ़ के बच्चे और शिक्षक 13 अप्रैल, 2019 को जलियांवाला बाग नरसंहार के मृतकों को श्रद्धांजलि देते हुए।

इस साल 13 अप्रैल, 2019 को जलियांवाला बाग की घटना के शताब्दी समारोह के अवसर पर दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, असम, छत्तीसगढ़, शिलांग, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, सोनीपत और पानीपत जैसे विभिन्न राज्यों के संस्थानों में अनेक कार्यक्रम आयोजित किये गये। गाँधी स्मृति एवं दर्शन समिति द्वारा 100 साल पहले सामने आई त्रासदी के महत्त्व के बारे में जागरूकता बढ़ाने और बच्चों को विभिन्न रचनात्मक गतिविधियों में शामिल करने के लिए अनेक स्मारक कार्यक्रमों में सहभागिता की गयी।

स्मरणोत्सव में भाग लेते हुए कस्तूरबा महिला विद्यापीठ इंटरमीडिएट कॉलेज, सेवापुरी वाराणसी की छात्राएं।

समिति द्वारा जलियांवाला बाग के सौ वर्ष पूर्ण होने पर आयोजित कार्यक्रमों की श्रृंखला में लिटिल फ्लॉवर पब्लिक स्कूल, शाहदरा के विद्यार्थी शांति, पर्यावरण जैसे मुद्दों पर कला के माध्यम से अपने विचारों को प्रकट करते हुए।

बीएसएफ वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, उंपलिंग, शिलांग के बच्चे स्मृति कार्यक्रम में भाग लेते हुए।

स्मारक कार्यक्रम में भाग लेने वाले संस्थानों में शामिल थे: एक्सोम विद्या मंदिर, नूनमाटी, गुवाहाटी, गीत वितान कला केन्द्र, छत्तीसगढ़, के. बी. एस. एफ. सीनियर सेकेण्डरी, स्कूल, उमलिंग, शिलांग, मेघालय, कस्तूरबा महिला विद्यापीठ इण्टरमीडिएट कॉलेज, सेवापुरी, वाराणसी, उत्तर प्रदेश, दिल्ली पब्लिक स्कूल, सोनीपत, दिल्ली पब्लिक स्कूल, पानीपत, समरफील्ड्स स्कूल गुरुग्राम, ब्लू बेल्स स्कूल, गुरुग्राम, कस्तूरबा बालिका विद्यालय ईश्वर नगर दिल्ली, जसपाल कौर पब्लिक स्कूल, शालीमार बाग, नई दिल्ली, सुलभ पब्लिक स्कूल लिटिल फ्लावर्स पब्लिक स्कूल, शहादरा, नई दिल्ली और दिल्ली पब्लिक स्कूल, मथुरा रोड।

11 स्कूलों के लगभग 3000 बच्चों ने उस कार्यक्रम में भाग लिया जिसमें उन्होंने न केवल 100 साल पहले मानवता को हिला देने वाली घटना के बारे में बात की, बल्कि शांति के विचारों पर बात करते हुए आह्वान किया कि मानवता को बचाने के लिए दुनिया को शांति विचारों को अपनाना चाहिए। उन्होंने कला, कविता, संगीत और प्रार्थना के माध्यम से अपने विचारों को व्यक्त करने के साथ खुद को रचनात्मक गतिविधियों में भी शामिल किया। बच्चों ने ऐतिहासिक कार्यक्रम पर अपने विचार भी साझा किए, जिससे महात्मा गांधी के इस स्मारक कार्यक्रम के दौरान माहौल देशभक्ति के रंगों में रंग गया।

सभी प्रतिभागी संस्थानों के प्रमुख ने भी इस अवसर पर अपने विचार रखे और बच्चों और कर्मचारियों ने शहीदों के सम्मान के रूप में मौन श्रद्धांजलि दी।

- **ओड़िशा**

जगन्नाथ पुरी में समिति द्वारा शुरू किया गया स्वच्छ भारत अभियान

महात्मा गांधी की 150वीं जयन्ती के उपलक्ष्य में गाँधी स्मृति एवं दर्शन समिति, द्वारा की गई पहल के तहत, 4–14 जुलाई, 2019 तक ओड़िशा के जगन्नाथ पुरी में रथ यात्रा में भाग लिया, जिसके दौरान समिति के स्वयंसेवकों और कर्मचारियों द्वारा पूरे रथ यात्रा क्षेत्र की सफाई करके एक विशेष स्वच्छता अभियान की शुरुआत की। समिति के सदस्यों द्वारा जगन्नाथ मंदिर की परिधि में रथ यात्रा के लिए नियमित श्रमदान का आयोजन किया गया।

इस मौके पर समिति ने प्रदर्शनियां भी लगाईं। गांधी और शिक्षा पर 12 पैनल उत्कल में गांधी पर 16 पैनल स्वच्छता (सत्याग्रह से स्वच्छाग्रह) पर 200 पट्टिकाएँ स्थापित की गईं। इसके अतिरिक्त समिति द्वारा मेले में स्टाल भी लगाया गया।

(ऊपर और नीचे) ओड़िशा में स्वच्छता अभियान के दौरान अन्य स्वयंसेवकों के साथ उपस्थित समिति के सदस्यगण। पीछे जगन्नाथ रथयात्रा के दौरान समिति द्वारा लगाई गई प्रदर्शनी भी नजर आ रही है।

इस अवसर पर गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति के अधिकारियों द्वारा स्वच्छता अभियान के लिए स्थानीय स्वछाग्रहियों का सहयोग लिया गया। इस कार्यक्रम के माध्यम से रथयात्रा में आये श्रद्धालुओं ने महात्मा गांधी के दर्शन, उनके स्वच्छता सम्बन्धी विचारों, अहिंसा सत्य और शान्ति की उनकी अवधारणा को जाना और समझा।

एमसीडी प्राइमरी स्कूल के शिक्षकों के लिए गांधी कथा का आयोजन

महात्मा गांधी की 150वीं जयन्ती के उपलक्ष्य में गांधीवादी फोरम फॉर एथिकल कॉरपोरेट गवर्नेंस (SCOPE) ने प्राथमिक कक्षा के छात्रों के लिए गांधी कथा आयोजित करने के लिए दिल्ली नगर निगम (उत्तर और दक्षिण जोन) के 25 शिक्षकों के साथ टीओटी का आयोजन किया। डॉ. रवि चोपड़ा ने संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार की विभिन्न गतिविधियों और कार्यक्रमों व योजनाओं की जानकारी दी।

गाँधी स्मृति एवं दर्शन समिति, नेशनल कोइलेशन ऑफ एजुकेशन भारत और अखिल दिल्ली प्रथमिक शिक्षा संघ (ADPSS) 27 जुलाई, 2019 को आयोजित इस कार्यक्रम के सहयोगी संगठन थे। यह आयोजन एनसीई सेमिनार हॉल, डी ब्लॉक, संस्थागत क्षेत्र, जनकपुरी, नई दिल्ली में किया गया था। प्रतिभागियों ने गांधी कथा पर पीडीएफ और पीपीटी प्रस्तुति को देखा, साथ ही गांधी कथा में प्रस्तुत होने वाले संगीत को भी सुना। इस मौके पर विभिन्न स्कूलों ने गांधी कथा का आयोजन "मैं भी गांधी" के रूप में अपने स्कूलों में करने का निर्णय लिया।

ज़ामा मस्जिद में ईद–उल–जुहा पर स्वच्छता अभियान का आगाज़

ईद–उल–जुहा के अवसर पर गाँधी स्मृति एवं दर्शन समिति द्वारा मौलाना अबुल कलाम आजाद फाउण्डेशन के सहयोग से 11 अगस्त,

जामा मस्जिद में भी समिति के स्वयंसेवकों ने स्वच्छता अभियान चलाया और प्लेकार्ड के जरिए महात्मा गांधी की शिक्षाओं व संदेशों को प्रसारित किया। इस अवसर पर शाही इमाम से भी मुलाकात की गई।

2019 को ज़ामा मस्जिद में एक स्वच्छता अभियान का आयोजन किया गया। समिति के श्री अरबिंदो मोहंती ने मौलाना अबुल कलाम आजाद फाउण्डेशन के अध्यक्ष श्री इमरान खान के साथ कार्यक्रम का समन्वय किया। समिति के कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक इस कार्यक्रम में भाग लिया। बाद में शाही इमाम बुखारी के साथ एक बैठक हुई। कार्यक्रम में लगभग 50 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।

स्वतंत्रता दिवस मनाया

73वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर समिति निदेशक श्री दीपंकर श्री ज्ञान ने 15 अगस्त, 2019 को गांधी दर्शन, राजघाट में तिरंगा झण्डा

गांधी दर्शन में तिरंगा फहराते समिति के निदेशक श्री दीपंकर श्री ज्ञान और राष्ट्रगान प्रस्तुत करते उपस्थित जन।

फहराया और एक ईमानदार समाज की स्थापना के लिए महात्मा गांधी के दृष्टिकोण को आत्मसात करने की अपील की। स्टाफ सदस्यों से समाज के लिए रचनात्मक कार्य करने का आह्वान करते हुए, निदेशक ने कहा कि सभी को समाज के विकास के लिए अपना योगदान देना चाहिए। स्टाफ सदस्यों के बच्चों ने इस अवसर पर सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ दीं।

दो संन्यासी और सत्याग्रही

समिति ने दो संतों और सत्याग्रहियों–महात्मा गांधी और उनके आध्यात्मिक पुत्र, आचार्य विनोबा भावे को याद किया। यह स्मृति कार्यक्रम 11 सितम्बर, 1906 को दक्षिण अफ्रीका में महात्मा गांधी द्वारा शुरू किए गए पहले ऐतिहासिक सत्याग्रह की 113वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में आयोजित किया गया था।

समिति की पूर्व लाइब्रेरियन श्रीमती शाश्वती झालानी आचार्य विनोबा भावे और उनके गुरू महात्मा गांधी के बारे में अपने विचार रखते हुए। उनके साथ डॉ. वेदाभ्यास कुण्डू भी दिखाई दे रहे हैं।

गांधी दर्शन में 11 सितम्बर, 2019 को आयोजित इस कार्यक्रम में आचार्य विनोबा भावे को उनकी 125वीं जयन्ती पर श्रद्धांजलि भी दी गई।

इस अवसर पर बोलते हुए, समिति की पूर्व पुस्तकाल्याध्यक्षा श्रीमती शाश्वती झालानी ने आचार्य विनोबा भावे को याद किया और कहा कि वह भाग्यशाली थी कि उन्होंने बचपन में आचार्यजी के दर्शन किये। श्री एस. ए. जमाल प्रशासनिक अधिकारी, कार्यक्रम अधिकारी डॉ. वेदाभ्यास कुण्डू ने भी इस अवसर पर अपने विचार साझा किए।

MyGov-in के सहयोग से गांधी क्विज का आयोजन

जनसाधारण में गांधीवाद की भावना को पुनः भरने के लिए, गाँधी स्मृति एवं दर्शन समिति द्वारा 25 जून, 2019 से 09 अगस्त, 2019 तक MyGov-in पर गांधी प्रश्नोत्तरी का आयोजन किया था। क्विज का महत्त्व नागरिकों को राष्ट्रपिता के जीवन, संदेश और दर्शन से परिचित कराना था। इस ऑनलाइन क्विज में देश भर के एक लाख से अधिक लोगों ने हिस्सा लिया।

अंग्रेजी और हिंदी श्रेणी दोनों श्रेणियों में अंतिम तीन विजेताओं को क्रमशः रू. 21,000/–, रु. 15,000/– रू. और रू. 11000/– की पुरस्कार राशि के साथ गांधीवादी साहित्य से सम्मानित किया गया।

परिणाम सितम्बर 2019 को घोषित किए गए। अंतिम तीन शीर्ष विजेताओं के नाम थे: हिंदी संस्करण के लिए श्री सौरभ रमाकांत दोजाद, श्री संदीप कुमार और श्री विक्रम गांधी। अंग्रेजी संस्करण के लिए, विजेताओं में श्री राजेश डेरंगुला, सुश्री पूनम मिश्रा और श्री प्रशांत स्वामी शामिल थे। इस अवसर पर साप्ताहिक विजेताओं को भी गांधीवादी साहित्य से सम्मानित किया गया।

- **ओड़िशा**

भारत रत्न आचार्य विनोबा भावे की 125वीं जयन्ती और महात्मा गांधी की 150वीं जयन्ती पर एक वर्षीय कार्यक्रम का शुभारम्भ

"विभिन्न सरकार द्वारा कई योजनाओं के संचालन के बावजूद भूमिहीन होना किसी भी व्यक्ति के लिए असम्मान का विषय माना जाता है। अभी भी हजारों लोग भूमिहीन हैं और गरीबी की चपेट में हैं, इसलिए सरकार को तुरन्त समस्या सुलझानी चाहिए और गरीबी उन्मूलन के लिए समाज के समावेशी विकास को तरजीह देनी चाहिए।" यह उदगार 11 सितम्बर को भारत रत्न आचार्य विनोबा भावे के 125वीं जयन्ती समारोह का जयदेव भवन, भुवनेश्वर में उद्घाटन करते हुए वयोवृद्ध स्वतंत्रता सेनानी बभनी चरण पटनायक ने व्यक्त किये।

महात्मा गांधी की 150वीं जयन्ती की पूर्व संध्या पर विनोबा सेवा प्रतिष्ठान (वीएसपी) गाँधी स्मृति एवं दर्शन समिति, नई दिल्ली, संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार की एक स्वायत्त संस्था, संस्कृति विभाग और ओड़िया भाषा साहित्य, ओड़िशा सरकार, गांधी ग्लोबल फाउण्डेशन ओड़िशा गांधीवादी फोरम के द्वारा संयुक्त रूप से इस राज्य स्तरीय सम्मेलन आयोजित किया गया।

इस अवसर पर आचार्यकुल, वर्धा की राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. पुष्पिता अवस्थी ने कहा कि धर्म के बिना भौतिकवादी जीवन किसी भी सभ्यता के लिए अभिशाप है, अगर लोग सत्य और सच्चे धर्म के मार्ग का पालन नहीं करेंगे, तो यह समग्र विकास समाज के अनुकूल नहीं है, उन्होंने युवा पीढ़ी के बीच गांधी–विनोबा के दर्शन के बारे में चर्चा करने के लिए आयोजकों की पहल की सराहना की।

माननीय विधायक सुश्री लतिका प्रधान ने गांधी और विनोबा की सर्वोदय (सभी के लिए उत्थान) की अवधारणा पर लोगों का ध्यान केन्द्रित किया, जो कार्ल मार्क्स द्वारा प्रतिपादित एक वर्गविहीन समाज के समान है।

विनोबा सेवा प्रतिष्ठान द्वारा आचार्य विनोबा भावे की 125वीं जयन्ती पर ओड़िशा में आयोजित कार्यक्रम में मंचासीन अतिथिगण (ऊपर) और उपस्थित जनसमूह।

पूर्व केंद्रीय मंत्री श्री ब्रज किशोर त्रिपाठी ने कहा कि भूदान आन्दोलन ऐतिहासिक था, यहां तक कि इस आन्दोलन का प्रभाव अन्य राज्यों की तुलना में ओड़िशा में अधिक था। उन्होंने कहा कि हमारे समाज में अमीर और गरीब के बीच बढ़ती खाई, गांधी और विनोबा के दर्शन के खिलाफ है।

राज्य महिला आयोग की पूर्व सदस्य सुश्री नम्रता चड्ढा ने कहा कि किसी भी प्राकृतिक या मानव निर्मित आपदा या जलवायु परिवर्तन प्रभाव से बचने के लिए महात्मा गांधी ने मनुष्य और प्रकृति के बीच सामंजस्य पर जोर दिया था।

बैठक की अध्यक्षता विनोबा सेवा प्रतिष्ठान के महासचिव श्री मनोज जेना ने की। इस अवसर पर "माँ रसोई" ने वंचित महिलाओं के लिए विनोबा सेवा प्रतिष्ठान की सामाजिक–आर्थिक सशक्तिकरण परियोजना का शुभारम्भ किया। प्रख्यात स्वतंत्रता सेनानी, गांधीवादी नेता, सर्वोदय कार्यकर्त्ता, नागरिक समाज के नेता, भूदान कार्यकर्त्ता, लेखक, शिक्षाविद, सामाजिक कार्यकर्त्ता, महिला नेता, युवा और छात्र आदि सहित लगभग 400 लोगों ने कार्यक्रम में भाग लिया।

"महात्मा गांधी मोबाइल क्विज ऐप" के लिए लोगो और टैगलाइन डिजाइनिंग प्रतियोगिता

महात्मा गांधी की 150वीं जयन्ती के अवसर पर गाँधी स्मृति एवं दर्शन समिति ने महात्मा के "मेरा जीवन मेरा संदेश है" उद्धरण को समाज के हर वर्ग तक पहुँचाने के लिए एक नयी पहल की है। इसके लिए समिति ने मल्टीप्लेयर "महात्मा गांधी मोबाइल क्विज ऐप" आरम्भ किया है। इस एप्लिकेशन को शुरू करने के पीछे मूल उद्देश्य लोगों को महात्मा की शिक्षाओं से जोड़ना था और इस प्रकार डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से उपयोगकर्ता की व्यस्तता को बढ़ाना था। यह सितम्बर 2019 के दौरान शुरू किया गया था।

इस प्रयास में, समिति ने क्विज ऐप के लिए "लोगो और टैगलाइन" (छः शब्दों से अधिक नहीं) डिजाईनिंग के लिए जीवन के विभिन्न क्षेत्रों के लोगों से विशेष रूप से MyGov-in पर प्रविष्टियाँ आमंत्रित कीं। दो श्रेणियों में विभाजित इस प्रतियोगिता के लिए आवश्यक शर्त महात्मा गांधी के दर्शन और रचनात्मक कार्यों के संदर्भ में थी।

समिति के कार्यकारिणी सदस्य श्री लक्ष्मीदास की अध्यक्षता में गठित समिति द्वारा जांच किए जाने के बाद, अंतिम विजेताओं का चयन किया गया। लोगो डिज़ाइन करने की श्रेणी में विजेता श्री आदित्य नारायण यादव थे, जबकि टैगलाइन के लिए विजेता सुश्री प्रतिभा मौर्य थीं।

अंत में चयनित लोगो और टैगलाइन के डिज़ाइनर को क्रमशः रू. 5,000/– और रू. 15,000/– की पुरस्कार राशि से सम्मानित किया गया।

Mygov-in और दूरदर्शन पर 'मोनिया से महात्मा गांधी' क्विज आयोजित

महात्मा गांधी की 150वीं जयन्ती के अवसर पर गाँधी स्मृति एवं दर्शन समिति, दूरदर्शन MyGov-in द्वारा संयुक्त रूप से "मोनीया से महात्मा तक" क्विज का आयोजन किया गया। यह आयोजन दो समूह क्रमशः मोनिया (16 से 30 वर्ष के आयु वर्ग के लिए) और महात्मा (50–70 वर्ष के आयु वर्ग के लिए) थे। पूरे आयोजन को दो भागों में विभाजित किया गया था। प्रारंभिक प्रश्नोत्तरी MyGov-in पर 22 अगस्त, 2019 से 10 सितम्बर, 2019 तक आयोजित की गई और अंतिम दौर की प्रतियोगिता दूरदर्शन पर हुई।

MyGov-in पर तीन सप्ताह की प्रारंभिक प्रश्नोत्तरी के बाद, 24 प्रतिभागियों (मोनिया श्रेणी के छह क्षेत्रों में से 4 शीर्ष स्कोरर) और महात्मा वर्ग के 24 प्रतिभागियों (6 क्षेत्रों से 4 शीर्ष स्कोरर) को कुल 80,000 प्रतिभागियों में से चुना गया। चयनित प्रतिभागियों को अगले राउण्ड के लिए दिल्ली बुलाया।

26–29, सितम्बर 2019 तक चली इस प्रतियोगिता के बाद, तीन अंतिम विजेता श्री मुकेश नेमानी, सुश्री श्रुति रंजन, मि. प्रवीण कुमार झा चुने गए। समिति निदेशक दीपंकर श्री ज्ञान द्वारा विजेताओं को क्रमशः रू. 1,00,000/–, रु. 75,000/– और रू. 50,000/– की धनराशी से सम्मानित किया गया।

सुश्री ऋचा अनिरुद्ध द्वारा संचालित यह क्विज दो महीने तक दूरदर्शन पर साप्ताहिक रूप से प्रसारित हुई। दूरदर्शन और गाँधी स्मृति एवं दर्शन समिति की संयुक्त टीम में शामिल डॉ. के. पद्मावती, डॉ. वेदाभ्यास कुण्डू, डॉ. शैलजा गुल्लापल्ली, श्री प्रवीण दत्त शर्मा, श्री पंकज चौबे और सुश्री कनक कौशिक ने सफलतापूर्वक कार्यक्रम का आयोजन किया।

दूरदर्शन पर गांधी क्विज प्रस्तुत करते एंकर ऋचा अनिरुद्ध और प्रश्नों का उत्तर देते प्रतिभागी।

चित्र सौजन्य : दूरदर्शन

छत्तीसगढ़

छत्तीसगढ़ विधान सभा के माननीय सदस्यों के साथ विशेष सत्र

महात्मा गांधी की 150वीं जयन्ती मनाने के लिए 3 अक्तूबर, 2019 को छत्तीसगढ़ विधान सभा में विधानसभा के माननीय सदस्यों के लिए "अंडरस्टैंडिंग गांधी" पर एक विशेष सत्र आयोजित किया गया था। प्रख्यात गांधीवादी और हरिजन सेवक संघ के उपाध्यक्ष श्री लक्ष्मीदास इस अवसर पर मुख्य वक्ता थे। श्री लक्ष्मीदास ने "समकालीन समाज में गांधीवादी विचार का महत्त्व" विषय पर अपने विचार व्यक्त किये। माननीय विधानसभा अध्यक्ष श्री चरणदास महंत ने इस अवसर पर समिति का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर समिति द्वारा प्रदर्शित विशाल लकड़ी का चरखा लोगों के आकर्षण का केन्द्र रहा।

महात्मा गांधी की 150वीं जयन्ती के अवसर पर एक अन्य विशेष कार्यक्रम में, छत्तीसगढ़ की माननीय राज्यपाल, श्रीमती अनसुइया उइके ने समिति द्वारा विकसित "मोहन से महात्मा" नामक एक प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। छत्तीसगढ़ के माननीय मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल, और श्री चरणदास महंत, माननीय अध्यक्ष छत्तीसगढ़ विधान सभा भी इस अवसर पर उपस्थित हुए।

गांधी दर्शन के 50 साल पूरे होने का जश्न

16 नवम्बर, 2019 को गांधी दर्शन की स्थापना के 50 वर्ष पूरे होने के अवसर पर आयोजित जश्न में समिति के सेवानिवृत्त कर्मचारी शामिल हुए। गांधी दर्शन मिलन समारोह नामक इस कार्यक्रम में महात्मा गांधी के जन्म शताब्दी समारोह के अनुभव को देखा गया। इस मौके पर महात्मा गांधी के पसंदीदा भजन और रामधुन भी गाई गयी। श्रीमती हेना चक्रवर्ती, श्रीमती शोभा गिरधर, श्रीमती शाश्वती झालानी, श्री बृज नारायण, श्री शिवनंदन, श्रीमती प्रभा कावड़े, श्री हरि सिंह, श्री राम जनम, डॉ. सीता ओझा, श्रीमती सुनंदा त्यागी, श्रीमती कृष्णा समझदार, श्री पिंटो, श्री ठाकुर, श्री भसीन, श्रीमती गुंजन, श्रीमती जया रहेजा, श्रीमती शारदा त्यागी, श्रीमती प्रतिभा निगम, श्री जगदीश और अन्य उपस्थित थे।

समिति निदेशक श्री दीपंकर श्री ज्ञान, प्रशासनिक अधिकारी श्री एस. ए. जमाल और कार्यक्रम अधिकारी, डॉ. वेदाभ्यास कुण्डू इस समारोह में शामिल हुए। समिति के 50 वर्ष पूरे होने के अवसर पर 50 मोमबत्तियां भी रोशन की गयीं।

"भारत के संविधान की 70वीं वर्षगांठ"

(ऊपर) गांधी दर्शन की स्थापना के 50 वर्ष पूर्ण होने पर एकत्र गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति का सेवानिवृत्त स्टाफ।

(नीचे) गांधी दर्शन की स्थापना की 50वीं वर्षगांठ पर समिति निदेशक श्री दीपंकर श्री ज्ञान और प्रशासनिक अधिकारी श्री एस. ए. जमाल 50 दीपों को रोशन करते हुए।

एक निडर व्यक्ति ही मानवता की सेवा कर सकता है: लक्ष्मीदास

भारत के संविधान की 70वीं वर्षगांठ के अवसर पर 26 नवम्बर, 2019 को गाँधी स्मृति एवं दर्शन समिति द्वारा "मौलिक कर्त्तव्यों और नैतिक मूल्यों" पर एक संवाद कार्यक्रम आयोजित किया

गया। समारोह में सिम्बियोसिस लॉ स्कूल के छात्रों सहित दिल्ली और एनसीआर के 12 स्कूलों से आये 143 छात्रों ने भाग लिया। समिति के कार्यकारिणी सदस्य और उपाध्यक्ष हरिजन सेवक संघ श्री लक्ष्मीदास, और सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता श्री बिरजा महापात्रा, मुख्य अतिथि के रूप में कार्यक्रम में मौजूद थे।

छात्रों को सम्बोधित करते हुए, श्री बिरजा महापात्रा, जो बिल्ड इंडिया ग्रुप 'के संस्थापक निदेशक भी हैं, ने छात्रों को स्वामित्व की भावना विकसित करने के लिए कहा। 'प्रस्तावना' का हवाला देते हुए श्री बिरजा महापात्रा ने 'स्वयं' शब्द पर जोर दिया और कहा, "हम इस संविधान को स्वयं देते हैं 'और इसलिए," यह हमारी नैतिक, सामाजिक, नैतिक और मौलिक जिम्मेदारी और कर्त्तव्य है कि हम उसका सम्मान करें और, मानव जाति के प्रति हमारी सेवा को समर्पित करें"।

इस दिन को अपनी वास्तविक भावना के रूप में 'नागरिक दिवस' कहते हुए, श्री महापात्रा ने कहा कि छात्रों को अपनी मातृभूमि या मिट्टी के सच्चे नागरिक बनने का प्रयास करना चाहिए, तभी वे जड़ों और मिट्टी की खुशबू को समझ पाएंगे। छात्रों को पूरे देश का आधार मानते हुए उन्होंने आह्वान किया–"मेरा स्वास्थ्य देश का धन है", जिसे छात्रों ने भी दोहराया।

अपने सम्बोधन में, श्री लक्ष्मीदास ने मातृभाषा के महत्त्व के बारे में विचार व्यक्त किये और कहा कि यह एक से दूसरे की जड़ों को जोड़ती है और श्री बिरजा महापात्रा की भावना को दोहराते हुए कहा कि व्यक्ति को अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखना होगा ताकि वे राष्ट्र की सेवा ठीक से कर सकें।

संविधान की 70वीं वर्षगांठ पर आयोजित समारोह में अपने विचार रखते हुए हरिजन सेवक संघ के उपाध्यक्ष व समिति के कार्यकारिणी सदस्य श्री लक्ष्मीदास। उनके साथ हैं सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता श्री बिरजा महापात्रा।

श्री बिरजा महापात्रा को चरखा भेंट कर अभिनंदन करते श्री लक्ष्मीदास।

गांधी दर्शन में संविधान की 70वीं वर्षगांठ पर आयोजित समारोह में अपने विचार रखते हुए दिल्ली और एनसीआर के विभिन्न संस्थानों के बच्चे।

महात्मा गांधी के सत्य और निडरता के सिद्धांतों पर अपने विचार रखते हुए, श्री लक्ष्मीदास ने कहा, "एक निडर व्यक्ति ही मानवता की सेवा कर सकता है। संविधान ने इस निडरता और हमारी सामाजिक, धार्मिक, जाति, आदि के सन्दर्भ में हमें एक पहचान दी है। हमें जीवन का अधिकार है, और इसलिए, मन को कंडीशनिंग किए बिना ज्ञान प्राप्त करना आवश्यक है। उन्होंने आगे कहा कि महात्मा गांधी के लिए 'अहिंसा' कायरता नहीं थी। अहिंसा करुणा और दया को बढ़ावा देती है और इस अहिंसा को गांधीजी ने अपने समय में मानव जाति के कल्याण के लिए इस्तेमाल किया था।

इस अवसर पर अतिथियों के साथ छात्रों ने भी परिचर्चात्मक सत्र में भाग लिया। इससे पूर्व "भारतीय संविधान का निर्माण" और "मौलिक कर्तव्यों का महत्त्व" पर दो वृत्तचित्रों का प्रदर्शन किया गया।

छात्रों ने "एकता निर्माण अभ्यास" में भी भाग लिया और उन्होंने देश की सेवा करने की योजना के बारे में अपने विचार लिखे। कई छात्रों ने अपनी मातृभाषा में 'अखण्डता की प्रतिज्ञा' भी लिखी।

इस प्रतिज्ञा के सन्दर्भ में अनूठी बात यह थी कि इसमें भाग लेने

गांधी दर्शन में संविधान की 70वीं वर्षगांठ पर आयोजित समारोह में दिल्ली और एनसीआर के विभिन्न संस्थानों के बच्चे 'मूल कर्त्तव्यों और मानवीय मूल्यों' पर पोस्टरों का प्रदर्शन करते। उनके साथ श्री बिरजा महापात्र और श्री लक्ष्मीदास।

वाले छात्रों में से किसी ने भी यह व्यक्त नहीं किया कि वे राजनीति में घृणा करते हैं। हालांकि कुछ ने शिक्षक, इंजीनियर बनने को भी प्राथमिकता दी, पर उनमें से बड़ी संख्या में छात्रों ने राष्ट्र की सेवा करने के लिए राजनीति में शामिल होने पर अपनी उत्सुकता व्यक्त की।

कार्यक्रम का समापन एक अखण्ड प्रतिज्ञा के साथ हुआ जिसे श्री बिरजा महापात्रा ने पढ़ा। श्री लक्ष्मीदास ने 'भारतीय संविधान की प्रस्तावना' पढ़ी जिसे प्रतिभागियों ने समवेत स्वर में दोहराया।

2008 के 26/11 मुंबई हमले के पीड़ितों के सम्मानस्वरूप एक मिनट का मौन भी रखा गया।

गांधीजी की 150वीं जयन्ती के अवसर पर लाइव पेंटिंग प्रदर्शन

गाँधी स्मृति और दर्शन समिति के सहयोग से मीडिया परिवार ने 23 दिसम्बर, 2019 को गांधी दर्शन में एक लाइव पेंटिंग प्रदर्शन का आयोजन किया। कलाकार श्री हरपाल सिंह चौहान, श्री गुलरेज आल, सुश्री अनामिका एस, सुश्री माही यशोधर के साथ, श्री विकास मिश्रा ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के 150वें जन्मोत्सव के अवसर पर श्रद्धांजलि के रूप में एक लाइव पेंटिंग की। वरिष्ठ पत्रकार और दिल्ली जर्नलिस्ट एसोसिएशन के महासचिव श्री अमलेश राजू भी इस अवसर पर उपस्थित थे।

गांधीजी की 150वीं जयन्ती पर गांधी कथा का आयोजन

महात्मा गांधी की 150वीं जयन्ती के उपलक्ष्य में, गांधी दर्शन में 24 दिसम्बर, 2019 को डॉ. शोभना राधाकृष्ण द्वारा गांधी कथा का आयोजन किया गया। खेल एवं युवा मामलों के मंत्रालय, संस्कृति मंत्रालय और गाँधी स्मृति एवं दर्शन समिति द्वारा संयुक्त रूप से प्रस्तुत इस कार्यक्रम में नेहरू युवा केन्द्र संगठन के लगभग 270 युवाओं ने शिरकत की।

इस कथा में महात्मा गांधी के जीवन चरित्र को सिलसिलेवार संगीतमय शैली में कहा गया। इसमें नारायण भाई देसाई (महादेव देसाई के पुत्र, गांधीजी के निजी सचिव) द्वारा लिखे गए गीत, कथा को अधिक महत्त्वपूर्ण बनाते हैं। गांधी कथा आज भी प्रासंगिक है और महात्मा गांधी के ऐतिहासिक सम्बन्ध और प्रभाव पर आधारित है।

(ऊपर) गांधी दर्शन में डॉ. शोभना राधाकृष्ण द्वारा प्रस्तुत गांधी कथा का दृश्य।

(नीचे) श्री नारायण भाई देसाई द्वारा रचित भजनों की प्रस्तुति देते श्री दीपक कालरा और सुश्री स्वाति भगत। संगत पर हैं श्री गुरबेज सिंह (तबला) और श्री गणेश सिंह।

डॉ. शोभना राधाकृष्ण ने गांधी कथा का वाचन करते हुए कहा, "आत्मा, प्रेम और शांति की ताकत" का गांधीजी ने अपने जीवन के दौरान प्रसार किया और स्वयं उसका अभ्यास किया। उन्होंने इन शब्दों के साथ कथा की शुरुआत की: "हम सभी सत्य से पैदा हुए हैं, सत्य के माध्यम से ही हम एक निर्भीक समाज की स्थापना कर सकते हैं।" गांधीजी ने "सत्य और दृढ़ता के साथ भय पर काबू पा लिया"।

गांधी कथा में डॉ. शोभना के साथ आने वाले कलाकारों में शामिल थे: स्वर में श्री दीपक कालरा और सुश्री स्वाति भगत, तबले पर श्री गुरबीज सिंह, हारमोनियम पर श्री चेतन सिंह और बांसुरी पर श्री गणेश सिंह। कथा के दौरान श्री राकेश ने चरखा कताई का प्रदर्शन किया।

समिति निदेशक श्री दीपंकर श्री ज्ञान ने कलाकारों को अंगवस्त्रम देकर सम्मानित किया।

'अपने संविधान को जानें' प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित

भारत के संविधान निर्माण के 70 वर्ष पूर्ण होने पर समिति ने दूरदर्शन के साथ मिलकर दूरदर्शन के स्टूडियो में 10 जनवरी, 2020 को "अपने संविधान को जानें" शीर्षक से एक क्विज का आयोजन किया।

प्रथम पुरस्कार महाराजा अग्रसेन पब्लिक स्कूल, अशोक विहार से श्री ऋषभ गुप्ता और सुश्री सौम्या सिंघल को मिला। दूसरा पुरस्कार वसंत विहार स्थित टैगोर इंटरनेशनल स्कूल के 11वीं कक्षा के छात्र श्री अर्श मिश्रा और श्री सुयश चित्रे को मिला। तीसरे पुरस्कार विजेता मॉडर्न स्कूल, बाराखम्भा रोड से 10वीं कक्षा के श्री राहुल पांडे और श्री प्रद्युम्न अरोड़ा थे।

समिति निदेशक, श्री दीपंकर श्री ज्ञान ने विजेताओं को पुरस्कार प्रदान दिया।

(ऊपर) प्रथम पुरस्कार विजेता महाराजा अग्रसेन पब्लिक स्कूल के ऋषभ गुप्ता और सौम्या सिंघल (नीचे) द्वितीय पुरस्कार विजेता टैगोर इंटरनेशनल स्कूल, वसंत विहार के अर्श मिश्रा और सुयश चित्रे समिति के निदेशक श्री दीपंकर श्री ज्ञान सहित अन्य अतिथियों से पुरस्कार प्राप्त करते हुए।

तृतीय पुरस्कार विजेता मॉडर्न स्कूल बाराखम्बा रोड के राहुल पांडे और प्रद्युम्न अरोड़ा अपने पुरस्कार के साथ।

ऑस्ट्रियाई इतिहासकार डॉ. मार्गिट फ्रांज द्वारा व्याख्यान

महात्मा गांधी की 150वीं जयन्ती के मौके पर भारत में 27 जनवरी, 2020 को ऑस्ट्रियाई उच्चायोग के साथ मिलकर समिति ने प्रसिद्ध इतिहासकार डॉ. मार्गित फ्रांज का व्याख्यान आयोजित किया। यह उन कार्यक्रमों की निरन्तरता में था, जिन्हें समिति ने विभिन्न दूतावासों और उच्च आयोगों के साथ शांति और अहिंसा के गांधीवादी दर्शन की प्रासंगिकता को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रचारित करने के उद्देश्य के साथ शुरू किया था। वह इस अवसर पर ऑस्ट्रियाई दूतावास की उच्चायुक्त श्रीमती ब्रिगिट ओप्पिंगर–वाल्शोफर उपस्थित थी। समिति की पूर्व उपाध्यक्ष श्रीमती तारागांधी भट्टाचार्जी, इस अवसर पर सम्मानित अतिथि थीं। आयरलैंड के राजदूत और इजरायल, यूनाइटेड किंगडम, ऑस्ट्रिया और विदेश मंत्रालय (भारत) के विभिन्न प्रतिनिधियों ने भी कार्यक्रम में भाग लिया।

'अंतरराष्ट्रीय प्रलय स्मरण दिवस 'की पूर्व संध्या पर डॉ. मार्गित फ्रांज का व्याख्यान "गांधी का भारतः निर्वासित यहूदियों के लिए एक सुरक्षित आश्रय" विषय पर आधारित था।

इतिहासकार की प्रस्तुति द्वितीय विश्व युद्ध के उस काल खण्ड पर आधारित थी, जब यहूदियों को उनके राष्ट्र के भीतर प्रताड़ित किया गया था और गांधी के भारत ने उनका स्वागत खुले तौर पर किया

गांधी स्मृति में व्याख्यान प्रस्तुत करते प्रसिद्ध ऑस्ट्रियन इतिहासवेत्ता डॉ. मार्गेट फ्रैंज।

H.E. Mrs. Brigitte Oeppinger-Walchshofer, the High Commissioner of the Austrian Embassy also spoke on the occasion.

था, इस तथ्य के बावजूद कि भारत ने तब महात्मा गांधी के नेतृत्व में "भारत छोड़ो आन्दोलन" शुरू किया था।

डॉ. फ्रांज ने महात्मा द्वारा सिखाए गए समानता के धर्म के सिद्ध ांत पर लोगों का ध्यान आकृष्ट किया, जिसने निर्वासित यहूदियों को उप–महाद्वीप में बसने के लिए आकर्षित किया। उसने कहा, "स्वतंत्रता के लिए उनके संघर्ष के बीच में, भारत अपने विभिन्न हिस्सों में अत्यधिक कुशल शरणार्थियों को समायोजित करने में कामयाब रहा"। डॉ. फ्रान्ज के व्याख्यान ने तथ्यों के आधार पर

गांधी स्मृति स्थित बलिदान स्थल पर उपस्थित ऑस्ट्रियन इतिहासवेत्ता डॉ. मार्गेट फ्रैंज, भारत में आस्ट्रियन दूतावास के उच्चायुक्त श्रीमती ब्रिगिट ओ वालशोफर, समिति के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. वेदाभ्यास कुण्डू और विभिन्न स्कूलों से आए बच्चे।

मानवता, शांति और अहिंसा के संयोजन की जानकारी दी, जिससे लोग भाव विभोर हो गये।

कार्यक्रम में मधेपुरा, बिहार के जिला प्रशासन द्वारा अनुशंसित आठ स्कूलों के मूल्य सृजन शिविर में भाग लेने वाले बच्चे भारतीय विद्या भवन, हैदराबाद, तेलंगाना और कस्तूरबा महिला विद्यापीठ इंटरमीडिएट कॉलेज, सेवापुरी, वाराणसी उत्तर प्रदेश के विद्यार्थियों ने भाग लिया। तेलंगाना के छात्रों ने इस अवसर पर सर्व–धर्म प्रार्थना भी की।

"गांधी को समझने का सही समय" पुस्तक का विमोचन

"मोहनदास करमचन्द गांधी, जिन्हें महात्मा गांधी के रूप में जाना जाता है, एक हिन्दू थे और वे कभी स्वयं को ऐसा दिखाने से नहीं कतराते थे, यहाँ तक कि गांधी ने स्वयं को एक सनातनी हिन्दू माना था"।

"उन्होंने भारत को समझने के लिए यात्रा की और भारत की आकांक्षाओं और पीड़ाओं को समझा और इसीलिए उन्हें हिन्दू होने पर कभी शर्म नहीं आई। उन्होंने कहा कि मैं एक कट्टर हिन्दू हूं। उन्होंने अन्य धर्मों का सम्मान करना भी सिखाया। "श्री मोहन भागवत 17 फरवरी, 2020 को गांधी स्मृति में एनसीईआरटी के पूर्व निदेशक प्रो. जे. एस. राजपूत की पुस्तक "गांधी को समझने का समय है" के विमोचन कार्यक्रम में बोल रहे थे।

आरएसएस प्रमुख ने कहा कि गांधी ने जिस भारत का सपना देखा था, उसका निर्माण होना अभी बाकी है, लेकिन उन्हें वर्तमान पीढ़ी पर पूरा भरोसा है कि वे गांधी के सपनों के भारत के बारे में समझेंगे, चाहे उसके लिए उन्हें 20 साल का समय क्यों न लगे। श्री भागवत ने कहा, "युवा पीढ़ी महात्मा गांधी पर विश्वास जताती है कि अगर आज नहीं, तो अगले 20 सालों में एक समय आएगा जब हम उन्हें बता सकते हैं कि वे भारत में शांति के साथ काम कर सकते हैं।"

महात्मा गांधी ईमानदारी से प्रयोगों का चुनाव करते थे और यदि उनके प्रयोग विफल हो जाते थे तो वे अपनी भूलों को स्वीकार कर लेते थे। श्री भागवत ने कहा, "कभी–कभी गांधीजी का आन्दोलन

गांधी स्मृति में आयोजित पुस्तक विमोचन समारोह में उपस्थित आरएसएस के सरसंघचालक श्री मोहन भागवत को स्मृति चिन्ह व चरखा भेंट करते श्री दीपंकर श्री ज्ञान।

पुस्तक विमोचन समारोह में उपस्थित जनों को सम्बोधित करते आरएसएस के सरसंघचालक श्री मोहन भागवत।

गलत हो जाता था, लेकिन उन्हें पता था कि उनका तरीका गलत था लेकिन उनका इरादा नहीं। वह उसके लिए प्रायश्चित करते थे और ज़िम्मेदारी लेते थे। लेकिन आज जो आन्दोलन चल रहे हैं, और उसके कारण अगर कानून–व्यवस्था की समस्याएँ सामने आती हैं, तो क्या कोई ऐसा होगा जो प्रायश्चित करेगा? क्या कोई है जो ज़िम्मेदारी लेगा? अगर कोई लाठीचार्ज या फायरिंग करता है, तो आन्दोलन में शामिल कुछ लोग मारे जाते हैं, कुछ को जेल की हवा खानी पड़ती है। लेकिन जो लोग इन आन्दोलनों को आयोजित करते हैं वे केवल जीतते हैं या हारते हैं।

अशांति फैलाने के लिए ज़िम्मेदार लोगों की आलोचना करते हुए, श्री मोहन भागवत ने कहा, "भारत के भविष्य के लिए, गांधी के पहले

विमोचन समारोह में अपनी पुस्तक 'गांधी को जानने का सही समय' के बारे में जानकारी देते लेखक डॉ. जे. एस. राजपूत।

सबक का पालन करना अनिवार्य है कि ईमानदारी ही सब कुछ है। "ईमानदारी एक नीति नहीं है, यह सब कुछ है।"

महात्मा गांधी के विचारों और उनकी पुस्तकों पर, श्री मोहन भागवत ने कहा कि जो भी महान व्यक्तित्व कहते हैं वह परिस्थितियों के अनुसार करते हैं। "अगर हम इसे शाब्दिक रूप से लेने की कोशिश करते हैं, तो यह प्रासंगिक नहीं रहेगा। गांधीजी ने अपने समय में भी जो कुछ कहा या किया, उस पर लोगों के अलग–अलग विचार थे। अब यदि आप इसकी गहराई में जाते हैं, तो आप भ्रमित हो जाएंगे ... हम उनके कर्मों और विचारों की नकल नहीं कर सकते। यहां तक कि गांधीजी होते तो वो भी हमें ऐसा करने से रोकते, लेकिन गांधीजी ने अपने विचारों को जिस दर्शन पर आधारित किया, उसका पालन करने की जरूरत है।

स्वतंत्रता संग्राम और उसके बाद महात्मा गांधी के योगदान के बारे में बोलते हुए, श्री मोहन भागवत ने कहा, "गांधीजी ने केवल

गांधी स्मृति में डॉ. जे. एस. राजपूत की पुस्तक 'गांधी को जानने का सही समय' का विमोचन करते आरएसएस के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत। साथ में हैं संविधान विशेषज्ञ डॉ. सुभाष कश्यप।

स्वतंत्रता संग्राम की शुरुआत की, अपितु जिस दिशा में देश के भविष्य को बदलने की जरूरत है, इस दिशा के लिए उन्होंने व्यापक दृष्टि रखी।" यदि आप गांधी के 'हिन्द स्वराज' को पढ़ते हैं, तो आप देखेंगे कि उन्हें अंग्रेजों से छुटकारा पाने के बाद भारत को क्या करना चाहिए, इस बारे में अपने विचार व्यक्त किये। इस प्रकार यह आज गांधी को याद करने का कारण है। हालांकि आज हमने स्वतंत्रता प्राप्त कर ली है, लेकिन समस्याओं का सामना करना जारी है।"

गांधी को "संत" के रूप में वर्णित करते हुए, आरएसएस प्रमुख ने कहा कि वह अपने समय में भारत की आवाज थे और उन्होंने हमेशा ऐसे विकास पर जोर दिया जो मानवता के आसपास केन्द्रित था।

सत्य और निर्भयता के बारे में बोलते हुए, डॉ. सुभाष कश्यप पूर्व संसद सदस्य और संविधान विशेषज्ञ ने कहा कि सत्य और पवित्रता केवल तभी जीत सकती है जब दूसरों के लिए अच्छा करने का इरादा आप के कार्यों में परिलक्षित हो। डॉ. कश्यप ने सरकार के स्वच्छ भारत अभियान की सराहना की। उन्होंने कहा कि स्वच्छ भारत अभियान वास्तव में एक अच्छा अभियान है, देश को ऐसे अभियान की आवश्यकता थी। डॉ. कश्यप ने कहा कि स्वच्छ अभियान देश को साफ करने के लिए शुरू किया गया है, लेकिन यह नहीं पता है कि राजनीति को साफ करने के लिए एक अभियान कब शुरू किया जाएगा।

इससे पहले गाँधी स्मृति एवं दर्शन समिति के निदेशक, श्री दीपंकर श्री ज्ञान ने आरएसएस प्रमुख श्री मोहन भागवत को शाल और महात्मा गांधी की प्रतिमा देकर सम्मानित किया। उन्होंने डॉ. सुभाष कश्यप और प्रो. जे. एस. राजपूत का भी सम्मान किया।

कार्यक्रम की शुरुआत श्री ज्योति प्रकाश मिश्र के नेतृत्व में तानसेन विद्यालय विद्यालय नजफगढ़ के छात्रों द्वारा 'वैष्णव जन तो' भजन के साथ हुई। कार्यक्रम का अन्त 'वन्दे मातरम' की प्रस्तुति के साथ हुई।

अहिंसक अभियान मानक अभ्यास बन गए हैं: मार्टिन अर्नोल्ड

समिति द्वारा शुरू की गई शान्ति और अहिंसा व्याख्यान श्रृंखला के तहत 25 फरवरी को गांधी दर्शन में प्रख्यात जर्मन विद्वान डॉ मार्टिन अर्नोल्ड द्वारा" 21वीं सदी में अहिंसा का अभ्यास "विषय पर एक व्याख्यान दिया गया। इसकी अध्यक्षता गांधी शांति मिशन केरल के अध्यक्ष और भारत सरकार की गांधी 150 समिति के सदस्य प्रो. एन. राधाकृष्णन ने की, जिसमें लगभग 65 लोगों ने इसमें भाग लिया।

विभिन्न महाविद्यालयों के शिक्षाविदों और छात्रों को सम्बोधित करते हुए, डॉ. अर्नोल्ड ने कहा कि दुनिया भर के लोगों के लिए, शांतिपूर्ण पद्धति पर नए मॉडल विकसित हुए हैं और शिक्षाविदों और राजनीति दोनों से सम्बन्धित लोगों को यह महसूस होने लगा है कि महात्मा

प्रसिद्ध जर्मन स्कॉलर डॉ. मार्टिन अर्नोल्ड गांधी दर्शन में 'शांति और अहिंसा व्याख्यान श्रृंखला' के तहत व्याख्यान देते हुए।

गांधी के तरीकों में सकारात्मक दृष्टिकोण था और इसलिए उन्हें विभिन्न क्षेत्रों के लोगों से समर्थन प्राप्त हुआ।

उन्होंने आगे कहा कि 'सत्याग्रह' केवल विरोध के बारे में नहीं है। "यह आन्दोलनों और अभियानों के समन्वय और आयोजन का एक 'लोगों का विश्वविद्यालय' है। अहिंसक अभियान आज मानक व्यवहार बन गए हैं। मैं अहिंसक 'शांति सेना' को सत्याग्रह के महात्मा गांधी के सिद्धांतों के सबसे बुनियादी विकास में से एक मानता हूं। अहिंसक शांति सेना का मिशन सत्याग्रह के द्वारा संघर्ष की स्थितियों में नागरिकों की रक्षा करना है। इस शांति सेना की भूमिका स्थानीय समुदायों के साथ काम करना है, संघर्ष के क्षेत्रों में लोगों के जीवन और सम्मान की रक्षा के साधन के रूप में शांति सेना काम करती है"।

"हमें गांधी को देखना चाहिए कि उन्होंने कैसे स्थिति की जटिलताओं पर अपना काम आरम्भ किया और कैसे उन्होंने अहिंसा की अपनी प्रेरक शक्ति के माध्यम से उन्हें पछाड़ दिया। "हमें अहिंसा को एक व्यक्तिगत गुण बनाना चाहिए और फिर इसे एक सामाजिक गुण में बदलना चाहिए" डॉ. अर्नोल्ड ने निष्कर्ष निकाला।

जाम्बिया उच्चायोग के द्वितीय काउंसलर श्री माइको रूकटीशिशा अपने विचार रखते हुए और डॉ. एन. राधाकृष्णन, डॉ. वाई. पी. आनन्द और डॉ. वेदाभ्यास कुण्डू सुनते हुए।

जाम्बिया गणराज्य के उच्चायोग के द्वितीय काउंसलर श्री मायकोओ रितिशिशा, डॉ. संजीव कुमार, राजनीति विज्ञान विभाग, जाकिर हुसैन कॉलेज, पूर्व राजनयिक श्री राजेश मेहता सहित कई गणमान्य लोगों ने चर्चा में भाग लिया।

अपने सम्बोधन में प्रो. एन. राधाकृष्णन ने प्रतिभागियों को महात्मा गांधी के 'साहसी प्रयोग' पर सच्चाई और विनम्रता के साथ जानकारी दी, जिसने साम्राज्य के सबसे शक्तिशाली लोगों को भी हिला दिया। उन्होंने संघर्षों को कम करने और समुदायों के भीतर काम करने में नागरिक समाजों की भूमिका पर भी जोर दिया।

महात्मा गांधी की अहिंसा के पीछे की ताकत उनका सत्य था: श्री नम्रमुनि

"आज संस्कार को पूरा विश्व नमस्कार कर रहा है और महात्मा गांधी ने अपने जीवन और चरित्र में संस्कार को अपनाया है। तभी वो युगपुरुष कहलाते हैं। ये शब्द जैन मुनि राष्ट्रसंत गुरुदेव श्री नम्रमुनि महाराज ने व्यक्त किये। वे महात्मा गांधी की 150वीं जयन्ती के अवसर पर राजकोट से दिल्ली तक लगभग 2700 किलोमीटर की दूरी तय करने वाली अहिंसा सद्भावना यात्रा के अवसर पर बोल रहे थे। इससे पूर्व उन्होंने महात्मा गांधी के शहादत स्थल 'गांधी स्मृति' स्थित शहीद स्तम्भ में महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस मौके पर "अहिंसा और सद्भावना" विषय पर संवाद का आयोजन किया गया, जिसमें 200 लोगों ने शिरकत की।

जैन संत परमपूज्य राष्ट्रसंत श्री नम्र मुनि जी महाराज से दुर्लभ फोटो का पैनल ग्रहण करते समिति निदेशक श्री दीपंकर श्री ज्ञान। इस पैनल में 1945 में जैन साध्वी महासती उज्जवला कुमारी जी की महात्मा गांधी के साथ तस्वीर हैं।

उन्होंने आगे कहा कि चरित्र निर्माण, नैतिक मूल्य, सच्चाई और नैतिकता के बीज बहुत कम उम्र में महात्मा गांधी में अंकुरित हो गए थे और गांधीजी ने अपने विभिन्न प्रयोगों के माध्यम से इन मूल्यों को मानव की गरिमा को बनाए रखते हुए अंतिम छोर तक फैलाया था।

1945 में महात्मा गांधी और जैन साध्वी उज्जवला कुमारी महासती जी के बीच 19 दिनों की बातचीत का जिक्र करते हुए, जब गांधीजी ने जैन मुनि के आश्रम में 19 दिन बिताए थे, श्री नम्रमुनि ने कहा, "महात्मा गांधी के जीवन में संतों की महत्ती भूमिका थी, उनकी प्रेरणा गांधीजी के कार्यों में देखी जा सकती है। गांधीजी को जैन भिक्षु श्री बेचर जी (तेजस्वी गुजराती संप्रदाय) ने उनकी माँ पुतलीबाई की उपस्थिति में यह वचन दिया था कि मोहनदास करमचन्द गांधी शराब का स्वाद नहीं लेंगे, वह इंग्लैंड में परस्त्रियों पर नजर नहीं रखेंगे, वह मांस नहीं खाएंगे। गांधीजी ने जीवन भर इन वचनों को निभाया था"।

अन्य भिक्षुओं ने भी इस अवसर पर अपने विचार साझा किए। उन्होंने कहा कि महात्मा गांधी झूठ को मात देने वाले थे। उन्होंने सत्य पर निरन्तर आत्मनिरीक्षण किया और आध्यात्मिक जागृति के माध्यम से अपने जीवन का नेतृत्व किया। उन्होंने आगे कहा कि महात्मा गांधी अपने कार्यों के माध्यम से श्रावक (भगवान महावीर द्वारा दिए गए व्रतों का पालन करने वाले) बन गए थे।

डॉ. अमित राय जैन, निदेशक शहजाद राय शोध संस्थान द्वारा लिखित पुस्तक "महात्मा गांधी और जैन धर्म" का विमोचन, इस संवाद के सह–आयोजक का विमोचन राष्ट्रसंत गुरुदेव श्री नम्रमुनि महाराज ने किया।

पूज्य राष्ट्रसंत श्री नम्रमुनि जी महाराज गांधी स्मृति में एक कार्यक्रम के दौरान।

श्री नम्रमुनी महाराज जी ने 1945 में महात्मा गांधी की जैन साध्वी उज्ज्वला कुमारी जी के साथ मुलाकात की दुर्लभ तस्वीरों की प्रदर्शनी पैनल के साथ एक स्मृति चिन्ह भी भेंट किया। अहिंसा सद्भावना पुरस्कार भी कई कार्यकर्त्ताओं को समाज कल्याण में उनके योगदान के लिए प्रदान किए गए। गाँधी स्मृति एवं दर्शन समिति के निदेशक, श्री दीपंकर श्री ज्ञान भी पुरस्कार प्राप्त करने वालों में से एक थे।

इससे पहले समिति निदेशक ने राष्ट्रसंत को महात्मा गांधी की प्रतिमा, चरखा और अंगवस्त्रम भेंट कर सम्मानित किया। शांति पर अपने दृष्टिकोण को साझा करते हुए, श्री दीपंकर श्री ज्ञान ने कहा कि ऐसे समय में जब हिंसा और संघर्ष समाज पर हावी हो गयी है, अहिंसा का बीज इस संवाद के माध्यम से अंकुरित हो रहा है।

बच्चों के लिए कार्यक्रम

वंचित बच्चों के लिए थियेटर वर्कशॉप

गाँधी स्मृति एवं दर्शन समिति और हेल्दी एजिंग इंडिया के संयुक्त तत्वावधान में 1–6 अप्रैल, 2019 तक छः दिवसीय थिएटर कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसका संचालन सुश्री मधुमिता खान द्वारा किया गया।

इस कार्यशाला में, आदर्श प्राथमिक विद्यालय, नोएडा के वंचित बच्चों को थिएटर कला में प्रशिक्षित किया गया। बुनियादी अभिनय कौशल में प्रशिक्षण के साथ कई बौद्धिक और शारीरिक खेलों का आयोजन किया गया था। इस अवसर पर बच्चों को चरित्र डिजाइनिंग, संवाद

गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति द्वारा हैल्दी एजिंग इंडिया के सौजन्य से आयोजित थियेटर कार्यशाला में प्रसन्न मुद्रा में बच्चे।

बनाने, आवाज मॉड्यूलेशन और भिन्नता, बॉडी लैंग्वेज और मंच का प्रशिक्षण दिया गया।

अंत में, छात्रों ने एक नुक्कड़ नाटक, 'बेटी बचाओ बेटी पढाओ' का मंचन किया। यह एक लड़की के अपने धर्म, जाति या पंथ की अड़चनों के बावजूद शिक्षित होने और समानता पर केन्द्रित था। आदर्श प्राथमिक विद्यालय के छात्र लोगों में संदेश प्रसारित करने और समाज में एक बड़ा बदलाव लाने के लिए विभिन्न स्थानों और कार्यक्रमों में इस नाटक का प्रदर्शन करेंगे।

चित्तौड़गढ़, राजस्थान के आदिवासी बच्चों के साथ बातचीत

चित्तौड़गढ़, राजस्थान की भील जनजाति के 75 से अधिक प्रतिभागियों ने 1–2 मई, 2019 तक गाँधी स्मृति एवं दर्शन समिति में दो दिवसीय परिचर्चात्मक सत्र में भाग लिया। इस कार्यक्रम में भाग लेने वाले बच्चे समाज के वंचित वर्ग से सम्बन्धित थे। ये बच्चे प्रतिरोध की पहल पर उत्कर्ष आधारशिला बालिका विद्या प्रांगण का प्रतिनिधित्व कर रहे थे।

"उत्कर्ष आदर्श बालिका विद्या प्रांगण" (यूएबीवीपी) जो कि उनका घर बन गया है, में उनकी शिक्षा पर प्राथमिक ध्यान देने के साथ विभिन्न कौशल–प्रशिक्षणों में प्रशिक्षण दिया जा रहा है। बच्चे यहाँ अत्यधिक विपरीत परिस्थितियों में बिना छत या उचित शौचालय की सुविधा के साथ रह रहे थे। लेकिन अब श्रीमती सुमन चौहान और श्रीमती नीना वर्मा के साथ UABVP के संस्थापक श्री खेमराज चौधरी के प्रयासों से बच्चे विशेषतः लड़कियों में आशा का संचार हुआ है।

इस अवसर पर, बच्चों ने राजघाट का दौरा किया और महात्मा गांधी समाधि पर श्रद्धांजलि अर्पित की। अपने शैक्षिक दौरे के तहत बच्चों ने गांधी स्मृति स्मारक का भी दौरा किया। इसके अलावा राष्ट्रीय विज्ञान केन्द्र, शंकर गुड़िया संग्रहालय, राष्ट्रीय बाल भवन, रेल संग्रहालय जैसे अन्य महत्त्वपूर्ण स्थानों की यात्रा भी की।

(ऊपर) गांधी दर्शन में पारम्परिक गीत प्रस्तुत करते बच्चे।
(नीचे) समिति निदेशक श्री दीपंकर श्री ज्ञान, चित्तौड़गढ़ से आए एक बच्चे द्वारा बनाए गए ग्रीटिंग कार्ड को प्राप्त करते हुए।

कंगारू ग्लोबल्स के ग्लोबल एक्जार श्री अजय अग्रवाल को गांधी दर्शन के दौरे के दौरान अपने हाथों से बनाया कार्ड दिखाती छत्तीसगढ़ से आई भील जनजाति की एक बालिका।

अपने आगमन के प्रथम दिन, बच्चों ने गांधी दर्शन स्थित मंडप नम्बर–1 में स्थापित 'मेरा जीवन ही मेरा संदेश है' प्रदर्शनी और मंडप

गांधी दर्शन में समिति निदेशक श्री दीपंकर श्री ज्ञान से खादी वस्त्र प्राप्त करते हुए डॉ. नीना वर्मा और श्रीमती सुमन चौहान। इन वस्त्रों से उत्कर्ष आधारशिला बालिका विद्या प्रांगण चित्तौड़गढ़ के बच्चों की वर्दी बनाई जाएगी।

कार्यशाला के दौरान पोस्टर के माध्यम से अपने रचनात्मक कौशल को दर्शाते बच्चे।

नम्बर–4 में 'भारत का स्वतन्त्रता संघर्ष' क्ले प्रदर्शनी के माध्यम से मोहनदास करमचन्द गांधी को जाना।

दूसरे दिन, बच्चों ने विभिन्न सांस्कृतिक प्रदर्शनों के माध्यम से अपनी रचनात्मकता और प्रतिभा का प्रदर्शन किया। इस मौके पर उत्कर्ष प्रवेशिका बालिका विद्या प्रांगण के संरक्षक श्री योगेश वर्मा, डॉ. नीना वर्मा, और कंगारू ग्लोबल्स के ग्लोबल एचआर, श्री अजय अग्रवाल उपस्थित थे।

समिति निदेशक श्री दीपंकर श्री ज्ञान ने सभा को सम्बोधित करते हुए बच्चों का समिति में स्वागत किया और उन्हें सितम्बर–अक्तूबर, 2019 में होने वाले मूल्य निर्माण शिविर में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया। उन्होंने लड़कियों को प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए चित्तौड़गढ़ में 'सृजन' के तहत एक 'कौशल केन्द्र' शुरू करने का भी प्रस्ताव रखा। निदेशक ने बच्चों को विभिन्न स्थानों के उनके दौरे और उनके प्रवास के बारे में अपनी प्रतिक्रिया भेजने के लिए कहा।

शाम को बच्चों द्वारा लोक गीत, नृत्य और भजन की रंगारंग प्रस्तुतियों ने मन मोह लिया। कालबेलिया नृत्य से लेकर घूमर और अपने अनुभव बताने तक, बच्चों द्वारा किए गए प्रदर्शन मंत्रमुग्ध कर देने वाले थे।

एक संरक्षक श्री प्रत्यूष ने ऑडियो संदेश बच्चों को दिया, जिसमें श्री प्रत्यूष ने गाँधी स्मृति एवं दर्शन समिति को उनके समर्थन के लिए धन्यवाद दिया और छात्रों को तीन एस–स्वास्थ्य, स्वच्छता और शिक्षा के लिए प्रयास करने के लिए कहा।

समिति निदेशक ने सीमांत पृष्ठभूमि से आये बच्चों को खादी के कपड़े भी उपहार में दिए। कार्यक्रम का समापन बच्चों के साथ शिविर के सभी वरिष्ठों और समन्वयकों, श्री विवेक, श्री दीपक और श्री शकील को ग्रीटिंग कार्ड भेंट करने के साथ हुआ।

स्कूली बच्चों के लिए 'परस्पर सहअस्तित्व और सुखमय जीवन' पर कार्यशाला आयोजित

3–4 मई, 2019 से KAMS कॉन्वेंट स्कूल, स्वरूप नगर, दिल्ली में बच्चों के लिए 'परस्पर सहअस्तित्व और सुखमय जीवन' पर दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसमें 5वीं से 10वीं कक्षा के लगभग 150 छात्रों ने भाग लिया। कार्यशाला में गाँधी स्मृति एवं दर्शन समिति के श्री गुलशन गुप्ता और श्री शकील संसाधन व्यक्ति थे। कार्यशाला का उद्देश्य मानव से मानव, मानव से प्रकृति और मानव से वन्यजीव के बीच आपसी सह–अस्तित्व को बढ़ावा देना था ताकि हर कोई खुशी से रह सके।

पहले दिन 7वीं से 10वीं कक्षा के लगभग 70 छात्र उपस्थित थे। छात्रों में सत्य, ईमानदारी और सहानुभूति को बढ़ावा देना गांधीवादी मूल्यों को आत्मसात करने और मनुष्यों में खुशी बढ़ाने के प्रमुख सूत्र हैं। गांधीजी के विचारों को फिर से समझने और शांतिपूर्ण भविष्य के समाज के निर्माण के लिए बच्चों को प्रेरित करने और तैयार करने के लिए, गांधी को बच्चों के बीच लाना आवश्यक है।

कार्यशाला में कहानी, व्याख्यान प्रदर्शन, ऑडियो–विजुअल प्रस्तुतियों और चार्ट पेपर पर छात्रों द्वारा प्रस्तुतियां दी गयी।

कार्यशाला ने यह संदेश दिया कि मान लीजिए, यदि हम एक परिवार में छः सदस्य हैं और सभी आपसी समझ के साथ खुशी से रहते हैं, तो हम तीन, मानव, प्रकृति और वन्यजीव 'इस ग्रह, मातृ, पृथ्वी पर एक साथ क्यों नहीं रह सकते हैं।

स्वरूप नगर दिल्ली में आयोजित कार्यशाला में भाग लेते स्कूली बच्चे।

कार्यशाला में अपने विचार रखते हुए समिति के श्री शकील और उन्हें ध्यानपूर्वक सुनते बच्चे।

धरती माता के इन तीन तत्वों में, मनुष्य दूसरों की तुलना में बहुत सक्रिय और क्रियाशील है। ग्लोबल वार्मिंग, जलवायु परिवर्तन, पिघलने वाले ग्लेशियर, वनों की कटाई, गहरे भूजल, प्रभावित मानसून, अस्थिर वर्षा जैसी कई समस्याएं पैदा करने के लिए केवल मनुष्य ही जिम्मेदार हैं लेकिन इससे प्रकृति और वन्यजीव भी समान रूप से पीड़ित हैं। आने वाली पीढ़ियों को ताजी हवा, पीने का पानी, स्वस्थ और पौष्टिक भोजन, हरियाली और स्वच्छ प्रकृति नहीं मिलेगी।

इन सभी समस्याओं का एकमात्र समाधान आवश्यकता और लालच को कम करना है, अन्यथा कुछ वर्षों के बाद पृथ्वी पर अधिकतम संसाधनों को नष्ट कर दिया जाएगा या अपने लालच को पूरा करने के लिए मनुष्यों द्वारा उपभोग किया जाएगा। गाँधी स्मृति एवं दर्शन समिति के पूर्वोत्तर समन्वयक श्री गुलशन गुप्ता ने कहा।

दूसरे दिन 4 मई, 2019 को लगभग 80 छात्र उपस्थित थे। श्री शकील ने 5वीं और छठी कक्षा के छात्रों के साथ बातचीत में कहा कि हम इस ग्रह पृथ्वी में रहते हैं और इसके संसाधन हम में से प्रत्येक के लिए स्वतंत्र रूप से उपलब्ध हैं। महात्मा गांधीजी ने सही कहा था कि "दुनिया में सभी की जरूरत के लिए पर्याप्त संसाधन है, लेकिन हर किसी के लालच के लिए पर्याप्त संसाधन नहीं है"। श्री शकील ने यह भी कहा कि हम ईश्वर की एक अद्वितीय रचना हैं, हमें खुद को नुकसान नहीं पहुंचाना चाहिए और इसी तरह हमें प्रकृति को भी नुकसान नहीं पहुंचाना चाहिए क्योंकि यह भी ईश्वर का एक बेजुबान प्राणी है।

श्री गुलशन गुप्ता ने कहा कि यदि हम एक–दूसरे का सम्मान करेंगे और एक–दूसरे का ध्यान रखेंगे तो हम खुशी और आपसी सह–अस्तित्व का संदेश फैला पाएंगे। यदि आप एक सच्चे इंसान हैं, तो आप कभी भी दूसरों के सामने गलत कृत्य नहीं करेंगे। एक कहावत है कि "अपनी दयालुता के साथ विवेक रखो–नेकी कर दरिया में डाल"।

हम इस बड़े पाठ को एक छोटे जानवर 'गिलहरी' से सीख सकते हैं। गिलहरी को भविष्य में उपयोग के लिए विभिन्न स्थानों पर नट और बीज को छिपाने के लिए जाना जाता है। गिलहरी इसे इतने छेदों में छिपा देती है कि वह भूल जाती है कि उन्हें कहाँ दबाया गया है। लेकिन गिलहरी इससे विचलित नहीं होती। वह अपने भविष्य के उपयोग के लिए बीज को छिपाने के अपने काम को रोकती नहीं है। इनमें से कुछ छिपे हुए और भूले हुए बीज, और बिना खाए हुए बीज अंकुरित होते हैं और नए पौधों में विकसित होते हैं। एक छोटी गिलहरी के कर्म के कारण इस धरती पर लाखों पौधे और पेड़ उग आए हैं।

हम मनुष्यों को स्वार्थी नहीं बनना चाहिए, हमें दूसरों के लिए जीना सीखना चाहिए। यह एक खुशहाल समाज और शांतिपूर्ण राष्ट्र बनाने की दिशा में वास्तविक योगदान होगा।

समापन सत्र में लगभग 150 छात्र उपस्थित थे। छात्रों ने अपनी प्रस्तुतियां दीं। कुल सात समूहों (कक्षा 7वीं से 10वीं) ने चार्ट पेपर पर अपनी प्रस्तुति दी और सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरण के साथ कार्यशाला का समापन किया गया। विद्यालय के प्राचार्य द्वारा

कार्यशाला में शिरकत करते हुए गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति के पूर्वोत्तर संयोजक श्री गुलशन गुप्ता व अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करते बच्चे।

धन्यवाद भाषण दिया गया।

स्कूली बच्चों के लिए 'परस्पर सहअस्तित्व और सुखमय जीवन' पर कार्यशाला आयोजित

गाँधी स्मृति एवं दर्शन समिति द्वारा 6 मई, 2019 को सर्वोदय कन्या विद्यालय वार्ड 2, महरौली के बच्चों के लिए "आपसी सहअस्तित्व और सुखमय जीवन" पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। सुश्री सौम्या अग्रवाल, संस्थापक निदेशक, यूथ फॉर पीस इंटरनेशनल ने समिति की सुश्री कनक कौशिक के साथ कार्यशाला का आयोजन किया।

सत्र की शुरुआत में दोनों संसाधन व्यक्तियों ने कार्यशाला के संचालन के उद्देश्य को साझा किया और गांधीजी के बारे में बात की। छात्रों ने गांधीजी के जीवन के बारे में अपनी समझ साझा की और उन्होंने अहिंसा को कैसे बढ़ावा दिया, यह जाना। फिर, हमने पेपर गतिविधि के माध्यम से सक्रिय सुनने की समझ का निर्माण शुरू किया। प्रतिभागियों को प्रत्येक पेपर की एक शीट दी गई और उन्हें अपनी आँखें बंद करनी पड़ीं।

उन्हें कुछ कोणों से कागज को मोड़ने और फाड़ने के निर्देश दिए गए थे, जिनका उन्हें पालन करना था, जैसा कि वे व्यक्तिगत रूप से समझते थे। निर्देशों के अंत में हर किसी को अपनी आँखें खोलने और कागज की अपनी शीट को खोलने और दूसरों को दिखाने के लिए कहा गया था। इसका परिणाम यह हुआ कि सभी की शीट अलग–अलग दिखीं। फिर उनसे पूछा गया कि कौन सा 'सही' डिजाइन था कुछ छात्रों ने महसूस किया कि सभी के डिजाइन

अलग–अलग होने के बावजूद 'सही' थे। इस गतिविधि के माध्यम से यह समझा गया कि समूह के प्रत्येक व्यक्ति द्वारा एक ही स्थिति या निर्देश को बहुत अलग तरीके से माना जा सकता है। यह भी माना गया था कि गतिविधि के दौरान, कुछ छात्रों को दूसरों की तुलना में समान दिखने वाले डिजाइन हो सकते हैं। लेकिन इसका मतलब यह नहीं था कि बहुत अलग दिखने वाले डिजाइन गलत थे। इस प्रकार, ट्रिगर के बारे में जागरूक होने के प्रयास में भी अनुरूपता के पहलू पर चर्चा की गई जो एक पक्षपाती व्यवहार को जन्म दे सकती है।

छात्रों ने आगे इस बारे में चर्चा की कि विभिन्न दृष्टिकोण किस तरह संघर्ष का कारण बनते हैं और दो लोगों/पक्षों के बीच बड़े मुद्दों को जन्म दे सकते हैं। उन्होंने विचार–मंथन किया और साझा किया कि संचार के समय दकियानूसी और पूर्वाग्रहों से किस तरह टकराव होता है।

प्रतिभागियों के दैनिक जीवन के कुछ उदाहरणों के साथ चर्चा, जहाँ वे किसी व्यक्ति/समुदाय/स्थान आदि के बारे में रूढ़िबद्ध थे, का भी संचालन किया गया। उन्हें माइंडफुलनेस के बारे में अभ्यास करने के लिए भी कहा गया और उदाहरणों के माध्यम से "मैं" से "हम" तक की यात्रा के बारे में बताया गया।

अभ्यास के रूप में, छात्रों को चार शब्द दिए गए थे–'सम्मान', 'समझ', 'प्रशंसा' और 'अनिर्णय', और उन्हें चार समूहों में विभाजित किया गया था

कार्यशाला में उत्साही स्कूली बच्चों के साथ समिति की सुश्री कनक कौशिक व यूथ फॉर पीस इंटरनेशनल की संस्थापक निदेशक सुश्री सौम्या अग्रवाल।

जहाँ वे एक समूह के रूप में विचार–मंथन करते थे कि एक दूसरे के साथ रहते हुए वे अपने दैनिक जीवन में इसका उपयोग कैसे कर सकते हैं।

किशोरों और सुधार गृह के बच्चों के लिए कार्यशाला का आयोजन

समिति ने 16–17 मई, 2019 को नोएडा, उत्तर प्रदेश में किशोरों और सुधार गृह के बच्चों के लिए "एम्पावरिंग लाइफ स्किल्स एंड पॉजिटिव माइंडसेट" पर दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया। 70 बच्चों ने इस कार्यशाला में भाग लिया।

नोएडा में लड़कों के रिमांड होम में कार्यशाला के पहले दिन का उद्देश्य कुछ उन केंद्रीय विषयों की ओर बच्चों का ध्यान आकर्षित करना था जो उन्हें सोचने और विशेष समूह की सोच प्रक्रियाओं में मामूली बदलाव करने के लिए प्रोत्साहित करता है। श्री गुलशन गुप्ता, पूर्वोत्तर समन्वयक व सुश्री कनक कौशिक ने कार्यशाला का संचालन किया। उनके साथ साथ सुश्री उर्मी चटर्जी प्रशिक्षु ने भी भाग लिया।

श्री गुलशन गुप्ता ने बच्चों से बात करते हुए कहा कि परिस्थितियाँ या घटनाएं अक्सर लोगों को उनके चरित्रों को विकसित करने के लिए प्रभावित करती हैं। बातचीत के दौरान, कुछ बच्चों ने कहा कि वे उच्च शिक्षा हासिल करना चाहते हैं, कुछ ने कहा कि वे या तो सुरक्षित नौकरी चाहते हैं या फिर व्यवसाय। आश्चर्यजनक रूप से उनमें से कई लोगों ने कहा कि उनके पास ऐसी कोई योजना नहीं थी और फिर से पकड़े नहीं जाने की उम्मीद के साथ चोरी आदि का सहारा ले रहे थे।

बातचीत के दौरान, यह अनुमान लगाया गया था कि अच्छी संख्या में लड़के कभी स्कूल नहीं गए थे। ऐसे भी कई बच्चे हैं जिन्होंने एक निश्चित स्तर की स्कूली शिक्षा के बाद स्कूल छोड़ दिया था। यह भी पाया गया कि कई शिक्षित और आर्थिक रूप से बेहतर पृष्ठभूमि से थे, जिन्होंने रिमांड होम में हिरासत के बाद अनिच्छा से अपनी शिक्षा बंद कर दी थी। हालांकि, ज्यादातर लड़के आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों से थे।

इसके अलावा, उनके भविष्य के उद्देश्यों के बारे में उनकी पसंद के आधार पर, उन्हें चार प्रकार के कामों के बारे में बताया गया जैसेः (निवेश, खोजकर्ता/अनुसंधान, व्यवसाय–छोटी और बड़ी फर्में, और नौकरियों के माध्यम से रोजगार)।

सुश्री कनक कौशिक ने विचारशीलता और ध्यान पर एक सत्र लिया, जिसमें उन्होंने बच्चों के बेचैन व्यवहार को सम्बोधित किया और उन्हें उनके सकारात्मक होने पर ध्यान केन्द्रित करने के लिए कहा गया। उन्हें धीरे–धीरे निर्देशित किया गया था कि वे उन कुछ कठिन परिस्थितियों पर ध्यान दें। अधिकांश बच्चों ने व्यक्त किया कि वे इससे जुड़ी नकारात्मकता को समझ सकते हैं। उन्हें संबद्ध नकारात्मकता को वहां छोड़ने और फिर अच्छे के लिए, और अपने जीवन के एक नए अध्याय को अपनाने के लिए कहा गया। सुश्री कनक ने बच्चों को 'सकारात्मक सोचने' पर जोर दिया।

समिति में प्रशिक्षु के रूप में कार्यरत सुश्री उर्मी ने 'नैतिकता'

की धारणाओं के बारे में संक्षेप में बात की, जिसे 'अच्छा' और 'अच्छाई' की अवधारणा के रूप में माना जाता है क्योंकि यह सभी व्यक्तियों में भिन्न है। इस बातचीत में तीन भागों वाले मन की एक सादृश्यता का उपयोग किया गया था: एक मानव, तर्क और सवाल करने का प्रयास करता है, और सकारात्मकता का पता लगाता है, एक दर्पण जो वास्तविकता को दर्शाता है और व्यक्ति को परखता है, और नकारात्मकता की एक दीवार, दोनों को अलग करती है। इस दीवार पर, जैसा कि समझाया गया है, काबू पाया जा सकता है अगर समय के साथ अन्य दो भाग पर्याप्त शक्तिशाली हों।

समापन सत्र में, जिला प्रोबेशन कार्यालय के श्री अतुल सोनी ने लगभग 70 प्रतिभागियों को सम्बोधित किया। इस मौके पर प्रमाण पत्र वितरित किए गए।

ऊर्जावान बच्चों ने कार्यशाला में 'परस्पर सहअस्तित्व और सुखमय जीवन' पर समझ विकसित की

समिति ने 17 मई, 2019 को स्वास्तिक पब्लिक स्कूल, इब्राहिमपुर गाँव के 10वीं कक्षा के छात्रों के लिए "परस्पर सहअस्तित्व और सुखमय जीवन" पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया। श्री शकील खान ने कार्यक्रम का समन्वय किया और श्री विवेक कुमार और सुश्री कनक कौशिक के साथ सत्र का संचालन किया। सुश्री उर्मी ने भी कार्यक्रम में भाग लिया।

सह–अस्तित्व के महत्त्व से अवगत कराने के लिए बच्चों के साथ विभिन्न गतिविधियों का संचालन किया गया और उन्हें बताया गया कि प्रकृति, मानव और वन्य जीवन के लिए एक साथ रहना कितना महत्त्वपूर्ण है। कार्यशाला की शुरुआत एक आइस ब्रेकिंग सत्र से हुई, जिसमें छात्रों को तीन प्रकार की प्रजातियों: बंदरों, पेड़ों और शांतिपूर्ण मनुष्यों को शामिल करने की आवश्यकता थी।

बच्चों को सूचित किया गया कि मनुष्य प्रकृति के साथ शांति नहीं रखता है क्योंकि वे अपने लिए गवाह बन सकते हैं। मनुष्य लगातार प्रकृति में हेरफेर करने की कोशिश करता है और अपनी आवश्यकताओं के अनुसार खुद को लाभान्वित करता है और इससे प्रकृति का बहुत दोहन होता है। बच्चों को बताया गया कि केवल छोटे कदमों से जीवनशैली में बड़े बदलाव लाए जा सकते हैं। बच्चों से पूछा गया कि दिवाली के त्योहार के दौरान दीया जलाना

उमंग में भरे स्कूली बच्चों की कार्यशाला का संचालन करते समिति के श्री विवेक राठौड़।

पर्यावरण के दृष्टिकोण से महत्त्वपूर्ण क्यों माना जाता है। उनकी सकारात्मक तरंगों के अलावा, मिट्टी के दीपक प्रकाश और उत्सव के अन्य स्रोतों के लिए एक स्वस्थ विकल्प हैं जो जलवायु परिवर्तन जैसे बड़े मुद्दों में भी अप्रत्यक्ष रूप से योगदान करते हैं।

श्री विवेक ने पांच तत्वों पंचमहाभूत (अग्नि, जल, पृथ्वी, वायु और आकाश) और उनके शांतिपूर्ण और उद्देश्यपूर्ण सह–अस्तित्व जैसे विषयों को शामिल करते हुए प्रकृति और आपसी सह–अस्तित्व पर बात की। उन्होंने यह भी समझाया कि मनुष्य के पास, बुद्धि और तर्क और सोचने की शक्ति होने के कारण, पारिस्थितिक

कार्यशाला के दौरान समिति के श्री विवेक राठौड़, सुश्री कनक कौशिक और सुश्री उर्मि के दिशा निर्देशन में गतिविधियों में भाग लेते स्वास्तिक पब्लिक स्कूल के बच्चे।

तंत्र की रक्षा करने और स्वाभाविक रूप से कार्य करने की दिशा में एक बड़ी जिम्मेदारी है। मानव जाति के लिए, सम्पूर्ण मानव जाति के अधिक से अधिक योगदान को पूरा करने के लिए व्यक्तियों द्वारा छोटे कदम उठाए जा सकते हैं। यहाँ उन्होंने एक विद्युतीकृत बंदर के जीवन को बचाने के एक व्यक्तिगत उदाहरण के माध्यम से इसे चित्रित किया और एक अन्य उदाहरण के जरिये बताया कि कैसे आदिवासी समाजों ने परिवेश में शांति का पोषण करने के लिए वनीकरण और अन्य प्रकृति–प्रबंधन रणनीतियों का उपयोग किया है। इसके अतिरिक्त, औद्योगिक समाज में मनुष्यों के लालच ने लगातार प्राकृतिक संस्थाओं का शोषण किया है। अंत में, उन्होंने छात्रों को बताया कि कैसे महात्मा गांधी के 'नई तालीम' के दर्शन में पर्यावरण–प्रबंधन रणनीतियों में पारिस्थितिकी तंत्र का पोषण करना शामिल है, यह सीखने में उनके कार्य अनुभव की अवधारणा है ।

श्री शकील खान ने गुब्बारों के साथ एक गतिविधि खेल का आयोजन किया और छात्रों को बताया कि हमारे प्रतिस्पर्धी मोड में, हम सहयोग पर चूक जाते हैं और दूसरों को जीतने में मदद करते हैं। कार्यशाला के दौरान बच्चों ने पोस्टर भी बनाए।

चूंकि आपसी सह–अस्तित्व के लिए हमें प्रकृति और वन्य जीवन की आवश्यकताओं के प्रति उत्तरदायी होना चाहिए, सुश्री उर्मी ने चर्चा को आगे बढ़ाते हुए कहा कि सुनने से दूसरों को समझने का एक बहुत ही महत्त्वपूर्ण हिस्सा बनता है, अपने आप को, और कोई एक सुनने के तरीके में बदलाव ला सकता है। साथ ही प्रकृति से उदाहरणों का उपयोग करते हुए उन्होंने बताया कि हमारे पर्यावरण को क्या चाहिए।

गांधी जयंती कार्यक्रम के लिए पूर्वाभ्यास का आयोजन

दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के 31 स्कूलों के 1000 से अधिक बच्चों ने 14, 24, 26 और 29 सितम्बर, 30 सितम्बर और 1 अक्तूबर को गांधी स्मृति में आयोजित महात्मा गांधी की 150वीं जयन्ती समारोह की संगीतमय रिहर्सल में भाग लिया। इस रिहर्सल में मूल्य निर्माण शिविर (24 सितम्बर–3 अक्तूबर) में भाग लेने वाले मध्य प्रदेश के पांच अलग–अलग स्कूलों के और जालंधर के एक

महात्मा गांधी के 150वें जयन्ती समारोह (2 अक्तूबर) के पूर्वाभ्यास का गांधी स्मृति एवं गांधी दर्शन का संचालन करते स्वर तृष्णा के श्री सुधांशु बहुगुणा।

स्कूल के 85 बच्चों ने भाग लिया। इस अवसर पर कबीर के गीत, डॉ भूपेन हजारिका की रचनाएँ और आचार्य विनोबा भावे और अन्य रचनाएँ बच्चों को सिखाई गई।

दस दिवसीय मूल्य निर्माण शिविर का उद्घाटन

24 सितम्बर से 3 अक्तूबर, 2019 तक दस दिवसीय मूल्य निर्माण शिविर का उद्घाटन सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय के तहत सफाई कर्मचारी के राष्ट्रीय आयोग के अध्यक्ष श्री मनहर वलजीभाई जाला द्वारा गांधी दर्शन में किया गया. उद्घाटन समारोह में उपस्थित सिद्धार्थगिरी गुरुकुल फाउण्डेशन के स्वामी श्रद्धेय श्री कार्य सिद्धेश्वर महाराज, कनेरी मठ, पद्मश्री श्री कमल सिंह चौहान, श्री बसंत सिंह, समिति के पूर्व सलाहकार, श्री उमेश चन्द्र गौड़, केसीएसएस के अध्यक्ष श्री बिष्णु छेत्री, समिति निदेशक, श्री दीपंकर श्री ज्ञान उपस्थित थे।

इस शिविर में सरस्वती शिशु मंदिर सीनियर सेकेण्डरी स्कूल, केशवनगर, दमोह, मध्य प्रदेश, सरस्वती शिशु मंदिर सीनियर सेकेण्डरी स्कूल, जिला रहली सागर, दमोह, मध्य प्रदेश, शासकीय उत्कृष्ट सीनियर सेकेण्डरी स्कूल, दमोह, मध्य प्रदेश, केन्द्रीय विद्यालय, दमोह, मध्य प्रदेश, श्री गुरु नानक सीनियर सेकेण्डरी स्कूल, जबलपुर नाका, दमोह, मध्य प्रदेश और बीएसएफ स्कूल, जालंधर, पंजाब के 85 बच्चों ने अपने शिक्षकों और समन्वयकों के साथ भाग लिया। शिविर में बच्चों ने श्रमदान, थिएटर, फोटोग्राफी, संगीत की रिहर्सल, कताई जैसी विभिन्न गतिविधियों में भाग लिया। इस अवसर पर समिति के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. वेदाभ्यास कुण्डू, सुश्री कनक कौशिक, और श्री गुलशन गुप्ता द्वारा माइंडफुलनेस और अहिंसात्मक संचार पर सत्र का संचालन किया। सुश्री शाश्वती झालानी ने 'अंडरस्टैंडिंग गांधी' पर एक सत्र लिया, डॉ. मंजू अग्रवाल ने 'नेचुरोपैथी और

गांधी दर्शन में चल रहे मूल्य निर्माण शिविर में एक विशेष सत्र का संचालन करते समिति के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. वेदाभ्यास कुण्डू।

मूल्य निर्माण शिविर में बच्चों को चरखा कताई की बारीकियां सिखाते समिति के श्री यतेन्द्र सिंह।

गांधी दर्शन में दीप जलाकर मूल्य निर्माण शिविर का उद्घाटन करते सिद्धगिरी गुरुकुल फाउण्डेशन के परम पूज्य श्री कार्य सिद्धेश्वर जी महाराज व अन्य गणमान्य अतिथि।

रिफ्लेक्सोलॉजी' पर कक्षाएं लीं और सुश्री मधुमिता ने थिएटर की कक्षाएं लीं। पेशे से एक सिविल इंजीनियर, श्री गिटार राव, ने बच्चों और युवाओं में संगीत को बढ़ावा देने के लिए संगीत की कक्षाएं लीं।

उद्घाटन कार्यक्रम में बच्चों ने शिविर के प्रति की गयी अपनी उम्मीदों

समिति के उपाध्यक्ष व माननीय संस्कृति मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल ने नई दिल्ली स्थित अपने आवास पर शिविरार्थी बच्चों को आमंत्रित किया। इस अवसर पर प्रख्यात गायक पद्मश्री कैलाश खैर ने भी बच्चों से बातचीत की। समिति निदेशक श्री दीपंकर श्री ज्ञान भी उपस्थित हैं।

को साझा किया। बच्चों द्वारा सांस्कृतिक प्रदर्शन ने सभा को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथियों ने अपने प्रेरणादायी शब्दों से उन प्रतिभागी बच्चों को मनोबल बढ़ाने का काम किया, जिन्हें गांधीवादी दर्शन से भी परिचित कराया गया था।

श्री जगदीश प्रसाद, श्री विवेक कुमार, श्रीमती शोभा खुल्बे, श्रीमती सुनीता जोशी, श्रीमती आशा, श्री उमेश ने शिविर के दैनिक मामलों का समन्वय किया।

समिति निदेशक, श्री दीपंकर श्री ज्ञान के साथ भाग लेने वाले बच्चों, उनके समन्वयकों और समिति समन्वयकों ने संस्कृति मंत्री और समिति उपाध्यक्ष श्री प्रहलाद सिंह पटेल के घर पर प्रसिद्ध गायक पद्मश्री कैलाश खेर के साथ एक मुलाकात की। इस अवसर पर माननीय संस्कृति मंत्रीजी ने बच्चों के साथ चर्चा की और अपने आवास पर उनकी मेजबानी की। बच्चों ने इस अवसर पर कुछ पारम्परिक नृत्य और गीत भी प्रस्तुत किए।

इस मौके पर शिविरार्थियों ने विभिन्न ऐतिहासिक स्थानों यथा, नेशनल गैलरी ऑफ मॉडर्न आर्ट, लोटस टेंपल, गांधी स्मृति संग्रहालय और राजघाट में गांधी समाधि का अवलोकन किया।

मूल्य निर्माण शिविर के समापन पर बच्चों ने किया प्रतिभा का प्रदर्शन

सरस्वती शिशु मंदिर सीनियर सेकेण्डरी स्कूल, केशवनगर, दमोह, मध्य प्रदेश, सरस्वती शिशु मंदिर सीनियर सेकेण्डरी स्कूल, जिला रहली सागर, दमोह, मध्य प्रदेश, शासकीय उत्कृष्ट सीनियर सेकेण्डरी स्कूल, दमोह, मध्य प्रदेश, केन्द्रीय विद्यालय, दमोह, मध्य प्रदेश, श्री गुरु नानक सीनियर सेकेण्डरी स्कूल, जबलपुर नाका, दमोह, मध्य प्रदेश और बीएसएफ स्कूल, जालंधर, पंजाब से आये बच्चों ने मूल्य निर्माण शिविर के समापन समारोह में प्रतिभा का प्रदर्शन किया। इस अवसर पर पंजाब और मध्य प्रदेश के लोक नृत्यों ने लोगों का मन मोह लिया, वहीं भ्रष्टाचार की समस्या को रेखांकित करते नुक्कड़ नाटक ने विद्यार्थियों पर गहरी छाप छोड़ी। इस अवसर पर श्री आलोक गोस्वामी मुख्य अतिथि थे। शिक्षकों ने भी इस मौके पर अपने अनुभव साझा किये।

गांधी दर्शन में मूल्य निर्माण शिविर के समापन समारोह में मध्य प्रदेश के श्री आलोक कुमार गोस्वामी बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित थे। (बाएं से तीसरे)

- बिहार

गांधी विनिमय कार्यक्रम आयोजित

समिति ने पटना के दो बुनियादी विद्यालय, कुमारबाग और सिरसिया अड्डा के बच्चों को स्कूल ऑफ क्रिएटिव लर्निंग में भेजकर तीन दिवसीय गांधी विनिमय कार्यक्रम का आयोजन किया। 24–26 दिसम्बर, तक आयोजित इस कार्यक्रम में 30 बच्चों और समन्वयक शिक्षकों ने कार्यक्रम में भाग लिया। विनिमय कार्यक्रम के दौरान, प्रतिभागी बच्चों ने रचनात्मकता और नवाचार के विचारों का आदान–प्रदान किया। स्कूल ऑफ क्रिएटिव लर्निंग के संस्थापक निदेशक श्री विजय प्रकाश और प्राचार्या श्रीमती मृदुला प्रकाश ने कार्यक्रम का संचालन किया। श्री अतुल प्रियदर्शी ने गाँधी स्मृति एवं दर्शन समिति की ओर से कार्यक्रम का समन्वय किया।

इस कार्यक्रम में "इनो फेस्ट" थीम के साथ एक रचनात्मक मेला भी आयोजित किया गया था, जिसमें पटना के अन्य स्कूलों के प्रतिभागियों ने भी हिस्सा लिया। नवीन तकनीकों पर एक प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें बुनियादी विद्यालय सिरसिया अड्डा के एक बच्चे ने प्रथम पुरस्कार जीता।

पटना के स्कूल ऑफ क्रिएटिव लर्निंग में गांधी विनिमय कार्यक्रम के उद्घाटन समारोह का दृश्य।

मेले में बच्चों द्वारा बनाए गए रचनात्मक विज्ञान मॉडल का अवलोकन करते विशिष्ट अतिथि।

मेले में स्कूल ऑफ क्रिएटिव लर्निंग के बच्चों के साथ वृंदावन कुमारबाग और सिरसिया अड्डा स्थित बुनियादी विद्यालयों के बच्चे।

72वें बलिदान दिवस के लिए पूर्वाभ्यास

लगभग 450 से अधिक बच्चों ने क्रमशः 17, 21, 22, 24, 27, 28 और 29 जनवरी, 2020 को महात्मा गांधी की 72वीं पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि के होने वाले संगीतमय कार्यक्रम के पूर्वाभ्यास में भाग लिया। गांधी दर्शन और गांधी स्मृति में आयोजित इस पूर्वाभ्यास में दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के 20 से अधिक स्कूलों के बच्चों ने श्री सुधांशु बहुगुणा के संचालन में भाग लिया। बाद में 22 जनवरी से मधेपुरा, बिहार, हैदराबाद तेलंगाना और वाराणसी, उत्तर प्रदेश से दस दिवसीय सृजन शिविर (23 जनवरी–फरवरी, 2020) में भाग लेने वाले बच्चे भी इसमें शामिल हुए। समिति निदेशक, श्री दीपंकर श्री ज्ञान ने 29 जनवरी को गांधी स्मृति में रिहर्सल के दौरान छात्रों को सम्बोधित किया और 30 जनवरी को उनके प्रदर्शन के लिए उन्हें शुभकामनाएं दीं। बच्चों से बात करते हुए उन्होंने उम्मीद जाहिर की कि बच्चे श्री बहुगुणा के मार्गदर्शन में अपनी क्षमताओं का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करेंगे।

महात्मा गांधी के बलिदान दिवस पर आयोजित होने वाले महात्मा गांधी के संगीतमयी श्रद्धांजलि कार्यक्रम के पूर्वाभ्यास के दौरान श्री सुधांशु बहुगुणा।

इससे पहले 15 जनवरी, 2020 को गांधी दर्शन में विभिन्न स्कूलों के प्रतिनिधियों के साथ एक बैठक आयोजित की गई थी, जिसमें कार्यक्रम कार्यकारी श्री राजदीप पाठक ने शिक्षकों को कार्यक्रम के तौर–तरीकों और बच्चों के उन्मुख होने के तरीके के बारे में जानकारी दी।

गांधीजी के बलिदान दिवस पर होने वाले कार्यक्रम के लिए संगीत का प्रशिक्षण लेते बिहार, वाराणसी, हैदराबाद, दिल्ली और एनसीआर के विभिन्न स्कूलों के बच्चे।

दस दिवसीय मूल्य सृजन शिविर का आयोजन

कस्तूरबा महिला विद्यापीठ सेवापुरी, वाराणसी, उत्तर प्रदेश, मधेपुरा बिहार के जिला प्रशासन द्वारा अनुशंसित आठ विद्यालय, और भारतीय विद्या भवन, हैदराबाद तेलंगाना के शिक्षकों और समन्वयकों के साथ लगभग 46 बच्चों ने गाँधी स्मृति एवं दर्शन समिति द्वारा 23 जनवरी से 2 फरवरी, 2020 तक गांधी दर्शन में आयोजित दस दिवसीय मूल्य सृजन शिविर में भाग लिया। इस शिविर का उद्घाटन 23 जनवरी को नेताजी सुभाष चन्द्र बोस की 123वीं जयन्ती के अवसर पर किया गया था। इसका उद्घाटन सुप्रीम कोर्ट की वरिष्ठ अधिवक्ता और आश्रय अधिकार अभियान की संस्थापक निदेशक श्रीमती परमजीत कौर, और मंडोली जेल की अधीक्षक सुश्री नीता नेगी द्वारा किया गया था। कलाकार श्री संजीव आनंद ने भी इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त किये।

दस दिवसीय शिविर के दौरान बच्चों ने गांधी स्मृति में 30 जनवरी को महात्मा गांधी को संगीतमय श्रद्धांजलि दी। प्रतिभागी बच्चों के लिए नियमित श्रमदान, योग और चरखा कक्षाओं के अलावा, अहिंसक संचार तकनीकों पर कक्षाएं, कृतज्ञता, करुणा, दया आदि के माध्यम से व्यक्तित्व विकास पर कक्षाएं, भावनात्मक बुद्धिमत्ता कक्षा का भी संचालन किया गया।

इस अवसर पर बच्चों ने मेट्रो संग्रहालय सहित दिल्ली के विभिन्न ऐतिहासिक स्थलों का भी दौरा किया। उन्होंने राजघाट में महात्मा गांधी की समाधि पर उनकी 72वीं पुण्यतिथि के अवसर पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

समिति निदेशक श्री दीपंकर श्री ज्ञान के साथ बच्चों ने विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (DST) के संग्रहालय का भी दौरा किया और गाँधी के डिजिटल स्वरूप 'डिजिटल गांधी' का अवलोकन किया। बच्चों ने पर्यटन मंत्रालय द्वारा लाल किले में आयोजित 'भारत पर्व' का भी दौरा किया।

31 जनवरी को गांधी दर्शन में मान्य समारोह का आयोजन किया गया था, जिसमें बच्चों द्वारा विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गई थीं। प्रदर्शनों में से एक की विशेषता विभिन्न गांधीवादी सिद्धांतों अहिंसक संचार पर एक नुक्कड़ नाटक प्रस्तुति थी जो उन्होंने अपने प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान सीखी थी।

31 जनवरी को मान्य कार्यक्रम में बच्चों को सम्बोधित करते हुए, श्री दीपंकर श्री ज्ञान ने बच्चों को शांति के राजदूत बताते हुए उनके विश्वास को दोहराया। उन्होंने बच्चों के बीच मजबूत समन्वय की सराहना की और माना कि मेट्रो संग्रहालय और डीएसटी डिजिटल गैलरी की यात्रा के दौरान उन्हें जो अवसर मिले, वे उनकी रचनात्मक क्षमताओं को सक्षम करेंगे। उन्होंने कहा कि NVC तकनीक पर भारतीय विद्या भवन

मूल्य निर्माण शिविर के उद्घाटन अवसर पर उपस्थित अमेरिका निवासी भारतीय मूल के कलाकार श्री संजीव आनंद, आश्रय अधिकार अभियान की संस्थापक निदेशक श्रीमती परमजीत कौर, समिति की डॉ. मंजू अग्रवाल, अध्यापकगण व बच्चे।

(ऊपर से नीचे) शिविर में शामिल बच्चे समिति के सृजन केन्द्र की श्रीमती गीरा से सिलाई व कढ़ाई की बारीकियां सिखते हुए।

सुबह की गतिविधियों के तहत योगाभ्यास व श्रमदान करते बच्चे।

गणतंत्र दिवस के मौके पर गांधी दर्शन में तिरंगा फहराने के बाद राष्ट्रगान के सम्मान में खड़े समिति के निदेशक श्री दीपंकर श्री ज्ञान, प्रतिभागी बच्चे, अध्यापक व गांधी स्मृति व दर्शन समिति के सदस्यगण।

71 वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर गांधी दर्शन में मार्च पास्ट का नेतृत्व करते श्री विवेक राठौड़।

हैदराबाद तेलंगाना के बच्चों द्वारा नुक्कड़ नाटक इस तरह के उन्मुखीकरण कार्यक्रमों के दौरान दिखाया जाएगा।

उन्होंने आगे बच्चों को ऐसे पाठों को दूसरों के साथ साझा करने की सलाह दी, जो नहीं आए ताकि सीखी गई चीजें कई गुना बढ़ सकें। उन्होंने यह भी आशा व्यक्त की कि स्कूलों में आपस में स्व–विनिमय कार्यक्रम हैं।

जनवरी 2020 में आयोजित मूल्य निर्माण शिविर के कुछ क्षण।

युवाओं के लिए कार्यक्रम

दो दिवसीय मीडिया कार्यशाला का आयोजन

मीडिया रिसर्च एंड एनालिसिस सेंटर (CMRA) के सहयोग से समिति द्वारा 6–7 जुलाई, 2019 को गांधी दर्शन में दो दिवसीय 'मीडिया कार्यशाला' का आयोजन किया।

पहले दिन की कार्यशाला को पाँच सत्रों में विभाजित किया गया और विभिन्न विषयों पर चर्चा की गई, जिसमें डॉ. भीमराव अम्बेडकर कॉलेज, श्री गुरु नानक देव खालसा कॉलेज, महाराजा अग्रसेन, अदिति कॉलेज, रामलाल आनंद कॉलेज, स्कूल ऑफ जर्नलिज्म, भारती कॉलेज, आईपी यूनिवर्सिटी, आईआईएमटी और माखनलाल यूनिवर्सिटी जैसे विभिन्न कॉलेजों, संस्थानों और पत्रकारिता विश्वविद्यालयों के छात्रों ने भाग लिया।

मुख्य वक्ता श्री शेखर त्रिवेदी, वरिष्ठ पत्रकार और एंकर, जी न्यूज ने कार्यशाला में उपस्थित सभी छात्रों को मीडिया (डिजिटल मीडिया) के बदलते रूपों और वर्तमान युग की आवश्यकता "मोबाइल जर्नलिज्म" विषय के बारे में बताया और मीडिया को आय का साधन बनाने के विभिन्न तरीकों के बारे में बताया।

दूसरे सत्र के स्पीकर, श्री प्रदीप भंडारी एडिटर–इन–चीफ और सीईओ, 'जन की बात' ने "ऑनलाइन और यूट्यूब चैनल पर चर्चा" विषय को सम्बोधित करते हुए कहा कि ऑनलाइन मीडिया के आगमन ने अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के क्षेत्र में वृद्धि की है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि सभी छात्रों को अपनी बात, सच्ची पत्रकारिता, तथ्य आधारित और जमीनी पत्रकारिता पर मजबूती से रखना चाहिए।

श्री नरेन्द्र ठाकुर ने कहा कि देश और समाज के विकास के लिए मीडिया उत्तरदायी होना चाहिए। इसके साथ ही, CMRA के राष्ट्रीय संयोजक और वरिष्ठ पत्रकार श्री रवीन्द्र कुमार ने प्रतिभागी छात्रों से कहा कि पत्रकारिता में राष्ट्रीय हितों का हमेशा ध्यान रखा जाना चाहिए। देश की एकता, सम्प्रभुता और सुरक्षा से सम्बन्धित मुद्दों को बहुत सोच–समझकर रिपोर्ट किया जाना चाहिए।

अन्य वक्ताओं में श्री प्रवीण तिवारी, श्री के. जी. सुरेश निदेशक IIMC, ने क्रमशः 'एंकरिंग' और 'रिपोर्टिंग' पर बात की। दूसरे दिन, जी मीडिया के वरिष्ठ पत्रकार श्री आदर्श पांडे ने सत्र के विषय के अनुसार टीवी प्रोडक्शन के बारे में चर्चा की। उन्होंने एक सम्पूर्ण समाचार बनाने की पूरी प्रक्रिया की जानकारी दी और बताया कि समाचार प्रोडक्शन में ग्राफिक्स एक महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

दूसरे दिन श्री पंकज शुक्ला, श्री मयंक जैन और श्री अतुल गंगवार ने विभिन्न विषयों पर अपने विचार रखे।

चाय, कॉफी और संगीत के माध्यम से 'जिम्मेदार देशभक्ति' के विचारों का प्रकटीकरण

मंजिल मिस्टिक्स संस्था के सहयोग से समिति द्वारा गांधी दर्शन, राजघाट में 73वें स्वतंत्रता दिवस और महात्मा गांधी की 150वीं जयन्ती के अवसर पर "जिम्मेदार देशभक्ति" विषय पर संगीत कार्यक्रम "चाय–कॉफी और संगीत" का आयोजन किया गया। इसमें लगभग 150 प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिसमें छात्र, जीवन के विभिन्न क्षेत्रों से आये गणमान्य लोग, सेना के जवान, वरिष्ठ संगीतकार शामिल थे। श्री राजेश मेहता, श्री मनोज झा, श्री दीपक ओस्टीनो, सुश्री प्रेमा अय्यर, जिन्हें 'कैंपस नानी' के रूप में जाना जाता है, श्रीमती सीमा त्यागी, और अन्य लोग इस अवसर पर उपस्थित थे।

(बांए) कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों को सम्बोधित करते हुए समिति के कार्यक्रम कार्यकारी श्री राजदीप पाठक।

इस अवसर पर उपस्थित लोगों को सम्बोधित करते हुए, श्री राजेश मेहता ने बचपन से ही संगीत को अपनी प्रेरणा के रूप में बताया और कहा कि यह एक राष्ट्र से दूसरे राष्ट्र के लोगों को आपस में बांधता है। उन्होंने गांधीजी के पसंदीदा भजन वैष्णव जन तो को गाने के लिए 150 देशों के कलाकारों को शामिल करने की भारत सरकार की पहल के बारे में भी बताया। ऐ मेरे प्यारे वतन, गीत की कुछ पंक्तियों को गुनगुनाते हुए श्री राजेश मेहता ने प्रत्येक व्यक्ति को अपने परिवार, समाज और राष्ट्र के प्रति प्रतिबद्धता के बारे में याद दिलाया।

'चार यार' के प्रसिद्ध गिटार वादक श्री दीपक कैसलिनो अपनी प्रस्तुति से उपस्थित जनों का मंत्रमुग्ध करते हुए।

विशिष्ट अतिथि के तौर पर मौजूद श्री राजेश मेहता इस अवसर पर उपस्थित जनों को सम्बोधित करते हुए।

कार्यक्रम के दौरान, मंजिल मिस्टिक्स के छात्रों ने इस अवसर पर सांस्कृतिक प्रदर्शन किया। फराज अली, और रोशिनी ने आशा, शांति और देशभक्ति पर आधारित गीतों के प्रदर्शन से इस शाम को बहुत खास बना दिया। मंजिल मिस्टिक्स बीट्स के राहुल वाही ने मंच पर दस मिनट तक अद्भुत ऑर्केस्ट्रा प्रस्तुति दी, उन्होंने इसमें दर्शकों को भी शामिल किया। देशभक्ति की प्रस्तुतियों को समर्पित इस कार्यक्रम ने लोगों के मन में देशभक्ति का प्रकाश जला दिया।

इसके अलावा, मयंक, नव्या–मश्केश, नेहा और द मंताश बैंड ने कबीर दास के गीतों पर अपनी प्रस्तुति दी। कार्यक्रम में उपस्थित सेना के एक अधिकारी की पत्नी श्रीमती प्रेम अय्यर, जिन्होंने युद्ध विधवाओं के लिए अपना जीवन समर्पित किया था, ने भी संगीत प्रस्तुतियों में अपना सहयोग दिया।

कार्यक्रम का एक अन्य मुख्य आकर्षण श्री अर्जुन खेरियाल एचसीजीडी की उपस्थिति थी, भारत–तिब्बत सीमा पुलिस में चीन बॉर्डर पर तैनात श्री खेरियाल ने देशभक्ति पर अपने विचार साझा किए और फिल्म केसरी का प्रसिद्ध गाना 'तेरी मिट्टी' भी गाया। शाम को एक और आकर्षण संगीत के माध्यम से नदियों, राज्यों, भोजन और संस्कृति को परस्पर जोड़ने का एक सत्र था, जिसमें 'चार यार' के प्रसिद्ध गिटारवादक श्री दीपक कैस्टेलिनो द्वारा 'ऊँचे हिमालय तक' नामक एक संकलित रचना प्रस्तुत की गयी। यह गीत दुनिया को समावेशी (एक बड़ा परिवार) बनाने की दिशा में समर्पित था।

मंजिल मिस्टिक्स के कलाकारों ने 'आओ हम' (एक परिवार के रूप में शांति, एकता और गांधी के विश्व के दृष्टिकोण पर एक गीत), 'हलके गाड़ी हाको' (अच्छे कर्म पर आधारित एक कबीर भजन) और रामधुन गाकर शाम का समापन किया।

महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि स्वरूप 'सिग्नेचर फॉर खादी' कार्यक्रम

महात्मा गांधी की 150वीं जयन्ती और चरखे की 100वीं वर्षगांठ के अवसर पर खादी के लिए संकल्प 'इनक्रेडिबल ट्रांसफॉर्मिंग चौरिटेबल फाउण्डेशन' द्वारा गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति के सौजन्य से 'सिग्नेचर फॉर खादी' का आयोजन किया। दिनांक 10 अगस्त, 2019 को नई दिल्ली के चाणक्यपुरी में आयोजित इस

(ऊपर) खादी और हैंडलूम पर आधारित फैशन शो 'रूट्स ऑफ इंडिया' का दृश्य।
भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री श्याम जाजू 'संकल्प फोर खादी' की सुश्री परिधि के साथ शिल्पकार को सम्मानित करते हुए।

कार्यक्रम में अपने तरह के पहले फैशन शो का आयोजन किया गया, जहां 7 भारतीय राज्यों के बुनकरों ने अपने विशेष शिल्प का प्रदर्शन किया, जिसमें आजादी के वस्त्र 'खादी' को बढ़ावा दिया गया।

इस कार्यक्रम का आयोजन राजनेताओं, खिलाड़ियों, राजनयिकों, नौकरशाहों, कलाकारों, और समाजवादियों आदि जैसे विभिन्न क्षेत्रों के 100 से अधिक प्रख्यात व्यक्तियों की उपस्थिति में किया गया था, जो चरखे की 100वीं वर्षगाँठ को मनाने लिए एकत्र हुए थे। इस अवसर पर देश के नागरिकों में गर्व और देशभक्ति की भावना का आह्वान करने के लिए एक संदेश "मैं भी खादी का समर्थन करता हूं" खादी के कैनवास पर उकेरा गया।

इस मौके पर उपस्थित प्रख्यात हस्तियों में, श्री सलमान खुर्शीद (भारतीय राजनीतिज्ञ, वरिष्ठ अधिवक्ता, प्रख्यात लेखक और कानून के शिक्षक), श्री श्याम जाजू (भारतीय राजनीतिज्ञ व भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष), द ग्रेट खली (पहलवान), संजना विज (फेमिना मिस इंडिया 2019, रनर अप), टीवी अभिनेता, श्री अभिनव चतुर्वेदी शामिल थे।

इस अवसर पर खादी वस्त्रों का फेशन शो 'रूट्स ऑफ इंडिया', आयोजित किया गया। इसमें भारत के 7 अलग–अलग राज्यों (ओड़िशा, असम, छत्तीसगढ़, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, आंध्र प्रदेश और नागालैंड) से आये बुनकरों ने खादी और हथकरघा वस्त्रों का मनोहारी प्रदर्शन किया। बुनकरों के 'सशक्तिकरण' के लिए आयोजित इस फेशन शो के माध्यम से लोगों ने प्रतिभागी राज्यों के सतरंगी परिधानों के बारे में जाना। बुनकर फेशन शो ने 'शो स्टॉपर' के रूप में प्रत्येक राज्य से एक प्रसिद्ध व्यक्तित्व को भी समायोजित किया।

'सिग्नेचर फॉर खादी' ने उन युवा उत्साही लोगों के प्रयासों को प्रोत्साहित करने के लिए 'गांधी स्मृति चिन्ह अवार्ड्स 2019' की शुरुआत की, जिन्होंने समानता, महिला सशक्तिकरण, शिक्षा, स्वच्छ भारत, खादी और गैर–हिंसा के गांधीवादी सिद्धांतों को बरकरार रखा है।

गांधी दर्शन में गांधी वार्ता का शुभारम्भ

महात्मा गांधी की 150वीं जयन्ती के अवसर पर भारत के युवाओं के मध्य महात्मा गांधी के संदेश को फैलाने के उद्देश्य से, गांधी दर्शन में 14 अगस्त, 2019 को आयोजित एक विशेष कार्यक्रम में "गांधी वार्ता" की शुरुआत की गयी। गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. वेदाभ्यास कुण्डू, भारतीय विकास परिषद से श्री सुरेश जैन, श्री भारत भूषण, संस्थापक, टीम भारत, श्रीमती पिंकी प्रधान, निदेशक कम्यूनिकेशन एंड मार्केटिंग प्लान, भारत, और प्रो. के. जी. सुरेश, निदेशक भारतीय जनसंचार संस्थान श्री शैलेश, सुश्री

(बांए) गांधी दर्शन में आयोजित गांधी वार्ता में अपने विचार व्यक्त करते हुए कारीगर पंचायत के श्री बसंत। (नीचे) उन्हें तल्लीनता से सुनते उपस्थित जन।

सुशीला, श्री सुनील सिंघल, संस्थापक, यूथ फॉर इंडिया भी इस अवसर पर उपस्थित थे।

गांधी वार्ता भारत के युवाओं को गांधीजी द्वारा उनके जीवनकाल के दौरान उठाए गए विभिन्न मुद्दों की गहराई के बारे में अवगत करवाती है, जिनमें अहिंसा और स्वराज के सिद्धांतों का पालन करते हुए हिंसा मुक्त दुनिया की कल्पना शामिल है। उनके असहयोग आन्दोलन द्वारा नेतृत्व और नैतिकता का विकास करना और

गांधी दर्शन में गांधी वार्ता के शुभारम्भ अवसर पर उपस्थित विशिष्ट वक्तागण।

स्थिरता के उदाहरण से जीवन जीना, जिसे संयुक्त राष्ट्र द्वारा प्रतिपादित वर्तमान 17 सतत विकास लक्ष्यों में व्यापक रूप से देखा जा सकता है।

गांधी वार्त्ता एक कार्यक्रम है जो हमारे माननीय राष्ट्रपिता के विचारों और शिक्षाओं पर आधारित है। उनकी पत्रिका, यंग इंडिया, युवा लोगों को उनकी 150वीं जयन्ती पर उनके संदेश को आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित करती है। 'यंग ऑफ इंडिया' गांधीजी की 150वीं जयन्ती के हिस्से के रूप में दुनिया भर में ऐसी 150 वार्ता शुरू करने का इरादा रखती है।

- केरल

हिंसा, उभरते वैश्विक सन्दर्भ में चिंता का विषय है: एन. राधाकृष्णन

महात्मा गांधी की 150वीं जयन्ती के अवसर पर दो दिवसीय शांति सेना सम्मेलन का आयोजन गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति और विनोबा भावे शांति सेना फाउण्डेशन के तत्वावधान में मंजेश्वरम (केरल और कर्नाटक के बीच एक सीमावर्ती शहर) में 23–24 अगस्त, 2019 को किया गया। यह कार्यक्रम युवाओं को हिंसा के खतरे का सामना करने और विशेष रूप से निजी और सार्वजनिक

उद्घाटन समारोह में प्रार्थना करते प्रसिद्ध गांधीवादी विचारक श्री रमेश शर्मा।

जीवन दोनों में अहिंसक संघर्ष प्रबंधन रणनीतियों को अपनाने के लिए युवाओं को शिक्षित व जागरूक करने के उद्देश्य से आयोजित किया गया था। उल्लेखनीय है कि आचार्य विनोबा भावे ने 23 अगस्त, 1957 को दक्षिण में अपनी भू–दान यात्रा के दौरान मंजेश्वरम से ही शांतिसेना की शुरुआत की थी।

इस अवसर पर आयोजन स्थल के पूर्वी हिस्से में तीन प्रदर्शनियों की व्यवस्था की गई थी। एक शांतिसेना के इतिहास और विकास पर सचित्र प्रदर्शनी थी। दूसरा गांधी मीडिया केन्द्र द्वारा लगाई गई गांधी साहित्य की प्रदर्शनी थी, जबकि तीसरा सर्वोदय संघ द्वारा व्यवस्थित खादी और ग्रामोद्योग उत्पादों की बिक्री काउंटर था।

प्रसिद्ध गांधीवादी विद्वान डॉ. एन. राधाकृष्णन उपस्थित लोगों को सम्बोधित करते हुए। जबकि अन्य विशिष्ट अतिथि मंचासीन हैं।

सम्मेलन के मुख्य अतिथि शोभित विश्वविद्यालय के कुलपति कुंवर शेखर विजयेन्द्र और जागरण लेकसिटी विश्वविद्यालय के कुलपति और और ग्लोबल नॉन–किलिंग अकादमी होनोलुलु के अध्यक्ष, प्रो. अनूप स्वरूप थे।

गांधी शांति मिशन और शांति सेना फाउण्डेशन के अध्यक्ष प्रो. डॉ. एन. राधाकृष्णन ने अध्यक्षीय भाषण दिया। उन्होंने कहा: "जिस तरह से उभरते वैश्विक सन्दर्भ में हिंसा फैल रही है, उससे हर शांतिप्रिय व्यक्ति में चिंता पैदा होनी चाहिए। मीडिया में, विशेषकर टेलीविजन और फिल्मों में हिंसा का महिमामंडन परेशान करने वाला है। अधिकांश देशों में मौजूद शिक्षा का प्रकार भी अहिंसा को निजी या सार्वजनिक जीवन में जीवन के दर्शन के रूप में स्वीकार करने के लिए अनुकूल नहीं है। उन्होंने कहा, "हाल के दिनों में सबसे परेशान करने वाली प्रवृत्ति विवादों को सुलझाने की विश्वसनीय पद्धति के रूप में हिंसा को मान्यता देना है।

प्रो. राधाकृष्णन ने दो दिवसीय सम्मेलन के दौरान प्रतिभागियों को इन कुछ पहलुओं पर विचार करने और देश में हिंसा की समस्या से निपटने के लिए एक प्रभावी निकाय के रूप में गांधी की शांति सेना को पुनर्जीवित करने की आवश्यकता पर बल देते हुए अपने अध्यक्षीय भाषण का समापन किया।

उद्घाटन भाषण शोभित विश्वविद्यालय मेरठ के कुलाधिपति श्री कुंवर शेखर विजेन्द्र द्वारा दिया गया था। उन्होंने कहा कि आंतरिक शांति के लिए दृढ़ विश्वास और प्रतिबद्धता अभिन्न बननी चाहिए जो वैश्विक शांति के लिए महत्त्वपूर्ण हैं।

उद्घाटन सम्बोधन के बाद प्रोफेसर अनूप स्वरूप ने मुख्य भाषण दिया, जिन्होंने हिंसा और हत्या के विभिन्न रूपों के फैलने की प्रवृति को मानवता के लिए चिंता का विषय बताया।

इस मौके पर जागरण विश्वविद्यालय, भोपाल के कुलपति डॉ. अनूप स्वरूप द्वारा लिखित "गिव नॉन किलिंग ए चांस" नामक एक नई पुस्तक का विमोचन मुख्य अतिथि शोभित विश्वविद्यालय, मेरठ के कुलपति कुंवर शेखर विजेन्द्र ने किया। पुस्तक की विषयवस्तु और विशिष्टता के बारे में पुस्तक लेखक श्री स्वरूप ने जानकारी दी।

दूसरे दिन की शुरुआत सर्वधर्म प्रार्थना से हुई। इस अवसर पर हिंसा की समस्या पर 'यूथ असेंबली' आयोजित की गई थी। यूथ असेंबली' में विभिन्न संस्थानों से आये प्रतिभागियों में से एक अध्यक्ष और सात वक्ता बनाये गये थे, जिन्होंने "युवाओं की भूमिका को नए क्षितिज तक पहुंचाने" पर एक उपयोगी चर्चा की।

कार्यक्रम में प्रमुख व्याख्यान देते शोभित विश्वविद्यालय के कुलपति कुंवर विजेन्द्र शेखर।

दूसरे दिन शांति सेना के 30 पूर्व स्वयंसेवकों, नेताओं, प्रशिक्षकों और कुछ अन्य स्वयंसेवकों को 'सर्वश्रेष्ठ शांति सैनिकों' की उपाधि से सम्मानित किया गया। पूर्व स्वयंसेवकों ने शांति सेना के कार्यों और संघर्ष की पहचान, विश्लेषण, प्रबंधन में अपने अनुभव साझा किए, जिसमें शुरुआती चेतावनी संकेतों की पहचान करना और निवारक शांति कार्रवाई पर विचार करना शामिल था।

सांसद श्री राजमोहन उन्नीथन, समापन समारोह के मुख्य अतिथि थे। श्री राजमोहन उन्नीथन ने अपने सम्बोधन में इस बात पर प्रसन्नता व्यक्त की कि इस ऐतिहासिक पहल के लिए उनके निर्वाचन क्षेत्र का चयन किया गया था। कई युवा प्रतिनिधियों और कुछ संसाधन व्यक्तियों ने दो दिवसीय सम्मलेन में विभिन्न कार्यों पर अपने दृष्टिकोण साझा किए। प्रतिनिधियों ने अपने सम्बन्धित क्षेत्रों और संस्थानों के बारे में जानकारी दी।

- **कोयम्बटूर**

युवाओं ने शांति–निर्माण के गांधीवादी मिशन के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया

शांति आश्रम एवं गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति के संयुक्त तत्वावधान में 29 अगस्त को जीआरडी ऑडिटोरियम, पीएसजी कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड साइंस, कोयम्बटूर में 'कोयम्बटूर शांति उत्सव 2019' का आयोजन किया। इस अवसर पर 47 संस्थाओं के कुल 1,432 युवाओं ने शांति के लिए प्रार्थना में भाग लिया। श्री मर्बिन मथान मुथैया, सम्पादक, नामधु नांबिकई, कोयम्बटूर, श्री एल. गोपालकृष्णन, प्रबंध ट्रस्टी, पीएसजी ट्रस्ट, कोयम्बटूर, डॉ. डी. ब्रिधा, प्रिंसिपल,

(ऊपर) गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति द्वारा शांति आश्रम के सौजन्य से आयोजित कोयम्बटूर पीस फैस्टिवल 2019 की कुछ झलकियां।

कोयम्बटूर पीस फैस्टिवल 2019 में उपस्थित लोगों को सम्बोधित करते हुए शांति आश्रम के अध्यक्ष डॉ. केजविनो आरम।

पीएसजी कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड साइंस, कोयम्बटूर, श्रीमती उमा महेश्वरी युवराज, संयुक्त प्रबंध निदेशक, अनन्या शेल्टर प्रा. लि., कोयम्बटूर और डॉ. केजि्वनो अरैम, अध्यक्ष, शांति आश्रम इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि थे।

कोयम्बटूर शांति महोत्सव 2019 की मुख्य विशेषताएं

इस मौके पर शांति के लिए प्रार्थना, कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण था, जिसमें 47 संस्थानों के 1432 युवा लोगों के साथ शहर ने एक सामूहिक प्रतिबद्धता और शांति निर्माण की जिम्मेदारी की शपथ ली। कई लोगों ने इस कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि इसने शांति और एकजुटता को बढ़ावा देने के साझा उद्देश्य की दिशा में युवाओं को एक मंच देने के रूप में काम किया है।

1. गरीबी के उन्मूलन और बाल अधिकारों के संरक्षण में युवाओं और बच्चों द्वारा अपनी जिम्मेदारी की समझ।

2. कोयम्बटूर के 5 युवा स्वयंसेवकों को उनके उत्कृष्ट और प्रतिबद्ध सामाजिक कार्यों की सराहना के रूप में सम्मानित किया गया। हर साल प्रतिभागियों को कोयम्बटूर में स्वयंसेवी गतिविधियों की भावना को समझने का मौका मिलता है।

बच्चों और युवाओं द्वारा प्रस्तुत सर्वधर्म प्रार्थना और 8 विषयगत सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ न केवल कार्यक्रम का लोकप्रिय खण्ड थीं, बल्कि शहर भर से कलात्मक प्रतिभाओं को प्रदर्शित करती थीं। 6 नृत्य प्रदर्शन और 2 माइम प्रस्तुति शांति और पारस्परिक दृष्टिकोण पर आधारित थीं।

यूथ फॉर प्रिवेंटिव हेल्थ पर राष्ट्रीय उत्सव आयोजित

महात्मा गांधी की 150वीं जयन्ती समारोह के भाग के रूप में निष्ठा संस्था द्वारा 20–21 सितम्बर, 2019 को गांधी दर्शन में अपने पहले राष्ट्रीय उत्सव "यूथ फॉर प्रिवेंटिव हेल्थ" का आयोजन किया। गाँधी स्मृति एवं दर्शन समिति के सहयोग से आयोजित इस कार्यक्रम में 200 लोगों ने भाग लिया। कार्यक्रम का उद्घाटन श्री लक्ष्मीदास, उपाध्यक्ष, हरिजन सेवक संघ, श्री बेगराज खटाना, पूर्व उपाध्यक्ष, राष्ट्रीय बाल एवं महिला विकास और सदस्य हिन्दी समिति द्वारा किया गया। डॉ. गोपालजी ने सत्र की अध्यक्षता की।

श्री लक्ष्मीदास ने युवाओं के स्वास्थ्य, भारत के भविष्य पर इसका प्रभाव और इसकी प्रगति पर प्रकाश डाला। वक्ताओं ने "प्राकृतिक

गांधी दर्शन में आयोजित 'प्रिवेंटिव हैल्थ फोर यूथ' नेशनल फेस्टिवल का दीप प्रज्ज्वलन कर उद्घाटन करते विशिष्ट अतिथिगण।

राजघाट स्थित गांधी दर्शन में आयोजित प्रिवेंटिव हैल्थ फोर यूथ कार्यक्रम के कुछ दृश्य।

चिकित्सा की गांधीवादी अवधारणा" विषय पर चर्चा की। कार्यक्रम के अन्य प्रख्यात वक्ता थे डॉ. सुधीर सिंह, सहायक प्रोफेसर, दयाल सिंह कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, जिन्होंने "गांधी और युवा" पर अपने विचार रखे। डॉ. मोनिका हीरा, एचओडी, विवेकानन्द केन्द्र ने "ईटिंग राइट–द गांधीयन वे" पर बात की।

दोपहर में, प्रतिभागियों के लिए स्वदेशी खेल का आयोजन किया गया, जिसमें खेलों के साथ योग का जुड़ाव स्थापित किया गया। इस अवसर पर रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया।

21 सितम्बर को सेवा फाउण्डेशन की ओर से श्री नवल किशोर द्वारा प्राकृतिक चिकित्सा पर एक संवादात्मक सत्र आयोजित किया गया था। डॉ. पवन कुमार चौहान, वरिष्ठ कार्यकारी अधिकारी एनआईओएस, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार ने संवादात्मक सत्र में भाग लिया।

नेतृत्व साधना शिविर का आयोजन

रामभाऊ म्हाल्गी प्रबोधिनी (आरएमपी) के सहयोग से समिति ने गांधी दर्शन में "नेतृत्व साधना शिविर" के 9वें संस्करण का आयोजन 16–20 अक्तूबर, 2019 को गांधी दर्शन में आयोजित किया। कानून, चार्टर्ड अकाउंटेंसी, इंजीनियरिंग, प्रबंधन, सामाजिक कार्य, चिकित्सा, शिक्षाविदों और व्यवसाय जैसे विविध पृष्ठभूमि से आये 15 राज्यों के 39 प्रतिनिधियों ने इस आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया। कार्यक्रम का उद्घाटन 16 अक्तूबर को श्री श्याम जाजू, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, भाजपा, आरएमपी के महानिदेशक श्री रवीन्द्र साठे और गाँधी स्मृति एवं दर्शन समिति के निदेशक श्री दीपंकर श्री ज्ञान की उपस्थिति में किया गया।

गांधी दर्शन में आयोजित नेतृत्व साधना शिविर में युवा प्रतिभागियों से चर्चा करते समिति निदेशक श्री दीपंकर श्री ज्ञान।

गांधी दर्शन में आयोजित नेतृत्व साधना शिविर में अपने विचार रखते हुए भारतीय सांस्कृतिक सम्बन्ध परिषद् के अध्यक्ष डॉ. विनय सहस्रबुद्धे।

नेतृत्व साधना शिविर में एक सत्र के दौरान युवा प्रतिभागी से बातचीत करते हुए श्री सुधांशु त्रिवेदी।

राजघाट स्थित गांधी दर्शन में आयोजित नेतृत्व साधना शिविर का एक दृश्य।

नेतृत्व साधना शिविर में आयोजित युवा संसद के दौरान अपने विचार व्यक्त करते हुए श्री विवेक राठौड़।

कार्यक्रम में मॉडल संसद सहित 30 सत्र आयोजित किये गये। प्रतिभागियों ने गांधी दर्शन, राजघाट, नई दिल्ली में फोटो गैलरी का दौरा किया। श्रीमती मधुमिता खान द्वारा निर्देशित "आओ पंचायत–पंचायत खेलें" नामक नाटक का मंथन कार्यक्रम का प्रमुख आकर्षण था। 19 अक्तूबर को मॉडल संसद सत्र को श्रीमती शिखा रॉय की उपस्थिति में आयोजित किया गया था। सत्र का संचालन श्री अंबर स्वामी ने किया।

पांच दिवसीय कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों को डॉ. विनय सहस्रबुद्धे, श्री श्याम जाजू, श्री बाबुल सुप्रियो, श्रीमती मीनाक्षी लेखी और डॉ. सुधांशु त्रिवेदी जैसे प्रमुख नेताओं के साथ बातचीत करने का अवसर मिला।

समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में दिल्ली विश्वविद्यालय के एसोसिएट प्रोफेसर, डॉ. संजीव सिंह उपस्थित थे। इस अवसर पर डॉ. सुमित मसीन, निदेशक– पीपीआरसी, श्री रवि पोखरना, आरएमपी–कार्यकारी प्रमुख (प्रशासन और परियोजनाएं) और गाँधी स्मृति एवं दर्शन समिति के पूर्व सलाहकार श्री बसंत भी उपस्थित थे।

सरदार वल्लभभाई पटेल की 144वीं जयन्ती पर "रन फॉर यूनिटी" का आयोजन

सरदार वल्लभभाई पटेल की 144वीं जयन्ती के उपलक्ष्य में 31 अक्तूबर, 2019 को गांधी दर्शन में आयोजित "रन फॉर यूनिटी" आठ किलोमीटर दौड़ में लगभग 225 प्रतिभागियों ने भाग लिया। एशियाई मैराथन चैम्पियन डॉ. श्रीमती सुनीता गोदारा के नेतृत्व में इसका आयोजन किया गया।

(ऊपर) गांधी दर्शन में जुम्बा सत्र में भाग लेते धावक।
(नीचे) राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर संकल्प लेते धावक।

कार्यक्रम में समिति के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. वेदाभ्यास कुण्डू सहित अन्य कर्मचारियों ने भाग लिया। कार्यक्रम में डॉक्टरों, पेशेवरों, अधिवक्ताओं, व्यापारियों और कई राष्ट्रीय स्तर के एथलीटों ने भाग लिया। इस अवसर पर प्रतिभागियों को एक "अखण्डता" और "राष्ट्रीय एकता" की प्रतिज्ञा भी दिलाई गई। कार्यक्रम में जुम्बा फिटनेस टीम के प्रतिभागी भी शामिल थे।

प्रतिभागियों को सम्मानित करते हुए एशियन मैराथन चैम्पियन श्रीमती सुनिता गोदारा।

राजस्थान

महात्मा गांधी और पारम्परिक खेती पर चर्चा

समिति द्वारा 'महात्मा गांधी और पारम्परिक कृषि' पर एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन 8 नवम्बर, 2019 को राजस्थान के जिला सीकर के गांव जोर की ढ़ाणी में किया गया था। संगोष्ठी में किसान से सम्बन्धित महात्मा गांधी के विचारों और आज के समय में उनके विचारों की प्रासंगिकता पर चर्चा की गई।

संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र में पारम्परिक खेती पर चर्चा की गई।

राजस्थान में पारम्परिक कृषि पर जारी चर्चा का दृश्य।

समिति के श्री यतेन्द्र सिंह ने कहा कि महात्मा गांधी ने किसानों को उनकी प्रत्येक गतिविधियों और योजनाओं के केन्द्र में रखा। देश का किसान खुशहाल होगा, तभी देश प्रगति करेगा। उन्होंने कहा कि पारम्परिक कृषि का बहुत महत्व है। आज, किसान कृषि के क्षेत्र में पारम्परिक तरीकों को अपनाकर अपनी आय बढ़ा सकते हैं।

स्थानीय समाजसेवी और संगोष्ठी के निदेशक श्री कानसिंह निर्वाण ने अपने सम्बोधन में प्रतिभागियों को गांधी के रचनात्मक कार्यों के महत्त्व से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि गांधी की कृषि नीतियां आज भी प्रासंगिक हैं। आज इन नीतियों को लागू करने की आवश्यकता है। कार्यक्रम में 145 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

इससे पहले 6 अक्तूबर को गांव जोर की ढ़ाणी में एक संगोष्ठी का भी आयोजन किया गया था। जिसमें समिति के निदेशक श्री दीपंकर श्री ज्ञान ने महात्मा गांधी के ग्राम स्वराज के दृष्टिकोण पर ध्यान केन्द्रित किया। कार्यक्रम का संचालन समिति के यतेन्द्र सिंह ने किया।

नॉन किलिंग के विचार के प्रति लोगों को जागरूक करना: प्रो. एन. राधाकृष्णन

समिति द्वारा 18 दिसम्बर, 2019 को गांधी दर्शन में "नॉन किलिंग इंडिया एंड बन करोड़ नॉन वॉयलेंट फैमिली" पर एक संवाद आयोजित किया। इसकी अध्यक्षता प्रो. एन. राधाकृष्णन, सदस्य गांधी: 150 समिति, भारत सरकार ने की। चर्चा में अन्य प्रतिभागियों में डॉ. अनूप स्वरूप, श्री गोविंदनाथन नायर, डॉ. वाई. पी. आनंद, गुरुदत्त, प्रो. संजीव, प्रो. रमेश कुमार, श्री यतीश मिश्रा, डॉ. वेदाभ्यास कुण्डू, छात्र और युवा शामिल थे।

चर्चा को आगे बढ़ाते हुए प्रो. राधाकृष्णन ने कहा, "हमें गांधीजी की 150वीं जयन्ती पर उपहारस्वरूप गांधीजी के शान्ति के विचारों को

संवाद कार्यक्रम में डॉ. एन. राधाकृष्णन के साथ श्री गोविन्दनाथन नायर।

गांधी दर्शन में आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित जन को सम्बोधित करते हुए श्री अनूप सरूप। साथ में हैं डॉ. वाई. पी. आनंद।

युवाओं तक पंहुचाना चाहिए। गांधीजी शांति के काम में लगे युवाओं को 'शांति सैनिक' कहा करते थे। यह कहते हुए कि "हिंसा तेजी से और अहिंसा यात्रा एक कछुए की गति से यात्रा करती है", प्रो राधाकृष्णन ने इस अवधारणा को परिवारों तक ले जाने के लिए कहा, जहां हमारे विचार व्यक्तिगत स्वीकृति पर आधारित होने चाहिए, और इस तरह हम एक ही परिवार तक पहुंच सकते हैं।"

डॉ. वाई. पी. आनंद ने महात्मा गांधी की अहिंसा को परिभाषित करते हुए कहा कि समाज में अप्रत्यक्ष या संरचनात्मक हिंसा को संदर्भित किया जाता है, जिसे सम्भालना चाहिए। एक बच्चे के मूल अधिकार के बारे में लोगों को जागरूक करना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि सभी को 'नॉन किलिंग' की स्पष्ट परिभाषा रखने की आवश्यकता है और इसमें भी संरचनात्मक हत्या या संरचनात्मक असमानताओं को सम्भालना चाहिए, उन्होंने जोर देकर कहा कि शिक्षा, स्वास्थ्य और स्वच्छता के संदर्भ में नीचे की पंक्तियों को इस पहल को आगे बढ़ाने के लिए स्पष्ट रूप से तैयार किया जाना चाहिए"।

डॉ. अनूप स्वरूप सहित अन्य वक्ताओं ने गांधीजी के संवाद और असमानताओं को कम करने सम्बन्धी विचार और सामंजस्य की अवधारणा पर जोर दिया। डॉ. गुरुदत्त ने इस कदम को आगे बढ़ाने के लिए 'बिरादरी' या 'भाईचारे' की अवधारणा पर बात की। प्रो. रमेश कुमार ने सुझाव दिया कि इस पहल को यूजीसी के साथ समन्वित किया जाना चाहिए।

प्रो. संजीव ने सुझाव दिया कि मनोवैज्ञानिक हिंसा के पूरे मामले को निपटाने और स्कूलों में नैतिक शिक्षा शुरू करने की तत्काल आवश्यकता है, जिसे सुश्री मानसी ने दोहराया। डॉ. वेदाभ्यास ने मणिपुर में गाँधी स्मृति एवं दर्शन समिति की पहल की जानकारी दी और बताया कि राज्य सरकारें विभिन्न स्कूलों में अहिंसक संचार पर सत्र लेने के लिए इच्छुक हैं।

डॉ. आनंद ने सुझाव दिया कि जैसा कि भारत संस्कृतियों को आत्मसात करने वाला देश है, इसमें गांधीवादी नैतिकता, नैतिक शिक्षा का आधार बन सकती है।

तीन दिवसीय युवा नेतृत्व विकास कार्यक्रम का आयोजन

गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति और नेहरू युवा केन्द्र संगठन मध्य दिल्ली के सहयोग से 19–21 दिसम्बर, 2019 से गांधी दर्शन में तीन दिवसीय "युवा नेतृत्व विकास कार्यक्रम" का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में 55 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया, उद्घाटन कार्यक्रम में अतिथियों में श्री नन्द कुमार सिंह राज्य निदेशक, नेहरू युवा केन्द्र संगठन दिल्ली मुख्य अतिथि थे। इसके अतिरिक्त श्री सुरेन्द्र कुमार बब्बर सहायक निदेशक, श्री राजदीप पाठक कार्यक्रम कार्यकारी, गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति, मेजर सतीश शर्मा एनसीसी और श्री राजेश कुमार जादोन जिला युवा समन्वयक उपस्थित थे। श्री जगदीश प्रसाद ने कार्यक्रम का समन्वय किया।

गांधी दर्शन में आयोजित यूथ लीडरशिप डवलपमैंट प्रशिक्षण कार्यक्रम के विभिन्न दृश्य।

इस अवसर पर बोलते हुए, श्री नन्द कुमार सिंह ने कहा कि नेहरू युवा केन्द्र का उद्देश्य युवाओं में नेतृत्व क्षमता विकसित करना है ताकि युवा अपने समुदाय और राष्ट्र निर्माण में भागीदार बन सकें और अपनी ऊर्जा देश की प्रगति में लगा सकें।

इस अवसर पर युवा कैरियर काउंसलिंग, सामुदायिक विकास में प्रशिक्षण', 'संचार में मूल्य शिक्षा और युवाओं की भूमिका' आदि पर अलग–अलग सत्र आयोजित किए गए। प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रमाणपत्र वितरण के साथ सम्पन्न हुआ।

- **कोलकाता**

'युवा अहिंसक सामाजिक नेतृत्व' पर दो दिवसीय कार्यशाला

सॉल्ट लेक इंस्टीच्यूट ऑफ पर्सनेलिटी डेवलपमेंट एंड वैल्यू एजुकेशन, कोलकाता के सहयोग से समिति ने 22–23 फरवरी, 2020 को 'अहिंसक सामाजिक नेतृत्व' पर युवाओं के लिए दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया। इस कार्यशाला का आयोजन रामकृष्ण मिशन संस्कृति संस्थान, कोलकाता में किया गया था। कार्यशाला में पश्चिम बंगाल के विभिन्न जिलों के लगभग 300 युवाओं ने हिस्सा लिया। इस अवसर पर प्रतिभागी युवाओं ने समाज के अंतिम व्यक्ति के लिए अहिंसक रणनीतियों का उपयोग करके काम करने का संकल्प लिया।

(ऊपर और नीचे) कोलकाता में आयोजित दो दिवसीय यूथ लीडरशिप डवलपमैंट प्रशिक्षण कार्यक्रम में उपस्थित करीब 300 लोगों के समूह को सम्बोधित करते हुए प्रो. विप्लब लाहा चौधरी। मंचासीन हैं डॉ. पार्थ चटर्जी व अन्य।

कार्यशाला में वक्ताओं ने महात्मा गांधी के विचारों के विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डाला। उनके अहिंसक नेतृत्व, सत्य पर उनका दृढ़ विश्वास, ईश्वर और मानव प्रकृति के ब्रह्मांडीय दृष्टिकोण पर उनके विचार की उपयोगिता पर चर्चा की गई। इस बात पर चर्चा हुई कि गांधीवादी रणनीतियों का उपयोग करते हुए युवा कैसे उस लक्ष्य तक पहुंच सकते हैं, जहां आज तक वे नहीं पहुंचे।

महिलाओं के लिए कार्यक्रम

"लिंग संवेदीकरण और मासिक धर्म स्वास्थ्य" पर कार्यशाला

इंस्टीच्यूट ऑफ सोशल स्टडीज ट्रस्ट के सहयोग से समिति ने 26 जुलाई, 2019 को कल्याणपुरी पुलिस स्टेशन में "लिंग संवेदीकरण और मासिक धर्म स्वास्थ्य" पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया।

कार्यशाला का उद्देश्य "लिंग संवेदीकरण" और मासिक धर्म स्वास्थ्य व स्वच्छता के बारे में लोगों की सोच में बदलाव के लिए प्रोत्साहित करने के लिए लोगों का ध्यान आकर्षित करना था। कार्यशाला में किशोरियों, घरेलू कामगारों, गृहिणियों और स्थानीय समुदाय के अन्य लोगों ने हिस्सा लिया। सत्र की शुरुआत श्रीमती आशा रानी और श्रीमती शोभा खुल्बे ने गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति के बारे में जानकारी देकर की।

वरिष्ठ संसाधन व्यक्ति सुश्री अमिता जोशी ने लैंगिक संवेदीकरण पर प्रतिभागियों से बात की। उन्होंने कहा कि लैंगिक संवेदीकरण, किशोरियों और महिलाओं को उनके व्यक्तिगत दृष्टिकोण और मान्यताओं की जांच करने में मदद करता है और उन्हें उन मुद्दों पर जागरूक करता है, जिनके बारे में उनको वास्तविकता पता नहीं होती। परिवर्तन जमीनी सत्र से आरम्भ होता है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में कई परिवारों में लड़कों को पढ़ाई के लिए प्रोत्साहित किया जाता है और कैरियर बनाने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। लेकिन लड़कियों को घर के कार्य सीखने के लिए प्रेरित किया जाता है। उन्होंने इसी विषय पर एक फिल्म क्लिप भी दिखाई।

कार्यशाला में गतिविधियों में भाग लेने वाली लड़कियों द्वारा लैंगिक समानता पर काम किया गया जहाँ उन्होंने दिखाया कि लड़कियाँ भी लड़कों के समान और महत्त्वपूर्ण हैं।

कार्यक्रम का दूसरा सत्र "गुड टच एंड बैड टच" और स्वास्थ्य और मासिक धर्म स्वच्छता पर डॉ. मंजू अग्रवाल के व्याख्यान के साथ शुरू हुआ। उन्होंने प्रस्तुति के माध्यम से समझाया कि लड़कियां कैसे महसूस कर सकती हैं कि क्या 'गुड टच' और 'बैड टच' है। उन्होंने अच्छे स्पर्श और बुरे स्पर्श के बीच अन्तर के बारे में युवा लड़कियों को बताया। उन्होंने कहा कि अच्छा स्पर्श सुखद लगता है, असहज नहीं। यह देखभाल, प्यार और मदद करने के लिए एक तरीका है, जैसे आपके माता–पिता आपका सोते समय माथा चूमते हैं, या आपके दादा–दादी अपने हाथ में आपका हाथ लेते हैं या आप खेलते समय अपने मित्र का हाथ पकड़ते हैं तो इसे एक बुरे स्पर्श के रूप में नहीं माना जाता है। जबकि, बुरा स्पर्श वह है जो आपको असहज बनाता है

कल्याणपुरी में आयोजित कार्यशाला में हैंड वाशिंग प्रदर्शन सत्र का संचालन करतीं डॉ. मंजू अग्रवाल।

समिति की सुश्री कनक कौशिक, श्रीमती आशा और श्रीमती शोभा खुल्बे द्वारा संचालित गतिविधियों में भाग लेते प्रतिभागी।

समूह गतिविधियों के माध्यम से बालिकाओं के विभिन्न मुद्दों को उठाते प्रतिभागी। इस कार्यशाला के माध्यम से पेयजल की कमी, छेड़छाड़ आदि सामाजिक मुद्दों को भी उठाया गया।

और आप अप्रिय महसूस करते हैं। अगर कोई आपकी मर्जी के बिना आपके निजी अंगों को छूता है या कोई आपको छूता है और आपसे कहता है कि किसी को मत बताना या अगर कोई आपको इस तरह से छूता है जो आपको पसन्द नहीं है, तो उन्हें ना कहें। "यह आपका शरीर है और कोई भी इसे इस तरह से नहीं छू सकता है जो आपको पसंद नहीं है"। डॉ. अग्रवाल ने कहा।

इसके अलावा उन्होंने विभिन्न चरणों के माध्यम से यह भी सिखाया कि हाथों को कैसे ठीक से धोना है और साथ ही यह भी प्रदर्शित किया है कि कैसे किशोर लड़कियों और महिलाओं को मासिक धर्म के

दौरान अपने शरीर की स्वच्छता को बनाए रखना चाहिए। कई लड़कियों और महिलाओं को अपने पीरियड्स को सुरक्षित रूप से मेनेज करने में चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। उन्होंने मासिक धर्म के दौरान व्यक्तिगत स्वच्छता के बारे में बताया। उन्होंने किशोरियों और महिलाओं को सैनिटरी नैपकिन का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया।

समूह और समूह अभ्यास का विभाजन श्रीमती आशा और श्रीमती शोभा द्वारा किया गया था। 65 प्रतिभागियों को 5 समूहों (प्रत्येक समूह में 13 व्यक्ति) में विभाजित किया गया था। प्रत्येक समूह को अलग–अलग विषय दिए जो प्रतिभागियों द्वारा उठाए गए जैसे कि: "व्यक्तिगत समस्या" "लैंगिक समानता" "स्वास्थ्य और सफाई" "मासिक धर्म स्वच्छता" और "स्वास्थ्य"।

पांच समूहों ने इन विषयों पर परिचर्चात्मक सत्र के दौरान प्रस्तुति दी। कई प्रतिभागियों ने अपनी समस्याओं को चित्रण के माध्यम से या स्लोगन लिखकर दर्शाया। बातचीत के दौरान प्रतिभागियों ने सुरक्षा/छेड–छाड़ लड़कों और लड़कियों के बीच पक्षपात/भेदभाव के विभिन्न मुद्दों को उठाया। उन्होंने कहा कि उनके माता–पिता उन्हें लड़कों से बात करने या यहां तक कि उनके साथ खेलने से रोकते हैं। कुछ प्रतिभागियों ने महसूस किया कि चूंकि उन्हें अपने अध्ययन के लिए बाहर जाना है, इसलिए उनके माता–पिता ने उन्हें व्यवहार में थोड़ा अधिक लचीलापन दिखाने की अनुमति दी।

कस्तूरबा गांधी पर फिल्म की स्क्रीनिंग का आयोजन

कस्तूरबा गांधी पर "गांधी की प्रेरणा कस्तूरबा" नामक एक फिल्म की स्क्रीनिंग 27 अगस्त, 2019 को गांधी स्मृति में आयोजित की गई। श्री मनीष ठाकुर द्वारा निर्देशित फिल्म स्वतंत्रता के संघर्ष के दौरान कस्तूरबा गांधी द्वारा दक्षिण अफ्रीका या भारत में निभाई गई भूमिका का वर्णन करती है। इस फिल्म में 'बा' का चित्रण एक मजबूत इरादों वाली महिला के रूप में किया गया है। समिति निदेशक श्री दीपंकर श्री ज्ञान, माननीय संस्कृति मंत्री के एपीएस श्री आलोक नायक, MyGov के श्री गौरव और समिति के अनेक कर्मचारी स्क्रीनिंग में उपस्थित थे।

इसी फिल्म की एक और स्क्रीनिंग गांधी दर्शन में आयोजित की गई, जिसमें समिति के कार्यकारिणी सदस्य श्री लक्ष्मीदास, श्री शंकर कुमार सान्याल, भारत सरकार की गांधी 150 समिति के सदस्य श्री कृष्णजी कुलकर्णी ने भाग लिया।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में महिला अधिकारों से सम्बन्धित मुद्दों पर बात करती एक प्रतिभागी।

सामुदायिक विकास पर महिलों ने आवाज बुलंद की

प्रशिक्षण कार्यक्रम में उपस्थित प्रतिभागियों को स्व सशक्तिकरण हेतु सामुदायिक सेवा के लिए प्रेरित करते प्रशिक्षक।

"सेवा" के विभिन्न क्षेत्रों की लगभग 30 महिलाओं, जिनमें मुस्तफाबाद, सुंदरनगर, हरकेशनगर, राजीवनगर, रघुबीरनगर, न्यू अशोकनगर, उत्तमनगर, जहाँगीरपुरी शामिल हैं, ने पंजाब और बिहार के प्रतिनिधियों के साथ प्रशिक्षकों के प्रशिक्षण "अगिवन विकास पहल कार्यक्रम" में भाग लिया हैं। यह कार्यक्रम गांधी दर्शन में 4–5 दिसम्बर, 2019 को हुआ।

इस अवसर पर औपचारिक और अनौपचारिक क्षेत्र के बीच अन्तर के बारे में विचार करने के लिए कि क्या अगिवन औपचारिक और अनौपचारिक क्षेत्र के बारे में समझते हैं और वे कौन से लाभ हैं जो अनौपचारिक क्षेत्र अपनी प्रकृति के कारण नहीं प्राप्त कर सकते हैं, पर चर्चा की गयी। समूह प्रस्तुतियों ने कार्यक्रम में उपस्थित लोगों का मन मोह लिया।

- **रायपुर, छत्तीसगढ़**

पंचायती राज व्यवस्था में महिलाओं की क्षमता बढ़ाने पर कार्यशाला

रायपुर, छत्तीसगढ़ में "पंचायती राज व्यवस्था में महिलाओं की क्षमताओं को बढ़ाने" पर 20 जनवरी, 2020 को एक दिवसीय कार्यशाला का

(ऊपर) कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री संजय श्रीवास्तव एक महिला सरपंच को सम्मानित करते हुए।

(बांए) कार्यक्रम में उपस्थित रायपुर जिले की 5 ग्राम पंचायतों के सदस्यगण।

आयोजन, नवीन अंकुर महिला मंडल द्वारा गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति के सहयोग से किया गया। इसमें रायपुर अंचल की पांच ग्राम पंचायतों की लगभग 335 महिलाओं ने भाग लिया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि श्री संजय श्रीवास्तव थे। अन्य अतिथियों में शामिल थे: सविता परते, मंदिर हसूद से सरपंच धमत गायकवाड़, एडवोकेट श्रीमती तुली माजो मदार और सीओ नगर निगम रायपुर, सुश्री उषा राय। नवीन अंकुर महिला मंडल की श्रीमती मीना गौतम भी इस अवसर पर उपस्थित थीं।

इन प्रमुख कारकों पर केंद्रित रही चर्चा:

1. लड़कियों के लिए शिक्षा
2. महिलाओं के एजेंडे के प्रभावी कामकाज और प्रबन्धन के लिए निर्वाचित महिला प्रतिनिधियों (EWR) की क्षमताओं का निर्माण करना।
3. EWR की क्षमता निर्माण को बेहतर ढंग से समझने और उनके कार्यों को करने के लिए तंत्र को संस्थागत बनाना।
4. समुदाय को संगठित करना और निर्वाचन क्षेत्र की प्रक्रियाओं को मजबूत करना ताकि महिलाएं अपनी आवाज को स्पष्ट कर सकें और चुनावी प्रक्रिया में भाग ले सकें।
5. ग्राम सभा की बैठकों में भाग लेने के लिए लोगों को जुटाना।
6. महिलाओं के सामूहिक और निर्माण नेटवर्क को मजबूत करना।

वक्ताओं ने महसूस किया कि EWR के अनुभव को साझा करने के लिए उन्हें सक्रिय रूप से प्रोत्साहित किया जाना चाहिए, साथ ही सफलता की कहानियों के लिए व्यापक प्रचार और महिलाओं के समूहों के लिए अधिक से अधिक बढ़ावा देने की आवश्यकता पर बल दिया गया। प्रलेखन और रिकॉर्ड कीपिंग अतिरिक्त क्षेत्र हैं जिन पर ध्यान देने की आवश्यकता है। एक और प्रमुख घटक जिसे मजबूत करने की आवश्यकता है, वह हस्तक्षेप है जो विशेष रूप से हाशिए के वर्गों से जुड़ी महिलाओं पर लक्षित किया जाना है।

प्रतिभागियों के साथ परिचर्चात्मक सत्र भी आयोजित किए गए थे। स्थानीय कलाकारों द्वारा पेश सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने कार्यक्रम में रंग भर दिया। इससे पहले प्राथमिक विद्यालय के बच्चों ने मंगलाचरण का नेतृत्व किया। विभिन्न ग्राम पंचायत की 50 महिलाएँ जिन्होंने अपने क्षेत्र में सराहनीय कार्य किया है और स्वयं को सशक्त बनाया है उन्हें अतिथियों द्वारा स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।

कस्तूरबा गांधी के 76वें निर्वाण दिवस पर कार्यक्रम

कस्तूरबा गांधी के 76वें निर्वाण दिवस पर गांधी दर्शन में आयोजित गांधी कथा का श्रवण करते हुए विशिष्ट अतिथिगण।

'बा', कस्तूरबा गांधी का 76वां निर्वाण दिवस (पुण्यतिथि) 22 फरवरी, 2020 को कथा व्यास डॉ. शोभना राधाकृष्ण द्वारा प्रस्तुत 'कस्तूरबा कथा' के माध्यम से गांधी दर्शन में मनाया गया। इसमें तीन दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन "रिपोर्ट टू गांधी" में भाग लेने वाले प्रतिभागियों के अलावा गांधीवादी बिरादरी के कई अन्य लोगों ने भाग लिया। संस्कृति मंत्रालय के संयुक्त सचिव और समिति के सदस्य सचिव, श्री एस. सी. बर्मा इस अवसर पर सम्माननीय अतिथि थे। श्री बसंत, श्री कलानंद मणि, श्री आदित्य पटनायक, श्री दीपंकर श्री ज्ञान और अन्य लोगों ने भी कार्यक्रम में भाग लिया।

डॉ. शोभना राधाकृष्ण द्वारा 'कस्तूरबा कथा' में कस्तूर के जीवन के विभिन्न चरणों के आख्यानों का वर्णन किया। दक्षिण अफ्रीका के डरबन में अपने दो बेटों के साथ कस्तूरबा फीनिक्स आश्रम में बिताया

कस्तूरबा गांधी के 76वें निर्वाण दिवस पर गांधी दर्शन में आयोजित गांधी कथा का श्रवण करते हुए विशिष्ट अतिथिगण।

गया जीवन और पहला सत्याग्रह सेवाग्राम आश्रम जीवन, तीन राष्ट्रीय सत्याग्रह और अन्य छोटे सत्याग्रह में कस्तूरबा की भूमिका 22 फरवरी, 1944 को आगा खाँ पैलेस में बापू की गोद में उसका आखिरी दिन।

कथा व्यास ने यह भी बताया था कि कैसे कस्तूरबा ने मोहनदास को हर भूमिका में देखा था। एक बच्चा स्कूल से डरा हुआ, एक गंभीर किंतु बुझा हुआ छात्र, अपने पिता की अनुपस्थिति से आहत एक बेटा, अपने बेटे की असामयिक मृत्यु से विचलित एक पिता, एक अपरिपक्व पति, एक बेरोजगार अंग्रेजी बोलने वाला युवक, एक पारम्परिक परिवार की जरूरतों से जूझता युवक, जो दक्षिण अफ्रीका के अनुभव के बाद

कस्तूरबा गांधी को विशेष श्रद्धांजलि के तौर पर ओड़िशी नृत्य प्रस्तुत करती नृत्यांगना सुश्री रत्ना पद्मा आयुस्मिता।

अचानक एक बुद्धिमान और सक्षम व्यक्ति के रूप में विकसित हो गया था। डॉ. शोभना ने कहा, "कस्तूबा को लगता था कि उसके मोहनदास ने जीवन में अपना उद्देश्य पा लिया है"।

संस्कृति मंत्रालय के संयुक्त सचिव श्री एस. सी. ब्रम्मा, डॉ. शोभना राधाकृष्णा को चरखा भेंट कर सम्मानित करते हुए। उनके साथ हैं गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति के कार्यकारिणी सदस्य श्री लक्ष्मीदास।

कथा से पहले, रामचरितमानस और भजनों के अंश श्रीमती स्वाति भगत और श्री दीपक कालरा द्वारा गाए गए थे, जिन्होंने कस्तूरबा कथा धुन गाने में भी कथा व्यास का साथ दिया था। ऑडियोविजुअल प्रस्तुति डॉ. रवि चोपड़ा द्वारा की गई थी।

शाम को गुरु श्री मनोरंजन और श्रीमती मिनती पार्थ और सुश्री सोनाली महापात्रा की शिष्य सुश्री रत्ना पद्मा आयुस्मिता जंग्यसेनी द्वारा एक ओडिसी नृत्य की प्रस्तुती दी गयी। मिनती पार्थ और सुश्री सोनाली महापात्रा ने कृष्ण लीला (कृष्ण के जीवन का एक किस्सा और कथा) और नव दुर्गा (देवी दुर्गा की नौ अभिव्यक्तियाँ) के माध्यम से कस्तूरबा को अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की। पश्चिम बंगाल के श्री रीताब्रतो मलिक ने भी इस अवसर पर रवीन्द्र नृत्य किया।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस की पूर्व संध्या पर शांति प्रार्थना

गिल्ड ऑफ सर्विसेज, एवं गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति के संयुक्त तत्वावधान में 7 मार्च, 2020 को गांधी स्मृति में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस की पूर्व संध्या पर एक सर्व–धर्म शांति प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विभिन्न धार्मिक गुरुओं, गायकों और नागरिक समाज के सदस्यों ने भाग लिया। इस अवसर पर गिल्ड ऑफ सर्विसेज की अध्यक्षा डॉ. वी. मोहिनी गिरि उपस्थित थीं।

इस अवसर पर कबीर, तुलसीदास, गुरु नानक के गीत महात्मा गांधी के शहादत स्थल, गांधी स्मृति में प्रस्तुत किये गये। महात्मा गांधी के पसंदीदा गीत वैष्णव जनतो और रामधुन ने इस अवसर को और अधिक व्यापक बना दिया।

इससे पूर्व डॉ. मोहिनी गिरि ने नागरिक समाज के सदस्यों के साथ मिलकर दुनिया में शांति और अहिंसा की अपील की। विश्व में हिंसा के माहौल पर अपनी गहरी चिंता व्यक्त करते हुए कई संगठनों ने शांति और सौहार्द व शत्रुता को रोकने के लिए आह्वान किया। उन्होंने

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के मौके पर गांधी स्मृति में आयोजित शांति प्रार्थना का दृश्य।

कहा कि "शांति का कोई रास्ता नहीं है, लेकिन शांति स्वयं रास्ता है"। डॉ. मोहिनी गिरि ने अपने सम्बोधन में सभी प्राणियों में शांति और सद्भाव की कामना की।

तिहाड़ में

सेंट्रल जेल नम्बर 16, मंडोली जेल

लिंग संवेदीकरण और मासिक धर्म स्वास्थ्य पर कार्यशाला

समिति ने सेंट्रल जेल नम्बर 16, मंडोली जेल में 6 सितम्बर, 2019 को "लिंग संवेदीकरण और मासिक धर्म स्वास्थ्य" पर एक कार्यशाला का आयोजन किया। इस कार्यशाला का उद्देश्य महिला कैदियों को लिंग संवेदनशीलता और मासिक धर्म स्वास्थ्य और स्वच्छता व प्राकृतिक चिकित्सा के बारे में उनकी सोच में बदलाव लाना था। सत्र का प्रारम्भ श्रीमती आशा द्वारा प्रतिभागियों को गांधी स्मृति और दर्शन समिति के बारे में परिचय के साथ हुआ। समिति के संग्रहालय के बारे में जानकारी श्रीमती शोभा द्वारा दी गई थी।

डॉ मंजू अग्रवाल ने लिंग संवेदीकरण के बारे में बोलते हुए कहा कि लिंग संवेदीकरण किशोर लड़कियों और महिलाओं को उनके व्यक्तिगत व्यवहारों और मान्यताओं की जांच करने में मदद करता है। उन्होंने मासिक धर्म के दौरान व्यक्तिगत स्वच्छता के बारे में भी बताया। उन्होंने कैदियों को खुद को साफ–सुथरा रखने के लिए प्रोत्साहित किया व खुले में शौच के खतरों पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने आगे हस्तमुद्रा विज्ञान के माध्यम से हाथ की स्वच्छता पर डेमो दिया।

गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति द्वारा मंडोली जेल संख्या–16 में आयोजित कार्यशाला का एक दृश्य।

इस अवसर पर कैदियों द्वारा विभिन्न गतिविधियों का प्रदर्शन किया गया जैसे कि एक कैदी ने एक प्रेरक कविता का पाठ किया था और दूसरे कैदी ने एक प्रेरक गीत गाया।

समूह विभाजन और समूह अभ्यास का संचालन श्रीमती आशा और श्रीमती शोभा ने किया। कुल 64 प्रतिभागियों को पांच समूहों में विभाजित किया गया था। इन समूहों ने चित्र बनाए और चार्ट पेपर पर स्लोगन लिखे।

जेल अधीक्षक सुश्री नीता नेगी ने प्रतिभागी कैदियों से कार्यक्रम के बारे में प्रतिक्रिया ली। कार्यक्रम का समापन प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित करके किया गया।

गांधी की 150वीं जयन्ती के अवसर पर मंडोली जेल में वाल पेंटिंग

महात्मा गांधी की 150वीं जयन्ती पर श्रद्धांजलि अर्पित करने की पहल के तहत तिहाड़ जेल की केन्द्रीय जेल 12, मंडोली में चौबीस दीवारों को चित्रित किया गया। यह चित्रांकन जेल कैदियों द्वारा किया गया है, इसके अलावा स्वयंसेवी संगठन दिल्ली स्ट्रीट आर्ट के कलाकारों ने भी कुछ पेंटिंग बनाई हैं।

महात्मा गांधी के जीवन और यात्रा को समर्पित पेंटिंग "मोनिया से महात्मा" लोगों के आकर्षण का केन्द्र रही। चित्रों में महात्मा के जीवन और उनके जीवन की कुछ प्रमुख घटनाओं को दर्शाया गया है और गांधीजी द्वारा रेखांकित 'रचनात्मक कार्यक्रमों' पर भी ध्यान केन्द्रित किया गया है। डॉ. मंजू अग्रवाल, सुश्री प्रेरणा जिंदल और सुश्री कनक कौशिक ने इस कार्यक्रम का समन्वय किया।

हिंदी को बढ़ावा देने के लिए कार्यक्रम

महात्मा गांधी का भाषा चिन्तन

एनटीपीटीआई फरीदाबाद की राजभाषा क्रियान्वयन समिति ने अपने परिसर में "महात्मा गांधी का भाषा चिन्तन" पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया था। समिति के सहयोग से आयोजित इस संगोष्ठी में दिल्ली और आसपास के विभिन्न क्षेत्रों के विभिन्न सार्वजनिक उपक्रमों ने भाग लिया। सेमिनार में गांधीवादी साहित्य पर एक पुस्तक विक्रय केन्द्र भी स्थापित किया गया था, जिसे उत्साही प्रतिभागियों द्वारा काफी पसंद किया गया।

संगोष्ठी में वक्ताओं ने कहा कि महात्मा गांधी की सोच व्यवहारिक थी। स्वराज, समानता, समाज, सरल जीवन, घरेलू उद्योगों का विस्तार उनके आदर्श थे, जिन्हें स्वदेशी आन्दोलन के दौरान बढ़ावा मिला। उन्होंने आगे कहा कि गांधीजी ने भाषा, साहित्य, राजनीति, आर्थिक नीति और जीवन के कई सवालों पर अपनी स्वतंत्र राय व्यक्त की थी। उन्होंने कहा कि भारत की भाषा समस्या को देखते हुए, उन्होंने हिंदी को देश की राष्ट्रीय भाषा के रूप में वर्णित किया, जिसे वह हिंदुस्तानी भाषा के रूप में विकसित करना चाहते थे। हिन्दुस्तानी भाषा से महात्मा गांधी का अभिप्राय उस भाषा से था जिसने हिंदी और उर्दू के कई तत्वों को मिश्रित किया। उनके लिए यह विश्वास था कि जब हिन्दू, मुस्लिम और भारत के अधिकांश लोग मिश्रित भाषा बोलते हैं, जिसे उन्होंने हिन्दुस्तानी नाम दिया है, तो यह देवनागरी और अरबी दोनों लिपियों में लिखी जा सकती है।

राष्ट्रपिता और राष्ट्रभाषा पर संगोष्ठी

महात्मा गांधी की 150वीं जयन्ती के अवसर पर गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति व नागरी लिपि परिषद द्वारा एस कुला महिला कॉलेज, नंबूल विष्णुपुर, मणिपुर के सहयोग से द्वारा 28 सितम्बर, 2019 को "राष्ट्रपिता और राष्ट्रभाषा" पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया था। मणिपुर के राष्ट्रीय भाषा प्रचारक आचार्य श्री श्याम किशोर सिंह, ने इस संगोष्ठी का संचालन किया।

मुख्य वक्ता के रूप में, राष्ट्रकवि के सम्पादक श्री विनोद बब्बर, ऑल इंडिया रेडियो के पूर्व सह–निदेशक श्री अरुण पासवान और जौनपुर विश्वविद्यालय के श्री के यदुवंशी ने महात्मा गांधी के भाषा दर्शन पर अपने विचार व्यक्त किए।

हिंदी भाषा पर महात्मा गांधी के विचार और सिद्धांत पर संवाद

दिल्ली पब्लिक लाइब्रेरी, दिल्ली हिंदी साहित्य सम्मेलन एवं गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति के संयुक्त तत्वावधान में 18 अक्तूबर, 2019 को गांधी दर्शन में "हिंदी और गांधी" पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया गुजरात के पूर्व राज्यपाल ओ. पी. कोहली, जो

(ऊपर) श्री दीपंकर श्री ज्ञान विशिष्ट अतिथियों व वक्ताओं के समूह को सम्बोधित करते हुए।
(नीचे) उपस्थित जन को सम्बोधित करते दिल्ली पब्लिक लाइब्रेरी के अध्यक्ष श्री रामशरण गौड़।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे, ने कार्यक्रम का उद्घाटन समिति के निदेशक श्री दीपंकर श्री ज्ञान के साथ किया। कार्यक्रम का केन्द्रीय विषय था "राष्ट्रपिता महात्मा गांधी: हिंदी और उनकी भावना।" वरिष्ठ पत्रकार डॉ. बी. एल. गौर, श्री विनोद बब्बर, वरिष्ठ पत्रकार और प्रो. वेद प्रकाश इस अवसर पर उपस्थित थे। डॉ. रामशरण गौड़, अध्यक्ष, दिल्ली लाइब्रेरी बोर्ड और श्री महेश चन्द्र शर्मा, पूर्व मेयर, दिल्ली इस उद्घाटन कार्यक्रम में उपस्थित थे। इस अवसर पर उपस्थित कई हिंदी कवियों ने अपनी कविताओं का पाठ किया जिन्हें लोगों ने काफी सराहा।

हिंदी पखवाड़ा का पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित

समिति ने 27 नवम्बर, 2019 को राजघाट के गांधी दर्शन में हिंदी पखवाडा कार्यक्रम का पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित किया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित संस्कृति मंत्रालय के राजभाषा निदेशक श्री वेद प्रकाश गौड़, ने सितम्बर 2019 में समिति द्वारा आयोजित हिंदी पखवाड़ा के विजेताओं को पुरस्कार वितरित किए।

इस अवसर पर बोलते हुए, श्री वेद प्रकाश गौड़ ने प्रसन्नता व्यक्त की कि कार्यालय में दैनिक कामकाज में हिंदी भाषा के प्रचार और उपयोग की दिशा में गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति पहल कर रही है। उन्होंने कहा कि इस तरह के प्रयासों की जानकारी संस्कृति मंत्रालय को भेजी जानी चाहिए और साथ ही इसका व्यापक प्रचार भी किया जाना चाहिए ताकि लोग हिन्दी के बारे में जागरूक बनें। समिति निदेशक श्री दीपंकर श्री ज्ञान भी इस अवसर पर उपस्थित थे।

संस्कृति मंत्रालय के राजभाषा निदेशक डॉ. वेदप्रकाश गौड़ का गांधी दर्शन में अभिनन्दन करते समिति के प्रशासनिक अधिकारी श्री एस ए जमाल।

गांधी दर्शन में हिन्दी दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में अपने विचार व्यक्त करते हुए डॉ. वेदप्रकाश गौड़ और उन्हें ध्यानपूर्वक सुनते श्री दीपकंर श्री ज्ञान, श्री पंकज चौबे और श्री प्रवीण दत्त शर्मा।

(ऊपर) कार्यक्रम में अपने विचार रखती श्रीमती कल्पना और (नीचे) श्री राकेश शर्मा व श्री अशोक कुमार को पुरस्कृत करते डॉ. वेदप्रकाश गौड़ और श्री दीपंकर श्री ज्ञान।

इस अवसर पर पुरस्कार प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों ने कविताएँ भी सुनाईं। प्रतियोगिता की विभिन्न श्रेणियों में पुरस्कार प्रदान किए गए जो निम्नानुसार हैं:

1. निबंध लेखन : समूह क

राम सिंह चौहान – प्रथम पुरस्कार
विजय कुमार – द्वितीय पुरस्कार
धर्मराज कुमार – तृतीय पुरस्कार
शशिप्रभा, शकुंतला और रेणु – सांत्वना पुरस्कार

2. निबंध लेखन : समूह ख

राकेश शर्मा – प्रथम पुरस्कार
सुनील कुमार – द्वितीय पुरस्कार
मनीष – तृतीय पुरस्कार
रूबी तिवारी, रोहित कुमार, सुमन नारंग – सांत्वना पुरस्कार

3. कविता लेखन : समूह क

धर्मराज कुमार – प्रथम पुरस्कार
विजय कुमार – द्वितीय पुरस्कार
पीयूष – तृतीय पुरस्कार
ऋषिपाल, राम सिंह चौहान, शकुंतला – सांत्वना पुरस्कार

4. कविता लेखन : समूह ख

रोहित कुमार – प्रथम पुरस्कार
शकील खान – द्वितीय पुरस्कार
रूबी तिवारी – तृतीय पुरस्कार
राकेश शर्मा, स्मिता भान, मनीष – सांत्वना पुरस्कार

5. भाषण : समूह क

धर्मराज कुमार – प्रथम पुरस्कार
मुकेश कुमार – द्वितीय पुरस्कार
पीयूष हलधर – तृतीय पुरस्कार
ऋषिपाल, शकुंतला, दीपक तिवारी – सांत्वना पुरस्कार

6. भाषण : समूह ख

कल्पना चौहान – प्रथम पुरस्कार
अशोक कुमार सिंह – द्वितीय पुरस्कार
रोहित कुमार – तृतीय पुरस्कार
रचना, स्मिता भान, कृष्ण कुमार – सांत्वना पुरस्कार

संगोष्ठी/संवाद/परिचर्चा

सूचना समाज में पुस्तकालयों के बदलते कार्य पर संगोष्ठी

महात्मा गांधी की 150वीं जयन्ती के अवसर पर दिल्ली पब्लिक लाइब्रेरी (डीपीएल) द्वारा 18 मई, 2019 को राजघाट स्थित गांधी दर्शन में "सूचना समाज में पुस्तकालयों के बदलते कार्य" पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में 150 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया जिसमें डीपीएल के तहत विभिन्न संस्थानों/पुस्तकालयों के पुस्तकाल्याध्यक्ष शामिल थे। संगोष्ठी का अन्य उप–विषय "गांधी और शांतिः पुस्तकालयाध्यक्षों के लिए प्रासंगिकता" था।

उद्घाटन सत्र में डॉ. राम शरण गौड़, अध्यक्ष दिल्ली पब्लिक लाइब्रेरी, श्री राजेश कुमार सिंह, निदेशक पुस्तकालय, संस्कृति मंत्रालय, डॉ. एच. के. कौल, निदेशक डेलनेट, डॉ. नबी हसन, पुस्तकाल्याध्यक्ष आईआईटी दिल्ली, श्री प्रेमपाल शर्मा (सेवानिवृत्त आईएएस) पूर्व संयुक्त सचिव रेलवे बोर्ड और श्री दीपंकर श्री ज्ञान निदेशक गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति ने अपने विचार व्यक्त किये।

इस अवसर पर बोलते हुए, श्री दीपंकर श्री ज्ञान ने महात्मा गांधी पर अच्छी पुस्तकों की कमी पर चिंता व्यक्त की। "गांधी पर लेखक हैं, लेकिन अच्छे लेखकों की कमी है" उन्होंने पाठ्य पुस्तकों की ऑनलाइन उपलब्धता की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा, "महात्मा गांधी के बारे में प्रचुर मात्रा में जानकारी उपलब्ध है, लेकिन कई जानकारी तथ्यात्मक त्रुटियों के साथ गलत है।"

गांधी दर्शन में आयोजित कार्यक्रम में अपने विचार व्यक्त करते हुए श्री रामशरण गौड़ और उन्हें सुनते हुए मंचासीन अतिथि।

डॉ. एच. के. कौल ने अपने सम्बोधन में महात्मा गांधी के दर्शन पर एक ज्ञान केन्द्र विकसित करने का आह्वान किया और कहा कि यह केन्द्र महात्मा गांधी पर सभी प्रकार की जानकारी प्रदान करेगा और उन्हें एकत्र करेगा और उम्मीद जताई कि एक दिन यह एक पौधे से बड़े वृक्ष तक विकसित होगा। उन्होंने 19 राज्यों में पारित लाइब्रेरी अधिनियमों के बावजूद सार्वजनिक पुस्तकालयों की निराशाजनक स्थिति पर अपनी चिंता व्यक्त की। "पुस्तकालय उपयोगकर्ताओं की जरूरतों को नहीं जानते हैं और सूचना और उपयोगकर्ता की जरूरतों के बीच एक अंतर है, जिसे पाटने की आवश्यकता है"। उन्होंने कहा उन्होंने गुणवत्ता की सामग्री विकसित करने की आवश्यकता पर भी जोर दिया और कहा कि सार्वजनिक पुस्तकालय को पाठकों के सभी पहलुओं को पूरा करना चाहिए। शिल्प से साहित्य तक, संगीत और कला तक "लाइब्रेरियन को ज्ञान विशेषज्ञ बनना पड़ेगा।

श्री राजेश कुमार सिंह ने सभा को सम्बोधित करते हुए कहा कि किताबें अंतिम व्यक्ति या पाठक तक पहुंचनी चाहिए। गूगल अच्छा उत्पाद उत्पन्न नहीं कर सकता है, और इसलिए लाइब्रेरियन को अपनी भूमिका के बारे में पता होना चाहिए।

डॉ. नबी हसन ने पुस्तकालयों के कामकाज के बारे में विस्तार से बात की और पाठकों को बढ़ावा देने की दिशा में आईआईटी दिल्ली के प्रयासों के बारे में जानकारी साझा की। उन्होंने महात्मा गांधी के जागरूक पाठक के रूप के बारे में विस्तार से बात की और कहा कि गांधीजी के पास 110000 पुस्तकों का एक विशाल संग्रह था जो आज साबरमती आश्रम पुस्तकालय है। उन्होंने यह भी कहा कि महात्मा गांधी ने पुस्तकों और पुस्तकालयों में गहरी रुचि ली, दक्षिण अफ्रीका में डायमंड जुबली लाइब्रेरी का उद्घाटन महात्मा गांधी द्वारा किया गया था। डॉ. हसन ने यह भी बताया कि गांधीजी द्वारा गोपाल कृष्ण गोखले के नाम पर एक पुस्तकालय का भी उद्घाटन किया गया था। उन्होंने लाइब्रेरियन और पाठकों को बुरी पुस्तकों को त्यागने और अच्छे लेखकों द्वारा लिखी गई पुस्तकों को खरीदने

गांधी दर्शन राजघाट में आयोजित सम्मेलन में मौजूद विशिष्ट अतिथिगण।

का आह्वान किया। उन्होंने आशा व्यक्त की कि पुस्तकालय गांधी पर एक गेटवे विकसित कर सकते हैं और उसी का हाइपरलिंक बना सकते हैं।

श्री प्रेम पाल शर्मा ने इस बात पर जोर दिया कि कैसे किताबें परिवर्तन लाती हैं और व्यक्ति पर प्रभाव डालती हैं। उन्होंने बताया

कि यदि पुस्तकालय ज्ञान प्राप्त करने के लिए समाज में शांति की संस्कृति को बढ़ावा दे सकते हैं, तो पुस्तकालय से बेहतर कोई जगह नहीं हो सकती है। गरीब या विकासशील देश के लिए, एक पुस्तकालय विकास या ऊर्जा का एक स्रोत हो सकता है। उन्होंने प्रत्येक घर में एक पुस्तकालय खोलने के लिए भी कहा।

महात्मा गांधी की व्यवहारिक अहिंसा का जिक्र करते हुए डॉ. राम शरण गौड़ ने प्रतिभागियों को आचरण (सेवा का आत्म अभ्यास) करने को कहा।

"पुस्तकालय के लिए अहिंसक संचार" पर पहले सत्र की अध्यक्षता प्रख्यात साहित्यकार डॉ. विनोद बब्बर ने की। दूसरे सत्र "आज पुस्तकालयों में सूचना और संचार के ज्ञान का महत्व", की अध्यक्षता डीपीएल महानिदेशक डॉ. लोकेश शर्मा ने की। वरिष्ठ सूचना अधिकारी डॉ. बबीता गौड़ भी इस अवसर पर उपस्थित थी और उन्होंने अपना दृष्टिकोण साझा किया।

विश्व पर्यावरण दिवस पर संगोष्ठी का आयोजन

वरिष्ठ पत्रकार श्री अरविन्द मोहन प्रतिभागियों को सम्बोधित करते हुए। उनके साथ हैं समिति निदेशक श्री दीपंकर श्री ज्ञान।

विश्व पर्यावरण दिवस की पूर्व संध्या पर समिति ने 4 जून, 2019 को 'इकोसॉफिकल सोसाइटी' के सहयोग से एक संगोष्ठी का आयोजन किया। गांधी दर्शन में आयोजित इस संगोष्ठी में लगभग 60 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। समिति निदेशक श्री दीपंकर श्री ज्ञान, वेदाभ्यास कुण्डू, कार्यक्रम अधिकारी भी इस अवसर पर उपस्थित थे। श्री सौरभ आनंद ने इकोलॉजिकल सोसाइटी की ओर से कार्यक्रम का समन्वय किया।

वरिष्ठ पत्रकार श्री अरविंद मोहन ने प्रतिभागियों के साथ चर्चा में भाग लिया और पारिस्थितिकी और पर्यावरण के विषय पर गांधीवादी दृष्टिकोण पर बात की। उन्होंने कहा कि पर्यावरण पर महात्मा गांधी के विचार एक वैकल्पिक अर्थव्यवस्था और देश के लिए परिकल्पित की गई राजनीति के उनके दृष्टिकोण से सामने आए। महात्मा गांधी ने इस बात की पुरजोर वकालत की कि प्रकृति मनुष्य की आवश्यकता की पूर्ति के लिए पर्याप्त है लेकिन उसके लालच के लिए नहीं। उन्होंने कहा कि मानव और प्रकृति का सतत विकास और सामाजिक कल्याण उनकी प्रमुख चिंता थी।

प्रो. चन्द्र कुमार वार्ष्णेय, ने 'विश्व पर्यावरण दिवस 2019' के विषय "वायु प्रदूषण" को ध्यान में रखते हुए वायु प्रदूषण को रोकने के उपायों को अपनाने की आवश्यकता को दोहराया। उन्होंने युवाओं से समुदायों में काम करने और वायु प्रदूषण को रोकने के लिए जागरूकता पैदा करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा, "हम सांस लेना बंद नहीं कर सकते लेकिन हवा की गुणवत्ता को सुधारने के लिए हम कुछ कर सकते हैं।"

प्रतिभागियों के साथ चर्चा के दौरान वायु प्रदूषण से सम्बन्धित कुछ तथ्य भी साझा किए गए। ये तथ्य हैं–

– दुनिया भर में लगभग 92 प्रतिशत लोग स्वच्छ हवा में सांस नहीं लेते हैं।

– हर साल वायु प्रदूषण में वैश्विक अर्थव्यवस्था की 5 ट्रिलियन की लागत कल्याणकारी लागत होती है।

–वायु प्रदूषण से दुनिया में लगभग 7 मिलियन लोग मरते हैं और 7 मिलियन में से 4 मिलियन एशिया–प्रशांत में होते हैं।

– 2030 तक जमीनी स्तर के ओजोन प्रदूषण से मुख्य फसल की पैदावार में 26 प्रतिशत की कमी आने की उम्मीद है।

महात्मा गांधी के रचनात्मक कार्यक्रम 'पर संगोष्ठी और" महात्मा गांधी विजनः राधाकृष्ण एक्शन "पर पुस्तक का विमोचन

गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति के सहयोग से राधाकृष्ण प्रतिष्ठान ने 19 जून, 2019 को गांधी स्मृति में "महात्मा गांधी के रचनात्मक कार्यक्रम" पर एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया। इस अवसर पर राधाकृष्ण की 25वीं पुण्यतिथि मनाई गयी।

गांधी स्मृति में आयोजित यह कार्यक्रम महात्मा गांधी के रचनात्मक कार्यक्रमों पर एक संगोष्ठी के साथ शुरू हुआ। गांधीवादी संगठनों के 85 प्रतिभागियों ने सेमिनार में भाग लिया, जहाँ हम गांधी को अपने काम में पाते हैं और 'हम गांधी/150 के लिए क्या कर रहे हैं', विषयों पर चर्चा की गयी।

गांधी स्मृति में पुस्तक विमोचन कार्यक्रम में अपने विचार रखती हुई समिति की शोध अधिकारी श्रीमती गीता शुक्ला व उन्हें ध्यानपूर्वक सुनते हुए संभासीन अतिथि।

पहले सत्र में रचनात्मक कार्यक्रमों के विभिन्न पहलुओं और मौजूदा स्थिति की मांग के अनुसार उनके द्वारा प्राप्त समाधानों पर चर्चा की गयी। गांधीवादी संगठनों के प्रतिनिधियों ने ग्राम स्वराज, आपदा

तैयारियों और पुनर्वास की दिशा में गतिविधियों के लिए जिला स्तर पर काम करने, साम्प्रदायिक सद्भाव स्थापित करने, महिलाओं के समूहों, शिविरों को मजबूत करने, राष्ट्रीय एकीकरण के लिए युवाओं के प्रशिक्षण और जल संरक्षण, पर्यावरण के मुद्दों और पंचायतों में जमीनी स्तर पर निर्वाचित प्रतिनिधियों को सशक्त बनाने जैसे मुद्दों पर मंथन किया।

दूसरे सत्र का विषय गांधीवादी संगठनों द्वारा भारत के विभिन्न हिस्सों में महात्मा गांधी की 150वीं जयन्ती के उपलक्ष्य में अब तक की गई विभिन्न पहलों पर केन्द्रित था। राष्ट्रीय स्तर पर युवाओं के लिए वार्ता, दूरस्थ क्षेत्रों में गांधीजी के दर्शन के प्रसार लिए पदयात्रा, अशांत क्षेत्रों में साइकिल रैली, व्याख्यान, पश्चिमी घाटों को बचाने के लिए अभियान और शांति सेना के शिविरों का आयोजन आदि पर चर्चा की गयी।

गांधी स्मृति में आयोजित पुस्तक विमोचन समारोह में उपस्थित सम्मानित वक्तागण।

गांधी–150 कार्यक्रमों के अगले चरण के लिए, प्रतिभागी गांधीवादी संगठनों को एक मंच पर लाने का निर्णय लिया गया। इस चरण में संस्थाएं 21–25 फरवरी, 2020 तक गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति, नई दिल्ली के सहयोग से काम करेंगी। इनमें ये संस्थाएं युवाओं को रचनात्मक कार्यक्रमों के लिए काम करने के लिए राष्ट्रीय स्तर पर गांधी 150 पर गतिविधियों के लिए काम करेंगी, जिला स्तर पर गांधी यात्रा आयोजित करेंगी, पांच राज्यों में गांधी कथा आयोजित करेंगी, प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण और गांधीवादी संगठनों का एक सम्मेलन आयोजित करेंगी।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर, वे 31 देशों में महात्मा गांधी पर व्याख्यान दे रहे हैं, पांच विश्वविद्यालयों में गांधी शांति केन्द्र की स्थापना कर रहे हैं, 'ग्लोबल इम्पैक्ट एंड इन्फ्लुएंस ऑफ महात्मा गांधी' पर पुस्तक का प्रकाशन और जनवरी के अंतिम सप्ताह में गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति, संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार के साथ नई दिल्ली में अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है।

इस अवसर पर राधाकृष्णजी द्वारा लागू किए गए रचनात्मक कार्यक्रमों के बहुआयामी पहलुओं पर डॉ. शोभना राधाकृष्ण द्वारा लिखित पुस्तक "Mahatma Gandhi's Vision : Radhakrishna's Action" भी श्री राम बहादुर राय, अध्यक्ष, आईजीएनसीए द्वारा श्री एचके दुआ, पूर्व सांसद, राजनयिक और राजनीतिक टिप्पणीकार, की उपस्थिति में जारी की गयी। कार्यक्रम में डॉ. एस. एन. सुब्बाराव, राष्ट्रीय युवा परियोजना के संस्थापक, डॉ. (श्रीमती) कपिला वात्स्यायन, श्री टी. एन. चतुर्वेदी सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित थे। अपने सम्बोधन में श्री राम बहादुर राय ने स्वर्गीय श्री राधाकृष्णजी के साथ उनके लम्बे जुड़ाव और गांधीवादी और सर्वोदय आन्दोलन में उनके प्रभाव को याद किया।

इससे पहले समिति की शोध अधिकारी श्रीमती गीता शुक्ला ने अतिथियों का स्वागत किया। पीसफुल सोसाइटी के श्री कुमार कलानंद मणि ने पुस्तक का विस्तृत परिचय दिया।

पुस्तक की लेखिका और राधाकृष्णजी की पुत्री डॉ. शोभना राधाकृष्ण ने पुस्तक लिखने की अपनी यात्रा और अपने पाँच दशकों के सार्वजनिक कार्य में गांधीवादी आंदोलन में राधाकृष्णजी के व्यापक और बहुआयामी प्रभाव को की जानकारी दी।

प्रख्यात गांधीवादी डॉ. एस. एन. सुब्बाराव, श्री राम चन्द्र राही, अध्यक्ष, गांधी निधि, और डॉ. वर्षा दास, एनबीटी की पूर्व अध्यक्ष ने कहा कि राधाकृष्ण ने ग्रामीण पुनर्निर्माण के काम को अंजाम देने, गांधीवादी नेताओं की अगली पीढ़ी को तैयार करने और पूरे भारत में सैकड़ों ज़मीनी संगठनों को स्थापित करने में भूमिका निभाई थी।

कार्यक्रम में डॉ. वाई. पी. आनंद, पूर्व अध्यक्ष रेलवे बोर्ड, श्री अन्नामलाई, निदेशक, राष्ट्रीय गांधी संग्रहालय, श्री अशोक कुमार, सचिव गांधी शांति फाउण्डेशन और प्रमुख गांधीवादी संगठनों के प्रतिनिधि भी उपस्थित थे। इस अवसर पर करीब 120 व्यक्ति उपस्थित थे।

5वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर दिल्ली होमगार्ड्स के साथ प्राकृतिक चिकित्सा पर संगोष्ठी

5वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर, गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति के स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम के एक भाग के रूप में प्राकृतिक चिकित्सा पर एक सेमिनार का आयोजन किया गया था। दिल्ली होमगार्ड्स के साथ, आयोजित इस कार्यक्रम का संचालन डॉ. मंजू अग्रवाल, वरिष्ठ चिकत्सक नेचुरोपैथी और रिफ्लेक्सोलॉजी ने किया और प्राकृतिक चिकित्सा उपचार के विभिन्न लाभों पर चर्चा की।

इस अवसर पर आयोजित एक सभा में बोलते हुए, डॉ. अग्रवाल ने कहा, "प्राकृतिक चिकित्सा एक ऐसी प्रणाली है जो शरीर को हील करने में मदद करने के लिए प्राकृतिक उपचार का उपयोग करती है। यह जड़ी–बूटियों, मालिश, एक्यूपंक्चर, व्यायाम और पोषण व परामर्श सहित कई उपचारों को अपनाता है। प्राकृतिक चिकित्सा का लक्ष्य पूरे व्यक्ति का इलाज करना है–इसका अर्थ है मन, शरीर

सेमिनार में उपस्थित लोगों को सम्बोधित करतीं डॉ. मंजू अग्रवाल।

और आत्मा। इसका उद्देश्य किसी बीमारी के मूल कारणों को ठीक करना भी है, केवल उन्हें रोकना ही नहीं है"। उसने विभिन्न मुद्राओं या संकेतों का भी प्रदर्शन किया जिसके माध्यम से एक व्यक्ति तनाव को कम कर सकता है, ऊर्जा प्राप्त कर सकता है, नींद की आदत विकसित कर सकता है, आदि।

प्रतिभागियों के साथ चर्चा के दौरान डॉ. अग्रवाल ने प्रतिभागियों के विभिन्न प्रश्नों का जवाब दिया। लोगों में प्राकृतिक चिकित्सा के प्रति भारी आकर्षण देखने को मिला और प्रतिभागियों ने यह भी महसूस किया कि नियमित रूप से प्राकृतिक चिकित्सा और रिफ्लेक्सोलॉजी पर कार्यशालाएं आयोजित की जानी चाहिए।

"महात्मा गांधी और लोकनायक जयप्रकाश नारायण का समाज को मजबूत करने में योगदान" पर संवाद

लोकनायक जयप्रकाश नारायण संस्थान के सहयोग से समिति ने 25 जुलाई, 2019 को गांधी दर्शन में 'महात्मा गांधी और लोकनायक जयप्रकाश नारायण का समाज को मजबूत करने में योगदान' विषय पर एक संवाद आयोजित किया। इस कार्यक्रम ने जयप्रकाश नारायण के एक कार्यकर्त्ता, सिद्धांतवादी, समाजवादी और राजनीतिक नेता और महात्मा गांधी की अहिंसा और सत्याग्रह की शाश्वत अवधारणा को रेखांकित किया। लगभग 90 लोगों ने चर्चा में भाग लिया।

गांधी दर्शन में संवाद कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए सिक्किम के पूर्व राज्यपाल डॉ. बी. पी. सिंह और कार्यक्रम में मौजूद लोग।

सिक्किम के पूर्व राज्यपाल, श्री बी. के. सिंह इस अवसर पर मुख्य अतिथि थे। श्री सोम पाल शास्त्री, पूर्व केन्द्रीय मंत्री, श्री कुमार प्रशांत, अध्यक्ष गांधी शांति प्रतिष्ठान, प्रो. आनंद कुमार, प्रसिद्ध समाजशास्त्री, श्री दीपंकर श्री ज्ञान, निदेशक जीएसडीएस, श्री श्याम गंभीर, समाजवादी नेता, श्रीमती मंजू मोहन, श्री सुनील कुमार सिन्हा, राष्ट्रपति इंडियन डेमोक्रेटिक पार्टी, डॉ. भगवान सिंह, प्रसिद्ध इतिहासकारों और अन्य महत्त्वपूर्ण मेहमानों ने भाग लिया। श्री अभय सिन्हा महासचिव और लोकनायक जयप्रकाश नारायण संस्थान के श्री ओंकारेश्वर पांडे भी इस अवसर पर उपस्थित थे।

गुरुकुल कथक कला केन्द्र के कलाकारों के सांस्कृतिक प्रदर्शन ने सभा को मंत्रमुग्ध कर दिया।

प्रभाष प्रसंग में प्रतिबिंबित हुए गांधी के विचार

"महात्मा गांधी और कस्तूरबा के बीच बहुत सामंजस्य था। यदि दोनों को अपने जीवन में चलने और अपनी इच्छा रखने की स्वतंत्रता थी, तो यह विरोध के रूप में कभी नहीं आया। परम्परा और विचार की प्रासंगिकता ऐसी थी कि कस्तूरबा गांधी का खुलकर

प्रभाष प्रसंग में अपने विचार व्यक्त करते हुए केन्द्रीय मानव संसाधन विकास मंत्री डॉ. रमेश पोखरियाल निशंक और उन्हें सुनते मंचासीन अतिथि।

गांधी दर्शन के खचाखच भरे सभागार में प्रभाष जोशी स्मृति व्याख्यान देते हुए प्रख्यात लेखक व गांधीवादी चिंतक श्री गिरिराज किशोर।

विरोध नहीं कर सकती थीं। हां, यह भी तय है कि जब कस्तूरबा को लगा कि गांधी की इच्छा के विरोध में भी कुछ चीजें सामाजिकता के लिहाज से महत्त्वपूर्ण हैं, तो वह इसे लागू करने में पीछे नहीं रहीं। गांधी को वैश्विक मंच पर एक विशाल विचारक के रूप में पहचान दिलाने और उनकी ऊँचाई तय करने में कस्तूरबा की भूमिका को कभी भी अनदेखा नहीं किया जा सकता है।"

"गांधी का सम्मान दक्षिण अफ्रीका में भारत से कम नहीं है। नेल्सन मंडेला कहते हैं कि गांधीजी अफ्रीका के लिए बहुत महत्त्वपूर्ण हैं। 'बा' हर समय गांधी के साथ एक साथी की तरह थी, जो स्वतंत्रता सेनानी बादशाह खान की देखभाल करते थे, जो उनके आश्रम में आए थे।" यह बात वरिष्ठ पत्रकार प्रभाष जोशी को याद करते हुए 15 जुलाई, 2019 को उनकी स्मृति में आयोजित 10वें स्मारक व्याख्यान में अनूठे, बहुप्रशंसित उपन्यास 'पहले गिरमिटिया' के लेखक गिरिराज किशोर ने कही।

(बाएं से दाएं) श्री रामबहादुर राय, अध्यक्ष आईजीएनसीए, श्री गिरिराज किशोर, श्री बनवारीजी और श्री के. सी. त्यागी विभिन्न प्रकाशनों का विमोचन करते हुए।

जनता दल यूनाइटेड के महासचिव श्री के. सी. त्यागी ने भी इस अवसर पर अपने विचार रखे। श्री बनवारीजी ने भी इस अवसर पर बात की।

प्रभाष परम्परा न्यास के प्रबंध ट्रस्टी और इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केन्द्र के अध्यक्ष श्री रामबहादुर राय ने इस वर्ष के प्रभाष वृत्ति/छात्रवृत्ति के विजेता के तौर पर जनसत्ता के पूर्व स्थानीय सम्पादक शिरीष मिश्रा के नाम की घोषणा की, और न्यास के कार्यों की जानकारी दी।

इस अवसर पर पूर्व केन्द्रीय मंत्री और बिहार विधान परिषद के सदस्य प्रो. संजय पासवान, पूर्व लोकसभा सांसद डॉ. अरुण कुमार, बिहार के पूर्व कैबिनेट मंत्री रेणु कुशवाहा, विजय सिंह कुशवाहा, पूर्व विधान पार्षद अजय कुमार अल्मस्त, वरिष्ठ पत्रकार और जनसत्ता के सम्पादक अच्युतानन्द मिश्र, पूर्व सम्पादक राहुल देव, हिंदुस्तान के पूर्व सम्पादक अरविंद मोहन और कई अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

केन्द्रीय मानव संसाधन विकास मंत्री डॉ. रमेश पोखरियाल निशंक, जो इस अवसर पर मुख्य अतिथि थे, ने प्रभाष जोशी की पत्रकारिता को याद करते हुए उपस्थित पत्रकारों को याद दिलाया कि उन्होंने हमेशा समाचार की निष्पक्षता पर जोर दिया। प्रभाषजी ने समाचार और विचार नहीं मिलाए। "गांधी और विनोबा से प्रभावित प्रभाष जोशी का जुनून हमारे लिए प्रेरणा है। आज ऐसी पत्रकारिता की आवश्यकता है", श्री निशंक ने कहा। उन्होंने आगे कहा कि प्रभाष जोशी मैकाले की शिक्षा नीति के विरोधी थे। आज केन्द्र सरकार ने जो मसौदा तैयार किया है, उसमें प्रभाष जोशी जैसे विचारकों और सम्पादकों के विचार शामिल हैं, जो आम लोगों से मांगे गए हैं।

वरिष्ठ पत्रकार श्री बनवारी ने कहा कि 27–28 साल की उम्र में गांधीजी ने भारत और दुनिया को देखा और समझा था। महात्मा गांधी ने शिक्षा को नैतिकता से जोड़ा और इस बात पर जोर दिया कि जो शास्त्र एक विशेष महाशक्ति का नेतृत्व नहीं करता है वह सही शिक्षा नहीं है। प्रभाष जोशी की पत्रकारिता में, गांधी और विनोबा के विचार का सामंजस्य था।

इस अवसर पर शास्त्रीय गायक मधुप मुद्गल के शिष्य श्री खुशाल शर्मा ने कबीर भजन का पाठ किया।

23 अगस्त को "शांतिसेना दिवस" के रूप में मनाने को लेकर परामर्श बैठक–"एक नॉन वायलेंट और नॉन किलिंग भारत की दिशा में"

राष्ट्रीय गांधी संग्रहालय के निदेशक डॉ. ए. अन्नामलाई कार्यक्रम में अपने विचार व्यक्त करते हुए। उनके साथ हैं संग्रहालय के पूर्व निदेशक डॉ. वाई. पी. आनन्द।

समिति ने 20 जुलाई, 2019 को गांधी दर्शन, राजघाट में एक परामर्श बैठक का आयोजन किया, जिसमें हर साल 23 अगस्त को "शांतिसेना दिवस–टू नॉन–वायलेंट एंड नॉन–किलिंग इंडिया" के रूप में मनाये जाने के विषय पर बात की गयी। बैठक की अध्यक्षता गांधी शांति मिशन, केरल के अध्यक्ष और गांधी : 150 समिति के सदस्य प्रो. एन. राधाकृष्णन ने की।

चर्चा की शुरुआत करते हुए, समिति निदेशक श्री दीपंकर श्री ज्ञान ने गांधीजी और आचार्य विनोबा भावे के बारे में बात की और पूरे देश में विनोबा भावे की 125वीं जयन्ती मनाने के महत्त्व पर जोर दिया।

प्रो. एन. राधाकृष्णन ने कहा कि "शांति सेना के पुनरुद्धार के पीछे का विचार युवाओं को घृणा, हत्या, और हिंसा का विरोधी बनाना और अहिंसा, शांति और बलिदान के गांधीवादी सिद्धांतों के प्रति उनकी निष्ठा को बढ़ाना है।"

कार्यक्रम में लोगों से संवाद करते श्री बसंत और उन्हें ध्यानपूर्वक सुनते श्री रमेश शर्मा और श्री दीपंकर श्री ज्ञान।

समिति के पूर्व सलाहकार श्री बसंत ने प्रस्ताव रखा कि भारत के माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी को एक सिफारिश भेजी जाए, जिसमें उनसे स्वतंत्रता दिवस पर लाल किले की प्राचीर से शांति सेना दिवस घोषित करने का अनुरोध किया जाए।

'शांति सेना', जिसकी कल्पना साम्प्रदायिक हिंसा का मुकाबला करने के लिए महात्मा गांधी द्वारा की गई थी, और 23 अगस्त, 1957 को आचार्य विनोबा भावे द्वारा इसकी स्थापना की गयी थी। इस वर्ष गांधी की 150वीं जयन्ती और आचार्य विनोबा भावे की 125वीं वर्षगांठ पर शान्ति सेना दिवस मनाने की घोषणा इन दोनों नेताओं को सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

इस अवसर पर अमर उजाला के श्री विनीत तिवारी, श्री रमेश चन्द शर्मा, श्री ए. आर. पाटिल, श्री यतीश मिश्रा, श्री मनोज कुमार, श्री नित्यानन्द तिवारी, श्री अन्नामलाई, डॉ. वाई. पी. आनन्द, श्री अजय कुमार चौबे और अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे।

प्रेस कॉन्फ्रेंस हर साल 23 अगस्त को Day शांति सेन्दा दिवस के रूप में मनाने के लिए

देश में शांति, साम्प्रदायिक सद्भाव के लिए माहौल बनाने के लिए 'शांति सेना' को पुनर्जीवित करें: प्रो. एन. राधाकृष्णन

शांति सेना, महात्मा गांधी द्वारा परिकल्पित और विनोबा भावे द्वारा कार्यान्वित की गयी थी। इस शांति ब्रिगेड को गांधीवादी संगठनों के एक समूह द्वारा पुनर्जीवित किये जाने की संभावना है। 1 अगस्त, 2019 को नई दिल्ली में गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति, गांधी शांति मिशन और अखिल भारतीय हरिजन सेवक संघ ने अन्य संगठनों के

(बाएं से दाएं) श्री रमेश कुमार, सचिव हरिजन सेवक संघ, श्री दीपंकर श्री ज्ञान, निदेशक गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति, श्री कुंवर विजेन्द्र शेखर कुलपति, शोभित विश्वविद्यालय, श्री शंकर कुमार सान्याल, अध्यक्ष हरिजन सेवक संघ, डॉ. एन. राधाकृष्णन, पूर्व निदेशक गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति, प्रो. अनूप स्वरूप, निदेशक नॉन किलिंग अकादमी ऑनोलुलु, गांधी स्मृति में एक प्रेस वार्ता को सम्बोधित करते हुए।

साथ मिलकर एक योजना की घोषणा की, जिसमें 23 अगस्त शांति सेना दिवस के रूप में मनाने का निर्णय लिया गया।

उल्लेखनीय है कि हिंसा और साम्प्रदायिकता के विरोध में शांति सेना की स्थापना का विचार गांधीजी के मन में आया था और इस सेना के गठन का निर्णय 8 फरवरी, 1948 को वर्धा में लिया जाना था। लेकिन उससे पहले 30 जनवरी, 1948 को कुछ गांधी की हत्या कर दी गई थी। बाद में 1957 में इसे विनोबा भावे द्वारा कार्यान्वित करने का प्रयास किया गया था।

गांधीजी के 150वें जयन्ती वर्ष में उनके प्रयासों को याद करने की पहल में, दो दिवसीय सम्मेलन भी शामिल है, जो 23 अगस्त से कर्नाटक और केरल के सीमावर्ती शहर मंजेस्वरम में शुरू होगा, जहां विनोबा भावे ने शांति सेना का शुभारम्भ किया था।

शांति सेना के पुनरुद्धार के पीछे का विचार युवाओं को "घृणा, हत्या, और हिंसा" के खिलाफ करने और अहिंसा, शांति और बलिदान के गांधीवादी सिद्धांतों के प्रति निष्ठा रखने का है।

पुनरुद्धार योजना की प्रासंगिकता पर, गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति के निदेशक श्री दीपंकर श्री ज्ञान ने कहा कि शांति सेना की स्थापना के पीछे मार्गदर्शक शक्ति के रूप में, संरचनात्मक हिंसा नहीं है, अपितु इसे एक शांति आन्दोलन के रूप में योजनाबद्ध किया गया है।

गांधीवादी संगठनों के प्रतिनिधियों के अनुसार, युवाओं की एक प्रशिक्षित ब्रिगेड, शांति सेना का हिस्सा बनेगी। प्रशिक्षण के लिए दिल्ली, मदुरै, अहमदाबाद, गांधीग्राम, सोदेपुर और मंजेस्वरम सहित सात स्थानों पर प्रशिक्षण केन्द्र स्थापित किए जाएंगे, ताकि युवाओं को "अहिंसक संघर्ष प्रबंधन, नॉन किलिंग की पहल, अहिंसक संचार रणनीतियों" में प्रशिक्षित किया जा सके।

गांधी शांति मिशन के अध्यक्ष प्रो. एन. राधाकृष्णन ने सामाजिक न्याय और सद्भाव पर ध्यान देने के साथ भारत के युवाओं को "नैतिक और आध्यात्मिक मूल्य" को बढ़ाने के लिए भी प्रशिक्षण देने की बात कही। इस पहल के जरिये पानी की स्थिति पर भी सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करने पर ध्यान केन्द्रित किया जायेगा।

एम्स के 19वें द्विवार्षिक सम्मेलन में 'सिल्वर इंडिया' का समर्थन करने पर केन्द्रित चर्चा का आयोजन

एम्स के ज़ियोफिज़िक्स विभाग, द्वारा एनाटॉमी विभाग, जरायिकित्सा विभाग के सहयोग, स्वास्थ्य व परिवार कल्याण मंत्रालय, गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति, हेल्प एज इंडिया, इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च और इंडियन एजिंग कांग्रेस के सौजन्य से पॉल्यूशन एजिंग के उभरते परिदृश्य पर 19वां द्विवार्षिक सम्मेलन" और

श्री मैथ्यू चेरियन, संस्थापक निदेशक हैल्प एज इंडिया, एजीआई 19 के सम्मेलन में उपस्थित मेडीकल विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए।

बहु–अनुशासनात्मक कार्यशाला का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम 17–18 अगस्त, 2019 को अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान में आयोजित किया गया।

सम्मेलन का विषय था "बुजुर्गों के संसार में कल्याण के प्रतिमानों को बदलना: कक्ष से लेकर समाज तक"। इस सम्मेलन में जीवन के सभी चरणों में भलाई के मूल्यवान लक्ष्यों तक पहुंचने के इरादे पर जोर देना। सम्मेलन के फोकस क्षेत्र थे:

- बायोमार्कर्स
- संज्ञानात्मक बधिरता
- घबराहट और सरकोपेनिया
- बदलते समाज में दीर्घकालिक देखभाल
- अणु और तंत्र
- जनसंख्या वृद्धि
- सिल्वर इंडिया के लिए सामाजिक समर्थन
- बुढ़ापे की देखभाल में प्रौद्योगिकी

हमारी साहित्य परम्परा में महात्मा गांधी के प्रभाव पर संगोष्ठी

अखिल भारतीय साहित्य परिषद के सहयोग से समिति ने 25 अगस्त, 2019 को गांधी दर्शन में "हमारी साहित्य परम्परा में महात्मा गांधी का प्रभाव" पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया। इलाहाबाद उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश और छत्तीसगढ़ के लोकायुक्त श्री शम्भुनाथ श्रीवास्तव, इस अवसर पर मुख्य अतिथि थे। अपने सम्बोधन में उन्होंने कहा कि भारतीय साहित्य की चेतना में सम्पूर्ण सृष्टि के कल्याण की कामना की जाती है। उन्होंने आगे कहा कि साहित्य में समाज को प्रेरित करने की शक्ति होती है। हमारे संतों ने अपनी रचनाओं के माध्यम से राष्ट्र को जोड़ने का काम किया।

दिल्ली पब्लिक लाइब्रेरी के अध्यक्ष, डॉ. रामशरण गौड़, डॉ. नंदकिशोर पांडे, निदेशक, केन्द्रीय हिन्दी फाउण्डेशन, श्री ऋषि कुमार मिश्रा, अखिल भारतीय साहित्य परिषद के राष्ट्रीय महासचिव, हरियाणा साहित्य अकादमी के निदेशक, डॉ. पूर्णमल गौर, श्री ऋषि कुमार मिश्रा, अखिल भारतीय साहित्य परिषद के राष्ट्रीय महासचिव, डॉ. वेदाभ्यास कुण्डू, कार्यक्रम अधिकारी और श्री तिलक चांदना, सचिव मंगल सृष्टि न्यास भी इस मौके पर उपस्थित थे।

संगोष्ठी में विभिन्न सत्र आयोजित किए गए:

- इंद्रप्रस्थ साहित्य भारती ऐतिहासिक सत्र
- हमारी साहित्य परम्परा
- हमारी साहित्यिक परम्परा में गांधीजी का योगदान

समान विकास के लिए "गांधीवादी आर्थिक सिद्धांत" विषय पर संगोष्ठी

फेडरेशन ऑफ इंडियन एक्सपोर्ट ऑर्गनाइजेशन के सहयोग से समिति ने 28 अगस्त, 2019 को 'समान विकास के लिए गांधीवादी आर्थिक सिद्धांतों' पर एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया। फेडरेशन ऑफ इंडियन एक्सपोर्ट्स संगठनों के विभिन्न समूहों/व्यापारिक घरानों के लगभग 60 प्रतिभागियों ने कार्यक्रम में हिस्सा लिया।

वरिष्ठ गांधीवादी, डॉ. वाई. पी. आनन्द इस संगोष्ठी के प्रमुख वक्ता थे, जिन्होंने गांधीवादी आर्थिक सिद्धांतों के विभिन्न आयामों पर प्रकाश डाला। उन्होंने गांधीवादी ग्राम स्वराज, ग्रामोद्योग और स्थायित्व की अर्थव्यवस्था पर बात की। समिति के कार्यक्रम अधिकारी, डॉ. वेदाभ्यास कुण्डू ने गांधीवादी प्रबंधन सिद्धांतों पर चर्चा की।

ल्यूपिन फाउण्डेशन के कार्यकारी निदेशक श्री सीताराम गुप्ता ने गांधी के ट्रस्टीशिप और कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व पर विस्तृत चर्चा की, जबकि वरिष्ठ गांधीवादी श्री बसंत ने ग्रामीण कारीगरों के मुद्दों और सरोकारों पर बात की।

वरिष्ठ गांधीवादी विचारक एवं राष्ट्रीय गांधी संग्रहालय के पूर्व निदेशक डॉ. वाई. पी. आनन्द अपने विचार व्यक्त करते हुए।

- बिहार

महात्मा गांधी और डॉ. भीमराव अम्बेडकर पर दो दिवसीय कार्यशाला और संगोष्ठी

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर के विचार अलग–अलग थे, लेकिन दोनों महापुरुषों में देशभक्ति कूट–कूट कर भरी थी। मतभेद के बावजूद, दोनों के विचार देश के हित में एक थे। यह आम तौर पर दिखाया जाता है कि दोनों विभिन्न मुद्दों पर एक–दूसरे के विरोधी थे, लेकिन दोनों के निष्पक्ष आकलन से, सच कुछ और ही प्रतीत होता है। वक्ताओं ने यह विचार बिहार के मधेपुरा जिले के बभनगामा में 10–11 सितम्बर, 2019 को आयोजित "महात्मा गांधीजी और बी. आर. अम्बेडकर" की दो दिवसीय युवा कार्यशाला और सेमिनार में व्यक्त किये।

बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री श्री भोला पासवान शास्त्री ने गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति, नई दिल्ली के सहयोग से आयोजित इस दो दिवसीय कार्यक्रम का उद्घाटन किया।

सेमिनार में दिल्ली स्थित गांधी पीस फाउण्डेशन के पूर्व सचिव और गांधीवादी विचारक श्री सुरेन्द्र कुमार विशेष रूप से मौजूद थे। इस अवसर पर मुख्य अतिथि केन्द्र सरकार के पूर्व मंत्री प्रो. संजय पासवान थे।

शिक्षाविद् श्री सुनील कुंअर सिन्हा, बीपीएस कॉलेज के प्राचार्य प्रो. अखिलेश कुमार, डॉ. के. के. चौधरी, गांधी ज्ञान मंदिर के अध्यक्ष प्रो. देवनारायण पासवान देव, सचिव श्री दीनानाथ प्रबोध, बिहार सरकार के पूर्व कैबिनेट मंत्री सुश्री रेणु कुशवाहा, प्रो. रवीन्द्र चरण सिंह यादव, डॉ. विनय कुमार झा सहित मधेपुरा जिले के अन्य कॉलेजों के प्राचार्यों और प्राध्यापकों ने कार्यक्रम में भाग लिया।

वक्ताओं ने स्पष्ट रूप से कहा कि जब महात्मा गांधी की हत्या हुई थी, तब भीमराव अम्बेडकर घटनास्थल पर पहुंचने वाले पहले व्यक्ति थे और प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार वह लम्बे समय तक वहां रहे। हममें से कई लोग इसे शिष्टाचार मानते थे। लेकिन गांधी और अम्बेडकर के बीच लगभग 20 वर्षों के प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष सम्बन्धों की नींव में एक अद्भुत आत्मीयता और पारस्परिक सहानुभूति थी, जिसकी चर्चा शायद ही कभी होती है।

कुछ लोगों को आश्चर्य हो सकता है कि लम्बे समय तक महात्मा गांधी यह नहीं जानते थे कि अम्बेडकर स्वयं एक कथित अछूत थे। वह उन्हें अपनी तरह का एक समाज सुधारक उच्च जाति का नेता मानते थे। अम्बेडकर ने जिस विद्वतापूर्ण, असम्बद्ध और विश्वासपूर्ण तरीके से बात की, उसे देखते हुए उस समय समाज में यह गलतफहमी बहुत बड़ी नहीं थी।

क्षेत्र के स्कूल कॉलेजों के छात्रों सहित क्षेत्र के गणमान्य लोगों के बीच प्रश्नोत्तरी सत्र भी आयोजित किए गए। प्रतिभागियों ने अपने मन में मौजूद शंकाओं को दूर करने के लिए महात्मा गांधी और बी. आर. अम्बेडकर के बारे में आगंतुकों से कई सवाल किए। इस अवसर पर समिति द्वारा बैग आदि के साथ वक्ताओं को सम्मानित किया गया।

गांधीवादी शैक्षिक विचारों की प्रासंगिकता पर राष्ट्रीय चर्चा: नीतियों और प्रथाओं के लिए निहितार्थ

राष्ट्रीय शैक्षिक योजना और प्रशासन संस्थान के सहयोग से समिति ने "गांधीवादी शैक्षिक विचारों की प्रासंगिकता: नीतियों और प्रथाओं के कार्यान्वयन" पर 4–5 अक्तूबर, 2019 को दो दिवसीय राष्ट्रीय चर्चा बैठक आयोजित की।

वरिष्ठ शिक्षाविदों और चिकित्सकों ने वर्तमान में उभरते सामाजिक–आर्थिक सन्दर्भ में शिक्षा में गांधीवादी शैक्षिक विचारों को एकीकृत करने और कौशल व ग्रामीण शिक्षा को पुनर्जीवित करने के लिए उनके निहितार्थ पर राष्ट्रीय चर्चा की बैठक में भाग लिया।

प्रो जवनीश कुमार सिंह, एनआईईपीए के शिक्षा नीति विभागाध्यक्ष लोगों को सम्बोधित करते हुए और उन्हें सुनते हुए (बाएं से दाएं) डॉ. वेदाभ्यास कुन्दू, कार्यक्रम अधिकारी, गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति, प्रो. अभिजीत पाठक जेएनयू, प्रो. के. के. पांडे, प्रो. वी. एन. वर्गीश, कुलपति एनाईआईईपीए।

इसका उद्देश्य विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों में शिक्षा और काम के नए तरीकों पर चर्चा करना था और इसकी संस्थागत प्रथाओं को साझा करने के माध्यम से बुनियादी शिक्षा योजना के कार्यान्वयन में आने वाली समस्याओं और बाधाओं की पहचान करना था।

जिन विभिन्न विषयों पर विचार–विमर्श हुआ उनमें शामिल हैं: शिक्षा का गांधीवादी दर्शनय प्रारम्भिक शिक्षा के सार्वभौमिकरण में गांधी की भूमिकाय वैकल्पिक शिक्षाशास्त्र और वैकल्पिक स्कूली शिक्षाय नई शिक्षा नीति–2019, और अन्य के लिए गांधीवादी शैक्षिक विचारों का निहितार्थ।

"भारत की साहित्यिक कल्पना में गांधी" विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी

मोहनदास करमचन्द गांधी की 150वीं जयन्ती के मौके पर 'भारत की साहित्यिक कल्पना में गांधी' नामक दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन अंग्रेजी विभाग, जामिया मिलिया इस्लामिया द्वारा गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति, नई दिल्ली के सहयोग से 22–23 अक्तूबर, 2019 को किया गया। सेमिनार के संयोजक और विश्वविद्यालय के अंग्रेजी विभाग के प्रमुख, प्रो. निशात जैदी द्वारा स्वागत भाषण के साथ सेमिनार की शुरुआत हुई।

प्रो. जैदी ने इतिहास के तथ्यों को दोहराते हुए गांधी के लम्बे समय तक जामिया मिलिया इस्लामिया के साथ सम्बन्धों का जिक्र किया।

1920 के दशक के राजनैतिक रूप से अशांत और वित्तीय संकट के समय में गांधीजी ने चन्दा जुटाकर इस संकट को दूर करने का प्रयास किया। प्रो. जैदी ने इस बात पर प्रकाश डाला कि, जामिया ने गांधी के बहुलतावादी लोकाचार को मूर्त रूप देने के सन्दर्भ में एक राष्ट्रवादी विश्वविद्यालय के दृष्टिकोण का प्रतिनिधित्व किया।

जामिया के इतिहास में गांधी की विलक्षण स्थिति को गांधीजी द्वारा लिखित पत्रों में देखा जा सकता है। जामिया के संस्थापक और

जामिया मिल्लिया इस्लामिया के अंग्रेजी विभाग और गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित 'भारतीय साहित्यक कल्पना में गांधी' विषय पर सम्मेलन में तल्लीन वक्ता और प्रतिभागी।

उनके पुत्र देवदास गांधी ने अपने शुरुआती वर्षों में यहाँ अंग्रेजी विभाग में पढ़ाया था। प्रो. जैदी ने कहा कि यह संगोष्ठी हमें गांधी के दर्शन, उनकी दृष्टि और आदर्शों को फिर से समझने, प्रकट करने और आत्मसात करने में सक्षम बनाएगी ताकि उन्हें हमारी सांस्कृतिक और सामाजिक कल्पना में फिर से जोड़ा जा सके।

संगोष्ठी के संयोजक और अंग्रेजी विभाग के प्रमुख, प्रोफेसर निशात जैदी ने सभा का स्वागत किया। समिति की शोध अधिकारी श्रीमती गीता शुक्ला, ने भी इस अवसर पर अपने विचार प्रकट किये। प्रो. आलोक भल्ला, (सेवानिवृत्त) अंग्रेजी और विदेशी भाषा विश्वविद्यालय, हैदराबाद और जामिया मिलिया इस्लामिया ने सत्र की अध्यक्षता की। दिल्ली विश्वविद्यालय के अंग्रेजी विभाग के पूर्व प्रमुख, प्रो. हरीश त्रिवेदी, ने प्रमुख व्याख्यान प्रस्तुत किया।

दो दिवसीय इस संगोष्ठी में, देश भर से आये लगभग 40 प्रतिनिधियों ने विभिन्न शैक्षणिक सत्रों में गांधी पर विषयगत पत्र प्रस्तुत किए। प्रस्तुत पत्रों ने गांधीवादी मिथक, संवेदनशीलता और राजनीतिक दर्शन की काल्पनिक अभ्यावेदन और विभिन्न सांस्कृतिक अभ्यावेदन की जांच की जिसमें राष्ट्र–राज्य, महिलाओं की भूमिका, इतिहास, आदिवासी आंदोलनों को फिर से जोड़ने, दलित चेतना को बदलने, आदि पर चर्चा की गई।

इस मौके पर आयोजित विभिन्न सत्र थे:

1. गांधीवादी आंदोलन के भीतर महिलाओं की भागीदारी और आत्मसातकरण
2. गांधी की विविध साहित्यिक कृतियाँ
3. गांधीवादी दर्शन और राष्ट्र–राज्य के भीतर इसकी प्रतिध्वनि और विकासशील भारत को उभरने सम्बन्धी आख्यान
4. धर्मनिरपेक्ष और धार्मिक क्षेत्र की कल्पना में गांधीजी के विविध मार्ग
5. राष्ट्र–राज्य और विभाजन आख्यान के सन्दर्भ में गांधीजी का महत्त्व
6. गांधीजी के दर्शन की गवेषणा के माध्यम से पारिस्थितिकी संकट, आदिवासी और किसान प्रतिरोधों का परिप्रश्न
7. लोकप्रिय उपभोग और फैशन के लिए गांधीजी को अपनानाय
8. गांधीजी का सिनेमाई निरूपण
9. शैक्षणिक प्रथाओं, दलित आख्यानों और विश्व साहित्य में गांधी का विन्यास
10. समकालीन विश्व में गांधीजी का राजनीतिक और सांस्कृतिक महत्त्व

"गांधी और समकालीन मुद्दों पर राष्ट्रीय गांधी जयन्ती संगोष्ठी 2019: पुराना सिद्धांत, नया परिप्रेक्ष्य"

महात्मा गांधी की 150वीं जयन्ती के अवसर पर इंडियालॉग फाउण्डेशन, गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति, दर्शन विभाग, गांधी भवन, दिल्ली विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में गांधी और समकालीन मुद्दों पर दो दिवसीय राष्ट्रीय गांधी जयन्ती संगोष्ठी "पुराना सिद्धांत, नया परिप्रेक्ष्य" का आयोजन 23–24 अक्तूबर, 2019 को दिल्ली विश्वविद्यालय के गांधी भवन में किया गया।

इस संगोष्ठी का मूल उद्देश्य गांधी के विचारों की प्रासंगिकता को प्रस्तुत करना था और यह दिखाना था कि विभिन्न समकालीन मुद्दों द्वारा उत्पन्न चुनौतियों की मांगों को पूरा करने के लिए उनके विचारों का कैसे उपयोग किया जा सकता है। संगोठी ने विभिन्न

समकालीन सामाजिक, राजनीतिक, आर्थिक और पर्यावरणीय मुद्दों को हल करने में महात्मा गांधी के विचारों की प्रासंगिकता को सामने लाने का प्रयास किया। संगोष्ठी में समकालीन मुद्दों और गांधीवादी विचारों की प्रासंगिकता को एक स्थान पर रखकर वर्तमान समस्याओं से निपटने का प्रयास किया गया और यह सम्भावनाएं भी खोजी गयीं कि उनके दर्शन में क्या सुधार होना चाहिए।

उद्घाटन सत्र को दिल्ली विश्वविद्यालय के दर्शन विभागाध्यक्ष प्रोफेसर बालगनापति देवरकोंडा, श्री अशोक सज्जनहर, कजाकिस्तान लातविया और स्वीडन के पूर्व राजदूत,य प्रो रमेष भारद्वाज, निदेषक गांधी भवन, डॉ. वेदाभ्यास कुण्डू, कार्यक्रम अधिकारी, गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति और श्री एम. बेहजाद फातमी, महासचिव, इंडियालॉग फाउण्डेशन ने सम्बोधित किया।

(ऊपर से नीचे) गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति, इंडियालॉग फाउण्डेशन, दर्शन विभाग दिल्ली विश्वविद्यालय, गांधी भवन द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित राष्ट्रीय गांधी जयन्ती सेमिनार 2019 में अपने विचार व्यक्त करते वक्ता और प्रतिभागीगण।

दो दिनों में पांच तकनीकी सत्र निर्धारित किए गए थे। तकनीकी सत्र I और तकनीकी सत्र II 22 अक्तूबर 2019 को था, और तकनीकी सत्र III, तकनीकी सत्र IV और तकनीकी सत्र V, 23 अक्तूबर 2019 को थे, इसके बाद समापन सत्र आयोजित किया गया।

सेमिनार में शामिल कुछ प्रमुख विषयः

1. गांधी और अहिंसा की शक्ति
2. सत्य की अवधारणाः आदर्श को कैसे प्राप्त किया जा सकता है?
3. महिला और पुरुषः महिलाओं की स्थिति पर गांधी के विचार
4. धार्मिक असहिष्णुता की समस्याः गांधी का धर्म के प्रति दृष्टिकोण
5. शरीर और पृथ्वी की देखभालः एक गांधीवादी दृष्टिकोण
6. आधुनिक सभ्यता का गांधी का आलोचक
7. एक सत्याग्रही का रास्ताः एक निष्पक्ष मांग कैसे करें?
8. युद्ध की समाप्ति का गांधीवादी तरीकाः शक्ति से शांति तक
9. गांधी और उनके समकालीनः दूसरों के प्रति असम्मान दर्शाये बिना कैसे अलग दिख सकते हैं?

इस सेमीनार में कुल 15 वक्ता थे, जिन्होंने अहिंसा, प्रोत्साहन की कला, सूफीवाद, विश्वास आधारित मानववाद, गहन पारिस्थितिकी, चम्पारण में किसानों के समकालीन संघर्ष, विघटन और मानव परिवर्तन अधिकार, वायु प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन आदि 15 विभिन्न विषयों पर शोध पत्र प्रस्तुत किए।

सेमिनार का समापन 23 अक्तूबर, 2019 की शाम को प्रोफेसर आर. सी. सिन्हा, अध्यक्ष, आईसीपीआर के मुख्यातिथ्य में हुआ। इस सत्र की अध्यक्षता प्रो. रमेश भारद्वाज ने की। समापन सम्बोधन प्रख्यात गांधीवादी विद्वान प्रोफेसर बिंदू पुरी ने दिया। विषय था–'निरन्तरता जो एक अच्छे मानव जीवन को बनाती है'।

इसके बाद श्री उमर आगा, वरिष्ठ पत्रकार और अध्यक्ष, इंडियालॉग फाउण्डेशन द्वारा विशेष सम्बोधन दिया गया। दिल्ली विश्वविद्यालय के डॉ. आदित्य कुमार गुप्ता द्वारा धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया।

विमर्श 2019 में विकास के मुद्दों पर चर्चा

"विमर्ष" के सहयोग से समिति ने 2–4 नवम्बर, 2019 को गांधी दर्शन में आयोजित तीन दिवसीय संगोष्ठी के दौरान विकास के विभिन्न मुद्दों पर तीन दिवसीय परिचर्चा का आयोजन किया। इस तीन दिवसीय कार्यक्रम में अनेक विद्वानों, शिक्षाविदों, साहित्यकारों ने भाग लिया।

इस कार्यक्रम के कई सत्रों में विभिन्न प्रकाशित पुस्तकों पर चर्चा हुई। महिलाओं के मुद्दों जैसे "जागृत भारत के लिए महिलाओं की भूमिका", "चर्चा में महिलाएं: समाचार में महिलाओं की आवाज और प्रतिनिधियों को मजबूत करना" "जेंडर हेल्थ", "सोशल मीडिया वारियर्स", सफलता की कहानियां पर चार सत्र आयोजित किये गये।

इसके अतिरिक्त कला, सामाजिक विज्ञान, भाषा, साहित्य, विज्ञान, आदि विषयों पर चर्चा हुई। मीडिया और साहित्य के सन्दर्भ में राष्ट्रवाद व कई ज्वलंत विषयों पर खुली चर्चा की गयी। "राष्ट्रीय सुरक्षा और व्यक्तिगत स्वतंत्रता", "तकनीकी राष्ट्रवाद" पर भी सत्र आयोजित किये गये।

'पल्लवन' का आयोजन

समिति द्वारा संस्कार भारती के सहयोग से नवम्बर 17, 2019 को एक दिवसीय परिचर्चा 'पल्लवन' का आयोजन सत्याग्रह मंडप, गांधी दर्शन में किया गया।

पल्लवन में 'गंभीर कला क्षेत्रों' यानी साहित्य, संगीत (वाद्य और स्वर), लोक और शास्त्रीय नृत्य, मूर्तिकला, ललित कला, पत्रकारिता और सामाजिक कार्यकर्त्ताओं जैसी प्रसिद्ध हस्तियों ने भाग लिया। कार्यक्रम में दिल्ली–एनसीआर क्षेत्र के 350 से अधिक कलाकारों ने भाग लिया। इस मौके पर भारतीय सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण और संवर्धन पर आधारित सार्थक चर्चा की गयी।

माननीय संस्कृति मंत्री और समिति के उपाध्यक्ष श्री प्रहलाद सिंह पटेल ने डॉ. सोनल मानसिंह (प्रख्यात नृत्य गुरु), डॉ. राजेश्वर आचार्य (हिन्दुस्तानी शास्त्रीय गायक) और श्री दीपंकर श्री ज्ञान (निदेशक, गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति) के साथ कार्यक्रम का उद्घाटन किया।

केन्द्रीय संस्कृति मंत्री और गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति के उपाध्यक्ष श्री प्रहलाद सिंह पटेल प्रसिद्ध नृत्य गुरू डॉ. सोनल मानसिंह, भारतीय शास्त्रीय गायक डॉ. राजेश्वर आचार्य और समिति निदेशक श्री दीपंकर श्री ज्ञान के साथ कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए।

केन्द्रीय संस्कृति मंत्री और गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति के उपाध्यक्ष श्री प्रहलाद सिंह पटेल को सम्मानित करते समिति निदेशक श्री दीपंकर श्री ज्ञान।

कार्यक्रम में शामिल होने वाले कुछ प्रमुख व्यक्तित्व में श्री अद्वैत गडनायक (महानिदेशक, राष्ट्रीय मॉडर्न आर्ट गेलरी), डॉ. सच्चिदानंद जोशी (सदस्य सचिव, आईजीएनसीए), श्री डी. पी. सिन्हा (प्रख्यात लेखक और इतिहासकार), डॉ. सरोज वैद्यनाथन (भरतनाट्यम गुरु), श्री राजेश चेतन (प्रख्यात कवि), श्री बांकेलाल गौड़, श्री अमीरचन्द, श्रीमती डॉ. स्वर्णिल दुबे और अन्य शामिल थे।

उपस्थित जनसमूह को सम्बोधित करते गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति के उपाध्यक्ष व केन्द्रीय संस्कृति मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल।

- पटना

बेसिक स्कूलों को स्कूल ऑफ एक्सीलेंस बनाने के लिए चर्चा का आयोजन

महात्मा गांधी के "नई तालीम और बुनियादी शिक्षा" पर तीन दिवसीय बुद्धिशीलता सत्र का आयोजन 21–23 नवम्बर, 2019 को वृंदावन के बेसिक स्कूल में किया गया था। इस कार्यक्रम का आयोजन सेंटर फॉर इनोवेशन इन पब्लिक सिस्टम्स (CIPS, पटना) के सहयोग से किया गया था।

कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि सेंटर फॉर इनोवेशन इन पब्लिक सिस्टम्स के प्रो. उपेन्द्र रेड्डी ने किया था। इस अवसर पर पूर्व डीईओ, श्री लाल बाबू मिश्रा, श्री दीपंकर श्री ज्ञान, निदेशक, गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित थे।

इस कार्यक्रम में, महात्मा गांधी की 'नई तालीम और बेसिक शिक्षा' प्रणाली पर दो दिनों तक विस्तृत चर्चा हुई, जिसमें लगभग 100 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया, जिनमें, बेसिक स्कूलों के प्राचार्यगण, जिला शिक्षा अधिकारी, वरिष्ठ शिक्षाविद् शामिल थे। इसके अलावा बेसिक स्कूलों में काम करने वाले शिक्षक व क्षेत्र के लोग भी मौजूद थे।

इस अवसर पर बुनियादी विद्यालयों को मॉडल स्कूलों में कैसे परिवर्तित किया जाए, इस पर चर्चा की गई ताकि बच्चों को गांधीजी की बुनियादी शिक्षा के साथ जोड़ा जा सके और साथ ही शिक्षा के वर्तमान पैटर्न को भी समाहित किया जा सके। सभी उपस्थित लोगों ने इस विषय पर अपने सुझाव दिए।

इसके अलावा, इन सुझावों पर विचार करने और उन्हें लागू करने के लिए बिहार विद्यापीठ, सदाकत आश्रम, पटना में 23 नवम्बर को एक बैठक आयोजित की गई। जिसमे समिति और CIPS दोनों के प्रतिनिधि उपस्थित थे। समिति निदेशक भी इस अवसर पर उपस्थित थे।

समिति निदेशक श्री दीपंकर श्री ज्ञान (दाएं से दूसरे) अन्य विशिष्ट अतिथियों के साथ वृंदावन विद्यालय में परिचर्चा का उद्घाटन करते हुए।

समिति निदेशक श्री दीपंकर श्री ज्ञान विद्यालय में अन्य अतिथियों व गणमान्य व्यक्तियों के साथ पौधारोपण करते हुए।

ग्रामीण विकास और प्रबंधन के लिए गांधीवादी दृष्टिकोण पर कार्यक्रम

कार्मिक प्रबंधन और औद्योगिक सम्बन्ध विभाग, पटना विश्वविद्यालय के सहयोग से समिति ने 23 नवम्बर, 2019 को "ग्रामीण विकास और प्रबंधन में गांधीवादी दृष्टिकोण" विषय पर एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया। संगोष्ठी में वक्ता थे: श्री दीपंकर श्री ज्ञान, निदेशक, गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति, अविनाश कुमार सिंह, NIUPA, नई दिल्ली, प्रो. उपेन्द्र रेड्डी, सलाहकार, सीआईपीएस, हैदराबाद और डॉ. वेदाभ्यास कुण्डू, कार्यक्रम अधिकारी, गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति।

समिति निदेशक श्री दीपंकर श्री ज्ञान वरिष्ठ संसाधन व्यक्ति श्री अतुल प्रियदर्शनी को सम्मानित करते हुए। साथ में दिखाई दे रहे हैं प्रो उपेन्द्र रेड्डी।

सेमिनार में ग्रामीण विकास के लिए गांधीवादी दृष्टिकोण के विभिन्न आयामों पर चर्चा की गई और छात्रों ने गाँव के आत्म–विकास के लिए गांधीवादी दर्शन कैसे महत्त्वपूर्ण हो सकता है, इस पर अपने स्वयं के अनुभवों के आधार पर चर्चा की।

श्री अतुल प्रियदर्शनी एक सत्र को सम्बोधित करते हुए और उन्हें सुनते प्रतिभागी।

- उत्थान फाउण्डेशन, कोलकाता

गांधीजी की ट्रस्टीशिप पर संगोष्ठी और डी. बी. ठेंगडीजी के श्रमवाद पर चार प्रान्तों–नागदा (म.प्र), सीकर (राजस्थान), बैरकपुर (पं. बंगाल) और बनारस (यू. पी.) में कार्यक्रम

1. 14–16 सितम्बर, 2019 को नागदा मध्यप्रदेश में
2. 20–22 सितम्बर, 2019 प्रगति शिक्षण संस्थान, ढोढ़ रोड़, सीकर (राजस्थान)
3. 15–17 नवम्बर, 2019 बैरकपुर सदर बाजार में, (कोलकाता)
4. श्री बी. एन. रायजी ने महात्मा गांधी के ट्रस्टीशिप और डी. बी. ठेंगडीजी के श्रमवाद विषय पर मुख्य व्याख्यान दिया।

समिति के सहयोग से उत्थान फाउण्डेशन, बैरकपुर कोलकाता द्वारा निम्नलिखित उद्देश्यों के साथ संगोष्ठियों की एक श्रृंखला आयोजित की गई:

1. महात्मा गांधी और श्री डी. बी. ठेंगडीजी के जीवन और कार्य के बारे में प्रतिभागियों को अवगत कराना।
2. ट्रस्टीशिप और श्रमवाद के बारे में जागरूक करना।
3. जनता में उनकी अवधारणाओं को प्रचारित करना।
4. उद्योगपति और मजदूर को देश के विकासशील उद्योग में उनकी वास्तविक भूमिका से अवगत कराना।
5. उद्योगपति और श्रमिकों में वैमनस्य और अंतर को कम करना।

1. 14–16, सितम्बर 2019 नागदा (मध्यप्रदेश) में

श्रृंखला का पहला आयोजन 14–16 सितम्बर, 2019 को नागदा, मध्यप्रदेश में आयोजित किया गया था। कार्यक्रम में 172 प्रतिभागियों

ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम का उद्घाटन श्री दिलीप सिंह गुर्जर विधायक खाचरौद, नागदा ने किया। 14 सितम्बर को, गांधीजी के जीवन और उनकी 'ट्रस्टीशिप' की अवधारणाओं पर चर्चा आयोजित की गई। इसके बाद 15 सितम्बर को श्री ठेंगडीजी के जीवन और उनकी श्रमवाद की अवधारणा पर चर्चा हुई, माननीय संसद सदस्य श्री अनिल सिरोडिया इस अवसर पर मुख्य अतिथि थे। 16 सितम्बर को, संगोष्ठी में समूह प्रस्तुतियों और मूल्यांकन सत्र का आयोजन किया गया था। श्री सुल्तान सिंह शेखावत ने सभा को सम्बोधित किया।

2. 20–22, सितम्बर 2019 प्रगति शिक्षण संस्थान, ढोढ रोड़, सीकर (राजस्थान) में

20–22 सितम्बर, 2019 को राजस्थान के उत्थान फाउण्डेशन द्वारा आयोजित सेमिनार में सामाजिक कार्यकर्त्ताओं, राजनेताओं, ट्रेड यूनियन नेताओं और छात्रों से जुड़े 153 प्रतिभागियों ने भाग लिया। इस अवसर पर नगरपालिका अध्यक्ष श्रीमती अपर्णा रोलन ने सेमिनार का उद्घाटन किया।

पूर्व विधायक श्री रतन जलधर, श्री गोवर्धन वर्मा, श्री बैज नाथ राय, मैनेजिंग ट्रस्टी उत्थान फाउण्डेशन और श्री सुल्तान सिंह शेखावत, पूर्व अध्यक्ष, मध्यप्रदेश, असंगठित बोर्ड और श्री प्रताप सिंह शेखावत, सचिव उत्थान फाउण्डेशन राजस्थान इकाई उपस्थित थे।

राजस्थान के सीकर में आयोजित कार्यक्रम में परिचर्चा में भाग लेते वक्तागण।

राजस्थान के सीकर में आयोजित कार्यक्रम में परिचर्चा के दौरान उपस्थित प्रतिभागी।

3. 15–17 नवम्बर, 2019 बैरकपुर सदर बाजार में, (कोलकाता)

इस कार्यक्रम में 165 व्यक्तियों ने हिस्सा लिया। दिनांक 15 नवम्बर, 2019 को मोरी महल मोड, बैरकपुर सदर बाजार, बैरकपुर में एक सार्वजनिक बैठक आयोजित की गई थी। श्री गुप्तेश्वर बर्णवाल, एक सेवानिवृत्त वरिष्ठ शिक्षक ने बैठक की अध्यक्षता की।

श्री सुनील मुंशी, गांधीवादी नेता और पूर्व निदेशक गांधी संग्राहलय, बैरकपुर, महाराज नित्य रूपानंद, स्वामी रामकृष्ण विवेकानन्द मिशन, श्री बैज नाथ राय, मैनेजिंग ट्रस्टी, उत्थान फाउण्डेशन, श्री मनोज साहा, सचिव, बैरकपुर ट्रेडर एसोसिएशन, श्री नरेन्द्र भगत, प्रसिद्ध सामाजिक कार्यकर्त्ता और डॉ. प्रणव चन्द्र, प्रख्यात चिकित्सक ने कार्यक्रम में भाग लिया।

इसमें श्री डी. बी. ठेंगडी और महात्मा गांधी के दृष्टिकोण पर चर्चा हुई। दूसरे दिन के कार्यक्रम की अध्यक्षता इलाके के सबसे पुराने और प्रतिष्ठित सामाजिक कार्यकर्त्ता श्री हरि दास भगत ने की। इस अवसर पर प्रश्नोत्तर सत्र का भी आयोजन किया गया।

4. 22–24 नवम्बर, 2019 को माइक्रोटेक कॉलेज ऑफ मैनेजमेंट एंड टेक्नोलॉजी, मालदहिया, वाराणसी, उत्तर प्रदेश में

इस कार्यक्रम में 181 व्यक्तियों ने हिस्सा लिया। संगोष्ठी में श्री मंगला प्रसाद पूर्व प्राचार्य आईटीआई कॉलेज, श्री मिथिलेश कुमार राय (सामाजिक कार्यकर्त्ता), श्री अवधेश कुमार मिश्रा (अध्यक्ष उत्थान फाउण्डेशन), श्री बैज नाथ राय, मैनेजिंग ट्रस्टी, उत्थान फाउण्डेशन उपस्थित थे। उत्थान फाउण्डेशन के अखिल भारतीय अध्यक्ष श्री अवधेश कुमार मिश्रा ने 3 दिवसीय सेमिनार की अध्यक्षता की। श्री बी. एन. राय ने महात्मा गांधी के ट्रस्टीशिप और श्री डी. बी. ठेंगडीजी के श्रमवाद विषय पर मुख्य व्याख्यान दिया। संगोष्ठी के दौरान संसाधन व्यक्तियों के माध्यम से धन, श्रम, ट्रस्टीशिप, गांधीवादी अर्थशास्त्र और सामाजिक विकास पर चर्चा हुई।

"एक वैश्विक अहिंसक ग्रह के लिए गांधीवादी मार्ग" पर व्याख्यान आयोजित

गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति ने 9 दिसम्बर, 2019 को गांधी दर्शन में "एक वैश्विक अहिंसक ग्रह के लिए गांधीवादी मार्ग: शान्ति की संस्कृति के लिए कार्य की रणनीतियां" पर एक दिवसीय चर्चा का आयोजन किया। इस चर्चा में, प्रख्यात गांधीवादी और अन्य प्रबुद्ध लोगों ने देश–दुनिया में शांति स्थापित करने की प्रक्रिया और विश्व शांति में अहिंसा के महत्त्व पर चर्चा की। मुख्य वक्ता वंदनीय प्रो. समथोंग रिनपोछे थे। हरिजन सेवा संघ के उपाध्यक्ष श्री लक्ष्मीदास ने चर्चा का संचालन किया। चर्चा का आरम्भ करते हुए प्रो. रिनपोछे ने कहा कि अगर हम बदलाव की उम्मीद करते हैं, तो हमें पहले खुद को बदलना होगा। केवल खुद को बदलकर, हम दूसरों को बदलाव के लिए कह सकते हैं। शांति की स्थापना करने के लिए, हमें सबसे पहले यह समझना चाहिए कि अशांति का मूल कारण क्या है? हिंसा अशांति का मूल कारण है।

हिंसा का मूल कारण द्वेश है, द्वेश का कारण अज्ञानता है। इसलिए पहले हमें द्वेश को समाप्त करने के लिए अज्ञानता को समाप्त करना होगा। द्वेश का अंत हिंसा को समाप्त कर देगा, और हिंसा का अंत स्वतः शांति स्थापित करता है। बुद्ध ने कहा कि द्वेश का अंत द्वेश के साथ नहीं होगा, लेकिन द्वेश और करुणा के माध्यम से, घृणा को समाप्त किया जा सकता है। इसलिए, शांति की कोशिश करने के लिए दुश्मनी को समाप्त करना बहुत आवश्यक है।

चर्चा में भाग लेने वाले अन्य लोगों में शामिल थे: श्री श्रीकृष्ण कुलकर्णी, महात्मा गांधी के परपोते और गांधी –150 समिति के सदस्य, डॉ.

(ऊपर से नीचे) श्री लक्ष्मीदास, पूज्य प्रो. सम्धोंग रिन्पोचे के साथ और (नीचे) श्री श्रीकृष्ण कुलकर्णी व डॉ. अशोक प्रधान कार्यक्रम में अपने विचार साझा करते हुए।

अशोक प्रधान, निदेशक भारतीय विद्या भवन, शोभित विश्वविद्यालय के कुलपति श्री कुंवर विजेन्द्र शेखर, दिल्ली विश्वविद्यालय के वरिष्ठ प्रोफेसर कैलाशनाथ तिवारी, वरिष्ठ गांधीवादी और शिक्षाविद् श्री बलदेव राज कामरा, श्रीमती इन्दु, श्री राजीव वोहरा, डॉ. प्रसून चटर्जी, डॉ. प्रमोद कुमार सैनी, श्री गोपालजी, नीलिमा कामरा, शशिजी, श्री सुभाष गुप्ता और अन्य।

प्रबुद्ध संवाद के माध्यम से भारत की सांस्कृतिक और पारम्परिक विरासत को संरक्षित करने हेतु लोगों से आग्रह

गांधी दर्शन में 'राष्ट्रवाद और सांस्कृतिक विरासत' पर एक संवाद 10 दिसम्बर, 2019 को आयोजित किया गया। इस मौके पर 400 से अधिक प्रतिभागियों की सभा को सम्बोधित करते हुए विशिष्ट अतिथियों ने भारत की सांस्कृतिक विरासत पर गर्व करने की आवश्यकता पर बात की। इस अवसर पर उपस्थित वक्ताओं में शामिल थे : श्री लालकृष्ण आडवाणी, डॉ. मुरली मनोहर जोशी, साध्वी ऋतंभरा, श्री त्रिलोकीनाथ पांडे, श्री विनय कटियार, श्री सी. एस. वैद्यनाथन और अन्य।

श्री एल के आडवाणी और डॉ. एम. एम. जोशी ने भगवान राम के बारे में बोलते हुए कहा कि राम उत्पीड़ित वर्गों के लिए खड़े थे, उन्होंने केवट को गले लगाया और यहां तक कि जटायु पक्षी का अंतिम संस्कार भी किया। यह गांधीजी ने राम की शिक्षाओं से सीखा था और इसे धैर्य और गम्भीरता के साथ लागू किया।

उन्होंने कहा कि एक बार लक्ष्य हासिल हो गया तो भी यह याद रखना चाहिए कि देश को और अधिक मजबूत बनाने के लिए काम अभी शुरू ही हुआ है। एक ऐसे स्तर पर विकसित होने का प्रयास करना चाहिए, जहां से भीतर से संघर्ष समाप्त हो।

कार्यक्रम के उद्घाटन अवसर पर दीप प्रज्ज्वलन करते हुए श्री लालकृष्ण आडवाणी, साध्वी ऋतंभरा और (नीचे) विशिष्ट वक्ताओं को सुनने हेतु उपस्थित जन।

साध्वी ऋतंभरा ने बताया कि कैसे इस देश में महिलाएं जन्म से पहले भी असुरक्षित महसूस करती हैं और कन्या भ्रूण हत्या की दर बढ़ रही है। उन्होंने अपील की कि हमारी विरासत हमारी महिलाएं हैं और हमें एक ऐसे राष्ट्र में विकसित होना चाहिए जहां एक महिला की गरिमा धूमिल न हो और जहां हर बच्चा सुरक्षित महसूस करे।

वन्दे मातरम् के सम्मान में खड़े मंच पर उपस्थित श्री लालकृष्ण आडवाणी, डॉ मुरली मनोहर जोशी, साध्वी ऋतंभरा, श्री त्रिलोकीनाथ पांडे, श्री विनय कटियानी, श्री सीएस वैद्यनाथन और श्री चंपत राय व अन्य अतिथि।

गांधी और बुद्ध अपने ज्ञानोदय से हमें प्रकाशित कर सकते हैं: शांतम सेठ

गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति ने 'अहिंसा ट्रस्ट' के साथ मिलकर महात्मा गांधी और गौतम बुद्ध से सम्बद्ध स्थानों की तीर्थयात्रा पर दुनिया के विभिन्न हिस्सों के लगभग 55 अंतरराष्ट्रीय प्रतिभागियों के साथ एक संवाद का आयोजन किया। प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व अहिंसा ट्रस्ट के धर्माचार्य शांतम सेठ ने किया। सदस्यों ने 22 दिसम्बर, 2019 को गांधी स्मृति में शहीद स्तम्भ में महात्मा गांधी को अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

बाद में प्रतिभागियों के साथ एक संवाद में, धर्मगुरु शांतम सेठ ने कहा, "हम जीवन के माध्यम से शोक मना रहे हैं और महात्मा गांधी और बुद्ध हमें हमारे धर्म के मार्ग में मार्गदर्शन करते हैं। बुद्ध के विचारों और गांधीजी द्वारा व्यावहारिक जीवन में इन विचारों का उपयोग मानवता के लिए उनके समर्पण का एक उदाहरण है, जिसका अनुकरण हम सभी को करना चाहिए", "महात्मा गांधी और बुद्ध अपने ज्ञानोदय से हमें प्रकाशित कर सकते हैं"।

गांधी स्मृति में कार्यक्रम में अपने विचार प्रकट करते धर्माचार्य श्री शांतम सेठ।

(ऊपर) गांधी स्मृति में परिचर्चा में भाग लेते प्रतिभागीगण।
(नीचे) गांधी स्मृति स्थित स्मारक स्थल पर श्रद्धांजलि अर्पित करते लोग।

'अहिंसा' या अहिंसा की अवधारणा के बारे में बोलते हुए, शांतम सेठ ने कहा, "प्रत्येक भारतीय में, गांधी का एक अंश है और ये अंश अहिंसा के मार्ग पर चलकर सभ्यताओं का निर्माण कर सकते हैं।"

कताई के बारे में बोलते हुए, उन्होंने आगे कहा कि "कताई महात्मा गांधी का रचनात्मक कार्य था, क्योंकि गांधी हमेशा चाहते थे कि उनके देश के लोग आत्मनिर्भर हों और उनकी अपनी स्थायी अर्थव्यवस्था हो।"

इससे पहले डॉ. वेदाभ्यास कुण्डू ने समिति की पहल के बारे में जानकारी दी और कहा कि करुणा, सहानुभूति, प्रेम और अहिंसक संचार की अवधारणाओं की समझ संवाद और शांति स्थापना में मदद कर सकती है।

इस अवसर पर, श्री धर्मराज द्वारा चरखे पर कताई की गयी, जिसे कुछ प्रतिनिधियों ने सीखने की कोशिश की।

तृतीय अनुपम मिश्र स्मृति व्याख्यान का आयोजन

मुख्य वक्ता श्री बनवारी को चरखा भेंट कर सम्मानित करते गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति के पूर्व सलाहकार श्री बसंत।

कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को मुख्य वक्ता का परिचय देते श्री राकेश सिंह।

प्रख्यात पत्रकार और हिन्दी दैनिक "जनसत्ता" के पूर्व सम्पादक, श्री बनवारी जी ने 22 दिसम्बर, 2019 को गांधी दर्शन में तीसरा "अनुपम मिश्र स्मृति व्याख्यान" दिया। लगभग 95 प्रतिभागियों ने विभिन्न गांधीवादी संगठनों के प्रतिनिधियों को शामिल किया। कार्यक्रम में दिवंगत अनुपम मिश्रा के परिजन, युवा और छात्र, पत्रकार शामिल हुए। व्याख्यान का विषय "स्वराज और गांधीजी" था।

- **राँची, झारखण्ड**

गांधीवादी सिद्धांतों और न्यायपालिका पर संगोष्ठी

समिति द्वारा नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ स्टडी एंड रिसर्च इन लॉ, रांची के सहयोग से 10 दिसम्बर, 2019 को रांची में गांधीवादी सिद्धांतों और न्यायपालिका पर एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया। इस संगोष्ठी के भाग के रूप में गांधीवादी सिद्धांतों के विभिन्न आयामों पर चर्चा की गई, जो न्यायिक प्रणाली के लिए महत्वपूर्ण हैं। गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति के निदेशक, श्री दीपंकर श्री ज्ञान ने गांधीवादी नैतिकता के व्यावहारिक अनुप्रयोगों और नैतिक कानूनी प्रथाओं को बढ़ावा देने के बारे में चर्चा की। उन्होंने अपनी प्रस्तुति के दौरान कई केस स्टडी पर चर्चा की।

विशिष्ट अतिथि श्री दीपंकर श्री ज्ञान, डॉ. केशव वरूकुला, डॉ. वेदाभ्यास कुण्डू व कॉलेज के अन्य स्टाफ सदस्य दीप प्रज्ज्वलन कर कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए।

पुस्तक विमोचन समारोह में उपस्थित श्री दीपंकर श्री ज्ञान, डॉ. केशव वरूकुला, डॉ. वेदाभ्यास कुण्डू व कॉलेज के अन्य स्टाफ सदस्य।

समिति के कार्यक्रम अधिकारी, डॉ. वेदाभ्यास कुण्डू ने अहिंसक न्यायशास्त्र के लिए गांधीवादी दृष्टिकोण पर एक प्रस्तुति दी। संगोष्ठी की एक मुख्य विशेषता गांधीवादी सिद्धांतों और न्यायपालिका पर कई लॉ कॉलेजों के छात्रों द्वारा दी गयी प्रस्तुति थी। इस मौके पर न्यायिक सहानुभूति, पुनर्स्थापनात्मक न्याय, एक वकील के रूप में गांधी जैसे अनेक मुद्दों पर चर्चा की गई।

कार्यक्रम में प्रस्तुति देते नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ स्टडी एंड रिसर्च इन लॉ के विद्यार्थी।

इससे पहले कुलपति, प्रो. केशव राव वुरकुला ने अपने परिचयात्मक सम्बोधन में बताया कि युवा वकीलों को गांधी के वकील रूप से बहुत कुछ सीखना है।

कौशल विकास के लिए गांधीवादी परिप्रेक्ष्य पर संगोष्ठी

महात्मा गांधी ने, अपने लम्बे सार्वजनिक जीवन के माध्यम से, किसी भी क्षेत्र में काम करने के लिए बेहतर और उच्च कौशल का उपयोग करने पर जोर दिया। वह प्रयोग सहित एक निरन्तर और अविरल सीखने की प्रक्रिया में विश्वास करते थे, वह मानते थे कि मानव को हमेशा अपने कौशल में सुधार और वृद्धि करते रहना चाहिए लेकिन कभी भी मनुष्य पूर्णता की प्राप्ति नहीं कर सकता। कौशल विकास के क्षेत्र में गांधीवादी परिप्रेक्ष्य पर चर्चा करने के लिए, गांधी स्मृति और दर्शन समिति ने 13 दिसम्बर, 2019 को रांची, को रांची झारखण्ड में एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया।

कार्यक्रम का आयोजन विकास भारती बिशुनपुर के सहयोग से किया गया था। संगोष्ठी की अध्यक्षता पद्मश्री श्री अशोक भगत ने की जिन्होंने कौशल विकास में गांधीवादी दृष्टिकोण पर चर्चा की। इस

अवसर पर वक्ताओं में केन्द्रीय विश्वविद्यालय झारखण्ड के कुलपति प्रो. नन्द कुमार यादव, प्रो. कामिनी कुमार, पूर्व कुलपति, रांची विश्वविद्यालय और गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति के निदेशक श्री दीपंकर श्री ज्ञान शामिल थे।

इस अवसर पर अनेक सत्रों का आयोजन किया गया। डॉ. मंजू अग्रवाल ने कार्यक्रम में हिस्सा लेने वाले लगभग 100 प्रतिभागियों के लिए प्राकृतिक चिकित्सा और स्वस्थ जीवन पर एक व्यापक सत्र का संचालन किया।

- **वर्धा, महाराष्ट्र**

महात्मा गांधी और भारतीय भाषाएँ विषय पर संगोष्ठी

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालय, वर्धा महाराष्ट्र के गांधी शान्ति अध्ययन और और रिसर्च विभाग के सहयोग से समिति ने 23–24 जनवरी, 2020 को "महात्मा गांधी और भारतीय भाषाओं" पर दो दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. कुसुमलता केडिया ने मुख्य अतिथि के रूप में संगोष्ठी का उद्घाटन किया। संगोष्ठी के संयोजक डॉ. नृपेन्द्र प्रसाद मोदी ने सभा का स्वागत किया और वर्तमान सन्दर्भ में संगोष्ठी के महत्त्व पर भी प्रकाश डाला।

इस अवसर पर प्रोफेसर केडिया ने कहा कि भारत में भाषा की समस्या के कारणों को जानने के लिए, हमें 19वीं शताब्दी के यूरोप को जानने की आवश्यकता है। 19वीं शताब्दी में यूरोप में राष्ट्रवाद का प्रसार हुआ, जिसके साथ विघटन का दौर शुरू हुआ।

"भारत में भाषा की समस्या कभी नहीं रही, लेकिन बाद में यह समस्या सामने आई। उन्होंने कहा कि एक समय था जब संस्कृत सम्पूर्ण मध्य एशिया की भाषा थी, जिसे एकीकृत भारत कहा जा सकता है, इसलिए संस्कृत से व्युत्पन्न भाशाएं भारत को बांधती हैं।

संगोष्ठी में आये वक्ताओं ने सामाजिक आन्दोलनों और दार्शनिक आख्यानों का विश्लेषण किया। देश के दूरस्थ कोने में हजारों लोगों तक पहुंचने में संचार के माध्यम के रूप में गांधी की भाषा की अवधारणा की प्रक्रिया की प्रकृति और प्रक्रिया के बारे में मौलिक प्रश्न उठाए।

वक्ताओं ने संचार की शक्ति और गहनता का भी विश्लेषण किया, गांधीजी भी अपने लेखन और भाषणों के माध्यम से लोगों की भीड़ को सम्बोधित करते थे।

दो दिवसीय इस संगोष्ठी में, वक्ताओं का एक विशिष्ट मंच सजा, जिसमें शिक्षाविद, समाजशास्त्र, मानवाधिकार, दर्शन, अर्थशास्त्र, इतिहास, कानून, लिंग अध्ययन के क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व करने वाले शिक्षाविदों, अनुसंधान विद्वानों, और डोमेन विशेषज्ञों के समूह ने भाग लिया। उपस्थित प्रबुद्धजनों ने महात्मा गांधी की संचार तकनीकों के कई आयामों को केन्द्रित करते हुए अपने विचार रखे।

"रिपोर्ट टू गांधी"–तीन दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन

21–23, फरवरी 2020 तक गांधी दर्शन में "रिपोर्ट टू गांधी" राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया गया। लगभग 125 प्रतिभागी जिसमें सर्वोदय कार्यकर्त्ता, गांधीवादी रचनात्मक कार्यकर्त्ता, विभिन्न राज्यों जैसे पश्चिम बंगाल, बिहार, तमिलनाडु, गोवा, ओड़िशा, हरियाणा, केरल के शिक्षाविदों ने इसमें भाग लिया। इसमें समकालीन दुनिया के मुद्दों और चुनौतियों पर चर्चा की गयी साथ ही गांधी की 150वीं जयन्ती के अवसर पर उन संगठनों द्वारा अब तक किए गए कार्यों का लेखा–जोखा प्रस्तुत किया गया।

इस राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति ने राधाकृष्ण कलेक्टिव के सहयोग से किया। श्री कुमार कलानन्द मणि, श्री वसंत, पद्मश्री श्री कमल सिंह चौहान, श्री आदित्य पटनायक, प्रो. मनोज कुमार, श्री चन्दन पाल, श्री सीता राम गुप्ता,

गांधी दर्शन, राजघाट में संवाद कार्यक्रम में अपने विचार प्रकट करते वक्तागण। इस कार्यक्रम में जमीनी कार्यकर्त्ता, समाजसेवी, वकील, विद्यार्थी और शिक्षाविद् शामिल हुए।

समिति निदेशक श्री दीपंकर श्री ज्ञान ने विचार–विमर्श में भाग लिया। कार्यक्रम के उद्घाटन अवसर पर डॉ. राधाकृष्ण की पत्नी श्रीमती कमला राधाकृष्ण भी उपस्थित थीं।

तीन दिवसीय सम्मेलन के दौरान विभिन्न सत्रों का आयोजन किया गया, जिसमें महात्मा गांधी के सिद्धांतकारों द्वारा अपने कार्यों की रिपोर्ट पेश की गयी और महात्मा गांधी की 150वीं जयन्ती के अवसर पर होने वाले कार्यक्रमों पर मंथन किया गया। इसके अलावा, डॉ. शोभना राधाकृष्ण द्वारा विशेष भारत सहित पूरे विश्व में गांधी कथा के कार्यक्रम को बढ़ावा देने के लिए चर्चा की गई। संगोष्ठी में अंतरराष्ट्रीय विचारक शांति, अहिंसा और आत्मनिर्भरता के विचारों को कैसे स्वीकार करते हैं जैसे विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गयी।

प्रतिभागियों ने न केवल अपने काम और गांधीवादी विचारधाराओं का प्रदर्षन किया, उन्होंने विभिन्न मुद्दों पर भी चर्चा की जो भारत की अखण्डता और गरिमा को प्रभावित कर रहे हैं।

कार्यक्रम में महात्मा गांधी के 18–सूत्रीय रचनात्मक कार्यक्रम पर काम करने वाले व्यक्तियों, समूहों या संगठनों की सफलता की कहानियों

महात्मा गांधी की 150वीं जयन्ती पर रिसर्च इंडिया प्रेस द्वारा प्रकाशित और श्री अनूप तनेजा द्वारा लिखित पुस्तक का विमोचन करते संस्कृति मंत्रालय के सचिव श्री एस. सी. ब्रम्मा और उनके साथ श्री सीताराम गुप्ता, श्री कमलसिंह चौहान, श्री कलानंद मणि, श्री दीपंकर श्री ज्ञान और अन्य।

पर भी प्रकाश डाला गया और वे ग्रामीण क्षेत्रों में अल्पसंख्यकों, विशेषकर आदिवासी महिलाओं और बच्चों की आजीविका को कैसे बेहतर बनाने में सक्षम हुए हैं, जिसने जीवन स्तर को भी सकारात्मक रूप से प्रभावित किया है पर बात की गयी ।

प्रतिभागियों ने दोहराया कि महात्मा गांधी ने एक ऐसे समाज के बारे में सपना देखा था जहां कोई भेदभाव नहीं होगा, कोई असमानता नहीं होगी और कोई हिंसा नहीं होगी और उन्हें उम्मीद थी कि युवा गांधीवादी तकनीक और अहिंसा की पद्धति को अपनाते हुए नफरत फैलाने वाले भाषणों से दूर रहेंगे और हिंसा से प्रभावित लोगों के पुनर्वास के लिए काम करेंगे।

23 फरवरी को कार्यक्रम के समापन के दिन, महात्मा गांधी की 150वीं जयन्ती के उपलक्ष्य में रिसर्च इंडिया प्रेस द्वारा प्रकाशित श्री अनूप तनेजा द्वारा लिखित एक पुस्तक "इन्फ्लुएंस दैट शेप्ड द गांधीवादी विचारधारा–गोखले, राजचन्द्र, टॉलस्टॉय, रस्किन" का विमोचन किया।

समिति निदेशक श्री दीपंकर श्री ज्ञान, श्री कलानंद मुनी को समिति के प्रकाशनों की प्रति भेंट करते हुए। इस अवसर पर संस्कृति मंत्रालय के संयुक्त सचिव श्री एस. सी. ब्रम्मा भी उपस्थित हैं।

समावेशी विकास के लिए सरकार कर रही है गांधीवादी विचार का अनुसरणः श्री जितेन्द्र सिंह

समिति द्वारा 2 मार्च, 2020 को गांधी दर्शन में "महात्मा गांधी के भोजन के साथ प्रयोग–स्वास्थ्य की कुंजी" विषय पर एक दिवसीय संवाद कार्यक्रम की मेजबानी की। इस कार्यक्रम का आयोजन केन्द्रीय भण्डार के साथ–साथ उनके रणनीतिक साझेदार, सेंटर फॉर स्ट्रेटेजिक एंड लीडरशिप द्वारा किया गया था। इस अवसर पर केन्द्रीय राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार), पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्रालय, श्री जितेन्द्र सिंह मुख्य अतिथि थे।

इस अवसर पर श्री जितेन्द्र सिंह ने नोटबंदी के बारे में कहा कि सरकार देश के समावेशी विकास के लिए गांधीवादी विचार का अनुसरण कर रही है। उन्होंने कहा, "जो लोग स्वास्थ्य और भोजन के बारे में महात्मा गांधी के विचारों को महज सनक या जूनून के रूप में खारिज करते हैं, वे वास्तव में स्वयं पर अन्याय करते है क्योंकि ऐसा करके वे स्वयं को एक वैज्ञानिक राय से वंचित करते हैं"। श्री जितेन्द्र सिंह ने महात्मा गांधी की 150वीं जयन्ती पर कार्यक्रमों की एक विशेष श्रृंखला शुरू करने की घोषणा भी की।

कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित केन्द्रीय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्रालय डॉ. जितेन्द्र सिंह को चरखा भेंट कर सम्मानित किया गया।

उन्होंने आगे कहा, "जीवन के अन्य क्षेत्रों की तरह, गांधीजी ने न केवल गहराई से प्रयोग किये, बल्कि अपने स्वयं के प्रयोगों का परीक्षण भी किया। यह उन्होंने "सत्य" के साथ प्रयोग में और स्वास्थ्य और जीवन शैली के मामले में अपने प्रयोगों में भी सफलतापूर्वक किया।

कई उदाहरणों का जिक्र करते हुए, डॉ. जितेन्द्र सिंह ने कहा, महात्मा गांधी प्रत्येक दिन लगभग 18 किलोमीटर तक पैदल चलते थे और मानते थे कि यह उनके लिए एक फिटनेस परीक्षण था। वह अंत तक ऐसा करते रहे।

डॉ. जितेन्द्र सिंह ने कहा कि गांधीजी पूर्व एंटीबायोटिक युग में रहते थे और पहली एंटीबायोटिक दवा यानि पेनिसिलिन महात्मा गांधी की मृत्यु के समय के आसपास प्रयोग में आई थी। "लेकिन, आश्चर्यजनक बात है कि भले ही वह कभी विज्ञान के छात्र नहीं थे, लेकिन फिर भी गांधीजी ने अपने शरीर के साथ प्रयोग किए थे

और कुछ निष्कर्ष निकाले थे, उदाहरण के लिए, कच्ची सब्जी या कच्चे सलाद के दो औंस की खपत अधिक उपयोगी थी। उन्होंने कहा कि पकी हुई सब्जी के नौ औंस से अधिक मात्रा में विटामिन और एंटीऑक्सीडेंट मिलते हैं, जो संक्रमण और अन्य बीमारियों के खिलाफ शरीर की प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने में मदद करते हैं।

गांधी दर्शन में आयोजित संवाद कार्यक्रम में अपने विचार व्यक्त करते गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति के पूर्व सलाहकार श्री बसंत।

कार्यक्रम में उपस्थित विशिष्ट जनों के समक्ष अपने विचार प्रकट करते गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति के निदेशक श्री दीपंकर श्री ज्ञान।

उन्होंने कहा, "प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली हमारी सरकार बापू की शिक्षाओं को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है, जो एक राष्ट्र के विकास के लिए महत्त्वपूर्ण हैं। चाहे वह योग हो, स्वछता हो या स्वस्थ भोजन हो, हम समावेशी विकास के लिए गांधीवादी विचार का अनुसरण कर रहे हैं।"

केन्द्रीय भण्डार के प्रबंध निदेशक श्री मुकेश कुमार ने कहा, "गाँधीजी की 150वीं जयन्ती के उपलक्ष्य में केन्द्रीय भण्डार द्वारा एक छोटी सी भूमिका के रूप में, जिसमें प्रत्येक पाँच प्रमुख कार्यक्रमों पर ध्यान केन्द्रित किया गया है। यह न केवल राष्ट्रपिता के विचारों के प्रसार के लिए अपितु राष्ट्र के लोगों की वृद्धि और विकास के लिए भी महत्त्वपूर्ण है।"

श्रृंखला के पहले आयोजन की विषयवस्तु पर चर्चा करते हुए सेंटर फॉर स्ट्रेटेजी एंड लीडरशिप के मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री विकास शर्मा ने कहा कि "गांधीजी का जीवन एक सबक है और व्यक्ति को रोजमर्रा की जिंदगी में, विशेषकर राष्ट्र के युवाओं को उनकी शिक्षाओं को अपनाना चाहिए। युवा उनके आदर्शों के माध्यम से देश सबसे बड़ा परिवर्तन पैदा कर सकता है।" "एक स्वस्थ और सुपोषित आबादी देश के सतत विकास के लिए एक अनिवार्य शर्त है। भोजन पर गांधी के विचार हमें अपनी जीवन शैली को बेहतर बनाने और स्वस्थ जीवन जीने में मदद कर सकते हैं।

इस मौके पर एक चर्चा, लाइव खाना पकाने का सत्र, और सुश्री ज्योति द्वारा एक योग नृत्य प्रदर्शन "शिव तांडव स्तोत्रम्" प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम में सभी प्रतिभागियों के लिए निशुल्क आहार और योग परामर्श के साथ एक प्रदर्शनी भी प्रदर्शित की गई।

इस कार्यक्रम में संसद के सदस्य, वरिष्ठ सरकारी अधिकारी, प्रख्यात गांधीवादी, विभिन्न देशों के मिशन के प्रमुख, संयुक्त राष्ट्र के प्रतिनिधि डॉक्टर आहार विशेषज्ञ, प्राकृतिक चिकित्सक, रसोइये, ब्लॉगर और मीडियाकर्मी सहित अनेक गणमान्य लोग शामिल हुए।

इससे पूर्व समिति निदेशक श्री दीपंकर श्री ज्ञान व समिति के पूर्व सलाहकार श्री बसंत ने श्री जितेन्द्र सिंह को अंगवस्त्रम और चरखे से सम्मानित किया।

उन्होंने 'महात्मा गांधी के भोजन के साथ प्रयोगः स्वास्थ्य की कुंजी' पर एक सत्र में भाग लिया, जिसमें संयुक्त राष्ट्र विश्व खाद्य कार्यक्रम (डब्ल्यूएफपी) से श्री बिशू पारुलजी और गांधी स्मारक प्रचारक चिकत्सा समिति के डॉ. ए. के. अरुण जैसे वक्ताओं ने भाग लिया।

इस अवसर पर अशोक, होटल के रसोइयों ने कार्यक्रम में आयोजित फूड एक्सपो में भाग लिया।

उन्मुख कार्यक्रम

अहिंसक संचार के माध्यम से न्यायपालिका में मध्यस्थता की शक्ति का अनुकरण

समिति द्वारा 27 अप्रैल, 2019 को जिला और सत्र न्यायालय, साकेत, नई दिल्ली के परिसर में "अहिंसक संचार" पर एक सत्र आयोजित किया गया था। इस कार्यक्रम में न्यायमूर्ति आशा मेनन, जिला एवं सत्र न्यायाधीश, दक्षिण, जस्टिस गिरीश कटपालिया, जिला और सत्र न्यायाधीश, दक्षिण पूर्व, गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति के निदेशक श्री दीपंकर श्री ज्ञान और कार्यक्रम अधिकारी श्री वेदाभ्यास कुण्डू उपस्थित थे। अतिरिक्त जिला न्यायाधीश न्यायमूर्ति विनीता गोयल ने कार्यक्रम का समन्वय किया और मेहमानों का स्वागत किया।

जिला एवं सत्र न्यायालय साकेत में आयोजित कार्यक्रम का दीप प्रज्ज्वलन कर, उद्घाटन करते हुए जस्टिस आशा मेनन।

इस अवसर पर बोलते हुए न्यायमूर्ति आशा मेनन ने कार्यक्रम के विषय पर चर्चा की। उन्होंने एक वकील के रूप में गांधी विचारों के बारे में अपने दृष्टिकोण पर बात की। मार्शल रोसेनबर्ग का हवाला देते हुए, उन्होंने बताया कि सहानुभूति बेहतर मानवीय सम्बन्धों के लिए सबसे मूलभूत भावना है। उन्होंने न्यायिक प्रणालियों में मध्यस्थता के आवश्यक उपकरण के रूप में अहिंसक संचार पर भी प्रकाश डाला।

इस अवसर पर डॉ. वेदाभ्यास कुण्डू द्वारा लिखे गए अहिंसक संचार पर आधारित मॉड्यूल का शुभारम्भ भी किया गया।

"गैर–हिंसात्मक संचार का परिचय" विषय पर आयोजित सत्र में डॉ. वेदाभ्यास कुण्डू ने बताया कि स्वस्थ भोजन खाने और स्वच्छ हवा के लिए संचार कितना महत्त्वपूर्ण है। उन्होंने जोर देकर कहा, सकारात्मक और प्यार भरा संचार हमें पोषण देता है, हमें स्वस्थ बनाता है, हमारी भलाई और खुशी को बढ़ावा देता है। जबकि, नकारात्मक और हिंसक संचार हमें तनावपूर्ण और दुखी बनाता है और यह हमारे स्वास्थ्य पर भारी पड़ता है, यह संघर्ष को बढ़ावा देता है, बीमार बनाता है और रिश्तों के टूटने के लिए उत्तरदायी होता है।"

वियतनामी जेन मास्टर थिच नट हान को उद्धृत करते हुए डॉ. कुण्डू ने कहा, "जब हम कुछ ऐसा कहते हैं जो हमारा पोषण करता है और हमारे आस–पास के लोगों का उत्थान करता है, तो हम प्यार और करुणा दिखा रहे हैं। जब हम इस तरह से बोलते और कार्य करते हैं जिससे तनाव और गुस्सा पैदा होता है, तो हम हिंसा और पीड़ा को पोषित कर रहे हैं।"

(ऊपर) श्री दीपंकर श्री ज्ञान उपस्थित लोगों को सम्बोधित करते हुए और (नीचे) वार्ता में भाग लेते अधिवक्तागण। चित्र में श्री गिरीश कातपलिया, जिला एवं सत्र न्यायाधीश, सुश्री आशा मेनन जिला एवं सत्र न्यायाधीश और डॉ. वेदाभ्यास कुण्डू, कार्यक्रम अधिकारी, गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति।

उन शब्दों के बारे में बात करते हुए जो पोषण के लिए सहायक हो सकते हैं, उन्होंने कहा, "हम उन शब्दों का उपयोग कर सकते हैं जो स्वयं को पोषण करेंगे और किसी अन्य व्यक्ति को पोषण देंगे। उन्होंने कहा कि आप जो कहते हैं, जो लिखते हैं, उसमें केवल करुणा और समझ की भावना को व्यक्त करना चाहिए। आपके शब्द किसी अन्य व्यक्ति में आत्मविश्वास और खुलेपन को प्रेरित कर सकते हैं। उदारता से प्रेमपूर्ण भाषण का अद्भुत अभ्यास किया जा सकता है।

उन्होंने सत्र को आगे बढ़ाते हुए बताया कि किस तरह हम दिन–प्रतिदिन अस्वस्थ संवाद में लिप्त रहते हैं। उन्होंने कहा कि "ज्यादातर बार

हम इससे बेखबर होते हैं। हमारा अहंकार, आधिपत्य की भावना और श्रेष्ठता, दूसरों के साथ मतभेद, हमारी खुद की जीवन स्थितियां और कई अन्य कारण इस बात के कारक हो सकते हैं कि हम अस्वस्थ संचार का पीछा क्यों करते हैं। आमतौर पर, हमारे पास दूसरों को सुनने का धैर्य नहीं होता है या हो सकता है कि हम स्वयं जागरूक न हों और जाने–अनजाने में हम क्षुद्र बातों में पड़ जाते हैं या ऐसे शब्दों का इस्तेमाल करते हैं जो न केवल स्वयं बल्कि दूसरों के लिए भी दुख का कारण बन सकते हैं। यह ऐसी स्थिति है, जब हम जिस

अहिंसक संचार पर एक सत्र को सम्बोधित करते डॉ. वेदाभ्यास कुण्डू, कार्यक्रम अधिकारी, गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति।

तरह से संवाद करते हैं वह हमारी अस्वस्थकर जीवनशैली का हिस्सा बन जाता है, ऐसे संचार के लिए विशेष प्रयास करने की आवश्यकता होती है जो हमें पोषण प्रदान करता है और हमें स्वस्थ बनाता है।"

उन्होंने गांधी की अहिंसा के पांच मूल स्तम्भों का वर्णन किया, जिनमें शामिल हैं: 'सम्मान', 'समझ', 'स्वीकृति', 'प्रशंसा' और 'करुणा'। अहिंसक संचार के लिए गांधीवादी दृष्टिकोण का वर्णन करते हुए उन्होंने, अहिंसक भाषण और कार्रवाई रिश्ते का रखरखाव और व्यक्तित्व, खुलेपन, लचीलेपन को समृद्ध करना आदि मुद्दों पर बात की।

उन्होंने यह कहकर समापन किया कि एक संघर्ष में एक प्रतिद्वंद्वी के साथ गांधीवादी जुड़ाव का अंतर्निहित सिद्धांत संचार के चैनलों को खुला रखना, डरा–धमका कर बचने और संवाद की सभी बाधाओं को दूर करना है। उन्होंने कहा, "इस तरह का खुलापन सामाजिक सहभागिता की एक सुनियोजित रणनीति है और दूसरा, कठोर व्यक्तिगत व्यवहार अनुशासन है।"

समिति निदेशक श्री दीपंकर श्री ज्ञान, ने पूर्व कानूनी पेशेवर के रूप में अपने अनुभव साझा किए। उन्होंने एक वकील के रूप में वास्तविक अनुभवों के आधार पर अपनी चर्चा को केन्द्रित किया और जब भी आवश्यक हो, समस्याओं को हल करने, संवाद करने और इसे दोहराने के लिए एक मंच बनाने का प्रयास किया।

उन्होंने सहानुभूति, पारस्परिक झुकाव और सम्मान जैसे अहिंसक संचार के महत्त्वपूर्ण तत्वों की विवेचना करते हुए कहा कि जरूरत के स्तर से दूसरे दृष्टिकोण को समझने की कोशिश की, सक्रिय श्रवण कौशल, किसी के दृष्टिकोण में लचीलापन, आदि का अभ्यास किया, जिसमें कहा गया था, अगर अभ्यास किया जाए एक बेहतर ग्राहक–वकील सम्बन्ध बनाने में मदद कर सकता है। उन्होंने बताया कि यह दो विरोधी दलों के बीच जन्मजात माहौल बनाने में भी मदद कर सकता है जिससे बातचीत और मध्यस्थता के द्वार खुल सकते हैं।

केस स्टडी का हवाला देते हुए, श्री दीपंकर श्री ज्ञान ने आगे बताया कि कैसे अहिंसक संचार की तकनीकों का उपयोग करके, एक मध्यस्थ प्रभावी ढंग से विवादित पक्षों के बीच सामंजस्य स्थापित करने में योगदान दे सकता है। उन्होंने कहा कि अहिंसक संचार के तत्वों का उपयोग करके, मध्यस्थ एक पक्ष की जरूरतों से जुड़ने में मदद कर सकता है जो उन्हें संघर्ष की स्थिति के लिए प्रेरित कर रहा है और फिर उन्हें दूसरे पक्ष से सम्पर्क कर रहा है। इसके अलावा, तकनीकों के उपयोग से विवादित पक्षों को बातचीत के लिए सहमत होने में मदद मिल सकती है और उन रणनीतियों को खोजने के लिए सहयोग करना शुरू कर सकते हैं जो उन दोनों के लिए काम कर सकते हैं।

"अहिंसक संचार एक मध्यस्थ को प्रत्येक पक्ष को बिना किसी पूर्वाग्रह या रूढ़ियों के सुनने में मदद करता है और यह जजमेंटल नहीं है। यह एक ईमानदार, प्रामाणिक और सम्मानजनक संवाद का समर्थन करता है। मध्यस्थ प्रत्येक पक्ष को एक रोगी और दयालु सुनवाई दिया जाता है यह सुनिश्चित करने के लिए क्षमताओं का विकास करेगा", उन्होंने जोर देते हुए कहा, "मध्यस्थता का एक सामान्य उद्देश्य उन रिश्तों को चंगा करना है जो दर्दनाक के रूप में अनुभव किए जा रहे हैं, जहां

वकीलों और अधिवक्ताओं के साथ संवाद सत्र, कार्यक्रम का प्रमुख आकर्षण था।

लोग आपसी विश्वास के साथ संघर्ष कर रहे हैं। मध्यस्थता विशेष रूप से मूल्यवान है जब हमारे पास रिश्तों में कठिन–से–सुलझने वाले संघर्ष होते हैं जिनकी हम वास्तव में परवाह करते हैं (उदाहरण के लिए परिवार के सदस्यों, दोस्तों, पड़ोसियों या सहकर्मियों के साथ)।"

इसके अलावा, उन्होंने न्यायपालिका के सन्दर्भ में बेहतर सम्बन्धों की अवधारणा प्रस्तुत की, जो है, गहरा सुनना–धैर्यपूर्वक सुनना।

इस अवसर पर परिचर्चात्मक सत्र भी आयोजित किए गए, जिसमें न्यायधीशों ने सक्रिय रूप से भाग लिया और अपने अनुभव साझा किए। अधिवक्ताओं में से एक ने प्रत्येक नए या पुराने सहयोगी को सम्मानपूर्वक सम्बोधित करके आपसी सम्मान के अभ्यास करने का अपना अनुभव साझा किया।

जस्टिस गिरीश कटपालिया ने धन्यवाद प्रस्ताव रखा।

लोक अभियोजकों के लिए अहिंसक संचार पर कार्यशाला

गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति ने 12 जून, 2019 को दिल्ली न्यायिक अकादमी के सहयोग से "गांधीवादी अहिंसक संचार" पर सरकारी अभियोजकों के लिए उन्मुखीकरण कार्यक्रम का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में लगभग 70 सरकारी अभियोजकों ने भाग लिया। कार्यशाला का संचालन समिति के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. वेदाभ्यास कुण्डू ने किया। उन्होंने गांधीवादी अहिंसा, अहिंसक संचार के विभिन्न तत्वों और कैसे सरकारी अभियोजक अपने पेशेवर काम में इन साधनों का उपयोग कर सकते हैं, के बारे में बताया।

गांधी दर्शन में सरकारी अभियोजकों की सभा को सम्बोधित करते हुए, डॉ. वेदाभ्यास कुण्डू, कार्यक्रम अधिकारी, गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति।

विभिन्न केस स्टडी की जांच के दौरान अलग–अलग मामलों के अध्ययन पर चर्चा की गई और विभिन्न स्थितियों में अहिंसक संचार के विभिन्न तत्वों का कैसे उपयोग किया जा सकता है, इसका पता लगाया गया। यह कार्यक्रम कानूनी प्रक्रिया में गांधीवादी अहिंसक संचार और विवादों के समाधान को शुरू करने के लिए समिति की पहल का हिस्सा था।

नवनियुक्त न्यायिक अधिकारियों का अहिंसक संचार में प्रशिक्षण

समिति ने 27 जुलाई, 2019 को दिल्ली न्यायिक अकादमी में अहिंसक संचार पर नवनियुक्त न्यायिक अधिकारियों का एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया। लगभग 100 न्यायिक अधिकारियों ने प्रशिक्षण में भाग लिया। प्रशिक्षण का संचालन प्रोफेसर टी. के. थॉमस, वरिष्ठ मीडिया शिक्षक और डॉ. वेदाभ्यास कुण्डू, कार्यक्रम अधिकारी, गांधी स्मृति और दर्शन समिति द्वारा किया गया था।

दिल्ली न्यायिक अकादमी में सत्र का संचालन करते हुए डॉ. टी. के. थॉमस।

डॉ. कुण्डू ने अहिंसक संचार के विभिन्न तत्वों और कानूनी प्रणाली में उनके महत्व पर विस्तार से बताया। उन्होंने न्यायिक सहानुभूति पर भी बात की। इस बात पर विस्तृत चर्चा हुई कि अहिंसक संचार के तत्व बार और बेंच के बीच सार्थक बातचीत में कैसे मदद कर सकते हैं। प्रो. टी. के. थॉमस ने स्व जागरूकता और अंतरव्यक्तिगत संचार के महत्त्व पर आयोजित सत्र की अध्यक्षता की। कार्यशाला के दौरान समूह गतिविधियाँ भी आयोजित की गयी।

गांधीवादी दर्शन पर नव नियुक्त सहायक सचिवों (IAS अधिकारियों) का ओरिएन्टेशन कार्यक्रम

समिति द्वारा 9 अगस्त, 2019 को नवनियुक्त सहायक सचिवों का एक दिवसीय उन्मुखीकरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में लगभग 160 सहायक सचिवों को लिया गया। इस अवसर पर श्री श्रीकृष्ण कुलकर्णी, आईआईएम, कोलकाता के अध्यक्ष और महात्मा गांधी के प्रपौत्र द्वारा गांधीवादी दर्शन और आदर्शों पर व्याख्यान दिया गया।

गांधी दर्शन में उपस्थित वक्ता श्री श्रीकृष्ण कुलकर्णी और श्री के. श्रीनिवास (ऊपर) से संवाद करते प्रतिभागीगण।

उन्होंने गांधीवादी दर्शन के विभिन्न आयामों और मूल्यों पर बात की, जो सिविल सेवकों के लिए महत्त्वपूर्ण हैं। कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग के अतिरिक्त सचिव, श्री के. श्रीनिवास ने कहा कि सिविल सेवक अपने कर्तव्यों के निर्वहन में गांधीवादी दृष्टिकोण को कैसे एकीकृत कर सकते हैं।

न्यायिक प्रणाली में अहिंसक संचार को सम्मिलित करने पर अभिविन्यास कार्यक्रम

गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति और दिल्ली न्यायिक अकादमी ने संयुक्त रूप से 14 अक्तूबर, 2019 को गांधी दर्शन में न्यायिक अधिकारियों के लिए

"न्यायिक प्रणाली में अहिंसात्मक संचार को एकीकृत करने" पर एक अभिविन्यास कार्यक्रम का आयोजन किया। समिति निदेशक श्री दीपंकर श्री ज्ञान ने 150 न्यायिक अधिकारियों का स्वागत करते हुए प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन किया। डॉ. वेदाभ्यास कुण्डू, कार्यक्रम अधिकारी गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति ने एक दिवसीय परिचर्चात्मक प्रशिक्षण कार्यक्रम का संचालन किया।

गांधी दर्शन में न्यायिक अधिकारियों की सभा में उनसे संवाद करते समिति निदेशक श्री दीपंकर श्री ज्ञान। साथ में डॉ. वेदाभ्यास कुण्डू, कार्यक्रम अधिकारी, गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति भी दिखाई दे रहे हैं।

अहिंसक संचार में प्रशिक्षण

समिति द्वारा 25 नवम्बर, 2019 को आर्केड बिजनेस स्कूल, पटना, बिहार के छात्रों के लिए अहिंसक संचार पर प्रशिक्षण सत्र आयोजित किया गया। समिति के कार्यक्रम अधिकारी, डॉ. वेदाभ्यास कुण्डू ने कार्यक्रम का संचालन किया।

इसके अतिरिक्त समिति द्वारा भारतीय स्कूल ऑफ बिजनेस, पटना, बिहार के छात्रों के लिए 'अहिंसक संचार' पर एक और आधे दिन का प्रशिक्षण सत्र आयोजित किया गया था। इसका संचालन भी समिति के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. वेदाभ्यास कुण्डू ने किया।

न्यायिक प्रणाली में अहिंसक संचार पर कार्यशाला

दिनांक 11 दिसम्बर, 2019 को नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ स्टडी एंड रिसर्च इन लॉ, रांची में न्यायिक प्रणाली में अहिंसक संचार पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में विभिन्न विधि महाविद्यालयों के छात्रों ने भाग लिया। कार्यशाला का संचालन निदेशक, दीपंकर श्री ज्ञान और कार्यक्रम अधिकारी डॉ. वेदाभ्यास कुण्डू ने किया। यह न्यायिक प्रणाली में अहिंसक संचार को बढ़ावा देने के लिए समिति की पहल का हिस्सा था। इसका उद्देश्य बार और बेंच, वकीलों और मुवक्किलों और गवाहों व अभियोजकों के बीच सार्थक बातचीत को बढ़ावा देना था।

पटना में एक सत्र को सम्बोधित करते गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. वेदाभ्यास कुण्डू। उन्हें तल्लीनता से सुनते प्रतिभागी।

पूर्वोत्तर में कार्यक्रम

• असम

गांधी समर स्कूल का आयोजन

गाँधी स्मृति एवं दर्शन समिति द्वारा राज्य बाल भवन, समाज कल्याण विभाग, असम सरकार के सहयोग से 27–31 मई, 2019 तक असम के उजानबाजार स्थित राजकीय बाल भवन में पांच दिवसीय गांधी समर स्कूल का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में लगभग 82 बच्चों ने भाग लिया। इस अवसर पर विभिन्न गतिविधियाँ जैसेः संचार अभ्यास के रूप में कॉमिक्स, माइम, स्टोरी टेलिंग, कठपुतली और न्यूजलैटर पर कार्यशाला विभिन्न संसाधन व्यक्तियों के माध्यम से छात्रों के लिए आयोजित की गई थी। माइम के लिए संसाधन व्यक्ति कोई और नहीं बल्कि प्रसिद्ध अंतरराष्ट्रीय माइम कलाकार श्री मैनुल हक थे। सुश्री देवरशी गोस्वामी ने छात्रों को माइम में प्रशिक्षित किया। जबकि श्री एन दास ने स्टोरी टेलिंग पर सत्र लिया, कठपुतली प्रशिक्षण कार्यक्रम सुश्री अर्चना तालुकदार द्वारा आयोजित किया गया था। सुश्री इलोरा गोस्वामी ने समाचार पत्र लेखन पर प्रशिक्षण का संचालन किया।

(ऊपर) राज्य बाल भवन असम में आयोजित गांधी समर स्कूल का उद्घाटन। (नीचे) प्रतिभागियों की पारम्परिक लोकनृत्य की प्रस्तुति ने लोगों का मन मोह लिया।

छात्रों ने इस मौके पर सरनिया हिल्स स्थित गांधी आश्रम और कस्तूरबा गांधी राष्ट्रीय मेमोरियल ट्रस्ट असम शाखा में बापू कुटीर का भी दौरा किया, जहां ट्रस्ट के प्रतिनिधियों ने महात्मा गांधी के जीवन संदेश पर उनसे बात की।

(ऊपर और नीचे) गांधी समर स्कूल असम में विभिन्न गतिविधियों में भाग लेते प्रतिभागी।

गांधी समर स्कूल के समापन समारोह में प्रार्थना और अन्य संगीत कार्यक्रम लोगों के आकर्षण का केन्द्र रहे।

31 मई, 2019 को पांच दिवसीय ग्रीष्मकालीन स्कूल के समापन समारोह में प्रतिभागी बच्चों द्वारा असम की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का ज्वलंत प्रदर्शन किया गया। गुवाहाटी विश्वविद्यालय की कुलपति डॉ. मृदुल हज़ारिका इस अवसर पर मुख्य अतिथि थी। प्रख्यात कलाकार, श्री रमेश बैरवा इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि थे। सुश्री कुसुम बोरा, सामाजिक कार्यकर्त्ता और श्री जयदेव दास भी उपस्थित थे। निदेशक समाज कल्याण विभाग असम सुश्री जूरी फूकन ने इस अवसर पर अथितियों का आभार व्यक्त किया। श्रीमती कविता शर्मा भट्टाचार्य, प्राचार्य स्टेट बाल भवन असम, जिन्होंने पूरे पांच दिवसीय गांधी समर स्कूल कार्यशाला का समन्वय किया, भी इस अवसर पर उपस्थित थीं।

समापन समारोह में बच्चों द्वारा अहिंसा और शांति पर प्रस्तुत किए गए सांस्कृतिक कार्यक्रम ने लोगों का मंत्रमुग्ध कर दिया।

सभा को सम्बोधित करते हुए, डॉ. मृदुल हजारिका ने इस बात पर जोर दिया कि बच्चों को नियमित पाठ्यक्रम आधारित शिक्षा प्रदान करने के अलावा, उन्हें भारत की सांस्कृतिक विरासत से भी अवगत कराया जाना चाहिए।

- असम

शांति निर्माण और परस्पर सह–अस्तित्व पर स्कूली बच्चों के लिए कार्यशाला

गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति द्वारा 09 अगस्त, 2019 को एक्सोम विद्या मंदिर, नोनमाटी, गुवाहाटी, असम के स्कूली बच्चों के लिए ''शांति निर्माण और परस्पर सह–अस्तित्व'' विषय पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। यह कार्यशाला सुबह 8.30 बजे आरम्भ होकर दोपहर 3.00 बजे लंच के बाद सम्पन्न हुई, जिसमें करीब 110 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। विभिन्न पृष्ठभूमि और क्षेत्रों से आये चार वक्ताओं ने अपने व्याख्यान और प्रस्तुतियों द्वारा छात्रों को प्रेरित किया।

क्षेत्र के प्रसिद्ध सामाजिक कार्यकर्त्ता और श्री गुप्ता हाई स्कूल के सेवानिवृत्त प्रधानाचार्य श्री किरण चन्द्र दास ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया।

कार्यक्रम के दौरान बच्चों से बात करते एक्जोम विद्यामंदिर के प्राचार्य श्री रमन तालुकदार।

गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति के पूर्वोत्तर समन्वयक श्री गुलशन गुप्ता ने शान्ति निर्माण और आपसी सह–अस्तित्व पर अपने विचार साझा किए।

पेट्रो, खाद्य और पोषण विस्तार इकाई, गुवाहाटी, (महिला और बाल विकास मंत्रालय) की प्रदर्शन अधिकारी सुश्री इशिता अधिकारी ने 'शान्तिपूर्ण जीवन के लिए शान्तिपूर्ण खानपान की आदतें और परस्पर सह–अस्तित्व' विषय पर बात की। श्री संजय कुमार दास, सामाजिक कार्यकर्त्ता, ने भी कार्यशाला में अपने विचार रखे।

एक्सोम विद्यामंदिर के प्रधानाचार्य श्री रमन तालुकदार ने छात्रों को गांधी ग्लोबल सोलर यात्रा के बारे में बताया, जो 2 अक्तूबर, 2019 को गांधी स्मृति द्वारा आयोजित की जानी है।

शिक्षकों और छात्रों के बीच शान्ति और अहिंसक संचार के महत्व पर शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम

गांधी स्मृति और दर्शन समिति, नई दिल्ली द्वारा जमुना देवी सरस्वती विद्या मंदिर, उमरंग्सो के सहयोग से 16–17 अगस्त, 2019 को ''शिक्षकों और छात्रों के बीच शान्ति और अहिंसक संचार के महत्व पर एक प्रशिक्षण कार्यक्रम'' का आयोजन किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में उमरंगो के विभिन्न स्कूलों के 70 शिक्षकों और प्राचार्यों ने हिस्सा लिया। कार्यशाला के दौरान संसाधन व्यक्तियों, स्वयंसेवकों और आयोजकों सहित 75 से अधिक लोग शामिल थे।

श्री कांति देब नाथ, प्राचार्य जे. डी. हाग्जर कॉलेज, उमरंग्सो कार्यक्रम के मुख्य वक्ता थे। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि व्यावसायिक शिक्षा के सार में न केवल ज्ञान का संचार करना शामिल है, बल्कि एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी तक मूल्य और दृष्टिकोण भी शामिल हैं। उन्होंने सुझाव दिया कि शान्ति के कई तरीके हैं–जैसे 'निरीक्षण', 'मध्यस्थता', 'क्षमा', 'सुनना', 'समर्पण'।

समूहचित्र के दौरान गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति के पूर्वोत्तर संयोजक श्री गुलशन गुप्ता अन्य लोगों के साथ।

उमरंगो के डिमराजी स्कूल के प्राचार्य सुश्री शिवा जोहरी ने भी इस अवसर पर बात की। दूसरे दिन कपिली हाई स्कूल के श्री मलय कृष्ण दास ने शिक्षकों और छात्रों के बीच शिक्षण पहलुओं और संघर्ष पर बात की। उन्होंने कहा कि शिक्षकों का सम्मान और छात्रों के लिए करुणा दोनों शिक्षण प्रथाओं में समान रूप से महत्त्वपूर्ण हैं।

खलमा फेडरेशन के श्री होइचुंगलिंग खेलमा ने गांधी की अहिंसा और उनके जीवन के बारे में बात की।

समिति के प्रतिनिधि, श्री गुलशन गुप्ता ने भी दोनों दिनों इस विषय पर अपनी प्रस्तुति दी। पहले दिन प्रस्तुति अहिंसक संचार के गांधीवादी सिद्धांत पर आधारित थी। जिसमें उन्होंने गांधीवाद के प्रसिद्ध कार्यकर्त्ता और गांधी दर्शन के अनुयायी श्री नटवर ठक्कर के अहिंसक संचार साक्षरता के विचार को साझा किया, जहां उन्होंने न केवल अपने साथ, बल्कि समाज के साथ संवाद करने की क्षमता और योग्यता के बारे में बात की।

- **मेघालय**

सौर ऊर्जा पर कार्यशालाः सतत् ऊर्जा का एक स्रोत

'इस दुनिया में सभी की आवश्यकताओं की पूर्ती के लिए पर्याप्त साधन है, लेकिन सभी के लालच के लिए नहीं', जोवाई कॉलेज के परमाणु भौतिकीविद् डॉ. दमवन सुक्यांग, ने महात्मा गांधी के

फाइल फोटो : मेघालय के एक स्कूल के बच्चे अपना सौलर लैंप उठाए हुए। राज्य के मुख्यमंत्री श्री सी. संगमा के साथ।

(फोटो सौजन्य–फेसबुक)

इन शब्दों के साथ इस धरती पर रहने वाले जीवों के लिए प्रकृति द्वारा उपलब्ध कराए गए संसाधनों के महत्व की ओर संकेत किया।

वह "सौर ऊर्जा: एक सतत ऊर्जा का स्रोत" विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला के दौरान छात्रों को सम्बोधित कर रहे थे, जिसका आयोजन गांधी स्मृति और दर्शन समिति द्वारा खड़–अर–नोर उच्च प्राथमिक विद्यालय, शांगपंग, पश्चिम जयंतिया हिल्स, मेघालय में 13 अगस्त, 2019 में किया गया था। इसमें खड़–अर–नोर उच्च प्राथमिक विद्यालय के शिक्षकों सहित लगभग 200 छात्रों ने कार्यशाला में भाग लिया।

कार्यशाला के एक अन्य संसाधन व्यक्ति श्री राहुल कुमार पारिख ने कहा कि सौर ऊर्जा का उपयोग मानव के सतत् विकास के लिए किया जा सकता है।

गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति से श्री गुलशन गुप्ता ने कार्यक्रम का समन्वय किया। उन्होंने आईआईटी नई दिल्ली के सहयोग से समिति द्वारा शुरू की गयी 'गांधी ग्लोबल सोलर यात्रा' कार्यक्रम पर भी जानकारी साझा की। धन्यवाद ज्ञापन विद्यालय के मुख्याध्यापक श्री हेइबोरी सुन्गोह ने दिया।

- **अरुणाचल प्रदेश**

"टेक्नो–गांधीवादी दर्शन" पर पांच दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

गांधी अध्ययन केन्द्र, एनआईटी अरुणाचल प्रदेश के सहयोग से गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति ने राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, अरुणाचल प्रदेश में "टेक्नो–गांधीवादी दर्शन" पर पांच दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया। इस आयोजन में अरुणाचल प्रदेश के विभिन्न कॉलेजों और स्कूलों ने भाग लिया, जैसे दिमुख गवर्नमेंट कॉलेज, इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग इंस्टीच्यूट यूपिया, बिन्नी यंग गवर्नमेंट वीमेंस कॉलेज और गवर्नमेंट स्कूल नाहरलागुन।

इस समारोह का उद्घाटन श्री गुलशन गुप्ता, पूर्वोत्तर संयोजक गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति एनआईटी–एप के निदेशक डॉ.

अरुणाचल प्रदेश में आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को सम्बोधित करते गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति के पूर्वोत्तर संयोजक श्री गुलशन गुप्ता।

किमजौली, सहित अनेक गणमान्य व्यक्तियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन द्वारा किया गया था।

श्री मृगेन्द्र गोगोई मुख्य योग अनुदेशक आर्ट ऑफ लिविंग, अरुणाचल प्रदेश, डॉ. ताका लोंगकुमेर, चिकित्सा अधिकारी, आई. टी. बी. पी., यूपिया, श्री नाजुद्दीन खान, सहायक कमांडेंट, आईटीबीपी, यूपिया, प्रो. एलिजाबेथ हैंगिंग, प्राध्यापक, शिक्षा विभाग और विभागाध्यक्ष, आरजीयू, रोनो हिल्स, अरुणाचल प्रदेश ने कार्यशाला में भाग लिया।

अरुणाचल प्रदेश में आयोजित कार्यशाला में क्राफ्ट बनाते हुए प्रतिभागी।

कार्यशाला के दूसरे भाग में विभिन्न इनडोर और आउटडोर गतिविधियों का संचालन किया गया। इनडोर गतिविधियों में बांस क्राफ्टिंग (कचरा डिब्बे, टोकरी आदि जैसे विभिन्न उत्पाद बनाने के लिए), निबंध प्रतियोगिता, स्लोगन प्रतियोगिता, क्राफ्टिंग प्रतियोगिता, स्टूडेंट ऑफ द वीक प्रतियोगिता आदि शामिल थीं। छात्रों ने प्रतियोगिताओं की विभिन्न रोमांचक गतिविधियों में भाग लिया। प्रोत्साहन के रूप में प्रतियोगिताओं के लिए ट्रॉफी, शील्ड प्रमाण पत्र और नकद पुरस्कार की व्यवस्था की गई थी।

आउटडोर गतिविधियों में हथकरघा और वस्त्र उद्योग के क्षेत्र की अवलोकन यात्रा की गयी, यह उद्योग सरकार के अधीन है, इसके अतिरिक्त निजी वस्त्र उद्योग का भी दौरा किया गया।

इस कार्यक्रम का समापन एक सुन्दर वैदिक कार्यक्रम–सह–पुरस्कार वितरण के साथ हुआ। एनआईटी के निदेशक (प्रतियोगिता पुरस्कार) और डॉ. आर. पी. शर्मा, एसोसिएट प्रोफेसर, बीएएस, एनआईटी (भागीदारी प्रमाण पत्र) द्वारा पुरस्कार वितरित किए गए। यह कार्यक्रम उत्साह, उमंगऔर खुशी के साथ सफलतापूर्वक पूरा हुआ। एनआईटी के निदेशक ने धन्यवाद प्रस्ताव दिया।

- **असम**

सतत् विकास लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए सतत नेतृत्व पर एक दिवसीय कार्यशाला

दिनांक 29 अगस्त, 2019 को मोरन जूनियर कॉलेज, मोरनहाट, डिबरूगढ़, असम के छात्रों के लिए सतत् विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए स्थायी नेतृत्व पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में लगभग 300 छात्रों और शिक्षकों ने भाग लिया।

महाविद्यालय के प्राचार्य श्री प्रशांत दत्ता ने टिकाऊ नेतृत्व के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की और समाज के निर्माण में यह कैसे मदद करता है, इस पर चर्चा की। उन्होंने यह भी बात की कि कैसे स्थायी नेतृत्व परस्पर सह–अस्तित्व को बढ़ावा देने में मदद कर सकता है।

डिबरूगढ़ असम में कार्यशाला का संचालन करते हुए गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति के पूर्वोत्तर संयोजक श्री गुलशन गुप्ता।

गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति के पूर्वोत्तर समन्वयक श्री गुलशन गुप्ता ने कहा कि महात्मा गांधी को सबसे प्रभावशाली नेताओं में से एक माना जाता है। गांधी के कई मूल सिद्धांत उल्लेखनीय रूप से नेतृत्व क्षमता और आत्म–विकास के क्षेत्र में प्रासंगिक हैं।

आपसी सह–अस्तित्व और शान्ति निर्माण में बच्चों की भूमिका पर कार्यशाला

समिति ने 31 अगस्त, 2019 को अमलप्रभा दास शिक्षा प्रतिष्ठान, लालमती, बसिस्त, गुवाहाटी में शान्ति निर्माण में बच्चों की भूमिका और परस्पर सहअस्तित्व पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया। इस स्कूल की स्थापना पूर्वोत्तर के वरिष्ठ गांधीवादी बैदो अमलप्रभा दास की स्मृति में की गई थी ।

कार्यशाला में लगभग 100 छात्रों ने हिस्सा लिया। इसमें शिक्षक, स्कूल स्टाफ और प्रबंधन समिति के सदस्य भी मौजूद थे।

श्रीमती कुसुम बोरा मोकाशी, प्रतिनिधि, कस्तूरबा गांधी राष्ट्रीय स्मारक ट्रस्ट, सरानिया आश्रम, गुवाहाटी ने पर्यावरण के विषय पर गांधीवादी दृष्टिकोण के बारे में बात की। उन्होंने कहा कि गांधीवादी दृष्टिकोण को न अपनाना पर्यावरण क्षरण का मूल कारण था।

समिति के पूर्वोत्तर समन्वयक गुलशन गुप्ता ने कहा कि हम सभी अपने अधिकारों के बारे में बात करते हैं लेकिन अपने कर्त्तव्यों को लेकर उदासीन बने रहते हैं। उन्होंने सकारात्मक मानवीय मूल्यों के पोषण की आवश्यकता के बारे में बात की जो शान्ति और पारस्परिक सह–अस्तित्व की कुंजी है।

पूर्वोत्तर युवा सम्मेलन का आयोजन

गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति, नई दिल्ली के सहयोग से जनसंचार और पत्रकारिता विभाग, तेजपुर विश्वविद्यालय ने 'शांति और अहिंसा की संस्कृति में युवा की भूमिका' विषय पर तीन दिवसीय पूर्वोत्तर युवा सम्मेलन 6 से 8 सितम्बर को आयोजन किया। पूर्वोत्तर भारत के 18 संस्थानों के कुल 150 प्रतिभागियों ने इस सम्मेलन में भाग लिया। सम्मेलन में युवा ऊर्जा, जीवंतता और उत्साह का सबसे अद्भुत संगम देखा गया, और दुनिया में बदलाव लाने के लिए युवा लोगों की शक्ति और क्षमता का प्रदर्शन किया गया।

उद्घाटन समारोह में वरिष्ठ पत्रकार श्री समुन्द्र गुप्त कश्यप मुख्य अतिथि के रूप में और विशेष सामाजिक कार्यकर्त्ता दिव्यज्योति सैकिया विशेष आमंत्रित सदस्य के रूप में मौजूद थे। गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति के पूर्वोत्तर समन्वयक गुलशन गुप्ता भी विशेष तौर पर मौजूद थे। डॉ. जोया चक्रवर्ती, विभागाध्यक्ष जनसंचार और पत्रकारिता विभाग और प्रोफेसर प्रो अभिजीत बोरा भी मंचासीन थे।

जनसंचार विभाग और पत्रकारिता विभाग की प्रमुख डॉ. जोया चक्रवर्ती ने स्वागत भाषण दिया। गुलशन गुप्ता ने गांधी स्मृति और दर्शन समिति के बारे में उपस्थित जन को जानकारी दी। इस अवसर पर बोलते हुए, उन्होंने कहा, "जन्म से, हम सभी अहिंसक हैं।"

पूर्वोत्तर युवा सम्मेलन में उपस्थित लोगों के साथ अपने अनुभव साझा करते हुए एक प्रतिभागी।

इसके बाद, उद्घाटन संबोधन अभिजीत बोरा, प्रोफेसर जनसंचार और पत्रकारिता विभाग द्वारा दिया गया।

पहला दिन:

- सत्र I: पूर्वोत्तर के सन्दर्भ में शान्ति और अहिंसा की संस्कृति को समझना।
- सत्र II: मानव शक्ति और गुणों के विज्ञान की ओर।
- सत्र III: शान्ति, सद्भाव और आत्म–सुधार के लिए शिक्षा।

दूसरा दिन:

- सत्र IV: एक सामाजिक भावना के तालमेल को समझना।
- सत्र V: शान्ति और सद्भाव के लिए कौशल के माध्यम से भावना का निर्माण।
- सत्र VI: संघर्ष समाधान–उपकरण और रणनीतियाँ– I
- सत्र VII: संघर्ष समाधान–उपकरण और रणनीतियाँ– II
- सत्र VIII: विविधता की सराहना के लिए उपकरण और कौशल अभ्यास प्रस्तुति की तैयारी।

समापन सत्र

पूर्वोत्तर युवा सम्मेलन का समापन सत्र सत्र के तीसरे दिन, यानी 8 अगस्त, 2019 की दोपहर से शुरू हुआ। सत्र का संचालन तेजपुर विश्वविद्यालय के जनसंचार और पत्रकारिता विभाग के छात्रों श्री अभिलाष बापनाशा और सुश्री संगीता कलिता ने किया।

इस अवसर पर एक नाट्य प्रस्तुति हुई, जिसे बंगलानाटक डॉट कॉम के संसाधन व्यक्तियों, सुश्री सुरवी सरकार और श्री संतू गुथौत के मार्गदर्शन में तैयार किया गया था। इसमें पिछले दिन के सत्र (VI और VII) के अभ्यासों का वीडियो प्रसारण शामिल था। इसका विषय जातिवाद (वह नस्लीय संघर्ष, जिसका सामना भारत में मंगोलॉयड जाति के लोगों द्वारा किया जाता है), सामाजिक बुराइयां, अन्धविश्वास और साइबर अपराध था। यह विभिन्न प्रकार के संघर्षों और कैसे वास्तविक जीवन में उनके साथ निपटा जाता है और शान्ति व न्याय के माध्यम से मतभेदों को कैसे हल किया जा सकता है, इससे सम्बन्धित है। इस प्रस्तुति से पता चला कि छोटे मुद्दों से निपटना और संघर्ष के अंतर्निहित कारकों को हल करने की दिशा में काम करना, दुनिया में शान्ति और सद्भाव को बहाल कर सकता है। इस नाटक का सन्देश था कि "हम एक हैं, हम मानव है, हम खाली हाथ आते है और हम खाली हाथ वापस आएंगे, इसलिए भेदभाव मत करो"।

बाद में, कुलपति और विभागाध्यक्ष, जनसंचार और पत्रकारिता द्वारा सभी आने वाले प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए। जनसंचार और पत्रकारिता के विद्यार्थी श्री जॉय चक्रवर्ती द्वारा धन्यवाद प्रस्ताव दिया गया।

स्कूलों में अहिंसक संचार का परिचय

लगभग 50 शिक्षकों और छात्रों ने 26 सितम्बर, 2019 को गुवाहाटी

के सरनिया आश्रम में आयोजित स्कूलों में गांधीवादी अहिंसक संचार पर एक उन्मुखीकरण कार्यक्रम में भाग लिया। समिति के कार्यक्रम अधिकारी, डॉ. वेदाभ्यास कुण्डू ने कार्यशाला का संचालन किया। उन्होंने अहिंसक संचार के विभिन्न तत्वों की व्याख्या की और ये कैसे कक्षा और स्कूल प्रबंधन प्रणाली में समाहित किए जा सकते हैं।

तेजपुर विश्वविद्यालय असम के जनसंचार विभाग और गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति के संयुक्त तत्वाकधान में आयोजित पूर्वोत्तर युवा सम्मेलन में उपस्थित प्रतिभागियों का एक दृश्य।

- **अरुणाचल प्रदेश**

जॉय ऑफ रीडिंग फेस्टिवल का आयोजन

गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति और आईसीडीएस विभाग के सहयोग से अरुणाचल प्रदेश के लोअर दिबांग वैली जिला प्रशासन द्वारा 4–8 नवम्बर, 2019 से जॉय ऑफ रीडिंग फेस्टिवल का आयोजन किया गया। महात्मा गांधी की 150वीं जयन्ती के अवसर पर आयोजित इस कार्यक्रम में भारी संख्या में युवा और बुजुर्गो ने शिरकत की। इसका उद्घाटन 4 नवम्बर, 2019 को प्रख्यात शिक्षाविद और भारत में कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय (केजीबीवी) की प्रणेता, प्रोफेसर विमला रामचन्द्रन द्वारा किया गया था।

सप्ताह भर चलने वाले इस उत्सव में 'जॉय ऑफ रीडिंग' और 'बेटी बचाओ, बेटी पढाओ' जैसे विषयों पर प्रोफेसर विमला रामचन्द्रन और असम के प्रख्यात गांधीवादी विद्वान डॉ. अलका वर्मा द्वारा प्रकाश डाला गया। इसके साथ पुस्तक गतिविधियों, प्रतियोगिताओं और पुस्तक प्रदर्शनी भी कार्यक्रम का विशेष आकर्षण रही। तुलिका बुक्स द्वारा महात्मा गांधी की जीवनी अरुणाचल की 5 विभिन्न भाषाओं, आदि, अपाटनी, मिशमी, निकी और नोक्टे का भी प्रदर्शन किया गया।

सभी आयु वर्ग के पुस्तक प्रेमियों के लिए अच्छी और समृद्ध यादों के साथ 8 नवम्बर, 2019 को यह साप्ताहिक त्यौहार सम्पन्न हुआ।

अपने सम्बोधन में, प्रो. विमला रामचन्द्रन ने भारत और दक्षिण पूर्व एशिया में शैक्षिक नवाचारों के अपने विशाल अनुभवों को साझा किया, और "सकारात्मक अनुशासन" पर विस्तार से बताया, जिसे आज कई प्रतिष्ठित स्कूलों ने अपनाया है। उन्होंने भारत में KGBV स्कूलों की उत्पत्ति की रूपरेखा तैयार की।

1980 और 90 के दशक में उत्तर और मध्य भारत की ग्रामीण किशोरियों को अशिक्षा, रूढ़िवादी परम्पराओं और अन्यायपूर्ण रीति–रिवाजों से मुक्त करने में मदद करने के लिए महिला शिक्षा केन्द्रों के अभूतपूर्व योगदान के बारे में बताते हुए, उन्होंने कहा कि केजीबीवी सिर्फ एक स्कूल नहीं है, बल्कि हाशिए से वंचित किशोर लड़कियों के लिए शिक्षा का एक मॉडल है। महिला कार्यकर्त्ताओं, एसएचजी सदस्यों और आईसीडीएस कर्मियों को सम्बोधित करते हुए, प्रोफेसर रामचन्द्रन ने आंगनवाड़ी कार्यकर्त्ताओं और एसएचजी

रोइंग, अरुणाचल प्रदेश में मेले का उद्घाटन करती भारत में कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों की प्रणेता प्रो. विमला रामचन्द्रन।

सदस्यों को बचपन की शिक्षा में नवीनतम विचारों को प्राप्त करने के लिए पढ़ने की आदतों को अपनाने और अरुणाचल में एक नई पीढ़ी के समाज को ढालने में मदद करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने राज्य सरकार के अधिकारियों से ग्रामीण अरुणाचली महिलाओं की सामाजिक और शैक्षिक उन्नति लाने के लिए उनके कौशल का बढ़ाने में निरन्तर योगदान देने की अपील की।

श्रोताओं को उनके गहन अनुरागों और व्यक्तिगत अनुभवों से रूबरू कराते हुए डॉ. अलका सरमा, निदेशक, गांधी अंतरराष्ट्रीय अध्ययन केन्द्र शिलांग, ने गांधीजी के जीवन और संदेश को 21वीं सदी में भी हम सभी के लिए प्रासंगिक और उपयोगी बताया। उन्होंने कहा कि गांधीजी सिर्फ एक राष्ट्रीय या राजनीतिक नेता नहीं थे, बल्कि एक कर्मठ व्यक्ति थे, जो रोजमर्रा की जिंदगी में सच्चाई को बनाए रखने के लिए प्रयासरत थे।

उनका दर्शन भारतीय समाज को बदलने और गरीब से गरीब व्यक्ति के जीवन को सार्थक बनाने में मदद करना था। रोइंग स्कूलों के वरिष्ठ छात्रों और शिक्षकों को सम्बोधित करते हुए, उन्होंने गांधीवादी दर्शन पर कई सवालों के जवाब दिए और यह एक युवा भारतीय के जीवन को कैसे समृद्ध कर सकता है, इस बारे में अपने विचार साझा किये। प्रो. अलका सरमा ने जिला क्राफ्ट सेंटर में रोइंग शहर के बुनकरों के साथ एक बातचीत सत्र भी आयोजित किया।

'जॉय ऑफ रीडिंग फेस्टिवल' में पुस्तक प्रदर्शनी का अवलोकन करते लोग।

इस आयोजन में स्कूली बच्चों के बीच निबंध लेखन, पोस्टर मेकिंग, स्टोरी–टेलिंग और स्किट प्रतियोगिताओं जैसे "क्या मुझे शान्ति की समझ है" मैं अपने दैनिक जीवन में अहिंसा का अभ्यास कैसे कर सकता हूं। "अहिंसक संचार के विभिन्न तत्व", आदि, सहित विभिन्न कला और साहित्यिक प्रतियोगिताओं को शामिल किया गया।

जॉय ऑफ रीडिंग फेस्टिवल ने अशोक लीलैंड, गुवाहाटी के सहयोग से 5 दिवसीय मोबाइल पुस्तक प्रदर्शनी के माध्यम से रोइंग, कोरुन्, जिया, बोलुंग और डम्बुक शहर के लोगों को पुस्तकों का लाभ उठाने के पर्याप्त अवसर दिए। इस उत्सव में अन्य प्रतिष्ठित प्रकाशकों के साथ, लगभग दो दशकों के बाद, दिबांग घाटी के लिए नेशनल बुक ट्रस्ट (एनबीटी) पुस्तक प्रदर्शनी की वापसी भी हुई। पुस्तक प्रदर्शनी का प्रबंधन लोहित यूथ लाइब्रेरी नेटवर्क द्वारा किया गया था, जिसमें डिबांग यूथ लाइब्रेरी, वीकेवी रोइंग, इंटया पब्लिक स्कूल और जिला षिक्षा विभाग के स्काउट और गाइड के स्वयंसेवक शामिल थे।

- **असम**

गांधी के रास्ते से शान्ति विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठीः 21वीं सदी के परिप्रेक्ष्य में

गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति द्वारा असम विश्वविद्यालय, सिलचर में "गांधी के रास्ते से शान्तिः 21वीं सदी के परिप्रेक्ष्य में" पर एक राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन विश्वविद्यालय परिसर में 14–15 नवम्बर, 2019 को किया गया था। संगोष्ठी में 200 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

इसका उद्घाटन मेघालय के महामहिम राज्यपाल श्री तथागत रॉय, द्वारा किया गया था। अपने सम्बोधन में उन्होंने इस बात पर बल

अरूणाचल प्रदेश में आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम लोगों के आकर्षण का केन्द्र रहा।

दिया गया था कि यदि किसी मनुष्य के जीवन से उचित प्रेरणा लेना है, तो उसे संत की श्रेणी में रखने से रोकना चाहिए।

सेमिनार के दोनों दिन गांधीवादी सिद्धांतों और विचारधारा पर एक सार्थक बातचीत हुई, जिसमें प्रतिभागी और संसाधन व्यक्ति शामिल हुए। ये संसाधन व्यक्ति जम्मू और कश्मीर राज्य, पश्चिम बंगाल और दिल्ली से आए थे।

इस अवसर पर मुख्य वक्ता गौहाटी विश्वविद्यालय की प्रो. नंदना दत्ता और असम विश्वविद्यालय के प्रो. ए. नटराजू थे। अन्य प्रसिद्ध संसाधन व्यक्ति शिलांग और NIT, सिलचर से थे। शिक्षाविदों और अनुसंधान विद्वानों द्वारा 42 शोधपत्र इस मौके पर प्रस्तुत किए गए थे।

गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति और असम विश्वविद्यालय सिलचर के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन के उद्घाटन अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते मेघालय के माननीय राज्यपाल श्री तथागत राय।

गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति और असम विश्वविद्यालय सिलचर के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में उपस्थित लोगों को सम्बोधित करते हुए शिक्षा के क्षेत्र से आए विद्वान।

• **मणिपुर**

'गांधीवादी मूल्यों को बढ़ाने' पर कार्यक्रम

28 नवम्बर, 2019 को डेल्टा एडवांस स्कूल, इम्फाल, मणिपुर के छात्रों के लिए 'अतुल्य गांधीवादी मूल्यों को कैसे आत्मसात करें 'विषय पर एक अभिविन्यास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें गांधीवादी दर्शन के विभिन्न आयामों और इनको बच्चों द्व ारा दैनिक जीवन में कैसे आत्मसात किया जा सकता है, पर चर्चा की गई ।

वरिष्ठ गांधीवादी डॉ. ओणम सरिता देवी, और डॉ. वेदाभ्यास कुण्डू ने इस कार्यक्रम का संचालन किया, जिसमें बच्चों द्वारा अच्छे संस्कारों को अपनाने पर दिलचस्प अनुभव साझा किए गए।

प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण

मणिपुर के स्कूलों में शांति और अहिंसा का परिचय

समिति ने इम्फाल, मणिपुर में 29–30 नवम्बर, 2019 को स्कूलों में शान्ति और अहिंसा का परिचय देने के लिए शिक्षकों के दो दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन किया। कार्यक्रम मणिपुर के राज्य शिक्षा अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद के सहयोग से आयोजित किया गया था, जिसमें लगभग 100 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।

इस अवसर पर आयोजित किए गए विभिन्न सत्रों में संघर्ष के प्रकार और प्रकृति स्कूलों और कक्षाओं में संघर्ष का अहिंसक समाधान बच्चों द्वारा शान्ति–निर्माण को बढ़ावा देने के लिए कला और अन्य रचनात्मक अभिव्यक्तियों का उपयोग, अहिंसक संचार, बच्चे कैसे क्षमा, कृतज्ञता, करुणा आदि जैसे मूल्यों को जन्म दे सकते हैं, सहित शान्ति, अहिंसा और संघर्ष के विभिन्न मुद्दे शामिल किये गए। यह महसूस किया गया कि शान्ति और अहिंसा के विचारों को स्कूल की पाठ्य–पुस्तकों में भी सम्मिलित किया जाना चाहिए।

मणिपुर में डॉ. ओ. सरिता देवी के साथ ओरिएण्टेशन कार्यक्रम का संचालन करते हुए गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. वेदाभ्यास कुण्डू।

सृजन

ऑटो चालकों के लिए आरपीएल प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन

गांधी दर्शन राजघाट में आयोजित आरपीएल कार्यक्रम के उद्घाटन समारोह में समिति के पूर्व सलाहकार श्री बसंत व गणमान्य लोगों के साथ मौजूद समिति निदेशक श्री दीपंकर श्री ज्ञान।

उपस्थित प्रतिभागियों को सम्बोधित करते समिति निदेशक श्री दीपंकर श्री ज्ञान। उनके साथ हैं समिति के पूर्व सलाहकार श्री बसंत और शोध अधिकारी श्रीमती गीता शुक्ला।

आरपीएल प्रशिक्षण के 2018–19 के सफल अभ्यर्थियों को प्रमाण पत्र प्रदान करतीं प्राकृतिक चिकित्सक डॉ. मंजू अग्रवाल।

चम्पारण सत्याग्रह के 100 वर्ष पूरे होने के अवसर पर प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना (PMKVY) के तहत कौशल भारत मिशन के सहयोग से समिति द्वारा शुरू किए गए पूर्व मान्यता शिक्षण (RPL) प्रशिक्षण कार्यक्रम के पहले बैच के सफल समापन के बाद 13 अगस्त, 2019 को गांधी दर्शन में दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के ऑटो चालकों के लिए आरपीएल प्रशिक्षण कार्यक्रम का दूसरा बैच शुरू किया। इसका उद्घाटन समिति निदेशक श्री दीपंकर श्री ज्ञान, द्वारा किया गया। समिति के पूर्व सलाहकार, श्री बसंत, डॉ. वेदाभ्यास कुण्डू, कार्यक्रम अधिकारी, श्री बिश्वजीत सिंह, आरपीएल प्रशिक्षण कार्यक्रम के मुख्य समन्वयक, श्री प्रशांत श्रीवास्तव, संसाधन व्यक्ति श्री शिव, श्री संतोष और श्री आनंद इस अवसर पर उपस्थित थे।

आरपीएल के समापन समारोह में मौजूद श्री कलानंद मुनी, श्री बसंत, श्री दीपंकर श्री ज्ञान, संसाधन व्यक्ति, प्रशिक्षक व अन्य लोग।

ऑटो चालक को प्रमाणपत्र वितरित करते श्री कलानंद मुनी। पीछे हैं समिति निदेशक श्री दीपंकर श्री ज्ञान और श्री बसंत।

क्रम संख्या	कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य	योग्यता	उपलब्धियां (प्रशिक्षित व्यक्तियों की संख्या)	पाठ्यक्रम की संख्या
1	भारत सरकार के कौशल विकास मंत्रालय द्वारा प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना के तहत चम्पारण व दिल्ली, एनसीआर के ऑटो चालकों हेतु पूर्व कौशल मान्यता व प्रशिक्षण कार्यक्रम।	1 ऑटो चालकों के पूर्व कौशल को मान्यता प्रदान करना। 2 चालकों को प्रमाणित करना और उन्हें अस्थिर और असंगठित कार्यबल की स्थिति से बाहर लेकर आना। 3 जीवन और डिजिटल कौशल के लिए गहरी मदद प्रदान करना।	लाइसेंस प्राप्त ऑटो चालक	2000 ऑटो चालक, जिनमें दिल्ली में कार्यरत चम्पारण के 1000 चालक हैं और 1000 चालक दिल्ली और एनसीआर के हैं।	प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना के तहत आरपीएल का एक पाठ्यक्रम प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना के तहत आरपीएल का एक पाठ्यक्रम।

ऑटो चालक को प्रमाण पत्र प्रदान करते आरपीएल प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रमुख संयोजक श्री विश्वजीत।

13–14 अगस्त, 20–21 और 27–28 अगस्त, 2019 के दौरान, मूल्यांकनकर्त्ताओं, श्री अरुण कुमार महाराज और श्री ऋषि के साथ श्री अरविंद कुमार, श्री अर्पित, श्री सेराक मेहदी और श्री अर्जुन अरोड़ा ने सम्बन्धित बैचों के लिए मूल्यांकन के साथ प्रशिक्षण कार्यक्रम के तीन बैच आयोजित किए गए। लगभग 126 ऑटो चालकों ने प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया।

इस अवसर पर संसाधन व्यक्तियों द्वारा प्रशिक्षण प्रदान किया गया। इनमें डॉ. मंजू अग्रवाल ने 'नेचुरोपैथी' पर, तनाव प्रबंधन पर। श्री प्रशांत श्रीवास्तव, श्री विश्वजीत सिंह ने वित्त और प्रबंधन कौशल पर, श्री पवन ने ड्राइविंग के दौरान ऑटो और स्वयं की सुरक्षा का रखरखाव, व श्री ललन ने नियम कानूनो पर प्रशिक्षण दिया।

सृजन कौशल–निर्माण केन्द्र

- **जम्मू और कश्मीर**

श्रीनगर के सृजन केन्द्र में सिलाई और कटाई का प्रशिक्षण प्राप्त करतीं स्थानीय महिलाएं।

पैराडाइज वूमेन वेल्फैयर सोसाइटी के सहयोग से समिति ने 19 अगस्त, 2019 को जम्मू और कश्मीर में कौशल विकास प्रशिक्षण और उत्पादन केन्द्र की स्थापना की। सुश्री शमीन रैना, पैराडाइज वूमेन वेलफेयर सोसाइटी की संस्थापक निदेशक ने समिति की ओर से समन्वय किया। इस केन्द्र के माध्यम से 60 महिलाओं को फैशन डिजाइनिंग और कढ़ाई–सिलाई, के कौशल विकास का प्रशिक्षण दिया जायेगा। केन्द्र श्रीनगर के नारवाड़ा में स्थापित किया गया था।

श्रीनगर के एक केन्द्र में अपने कौशल को विकसित करने के लिए सिलाई और कटाई की बारिकियां सीखतीं श्रीनगर क्षेत्र की एक महिला।

- **विदिशा, मध्य प्रदेश**

कौशल विकास के माध्यम से ग्रामीण गरीब परिवारों के सतत आजीविका विकास के लिए गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति की वित्तीय सहायता से जिला विदिशा (मध्य प्रदेश) में ल्यूपिन फाउण्डेशन द्वारा परिधान उत्पादन प्रशिक्षण केन्द्र स्थापित किया गया था। ल्यूपिन फाउण्डेशन ने ब्लॉक विदिशा के ग्राम तमोरिया में कौशल केन्द्र की स्थापना की, जो जिला मुख्यालय से केवल 5 किलोमीटर दूर है। प्रशिक्षण केन्द्र का उद्घाटन नाबार्ड के DDM श्री मनोज केदारे की उपस्थिति में 26 जून, 2019 को किया गया।

विदिशा के कौशल विकास केन्द्र में कौशल विकास के प्रशिक्षण का एक दृश्य।

25 महिला प्रतिभागियों का पहला बैच 26 जून, 2019 को शुरू हुआ और 26 सितम्बर, 2019 को पूरा हुआ। 25 महिला प्रतिभागियों का दूसरा बैच 5 अक्तूबर, 2019 को शुरू हुआ। सभी महिलाएं स्वरोजगार के रूप में काम कर रही हैं। वे कपड़ा बनाने के साथ–साथ मुखौटा उत्पादन का भी काम कर रहे हैं।

- **भरतपुर, राजस्थान**

ल्यूपिन ह्यूमन वेलफेयर ऑर्गनाइजेशन के सहयोग से 2017 में राजस्थान के भरतपुर में गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति द्वारा परिधान प्रशिक्षण और उत्पादन केन्द्र स्थापित किया गया था। इस केन्द्र में आसपास के गांवों की 100 महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए प्रशिक्षित किया गया था और उनके प्रशिक्षण के बाद उन्हें लाभ हुआ है। आज वे जयपुर में एक्सपोर्ट हाउस से जुड़ गए हैं और उन्हें साल भर काम मिल रहा है, जिससे उनका मनोबल और आत्मविश्वास बढ़ा है।

भरतपुर सृजन के कौशल निर्माण केन्द्र में पंजीकृत महिलाएं अपने शिक्षकों के साथ।

- **धौलपुर जिला, राजस्थान**

ल्यूपिन फाउण्डेशन और समिति के संयुक्त तत्वावधान में सृजन केन्द्र की स्थापना दिसम्बर राजस्थान के धौलपुर जिले की बासेड़ी तहसील में की गई। केन्द्र का उद्घाटन 6 मार्च, 2020 को जिला कलेक्टर श्री राकेश कुमार जायसवाल द्वारा किया गया था।

ल्यूपिन वैलफेयर फाउण्डेशन और गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति द्वारा राजस्थान के धौलपुर जिला में स्थापित सृजन केन्द्र में प्रशिक्षण लेती लड़कियां।

इस सृजन केन्द्र का उद्देश्य क्षेत्र की महिलाओं को सशक्त बनाना और उन्हें आर्थिक रूप से आत्म निर्भर बनाना है। इस परिधान उत्पादन केन्द्र में 40 महिलाओं को प्रशिक्षित किया गया है। प्रशिक्षण की अवधि 3 महीने की है। आधुनिक डिजाइन और बाजार की मांग के अनुसार परिधान का उत्पादन किया जा रहा है।

- **महासमुन्द, छत्तीसगढ़**

नारी मंच और गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति के संयुक्त तत्वावधान में छत्तीसगढ़ के महासमुन्द में कटिंग और टेलरिंग के प्रशिक्षण के लिए एक सृजन केन्द्र की स्थापना की गई।

आत्मनिर्भर भारत के सन्दर्भ में एक परिवार में एक महिला का वित्तीय सशक्तीकरण महत्वपूर्ण है। यह 6 महीने का प्रशिक्षण महिलाओं को अपने बच्चों के भविष्य को उज्ज्वल बनाने में मदद करेगा और उनके परिवार के पालन में योगदान दे सकता है।

नारी मंच अगले 6 महीनों में 60 महिलाओं को कटिंग और टेलरिंग कौशल का प्रशिक्षण देने की योजना बना रहा है। महिलाओ को सलवार, प्लाजो, कुर्ती आदि महिला परिधानों की सिलाई करना सिखाया जायेगा।

लायंस क्लब, महासमुन्द ने इस केन्द्र को आगे बढ़ाया है और पॉलीथिन के उपयोग को रोकने के लिए, उन्होंने इस केन्द्र से हाथ से बने कपड़ा बैग खरीदे हैं।

छत्तीसगढ़ के महासमुंद में नारी मंच और गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति द्वारा खोले गए सृजन केन्द्र के उद्घाटन अवसर पर उपस्थित लोग।

महासमुंद में सृजन के कौशल निर्माण केन्द्र में पंजीकृत महिलाएं काम करती हुईं।

विविध कार्यक्रम

स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

अपने कार्यक्रमों के तहत गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति ने हेल्दी एजिंग इंडिया और अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान के सहयोग से नई दिल्ली की मलिन बस्तियों में स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन शुरू किया है। इन शिविरों का संचालन एम्स के जराचिकित्सा विभाग के प्रमुख डॉ. प्रसून चटर्जी के सहयोग से एम्स के डॉक्टरों ने किया।

गांधी दर्शन में गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति द्वारा हैल्दी एजिंग इंडिया व अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान केन्द्र के सौजन्य से आयोजित स्वास्थ्य शिविर में समिति के स्टाफ सदस्यों के स्वास्थ्य की जांच करते एम्स के चिकित्सों की टीम।

पहला शिविर 13 अप्रैल, 2019 को समिति के कर्मचारियों और परिवार के सदस्यों के लिए आयोजित किया गया था। शिविर में लगभग 150 व्यक्तियों ने हिस्सा लिया। समिति निदेशक, श्री दीपंकर श्री ज्ञान भी इस अवसर पर उपस्थित थे। समिति के श्री विवेक राठौर ने शिविर का समन्वय किया।

दूसरा शिविर बेला गाँव की झुग्गी बस्ती के लिए आयोजित किया गया था। एम्स के डॉक्टरों ने श्री विवेक द्वारा समन्वित इस शिविर का संचालन किया। शिविर के दौरान बेला गाँव की झुग्गी बस्ती के लगभग 750 लोगों ने अपने स्वास्थ्य की जांच करवाई। शिविर के दौरान स्वास्थ्य, मासिक धर्म, स्वच्छता आदि से सम्बन्धित मुद्दों पर भी लोगों को जागरूक किया गया।

बेला गांव राजघाट में गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति द्वारा आयोजित स्वास्थ्य शिविर का दृश्य।

बुराड़ी में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) के डॉक्टरों के साथ मिलकर गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति और हेल्दी एजिंग इंडिया ने 26 मई, 2019 को बुराड़ी में 'स्वास्थ्य शिविर' का आयोजन किया। शिविर का समन्वय श्री विवेक राठौड़ ने श्री शकील खान के साथ किया। महात्मा गांधी की 150वीं जयन्ती पर स्वास्थ्य शिविरों की श्रृंखला का आयोजन अलग–अलग मलिन बस्तियों में किया जा रहा है, जिसमें समावेश और स्वस्थ जीवन के गांधीजी के दर्शन को

बुराड़ी गांव में आयोजित स्वास्थ्य शिविर में लोगों की जांच करती एम्स की टीम।

शामिल किया गया है। एम्स के डॉक्टरों ने निःशुल्क चिकित्सा जांच करने के अलावा बुराड़ी गांव के निवासियों को स्वच्छता, मासिक धर्म टीकाकरण आदि से सम्बन्धित मामलों की जानकारी दी। एम्स की मोबाइल हेल्थकेयर वैन बड़ी संख्या में आए लोगों के लिए आकर्षण का केन्द्र रही।

5वें अन्तरराष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन

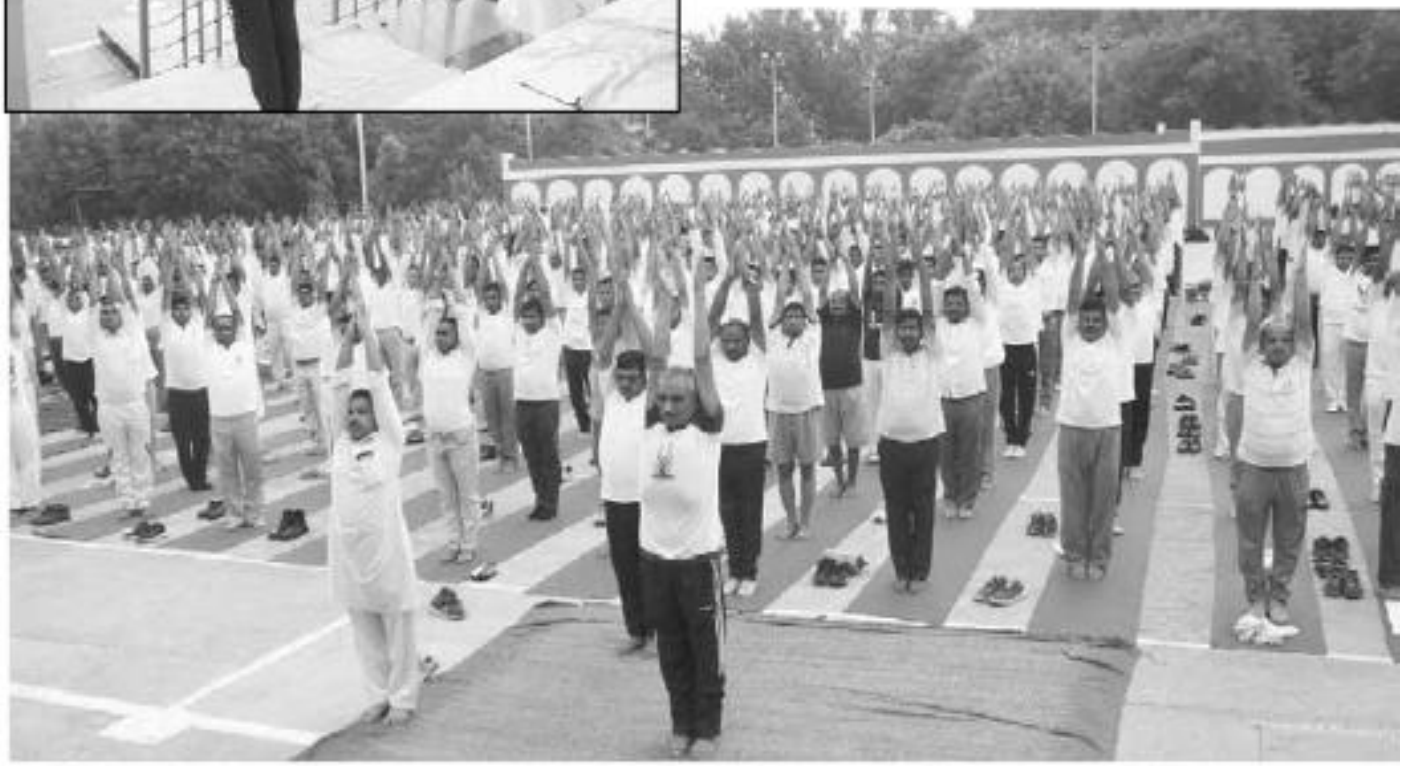

विश्व योग दिवस पर होमगार्ड महानिदेशालय नई दिल्ली में योगाभ्यास करते गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति अधिकारी और होमगार्ड्स।

21 जून, 2019 को राजा गार्डन नई दिल्ली में होमगार्ड्स के महानिदेशालय में 5वें अन्तरराष्ट्रीय योग दिवस को मनाने के लिए लगभग 1000 प्रतिभागी शामिल हुए। उत्साही प्रतिभागियों के लिए योगासनों का प्रदर्शन, योगाचार्य श्री दिलीप तिवारी ने किया और सहायकों ने योग सत्र का संचालन किया। होमगार्ड के कर्मियों ने कार्यक्रम में सक्रिय भाग लिया और उत्साह के साथ योग क्रियाएं कीं। कार्यक्रम 'सामान्य योग प्रोटोकॉल' के अनुसार आयोजित किया गया था। इस अवसर पर कमांडेंट श्री डी. एस. रावत भी उपस्थित थे। टैगोर फाउण्डेशन के महासचिव श्री आशीष मेहता के साथ डॉ. वेदाभ्यास कुण्डू, कार्यक्रम अधिकारी ने भी योग का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम का आयोजन होमगार्ड महानिदेशालय के सहयोग से किया गया था।

गांधी दर्शन में 5वां अन्तरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया

अन्तरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर योग मुद्राएं करतीं एक नन्ही बालिका।

दिनांक 21 जून, 2019 को 5वें अन्तरराष्ट्रीय योग दिवस को मनाने के लिए गांधी दर्शन परिसर में लगभग 200 प्रतिभागी एकत्र हुए। इस कार्यक्रम में इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) आरसी 2, खादी और ग्रामोद्योग आयोग केवीआईसी के प्रतिभागियों ने भाग लिया। योगाचार्य श्री वरुण नौटियाल के साथ सुश्री नेहा, श्री अमित, श्री मनोज ने कॉमन योग प्रोटोकॉल के अनुसार योगासनों का आयोजन किया।

5वें अन्तरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर गांधी दर्शन राजघाट में योगाभ्यास कार्यक्रम का नेतृत्व करते योगाचार्य वरुण नौटियाल (इनसैट में)

बाद में गांधी दर्शन में इग्नू के सहयोग से "योग के महत्व" पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें लगभग 150 व्यक्तियों ने भाग लिया। संसाधन व्यक्ति कुमार सुषमाकर ने संगोष्ठी का संचालन किया। उन्होंने प्रतिभागियों से बात करते हुए कहा, "योग हमारी समस्याओं, चिंताओं और रोजमर्रा की मांगों से निपटने में हमारी मदद करता है। यह हमें अपने आप को, जीवन के उद्देश्य को समझने और ईश्वर के साथ हमारे सम्बन्धों को विकसित करने के लिए भी प्रभावित करता है। योग ज्ञान और आध्यात्मिक आनन्द के लिए एक आध्यात्मिक मार्ग का नेतृत्व करता है, जो सार्वभौमिक स्व के साथ शाश्वत है। योग सर्वोच्च और अनन्त सिद्धान्त है। योग जीवन की वह किरण है जो सार्वभौमिक संज्ञानात्मक है जो जागृत है।" उन्होंने हमारे दैनिक जीवन में योग के निम्नलिखित लाभों को रेखांकित किया है:

- ☐ हमारे शारीरिक स्वास्थ्य का विकास करता है।
- ☐ हमारे मानसिक स्वास्थ्य का विकास करता है।
- ☐ हमारे सामाजिक स्वास्थ्य का विकास करता है।
- ☐ हमारे आध्यात्मिक स्वास्थ्य का विकास करता है।
- ☐ हमारे आत्म–साक्षात्कार में मदद करता है।

समिति के उपाध्यक्ष ने राष्ट्रपिता को श्रद्धांजलि अर्पित की

गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति के नए उपाध्यक्ष और केन्द्रीय संस्कृति और पर्यटन मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री प्रहलाद सिंह पटेल ने 29 जून, 2019 को गांधी स्मृति में शहीद स्तम्भ पर राष्ट्रपिता को श्रद्धांजलि अर्पित की।

गांधी स्मृति में यह उनकी पहली यात्रा थी। उन्होंने यहाँ लगे चित्रों और प्रार्थना मैदान में शहीद स्तम्भ के पास स्थापित 'बेंच' में गहरी दिलचस्पी दिखाई।

गांधी स्मृति में बतौर उपाध्यक्ष अपने पहले दौरे के दौरान महात्मा गांधी के बलिदान स्थल पर उन्हें श्रद्धांजलि देते केन्द्रीय संस्कृति मंत्री व समिति के माननीय उपाध्यक्ष श्री प्रहलाद सिंह पटेल।

सृजन केंद्र का अवलोकन करते हुए समिति के उपाध्यक्ष और माननीय संस्कृति मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल। उनके साथ हैं समिति निदेशक श्री दीपंकर श्री ज्ञान।

गांधी स्मृति संग्रहालय का अवलोकन करते केन्द्रीय संस्कृति मंत्री व समिति के माननीय उपाध्यक्ष श्री प्रहलाद सिंह पटेल। उनके साथ हैं उनके एपीएस श्री आलोक मोहन नायक, समिति निदेशक श्री दीपंकर श्री ज्ञान व प्रशासनिक अधिकारी एस. ए. जमाल।

उन्होंने इस जगह की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि के बारे में भी जानकारी ली। उन्होंने पूरी एकाग्रता के साथ समिति की फोटो दीर्घाओं का अवलोकन किया। उन्होंने अपना अधिकांश समय उस कमरे में बिताया जहां गांधीजी ने अपने जीवन के अन्तिम 144 दिन बिताए थे। गांधीजी द्वारा अपने रोजमर्रा के जीवन में इस्तेमाल की जाने वाली चीजें भी उन्होंने देखीं। उन्होंने "सृजन" केन्द्र का भी दौरा किया और समिति द्वारा की गई पहल की सराहना की।

जिस यूनिट ने श्री पटेल को सबसे ज्यादा आकर्षित किया, वह श्रीमती सुशीला रजनी पटेल द्वारा बनाया गया "मिनी फिगर" था। उन्होंने महात्मा गांधी के जीवन और समय को प्रदर्शित करने में दिखाए गए संक्षिप्त विवरण को भी देखा। उनके शब्दः "गांधी स्मृति के वातावरण में एक सकारात्मक ऊर्जा महसूस होती है।" राष्ट्रपिता के स्मारक पर लिए गए उनके अनुभव को दर्शाती है।

सुश्री स्मिता वत्स गांधी दर्शन में आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रतिभागियों को दिशा–निर्देश देती हुई।

हैरिटेज टूर गाइड प्रशिक्षण कार्यक्रम

प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना के तहत गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति के गाइड स्वयंसेवकों का 'हैरिटेज टूर गाइड' में प्रशिक्षण कार्यक्रम दिनांक 15 से 22 जुलाई तक गांधी दर्शन में आयोजित किया गया। इतिहास का संस्थापक निदेशिका सुश्री स्मिता वत्स ने इसका संचालन किया। सुश्री सुहास ने भी संचार पर प्रशिक्षण दिया।

गांधी दर्शन में आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में उपस्थित प्रतिभागियों को सम्बोधित करतीं सुश्री सुहास (इनसैट में)

एक छात्र–एक वृक्ष–वृक्षारोपण का आयोजन

(ऊपर और नीचे) गांधी दर्शन राजघाट में समिति स्टाफ व इग्नू क्षेत्रीय केन्द्र–2 के सदस्यों के साथ पौधारोपण कार्यक्रम में शिरकत करते निदेशक श्री दीपंकर श्री ज्ञान।

गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति और इग्नू आरसी–2 ने संयुक्त रूप से एक छात्र–एक वृक्ष–वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया।

इसके तहत इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय में विभिन्न पाठ्यक्रमों में दाखिला लेने वाले छात्रों को अनिवार्य रूप से एक पेड़ लगाने के लिए पहल की, जो उनके पाठ्यक्रम का हिस्सा बन गया है और इसके लिए उन्हें क्रेडिट अंक प्रदान किए जाएंगे। समिति निदेशक, श्री दीपंकर श्री ज्ञान, प्रशासनिक अधिकारी श्री एस. ए. जमाल, इग्नू की प्रोफेसर डॉ. रीता चौहान सहित इग्नू के अन्य प्रोफेसर 23 अगस्त, 2019 को आयोजित इस वृक्षारोपण अभियान में शामिल हुए।

पेंशन अदालत का आयोजन

गांधी दर्शन में आयोजित पेंशन अदालत में सेवानिवृत्त कर्मचारियों से बातचीत करते समिति के निदेशक श्री दीपंकर श्री ज्ञान।

गांधी दर्शन में 23 अगस्त, 2019 को समिति के सेवानिवृत्त कर्मचारियों के साथ "पेंशन अदालत" का आयोजन किया गया था। पेंशनरों से सम्बन्धित मुद्दों पर चर्चा करते हुए, समिति निदेशक श्री दीपंकर श्री ज्ञान, प्रशासनिक अधिकारी श्री एस. ए. जमाल ने महसूस किया कि इस तरह की सभा पेंशनरों की शिकायतों और उनके सामने आने वाले मुद्दों, जिन पर प्रत्यक्ष सरकारी हस्तक्षेप की आवश्यकता होती है, के निवारण की गुंजाइश देती है, जो प्रत्यक्ष सरकारी हस्तक्षेप है। लगभग 50 से अधिक पेंशनरों ने चर्चा में भाग लिया।

दिल्ली पुस्तक मेले में चरखे का प्रशिक्षण बना आकर्षण का केन्द्र

समिति ने महात्मा गांधी के जीवन और सन्देश पर एक प्रदर्शनी के माध्यम से दिल्ली पुस्तक मेले में भाग लिया। पांच दिवसीय पुस्तक मेले के दौरान श्री विवेक राठौड़, सुश्री रेणु और श्री धर्मराज द्वारा लोगों को चरखा कताई का प्रशिक्षण भी प्रदान किया गया। कार्यक्रम में बेला गांव की झुग्गियों के बच्चे, कस्तूरबा बालिका विद्यालय ईश्वर नगर के बच्चों ने भी हिस्सा लिया। इस मेले में चरखे पर कताई का जीवंत प्रदर्शन एक बड़ा आकर्षण बन गया, जिसने बड़ी संख्या में आगंतुकों को चरखे पर अपना हाथ आजमाने के लिए आकर्षित किया।

दिल्ली पुस्तक मेले में समिति के श्री धर्मराज से मौके पर चरखा कताई का प्रशिक्षण हासिल करते प्रतिभागी।

भाग लेने वाले बच्चों के लिए एक पेंटिंग प्रतियोगिता भी आयोजित की गई, जिसमें काफी संख्या में बच्चों ने भाग लिया। समिति की पूर्व क्यूरेटर श्रीमती हिना चक्रवर्ती, और वरिष्ठ कलाकार श्री मधुसूदन ने निर्णायक की भूमिका निभाई। गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति के श्री विवेक राठौड़ ने कार्यक्रम का समन्वय किया।

पौधारोपण कार्यक्रम

समिति के तकनीकी सहयोगी श्री पंकज शर्मा ने श्रीमती ललिता के साथ 28 सितम्बर, 2019 को गांधी दर्शन में एक पेड़ लगाया। यह पेड़ राष्ट्रीय स्वच्छता मिशन द्वारा समिति निदेशक श्री दीपंकर श्री ज्ञान को उपहारस्वरूप दिया गया था।

होटल अशोक में प्रदर्शनी का आयोजन

महात्मा गांधी की 150वीं जयन्ती के अवसर पर समिति ने 30 सितम्बर से 3 अक्तूबर, 2019 तक चाणक्यपुरी स्थित होटल अशोक इंटरनेशनल में "मोहन से महात्मा" पर एक प्रदर्शनी लगाई। इस मौके पर महात्मा गांधी के साहित्य और अन्य पुस्तकों को प्रदर्शित किया गया। समिति के सृजन केन्द्र द्वारा लगाया गया खादी वस्त्रों

गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति द्वारा अशोक होटल, नई दिल्ली में गांधीजी के जीवन और संदेश पर आधारित पैनल व पुस्तक प्रदर्शनी लगाई गई।

का स्टाल कार्यक्रम का एक और आकर्षण था। श्री मोहन सिंह रावत और श्री श्याम लाल ने इस पुस्तक मेला–सह–प्रदर्शनी में समिति का प्रतिनिधित्व किया।

सरदार पटेल विद्यालय में प्रदर्शनी–सह–पुस्तक–बिक्री

सरदार पटेल विद्यालय लोधी रोड, में गांधीजी की 150वीं जयन्ती के अवसर पर 19–20 अक्तूबर, 2019 को एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया। गांधी स्मृति और दर्शन समिति ने सृजन केन्द्र में निर्मित खादी उत्पादों को प्रदर्शित किया और एक पुस्तक प्रदर्शनी भी आयोजित की गयी। इस प्रदर्शनी में महात्मा गांधी और उनके समकालीन पुस्तकों का प्रदर्शन किया गया। श्रीमती सोनी राय और सुश्री सिमरन ने समिति का प्रतिनिधित्व किया।

दीवाली पर रंगों के साथ रचनात्मकता का प्रदर्शन

गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति के कर्मचारियों द्वारा अपने–अपने विभागों को सुन्दर और रंगीन डिज़ाइनों (रंगोली) से सजाकर रोशनी के त्यौहार का जश्न मनाया गया। 25 अक्तूबर, 2019 को इस उत्सव का समापन सुश्री कनक, सुश्री प्रेरणा और सुश्री मानसी द्वारा समन्वित सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ हुआ। श्रीमती शुभांगी गिरधर की रंगोली को सर्वश्रेष्ठ रंगोली के रूप में चुना गया, जिसे समिति निदेशक श्री दीपंकर श्री ज्ञान ने सम्मानित किया।

दीवाली उत्सव में दीप प्रज्ज्वलन करते समिति निदेशक श्री दीपंकर श्री ज्ञान।

गांधी दर्शन, राजघाट में आयोजित दीवाली उत्सव की कुछ झलकियां।

सतर्कता जागरूकता सप्ताह के तहत प्रतिज्ञा ली

समिति निदेशक श्री दीपंकर श्री ज्ञान ने 28 अक्तूबर, 2019 को गांधी दर्शन में "सतर्कता जागरूकता सप्ताह" के पालन के रूप में ईमानदारी, अखण्डता और पारदर्शिता की शपथ दिलाई। इस अवसर पर प्रशासनिक अधिकारी श्री एस. ए. जमाल भी उपस्थित थे।

पुस्तक 'अनसंग बिल्डर्स ऑफ मॉडर्न भारत' की प्रति भेंट

समिति निदेशक श्री दीपंकर श्री ज्ञान, सह सपांदक श्री पंकज चौबे और पुस्तक' अनसंग बिल्डर्स ऑफ मॉडर्न भारत' के लेखक श्री प्रमोद

पूर्व राष्ट्रपति श्री प्रणब मुखर्जी को समिति द्वारा प्रकाशित पुस्तक व अंगवस्त्रम भेंट करते समिति निदेशक श्री दीपंकर श्री ज्ञान।

कुमार ने दिनांक 6 दिसंबर, 2019 को पूर्व राष्ट्रपति श्री प्रणव मुखर्जी को पुस्तक की प्रति भेंट की। पूर्व राष्ट्रपति के आवास पर आयोजित एक छोटे समारोह में समिति निदेशक ने श्री प्रणव मुखर्जी को स्मृति चिन्ह भी भेंट किया।

समिति की ओर से श्री लालकृष्ण आडवाणी को पुस्तक 'आधुनिक भारत के समाजशिल्पी' की प्रति भेंट करते हुए श्री पंकज चौबे।

एक अन्य कार्यक्रम में दिनांक 13 दिसंबर, 2019 को समिति के सह संपादक श्री पंकज चौबे ने श्री प्रमोद कुमार के साथ महात्मा गांधी की 150वीं जयंती के अवसर पर प्रकाशित समिति प्रकाशन की प्रति श्री लालकृष्ण आडवाणी को उनके आवास पर भेंट की।

सदभावना प्रीति भोज प्रसाद

महात्मा गांधी की 150वीं जयन्ती पर, गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति द्वारा 26 दिसम्बर, 2019 को गांधी दर्शन में एक "सद्भावना प्रीति भोज प्रसाद" की मेजबानी की। राजीव गांधी कल्याण संस्थान द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में गरीब बच्चों, विशेषकर बालिकाओं को उपहार प्रदान किये गये। इस कार्यक्रम में उपाध्यक्ष हरिजन सेवक संघ और समिति के कार्यकारिणी सदस्य श्री लक्ष्मीदास, बहाई हाउस के ट्रस्टी डॉ. ए. के. मर्चेंट, एवीएसएम मेजर जनरल (सेवानिवृत्त) श्री रणजीत सिंह, और पूर्व कुलपति केन्द्रीय विश्वविद्यालय और सीआरएस विश्वविद्यालय जींद, श्रीमती जसबीर कौर, श्री महेन्द्र कुमार खइर उद्योगपति और श्री ओम प्रकाश बत्रा अध्यक्ष और ट्रस्टी राजीव गांधी कल्याण संस्थान जैसे वक्ताओं सहित लगभग 255 लोगों ने भाग लिया।

कार्यक्रम में अपने विचार व्यक्त करते हुए मेजर जनरल (सेवानिवृत्त) श्री रणजीत सिंह।

मेजर जनरल (सेवानिवृत्त) श्री रणजीत सिंह, श्री लक्ष्मीदास को स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित करते हुए। साथ हैं श्री ओमप्रकाश बत्रा।

वार्षिक समीक्षा बैठक आयोजित

गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति के निदेशक श्री दीपंकर श्री ज्ञान ने 30 दिसम्बर, 2019 को गांधी दर्शन में स्टाफ सदस्यों की वार्षिक समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। विभिन्न इकाइयों ने समीक्षा बैठक में अपनी प्रस्तुतियां दीं, जिसमें समिति द्वारा महात्मा गांधी की 150वीं जयन्ती के अवसर पर होने वाले कार्यक्रमों पर चर्चा की गई। दिन

गांधी दर्शन में आयोजित मीटिंग में अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करते समिति के प्रशासनिक अधिकारी श्री एस. ए. जमाल।

लेखा विभाग की रिपोर्ट प्रस्तुत करते श्री रिजवान उर रहमान।

भर चली बैठक में समिति की विभिन्न इकाइयों के विभिन्न मुद्दों पर मंथन किया गया और समस्याओं का समाधान प्रदान किया।

गांधी दर्शन में आयोजित वार्षिक मूल्यांकन बैठक में समिति के स्टाफ सदस्यों से विमर्श करते निदेशक श्री दीपंकर श्री ज्ञान।

पूर्व सांसद श्री ए. वी. स्वामी को श्रद्धांजलि

गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति के कर्मचारियों ने निदेशक श्री दीपंकर श्री ज्ञान के नेतृत्व में 31 दिसम्बर, 2019 को ओड़िशा के पूर्व सांसद, श्री अलजंगी विश्वनाथ स्वामी को श्रद्धांजलि अर्पित की गयी। वह 91 वर्ष के थे। पूर्व सांसद ने नुआपाड़ा जिले के खारियार रोड में अपने आवास पर अन्तिम सांस ली। 18 जुलाई, 2019 को नबरंगपुर जिले में जन्मे, श्री स्वामी 2012 से 2018 तक एक स्वतंत्र उम्मीदवार के रूप में संसद के ऊपरी सदन, राज्य सभा के लिए चुने गए।

इसके अतिरिक्त समिति के सदस्यों ने अपने एक हाउसकीपिंग स्टाफ की मां को भी श्रद्धांजलि दी। जिनका 31 दिसम्बर, 2019 को निधन हो गया।

श्री ए. वी. स्वामी
(18 जुलाई 1929 से 31 दिसम्बर 2019)

- **वाराणसी, उत्तर प्रदेश**

कस्तूरबा महिला विद्यापीठ, सेवापुरी

वर्ष 2019–2020 के दौरान, कस्तूरबा महिला विद्यापीठ, सेवापुरी वाराणसी ने स्वच्छता अभियान, गांधी यात्रा, सौर यात्रा, चित्रकला प्रतियोगिताओं, अभिजात्य प्रतियोगिताओं, राष्ट्रीय एकता दिवस के दौरान शपथ लेने सहित विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया। प्राचार्या डॉ. अनीता सिंह ने महात्मा गांधी और कस्तूरबा गांधी को उनकी जयन्ती और पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि देने के लिए छात्रों का नेतृत्व किया।

पुस्तक मेला और प्रदर्शनी

साकेत जिला न्यायालय में 'एक वकील के रूप में महात्मा गांधी' नामक पर प्रदर्शनी का उद्घाटन

गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति द्वारा साकेत जिला न्यायालय, नई दिल्ली में 'एक वकील के रूप में महात्मा गांधी' नामक प्रदर्शनी लगाई गई। प्रदर्शनी का उद्घाटन 22 अप्रैल, 2019 को दक्षिण पूर्व जिला, साकेत न्यायालय की जिला एवं सत्र न्यायाधीश जस्टिस आशा मेनन द्वारा किया गया था।

इस अवसर पर उपस्थित लोगों में न्यायमूर्ति गिरीश कठपालिया, जिला और सत्र न्यायाधीश, दक्षिण जिला, न्यायमूर्ति अनुराधा शुक्ला भारद्वाज, विशेष न्यायाधीश (पी. सी. अधिनियम), न्यायमूर्ति करनैल सिंह, अध्यक्ष, बार एसोसिएशन, साकेत कोर्ट कॉम्प्लेक्स श्री दीपंकर श्री ज्ञान, निदेशक, गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति, डॉ. वेदाभ्यास कुण्डू कार्यक्रम अधिकारी, श्रीमती गीता शुक्ला, शोध अधिकारी, सहित अनेक वरिष्ठ न्यायाधीश और अधिवक्ता उपस्थित थे।

(ऊपर) दक्षिण पूर्व दिल्ली, साकेत की जिला एवं सत्र न्यायधीश जस्टिस आशा मेनन को महात्मा गांधी का स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित करते समिति निदेशक श्री दीपंकर श्री ज्ञान।
(नीचे) कार्यक्रम में प्रदर्शित पैनल 'वकील के रूप में महात्मा गांधी'। इसे समिति की शोध अधिकारी श्रीमती गीता शुक्ला ने परिकल्पित किया है।

कूंची के माध्यम से गांधीवादी विचारों का प्रकटीकरण

समय–समय पर कलाकार राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के जीवन के दर्शन को चित्रित करके महात्मा गांधी के जीवन और दर्शन के विभिन्न पहलुओं पर अपनी रचनात्मकता प्रदर्शित करते रहे हैं। प्रत्येक कलाकार अपनी–अपनी सोच व कला के माध्यम से गांधी पुनर्जीवित करते हैं।

इस विचार को आगे बढ़ाते हुए, उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र (NCZCC) इलाहाबाद, उत्तर प्रदेश के साथ मिलकर गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति ने 18 से 21 मई, 2019 तक गांधी दर्शन में "कार्यशाला–सह–चित्रकला प्रदर्शनी" का आयोजन किया। इसमें दिल्ली, गाजियाबाद और उत्तर प्रदेश के कलाकारों ने भाग लिया। कार्यक्रम का उद्घाटन समिति निदेशक, श्री दीपंकर श्री ज्ञान के साथ–साथ NCZCC के श्री अजय गुप्ता ने किया।

चार दिवसीय कार्यक्रम में भाग लेने वाले कलाकारों में सुश्री हेमलता, डॉ. रामबाली प्रजापति, सुश्री ममता, श्री संजीव मंडल, श्री दिलीप, श्री सुभाष पाल, श्री एम. बाली चौहान, श्री सुमित कुमार सिंह, श्री सत्येंद्र कुमार हिमानी और श्री मैत्रेयी कुमार शामिल थे।

'गांधीवादी अर्थशास्त्र और समकालीन समाज' पर प्रदर्शनी का उद्घाटन

गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति द्वारा "गांधीवादी अर्थशास्त्र और समकालीन समाज" पर आधारित प्रदर्शनी का उद्घाटन 22 मई, 2019 को नई दिल्ली के साकेत जिला न्यायालय में न्यायमूर्ति दुदानी द्वारा किया गया था। दिनांक 27 मई, 2019 तक प्रदर्शित होने वाली प्रदर्शनी के शुभारम्भ अवसर पर वरिष्ठ गांधीवादी और समिति के पूर्व सलाहकार श्री बसंत और सदस्य गांधी 150 समिति, श्री आदित्य पटनायक सहित जिला न्यायालय के अनेक न्यायाधीश उपस्थित थे। समिति द्वारा महात्मा गांधी की 150वीं जयन्ती के अवसर पर न्यायालय में आयोजित यह दूसरी प्रदर्शनी थी। इस मौके पर समिति की शोध अधिकारी गीता शुक्ला, डॉ. वेदाभ्यास कुण्डू कार्यक्रम अधिकारी भी उपस्थित थे।

जबकि श्री बसंत ने इस अवसर पर महात्मा गांधी के 18–सूत्रीय रचनात्मक कार्यक्रम पर बात की। श्री आदित्य पटनायक ने गांधीजी की मध्यस्थता तकनीकों और "सर्वोदय और अंत्योदय" के उनके सिद्धांतों के बारे में अपना दृष्टिकोण साझा किया।

- बिहार

मुज़फ़्फरपुर–आनन्द विहार सप्तक्रान्ति एक्सप्रेस पर प्रदर्शनी

महात्मा गांधी की 150वीं जयन्ती पर भारतीय रेल के ईस्ट–सैंट्रल रेलवे जोन ने मुज़फ़्फरपुर–आनन्द विहार सप्तक्रान्ति एक्सप्रेस पर चलती–फिरती प्रदर्शनी लगाकर बापू को श्रद्धांजलि दी गई। इसमें रेल के डिब्बों पर पेंटिंग और चित्रों का संयोजन किया गया है। मोहन से महात्मा नामक इस प्रदर्शनी में मोहनदास करमचन्द गांधी के महात्मा गांधी बनने के सफर को दर्शाया गया है। यह प्रदर्शनी गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति ने विकसित की है। जिसका उद्घाटन 2 अक्तूबर, 2019 को माननीय सांसद श्री राधामोहन सिंह ने किया।

आनन्द विहार–मुज़फ़्फरपुर एक्सप्रेस का चित्र। इसका 2 अक्तूबर, 2019 को माननीय सांसद श्री राधामोहन सिंह ने किया था। इसमें मोहन से महात्मा नामक चलती–फिरती प्रदर्शनी को चित्रित किया गया था।

मैं भारतीय रेलवे का आभार व्यक्त करता हूं, जिन्होंने महात्मा गांधी को अभिनव तरीके से श्रद्धासुमन अर्पित किए हैं, जिनके मोतिहारी और चम्पारण से सम्बन्ध इतिहास में दर्ज है। ये शब्द माननीय सांसद श्री राधामोहन सिंह ने रेल के पूर्वी चम्पारण के बापूधाम मोतिहारी रेलवे स्टेशन पहुंचने के बाद आयोजित कार्यक्रम में कहे। उन्होंने मुज़फ़्फरपुर–आनन्द विहार सप्तक्रान्ति एक्सप्रेस को हरी झण्डी भी दिखाई।

श्री राधामोहन सिंह, जो रेलवे की पार्लियामेंट्री स्टेंडिंग कमेटी के सदस्य भी हैं, ने बिहार सरकार की प्रशंसा करते हुए कहा कि बिहार सरकार ने भी महात्मा गांधी से सम्बन्धित अनेक स्थानों को विकसित किया है और उन्हें गरिमा प्रदान की है।

इससे पूर्व 2 अक्तूबर, 2019 को महात्मा गांधी मार्ग होते हुए गांधी चौक से बापू धाम रेलवे स्टेशन तक स्वच्छता अभियान भी चलाया गया। जिसमें करीब 1000 लोगों ने क्षेत्र की सफाई की व उसे गन्दगी मुक्त बनाया।

इस अवसर पर गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति द्वारा चरखा चौक पर 'चम्पारण में गांधी' पर आधारित प्रदर्शनी भी लगाई गई। यह प्रदर्शनी महात्मा गांधी की 150वीं जयन्ती पर लगाए गए गांधी मेला के तहत लगाई गई थी।

दिल्ली पब्लिक लाइब्रेरी की पुस्तक प्रदर्शनी में समिति की भागीदारी

महात्मा गांधी की 150वीं जयन्ती और 550वें प्रकाश पर्व के अवसर पर दिल्ली पब्लिक लाइब्रेरी द्वारा 1 से 15 जनवरी, 2020 तक दिल्ली पब्लिक लाइब्रेरी में 15 दिवसीय उत्सव का आयोजन किया गया, जिसमें विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ दिल्ली पब्लिक लाइब्रेरी के अध्यक्ष श्री रामशरण गौड़ ने किया। इस अवसर पर पुस्तक प्रदर्शनी का भी आयोजन किया गया, जिसमें गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति ने भी भागीदारी की। समिति की ओर से श्री मोहन सिंह रावत और श्री मनीष ने इस प्रदर्शनी में भाग लिया। समिति की ओर से महात्मा गांधी के जीवन दर्शन से सम्बन्धित प्रदर्शनी पैनल भी लगाए गए थे।

महात्मा गांधी पर कलाकार संजीव आनन्द की चारकोल स्कैच प्रदर्शनी का उद्घाटन

गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति की पूर्व उपाध्यक्ष व नेशनल गांधी म्यूज़ियम की वर्तमान अध्यक्षा श्रीमती तारा गांधी भट्टाचार्य ने कलाकार संजीव आनन्द की चारकोल स्कैच प्रदर्शनी का उद्घाटन 30 जनवरी, 2020 को किया। गांधी स्मृति के कीर्ति मण्डप में लगाई गई इस प्रदर्शनी में गांधीजी के जीवन की विभिन्न घटनाओं की पेंटिंग के 14 पैनल लगाए गए थे।

इस प्रदर्शनी में फ्लोरिडा में रह रहे भारतीय मूल के कलाकार संजीव आनन्द के चारकोल स्कैच प्रदर्शित किए गए। इस अवसर पर समिति निदेशक श्री दीपंकर श्री ज्ञान, पूर्व सलाहकार श्री बसंत, कार्यक्रम अधिकारी डॉ. वेदाभ्यास कुण्डू, प्राकृतिक चिकित्सक डॉ. मंजू अग्रवाल सहित कलाकार संजीव आनन्द भी मौजूद थे।

1	बकील के रूप में गांधी	साकेत कोर्ट	द्विभाषी	अप्रैल	स्टैंडी
2	गांधीवादी अर्थव्यवस्था	साकेत कोर्ट	अंग्रेजी	मई	स्टैंडी
3	ओड़िशा में गांधी	जगन्नाथ पुरी	अंग्रेजी	जुलाई	स्टैंडी
4	स्वच्छता	जगन्नाथ पुरी	अंग्रेजी	जुलाई	स्टैंडी
5	प्रोवेशन	जगन्नाथ पुरी	अंग्रेजी	जुलाई	स्टैंडी
6	मोहन से महात्मा	जयपुर	द्विभाषी	अगस्त	सनबोर्ड पर पैनल
7	मोहन से महात्मा	अजमेर	द्विभाषी	अगस्त	सनबोर्ड पर पैनल
8	वाराणसी हवाई अड्डा	वाराणसी		जनवरी से मार्च 2019	सनबोर्ड पर पैनल
9	कोलकाता हवाई अड्डा	कोलकाता		जुलाई	सनबोर्ड पर पैनल
10	दमोह	दमोह		अगस्त	स्टैंडी

पुस्तकालय, प्रलेखन और प्रकाशन

महात्मा गांधी के कार्यों, और विचारों को बेहतर ढंग से समझने के लिए और गांधीजी पर आधारित पुस्तकों, तस्वीरों, फिल्मों, दस्तावेजों को व्यवस्थित और संरक्षित करने के समिति के उद्देश्य को पूर्ण करने के लिए एक पुस्तकालय और प्रलेखन केन्द्र का संचालन किया जा रहा है। पुस्तकालय में गांधीजी के जीवन और विचार, कला, संस्कृति, इतिहास, अर्थशास्त्र, राजनीति, धर्म, पुरातत्व सहित लगभग 10,600 पुस्तकों का संग्रह है, जिनमें सन्दर्भ पुस्तकें, विश्व एटलस, विश्वकोश और शब्दकोश शामिल हैं। बच्चों के लिए एक विशेष खण्ड है। यह नियमित रूप से विभिन्न पत्रिकाओं और जर्नल्स की सदस्यता भी लेता है और विद्वानों, शोध अध्येताओं और छात्रों की जरूरतों को पूरा करता है। वर्ष के दौरान अनेक नई किताबें इस पुस्तकालय में रखी गयी हैं।

पुस्तकालय में ही एक प्रलेखन केन्द्र भी बनाया गया है, इस प्रलेखन केन्द्र में गांधी, महिला, बच्चे, युवा, पर्यावरण, भारत–पाक सम्बन्ध, साम्प्रदायिकता, अन्तरराष्ट्रीय मामलों जैसे विभिन्न विषयों पर प्रेस–क्लिपिंग फाइलों को संजोकर रखा जा रहा है। यह प्रलेखन केन्द्र को मजबूत करने के प्रयास में किया जाता है। समय–समय पर इसमें अन्य विषयों को भी नियमित रूप से जोड़ा जाता है। समय–समय पर नए प्रकाशनों के साथ पुस्तकालय के डिजिटलीकरण की प्रक्रिया लगभग समाप्त हो गई है।

गांधी स्मृति स्थित पुस्तकालय सह पुस्तक विक्रय केन्द्र का एक दृश्य।

गांधी दर्शन पुस्तकालय का एक दृश्य।

महात्मा गांधी की 150वीं जयन्ती के अवसर पर गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति ने 'गांधी- 150 श्रृंखला' के तहत कुछ प्रकाशनों को लाने की पहल की है। यह समाज में महात्मा गांधी के संदेश और दर्शन को ले जाने के लिए एक विनम्र कदम है और विभिन्न अवधारणाओं और विषयों को भी प्रस्तुत करता है जो मानव जाति के शांतिपूर्ण अस्तित्व के लिए महत्वपूर्ण हैं। अब तक प्रकाशित पुस्तकों की सूची इस प्रकार है:

1. गांधी शतकोत्तर– रामउपदेश सिंह विदेह (पृष्ठ :104)
2. पंचायती राज– लक्ष्मीदास (पृष्ठ :144)
3. आधुनिक भारत के गुमनाम समाज शिल्पी– डॉ. प्रमोद कुमार (पृष्ठ :284)
4. गांधी युग के हास्य–व्यंग्य– सम्पादक प्रवीण दत्त शर्मा (पृष्ठ :110)
5. सामाजिक आन्दोलन– लक्ष्मीदास (पृष्ठ :256)
6- Unsung Builders of Modern Bharat – Dr. Pramod Kumar (pages : 260)
7- Nonviolent Communication: A Gandhian Approach – Vedabhyas Kundu (pages 48)
8- Ethics Matters! The time is now!! – Rahul Sharan (pages 144)
9- "Gandhian Economic Principles" by Dr. Y. P. Anand (pages - 52)

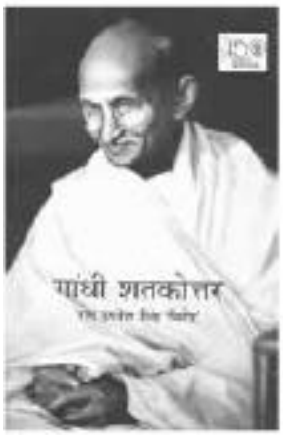

आगंतुक

छत्तीसगढ़ विधानसभा के माननीय अध्यक्ष डॉ. चरणदास महंत ने 29 अगस्त 2019 को गांधी स्मृति का दौरा किया और समिति निदेशक श्री दीपंकर श्री ज्ञान द्वारा उनका स्वागत किया गया। सम्मानित अतिथि ने गांधी स्मृति संग्रहालय का भी दौरा किया।

गांधी स्मृति में चरखे की प्रतिकृति के साथ छत्तीसगढ़ विधानसभा के अध्यक्ष श्री चरणदास महंत।

छत्तीसगढ़ विधानसभा के अध्यक्ष श्री चरणदास महंत को महात्मा गांधी द्वारा लिखित पुस्तक भेंट करते समिति निदेशक श्री दीपंकर श्री ज्ञान।

गांधी स्मृति स्थित स्मारक स्तम्भ पर महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि अर्पित करती यूएन की उपमहासचिव सुश्री अमीना जे. मौहम्मद।

संयुक्त राष्ट्र की उपमहासचिव सुश्री अमीना जे. मोहम्मद ने 8 सितम्बर, 2019 को शहीद स्तम्भ पर श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने निदेशक गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति, श्री दीपंकर श्री ज्ञान के नेतृत्व में गांधी स्मृति गैलरी का भी दौरा किया।

यूएन की उपमहासचिव सुश्री अमीना जे. मौहम्मद गांधी स्मृति के अपने दौरे के दौरान पीस गौंग को बजाती हुई।

- ☐ दिल्ली पब्लिक स्कूल सेक्टर 45 गुरुग्राम के छात्रों ने 27 सितम्बर, 2019 को गांधी स्मृति का दौरा किया।
- ☐ दिल्ली पब्लिक स्कूल फरीदाबाद ने 26 सितम्बर, 2019 को गांधी दर्शन का दौरा किया।

न्यू जर्सी के गवर्नर फिल मरफी, श्रीमती टमी मरफी के साथ महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए। इस अवसर पर समिति निदेशक श्री दीपंकर श्री ज्ञान व कार्यक्रम अधिकारी डॉ. वेदाभ्यास कुण्डू भी उनके साथ थे।

न्यू जर्सी के गवर्नर, श्री फिल मर्फी ने 15 सितम्बर, 2019 को गांधी स्मृति का दौरा किया। उनके साथ 40 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल भी था, जिसमें प्रथम महिला श्रीमती टैमी मर्फी और अकादमिक व निजी क्षेत्र के वरिष्ठ गणमान्य व्यक्ति शामिल थे।

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने जर्मन चांसलर डॉ. एंजेला मार्केल के साथ गांधी स्मृति का दौरा किया

भारत के माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 1 नवम्बर, 2019 को जर्मन चांसलर डॉ. एंजेला मार्केल के साथ गांधी स्मृति का दौरा किया। प्रधानमंत्री ने प्रसिद्ध कलाकार पद्म भूषण श्री राम सुतार द्वारा बनाई गई महात्मा गांधी की मूर्ति के सामने जर्मन चांसलर की अगवानी की। इस स्थान के महत्व के बारे में बताते हुए, प्रधानमंत्री ने डॉ. मर्केल को सूचित किया कि गांधी स्मृति उस स्थान पर स्थित है जहाँ महात्मा

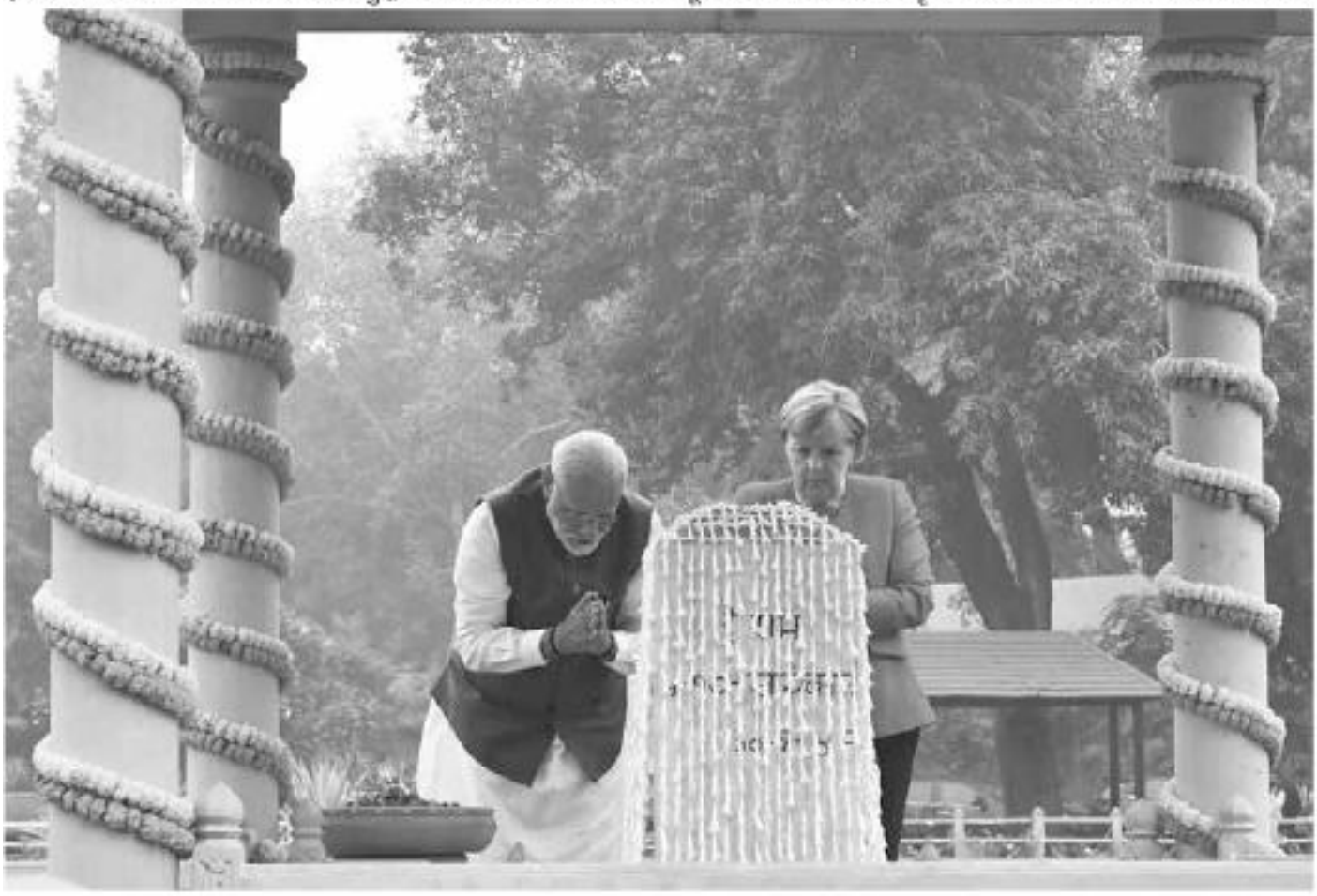

गांधी स्मृति में जर्मनी की चांसलर डॉ. एंजेला मार्केल के साथ महात्मा गांधी को श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी।

गांधी स्मृति में माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के साथ 'वैष्णव जन' को जर्मन भाषा में सुनती जर्मन चांसलर डॉ. एंजेला मार्केल।

गांधी स्मृति स्थित गांधी कक्ष में रखी महात्मा गांधी द्वारा प्रयोग में लाई गई वस्तुओं के बारे में जर्मन चांसलर डॉ. एंजेला मार्केल को जानकारी देते माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी।

गांधी ने अपने जीवन के अंतिम कुछ महीने बिताए थे और 30 जनवरी, 1948 को उनकी हत्या कर दी गई थी।

गांधी स्मृति के अपने दौरे के दौरान माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के साथ आगंतुक पुस्तिका पर हस्ताक्षर करतीं डॉ. एंजेला मार्केल।

गांधी स्मृति के प्रार्थना स्थल पर जर्मन चांसलर डॉ. एंजेला मार्केल को महात्मा गांधी की प्रतिकृति और चरखा भेंट करते माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी।

दोनों नेताओं ने संग्रहालय का दौरा किया और शांति निकेतन के छात्र श्री नन्दलाल बोस, प्रसिद्ध कलाकार श्री उपेन्द्र महारथी और इंडो–हंगरी चित्रकार एलिजाबेथ ब्रूनर द्वारा बनाए गए रेखाचित्रों और चित्रों को देखा। उन्होंने अहिंसा और सत्याग्रह पर आधारित श्री बिराद राजाराम याग्निक द्वारा क्यूरेट की गई एक डिजिटल गैलरी का भी अवलोकन किया।

तत्पश्चात नेताओं ने संग्रहालय में विभिन्न डिजिटल मण्डपों का दौरा किया, जिसमें अल्बर्ट आइंस्टीन द्वारा महात्मा गांधी के लिए ऑडियो प्रशंसापत्र और 'वैष्णव जन तो' गीत के गायन को प्रदर्शित करने वाले संवादात्मक कियोस्क शामिल थे। दोनों नेताओं ने महात्मा गांधी के जीवन दर्शन की जानकारी ली।

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और जर्मन चांसलर डॉ. एंजेला मार्केल ने शहीद स्तम्भ पर महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि दी और पुष्पांजलि अर्पित की। इस अवसर पर भारत के माननीय प्रधानमंत्री द्वारा डॉ. मार्केल को गांधीजी की प्रतिमा और चरखा भी भेंट किया गया।

लियो टॉल्स्टॉय के वंशजों द्वारा गांधी दर्शन का अवलोकन

(ऊपर) सुश्री टॉल्सटॉय एकटेरिना को गांधी दर्शन में चरखा भेंट करते गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति के कार्यकारिणी सदस्य श्री लक्ष्मीदास।
गांधी दर्शन में अपनी यात्रा के दौरान श्री लक्ष्मीदास, डॉ. वेदाभ्यास कुण्डु, श्री राजदीप पाठक के साथ टॉल्सटॉय के पारिवारिक सदस्य।

महान लियो टॉल्स्टॉय के पौत्र व लियो टॉल्स्टॉय म्यूजियम "यास्नाया पोलीना" रूस के मिस्टर एंड्रे टॉल्स्टॉय, सुश्री टॉल्स्टॉय एकातेरिना, नौ सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल के साथ 20 नवम्बर, 2019 को गांधी दर्शन के दौरे पर आये। प्रतिनिधिमण्डल का स्वागत गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति के कार्यसमिति सदस्य श्री लक्ष्मीदास ने किया। गांधी दर्शन स्थित "मेरा जीवन ही मेरा संदेश है" का भी प्रतिनिधिमण्डल ने दौरा किया।

स्वीडिश राजा, रानी ने गांधी स्मृति में महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि अर्पित की

स्वीडिश किंग कार्ल सोलहवें गुस्ताफ फोल्क ह्यूबर्टस और रानी सिल्विया सोमतेलथ ने 2 दिसम्बर, 2019 को गांधी स्मृति में महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि अर्पित की। यात्रा प्रतिनिधिमंडल ने शहीद स्तम्भ पर अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की। शाही जोड़े को माननीय संस्कृति मंत्री और समिति के उपाध्यक्ष श्री प्रहलाद सिंह पटेल ने सम्मानित किया। सम्मानित अतिथियों को समिति की रिसर्च एसोसिएट डॉ. शैलजा गुल्लापल्ली द्वारा गांधी स्मृति संग्रहालय का

अवलोकन दौरा भी करवाया गया। समिति निदेशक श्री दीपंकर श्री ज्ञान भी इस अवसर पर उपस्थित थे।

महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि देते हुए माननीय स्वीडिश किंग 16वें गुस्ताफ फोल्के ह्यूबर्ट्स और क्विन सिल्विया रेने सोमरलाथ। साथ में हैं माननीय संस्कृति मंत्री व गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति के उपाध्यक्ष श्री प्रहलाद सिंह पटेल, समिति निदेशक श्री दीपंकर श्री ज्ञान और शोध सहयोगी डॉ. शैलजा गुल्लापल्ली।

गांधी स्मृति के अपने दौरे के दौरान माननीय संस्कृति मंत्री व गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति के उपाध्यक्ष श्री प्रहलाद सिंह पटेल के साथ माननीय स्वीडिश किंग 16वें गुस्ताफ फोल्के ह्यूबर्ट्स और क्विन सिल्विया रेने सोमरलाथ।

क्विन सिल्विया रेने सोमरलाथ को चरखा भेंट करते माननीय संस्कृति मंत्री व गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति के उपाध्यक्ष श्री प्रहलाद पटेल। इस अवसर पर माननीय स्वीडिश किंग 16वें गुस्ताफ फोल्के ह्यूबर्ट्स भी उपस्थित थे।

शिजनकॉन विश्वविद्यालय जापान के प्रतिनिधिमंडल ने गांधी स्मृति का दौरा किया

शिजनकॉन यूनिवर्सिटी में ग्रेजुएट स्कूल ऑफ लीडरशिप एंड इनोवेशन टोक्यो, जापान शामिल है। स्कूल ऑफ इंस्पायर्ड लीडरशिप (एसओआईएल), गुरुग्राम, भारत के सहयोग से इस विश्वविद्यालय ने 10 दिसम्बर, 2019 को गांधी स्मृति का दौरा किया।

शिजंकेन विश्वविद्यालय से आए जापानी प्रतिनिधिमण्डल का गांधी स्मृति में अभिनन्दन करती समिति की शोध सहयोगी डॉ. शैलजा गुल्लापल्ली।

गांधी स्मृति स्थित शाश्वत गांधी मल्टीमीडिया सेंटर में शिजंकेन विश्वविद्यालय से आए जापानी प्रतिनिधिमंडल को महात्मा गांधी की रेलयात्राओं की जानकारी देते हुए समिति के कार्यक्रम कार्यकारी श्री राजदीप पाठक।

विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रम के एक भाग के रूप में, छात्रों ने नेतृत्व के गुणों को सीखने के लिए भारतीय गांधीवादी दर्शन के अवलोकन हेतु दूसरी बार भारत को चुना। भारत की अपनी 3 दिवसीय यात्रा के दौरान, उन्होंने इतिहास और संस्कृति से भरे भारत का नजदीक से अवलोकन करने के लिए महात्मा गांधी के राष्ट्रीय स्मारक का दौरा किया। इस यात्रा का मुख्य उद्देश्य महात्मा गांधी के संघर्षों और उनके विचारों को गहनता से समझना था। श्री राजदीप पाठक ने डॉ. शैलजा गुल्लापल्ली के साथ प्रतिनिधिमण्डल को गांधी स्मृति का अवलोकन करवाया। सुश्री मानसी ने कार्यक्रम का समन्वय किया। श्री रामनाथन हरिहरन, अध्यक्ष SOIL, श्री पैट्रिक नेवेल, कार्यक्रम निदेशक, 'सिंगुलैरिटी यू जापान' इस अवसर पर उपस्थित थे।

गांधी स्मृति के अपने दौरे के दौरान महात्मा गांधी की प्रतिमा के सामने समूह चित्र के लिए एकत्र जापानी प्रतिनिधिमंडल।

भारत में रवांडा गणराज्य के उच्चायुक्त महामहिम श्री अर्नेस्ट रवामुको, ने 7 जनवरी, 2020 को गांधी स्मृति का दौरा किया।

गांधी स्मृति में स्मारक स्तम्भ पर महात्मा गांधी को श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए रवांडा के उच्चायुक्त श्री अर्नेस्ट रवामुक्यो। उनके साथ हैं समिति के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. वेदाभ्यास कुण्डू।

चेक गणराज्य के माननीय मंत्री श्री टॉमस पेट्रीसेक ने 14 जनवरी, 2020 को गांधी स्मृति का दौरा किया और शहीद स्तम्भ पर महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि अर्पित की।

चेक गणराज्य के विदेश मामलों के मंत्री श्री थॉमस पैट्रिक महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि देते हुए। उन्होंने गांधी स्मृति संग्रहालय का भी अवलोकन किया। इस अवसर पर समिति निदेशक श्री दीपंकर श्री ज्ञान ने श्री थॉमस पैट्रिक को स्मृति चिन्ह भेंट किया।

गांधी स्मृति में महात्मा गांधी की प्रतिमा के सम्मुख चेक गणराज्य के प्रतिनिधिमंडल के साथ माननीय श्री थॉमस पैट्रिक, श्री दीपंकर श्री ज्ञान और डॉ शैलजा गुल्लापल्ली ।

- दक्षिण कोरिया गणराज्य के पूर्व प्रधान मंत्री माननीय हान से. उंग सू ने 16 जनवरी, 2020 को गांधी स्मृति का दौरा किया और महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि अर्पित की।

ब्रिक्स प्रतिनिधिमंडल ने गांधी स्मृति का दौरा किया

दांडी मार्च की वर्षगांठ पर ब्रिक्स फोरम के प्रतिनिधियों के रूप में आठ रूसी लोगों के एक प्रतिनिधिमण्डल ने 12 मार्च, 2020 को गांधी स्मृति में श्रद्धांजलि अर्पित की। पब्लिक रीज़नल ओर्गेनाइजेशन की अध्यक्ष सुश्री लुडमिला सेकाचेवा के लिए यह पहला अवसर नहीं था, जब वे गांधी स्मृति आई थी। क्योंकि वह "ब्रिक्स के शिक्षक" के तौर पर कार्यरत थीं। सुश्री लुडमिला के साथ डॉ. गुजेल स्ट्रेलकोवा,

दांडी मार्च की 90वीं वर्षगांठ पर महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि अर्पित करते ब्रिक्स फोरम के प्रतिनिधि।

एसोसिएट प्रोफेसर इंस्टीच्यूट ऑफ एशियन एंड अफ्रीकन कन्ट्रीज, मास्को ने गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति को झण्डे और पर्चे भेंट किए, जिनमें ब्रिक्स देशों के बीच स्वस्थ और आजीवन सहयोग का संदेश था। एक अन्य विशिष्ट अतिथि गुरु प्रेम प्रयोजन थे जिनका जन्म इंग्लैंड में हुआ था लेकिन अब उन्हें वृंदावन में वेदों में महारत हासिल है।

(बाएं) गांधी स्मृति में महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि देते भारत में बोलिविया के राजदूत श्री जुआन कोर्टज रोजस। (दाएं) बोलिवियाई प्रतिनिधिमण्डल को महात्मा गांधी की जीवन यात्रा से अवगत करवाते समिति के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. वेदाभ्यास कुण्डू।

गांधी स्मृति में पीस गॉंग में अंकित ग्वाटेमाला के झण्डे को इंगित करते भारत में ग्वाटेमाला के राजदूत श्री ई. थॉमस डेनियल।

गांधी स्मृति में महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि अर्पित करते भारत में जाम्बिया की उच्चायुक्त श्रीमती जूडिथ के. के. कंगोमा कपिजमपंगा।

महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए आर्मेनिया के राजदूत श्री अर्मिन मार्टिरोसयान। उनके साथ समिति के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. वेदाभ्यास कुण्डू व कार्यक्रम कार्यकारी श्री राजदीप पाठक भी हैं।

गांधीजी को श्रद्धांजलि अर्पित करते राष्ट्रसंत श्री नम्रमुनि जी महाराज व अन्य साधुगण। समिति निदेशक श्री दीपंकर श्री ज्ञान भी इस अवसर पर उपस्थित हैं।

गांधी स्मृति के परगोला स्थित प्रदर्शनी 'मोहन से महात्मा' का अवलोकन करते राष्ट्रसंत श्री नम्रमुनि जी महाराज।

55वीं अन्तर्राष्ट्रीय यात्रा के तीर्थयात्री धर्माचार्य श्री शांतम सेठ के नेतृत्व में 22 दिसम्बर, 2019 को गांधी स्मृति पहुंचे और महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि अर्पित की।

प्रसिद्ध बौद्ध विद्वान पूज्य श्री सम्धोंग रिन्पोचे गांधी स्मृति में बापू को श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए। साथ में समिति निदेशक श्री दीपंकर श्री ज्ञान भी मौजूद हैं।

गांधी स्मृति के अपने दौरे के दौरान महात्मा गांधी को श्रद्धासुमन अर्पित करते सरसंघचालक श्री मोहन भागवत। साथ में हैं समिति निदेशक श्री दीपंकर श्री ज्ञान।

गांधी स्मृति में 9 अगस्त, 2019 को उपस्थित नव चयनित आईएएस अधिकारीगण।

ब्रिटिश रॉयल परिवार की सदस्य सुश्री सोफी हेलन ने 3 मई, 2019 को गांधी स्मृति का दौरा किया। समिति निदेशक श्री दीपंकर श्री ज्ञान और शोध सहयोगी डॉ. शैलजा गुल्लापल्ली भी उनके साथ हैं।

गांधी स्मृति संग्रहालय की प्रदर्शनी के बारे में जापान की लिंग समानता, महिला सशक्तिकरण मंत्री सुश्री सतसुकी कटायमा को जानकारी देतीं समिति की शोध सहयोगी डॉ. शैलजा गुल्लापल्ली।

शांति के क्षण : गांधी स्मृति में अपने दौरे के दौरान गांधी कक्ष में शांति के क्षण व्यतीत करते माननीय संस्कृति मंत्री व गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति के उपाध्यक्ष श्री प्रहलाद सिंह पटेल।

माननीय संस्कृति मंत्री व गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति के उपाध्यक्ष श्री प्रहलाद सिंह पटेल को मधुबनी पेंटिंग प्रदान करते समिति निदेशक श्री दीपंकर श्री ज्ञान।

गांधी दर्शन संग्रहालय में रखी जीप, जिसमें महात्मा गांधी की राजघाट तक अंतिम यात्रा निकाली गई थी, के बारे में नेशनल कस्टम, अप्रत्यक्ष कर और नारकोटिक्स जयपुर के प्रशिक्षुओं को जानकारी देतीं समिति की श्रीमती स्मिता भान।

दिल्ली विश्वविद्यालय के कालिंदी कॉलेज के 200 विद्यार्थी गांधी विनिमय कार्यक्रम के तहत डॉल म्यूज़ियम और गांधी स्मृति फोटो प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुए।

पं जसराज के साथ श्रीमती तारा गांधी भट्टाचार्य, श्री बसंत, श्री दीपंकर श्री ज्ञान, डॉ. वे.दाम्यासा कुण्डू और अन्य अतिथि व स्टाफ सदस्यगण।

गांधी स्मृति में महात्मा गांधी के कक्ष के बारे में 34वें प्रमुख और जापानी समुद्री आत्मरक्षा बल के प्रमुख एडमिरल हिरोशी यामामुरा को जानकारी देते गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति के कार्यक्रम कार्यकारी श्री राजदीप पाठक।

अप्रैल 2019

कुल आगन्तुक –11761

समूह/प्रतिनिधिमण्डल :

- इंडोनेशिया गणराज्य के नेशनल रेजिलेन्स इंस्टिच्यूट के प्रमुख के नेतृत्व में पचास कैंडेटों के एक प्रतिनिधिमण्डल ने 24 अप्रैल, 2019 को संग्रहालय का दौरा किया।
- डिफेन्स एजेंसी फॉर टेक्नोलॉजी एण्ड क्वालिटी के अध्यक्ष की अध्यक्षता में दक्षिण कोरिया के सात सदस्यीय प्रतिनिधिमण्डल ने 25 अप्रैल, 2019 को संग्रहालय का दौरा किया।

मई 2019

कुल आगन्तुक –13,700

समूह/प्रतिनिधिमण्डलः

- जापान के क्षेत्रीय पुनरोद्धार, नियामक सुधार और लिंग समानता राज्यमंत्री की अगुवाई में से दस सदस्यीय प्रतिनिधिमण्डल ने 3 मई, 2019 को संग्रहालय का दौरा किया।
- ब्रिटेन के द डचेस ऑफ वेसेक्स, ने 3 मई, 2019 को संग्रहालय का दौरा किया। उनके साथ 15 सदस्यीय प्रतिनिधिमण्डल भी था।
- विदेशी सेवाओं के 22 प्रतिनिधियों के एक प्रतिनिधिमण्डल ने 10 मई, 2019 को संग्रहालय का दौरा किया।

जून 2019

कुल आगन्तुक –11,749

समूह/प्रतिनिधिमण्डलः कोई नहीं

जुलाई 2019

कुल आगन्तुक –13,211

समूह/प्रतिनिधिमण्डलः

- बांग्लादेश से छः सदस्यीय रक्षा प्रतिनिधिमण्डल ने 4 जुलाई, 2019 को संग्रहालय का दौरा किया।
- कोरिया से पांच सदस्यीय रक्षा प्रतिनिधिमण्डल ने 4 जुलाई, 2019 को संग्रहालय का दौरा किया।

अगस्त 2019

कुल आगन्तुक –12,783

समूह/प्रतिनिधिमण्डलः

- जापान के पांच संसद सदस्यों ने 7 अगस्त, 2019 को संग्रहालय का दौरा किया।
- विदेश मंत्रालय के एक प्रतिनिधिमण्डल ने 14 अगस्त, 2019 को संग्रहालय का दौरा किया।
- इंडोनेशिया से नौसेना के अधिकारियों के पांच सदस्यीय प्रतिनिधिमण्डल ने 20 अगस्त, 2019 को संग्रहालय का दौरा किया।

सितम्बर 2019

कुल आगन्तुक –17,289

समूह/प्रतिनिधिमण्डलः

- कालिंदी कॉलेज के 200 छात्रों के एक प्रतिनिधिमण्डल ने 6 सितम्बर, 2019 को संग्रहालय का दौरा किया।
- ब्यूरो ऑफ पार्लियामेंट्री स्टडीज एंड ट्रेनिंग के 47 प्रतिनिधियों के एक प्रतिनिधिमण्डल ने 7 सितम्बर 2019 को संग्रहालय का दौरा किया।
- संयुक्त राष्ट्र की उपसचिव सुश्री अमीना मोहम्मद के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमण्डल ने 8 सितम्बर, 2019 को संग्रहालय का दौरा किया।
- एफएसटी के 150 प्रशिक्षुओं के एक प्रतिनिधिमण्डल ने 13 सितम्बर, 2019 को संग्रहालय का दौरा किया।
- न्यूजर्सी के गवर्नर श्री फिल मर्फी के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमण्डल ने 15 सितम्बर, 2019 को संग्रहालय का दौरा किया।
- विदेश मंत्रालय के 25 सदस्यों के एक प्रतिनिधिमण्डल ने 18 सितम्बर, 2019 को संग्रहालय का दौरा किया।

- दक्षिण कोरिया के सात सदस्यों वाले एक प्रतिनिधिमण्डल ने 18 सितम्बर, 2019 को संग्रहालय का दौरा किया।
- एसजीआई के पचास सदस्यों ने 20 सितम्बर 2019 को संग्रहालय का दौरा किया।
- दक्षिण कोरिया के सात सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने 22 सितम्बर, 2019 को संग्रहालय का दौरा किया।
- ऑस्ट्रेलिया वार कॉलेज के 25 सदस्यों के एक प्रतिनिधिमण्डल ने 27 सितम्बर, 2019 को संग्रहालय का दौरा किया था।

अक्तूबर 2019

कुल आगन्तुक –17,595

समूह/प्रतिनिधिमण्डल:

- भारत में जर्मनी के राजदूत ने 1 अक्तूबर, 2019 को संग्रहालय का दौरा किया।
- दक्षिण कोरिया की संसद के आठ सदस्यों के एक प्रतिनिधिमण्डल ने 13 अक्तूबर, 2019 को संग्रहालय का दौरा किया।
- 21 अक्तूबर 2019 को जे. पी. मॉर्गन समूह द्वारा एक कार्यक्रम की मेजबानी की गई, जिसमें विभिन्न राष्ट्रों के कई गणमान्य लोग शामिल हुए।

नवम्बर 2019

कुल आगन्तुक– 16,461

समूह/प्रतिनिधिमण्डल:

- जर्मनी की चांसलर सुश्री एंजेला मार्केल ने 1 नवम्बर, 2019 को संग्रहालय का दौरा किया। उनके साथ भारत के माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी भी थे।
- बोलीविया के राजदूत की अध्यक्षता में एक प्रतिनिधिमण्डल ने 13 नवम्बर, 2019 को संग्रहालय का दौरा किया।
- ग्वाटेमाला के राजदूत की अध्यक्षता में एक प्रतिनिधिमण्डल ने 18 नवम्बर, 2019 को संग्रहालय का दौरा किया।
- दक्षिण कोरिया के सात सदस्यीय प्रतिनिधिमण्डल ने 27 नवम्बर, 2019 को संग्रहालय का दौरा किया।

दिसम्बर 2019

कुल आगन्तुक –18,046

समूह/प्रतिनिधिमण्डल:

- स्वीडन के राजा और रानी की अध्यक्षता में एक प्रतिनिधिमण्डल ने 2 दिसम्बर, 2019 को संग्रहालय का दौरा किया।
- जाम्बिया के उच्चायुक्त ने 6 दिसम्बर, 2019 को संग्रहालय का दौरा किया।
- दक्षिण कोरिया के दूतावास के एक प्रतिनिधिमण्डल ने 9 दिसम्बर, 2019 को संग्रहालय का दौरा किया।
- लीडरशिप इंस्टिच्यूट द्वारा आयोजित जापान के 60 छात्र प्रतिनिधियों के एक प्रतिनिधिमण्डल ने 10 दिसम्बर, 2019 को संग्रहालय का दौरा किया।

समिति के कर्मचारियों को विदाई

श्री मूंगा लाल को विदाई

श्री मूंगालाल को 30 नवम्बर, 2019 को निदेशक गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति, श्री दीपंकर श्री ज्ञान द्वारा विदाई दी गई। समिति के प्रशासनिक अधिकारी श्री एस. ए. जमाल भी इस अवसर पर उपस्थित थे। श्री मूंगालाल ने 1983 से 36 वर्षों तक समिति की सेवा की, पहले एक दैनिक कर्मचारी के रूप में और फिर एक सुरक्षा कर्मचारी के तौर पर स्थायी कर्मचारी के रूप में। श्री मूंगालाल ने सेवानिवृत्त होकर, समिति की सेवा जारी रखते हुए स्वेच्छा से काम करने का निर्णय लिया है। श्री मूंगालाल के पुराने सहयोगियों ने उन्हें हमेशा समय का पाबंद रहने वाले और हंसमुख स्वभाव के साथ एक देखभाल करने वाले व्यक्ति के रूप में याद किया।

श्री मूंगालाल को उनकी सेवानिवृत्ति पर उन्हें सम्मानित करते समिति निदेशक श्री दीपंकर श्री ज्ञान और प्रशासनिक अधिकारी श्री एस. ए. जमाल।

समिति की भाोध अधिकारी श्रीमती गीता शुक्ला (बाएं) श्री मूंगालाल को पुष्पगुच्छ भेंट करते हुए। श्री संजय श्री मूंगालाल को माला पहनाते हुए।

श्री एस. ए. जमाल को विदाई

गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति के निदेशक ने 31 मार्च, 2020 को एक आभासी बैठक बुलाई, जिसके माध्यम से समिति के कर्मचारियों ने समिति के प्रशासनिक अधिकारी, श्री एस. ए. जमाल को उनकी सेवानिवृत्ति पर विदाई दी। उल्लेखनीय है कि श्री जमाल 31 मार्च, 2020 को अपनी सेवाओं से सेवानिवृत्त हो गए। श्री जमाल नेहरू युवा केंद्र संगठन से गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति में शामिल हुए थे।

गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति के एक कार्यक्रम के दौरान निदेशक श्री दीपंकर श्री ज्ञान के साथ प्रशासनिक अधिकारी श्री एस. ए. जमाल का फाइल फोटो।

मीडिया में

महात्मा गांधी वास्तव में एक मजदूर नेता थे-बैजनाथ राय

स्वच्छता और पौधरोपण ऐसा हो कि यात्रा गांधी मार्ग बन जाएं: राज्यमंत्री

जयंती पर निकली रैली

हम सौभाग्य शाली है कि गांधी जी दमोह आये थे : केन्द्रीय मंत्री श्री पटेल

आयोजन संख्या-10

गांधी की लोकप्रियता में कस्तूरबा की भूमिका को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता : गिरिराज किशोर

केंद्रीय मंत्री पटेल ने गांधी ग्राम अनंतपुरा से आरंभ की ग्राम स्वराज पदयात्रा

केन्द्रीय विद्यालय में ध्वजारोहण

महात्मा गांधी की 150 वीं जयंती वर्ष पर ग्राम स्वराज पदयात्रा शुरू

Fashion Fabric of India

आयोजन संख्या-9

महात्मा गांधी व दत्तोपंत ठेंगड़ी की जयंति पर जनसभा का आयोजन

आयोजन संख्या-2.

तीन दिवसीय युवानेतृत्व एवं सामुदायिक विकास प्रशिक्षण का समापन

आयोजन संख्या-7

गांधी व ठेंगड़ी सच्चे राष्ट्रनायक

आयोजन संख्या-3.

महात्मा गांधी स्वतंत्रता सेनानी के साथ ट्रेड यूनियन नेता भी थे-रा

तीन दिवसीय युवा नेतृत्व एवं सामुदायिक विकास प्रशिक्षण

युवाओं को रोजगार दिलाना है उद्देश्य

पांच लाख

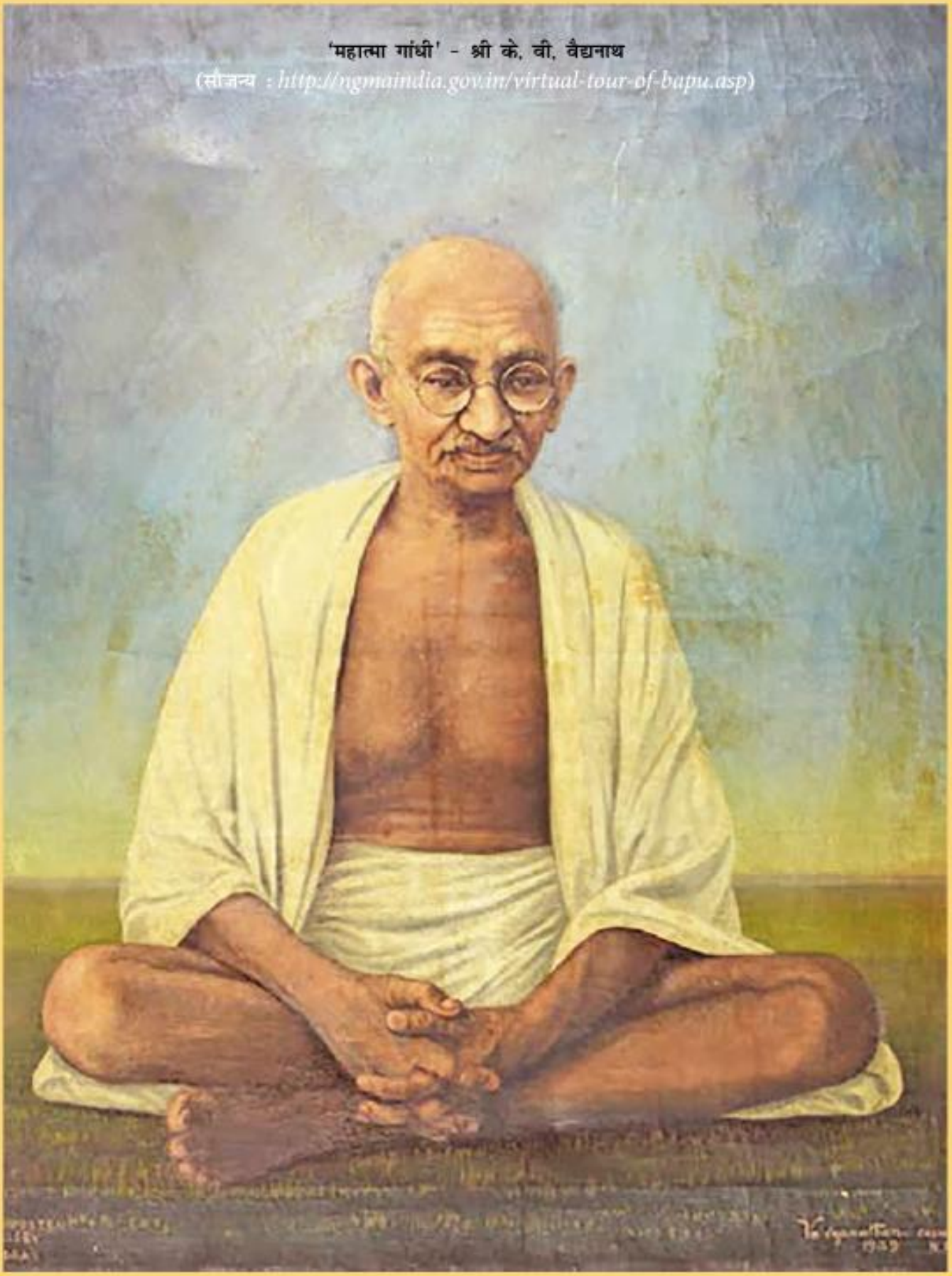

'महात्मा गांधी' - श्री के. वी. वैद्यनाथ

(सौजन्य : *http://ngmaindia.gov.in/virtual-tour-of-bapu.asp*)

प्रकाशन
निदेशक, गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति
गांधी स्मृति, 5 तीस जनवरी मार्ग, नई दिल्ली - 110011
गांधी दर्शन, राजघाट, नई दिल्ली - 110002
फोन : 011-23392707/9/10, 23392278, 23012843
फैक्स : 011-23392706
ई-मेल : 2010gsds@gmail.com
वेबसाइट : www.gandhismriti.gov.in
डिज़ाइन : श्री राजदीप पाठक, श्री अरूण सैनी, श्री कुलदीप किसपोट्टा, श्री ज़ीस एन्ड्रूज़
अनुवाद : श्री प्रवीण दत्त शर्मा; टंकण : श्री समीर बनर्जी; रिपोर्ट : श्री राजदीप पाठक
फोटो : श्री पंकज शर्मा, श्री राकेश शर्मा, श्री अरूण सैनी

©GANDHI SMRITI AND DARSHAN SAMITI
Printed at: Bosco Society for Printing & Graphic Training I E-mail boscopress@gmail.com

/gandhismritianddarshansamiti /gsdsnewdelhi /gsdsnewdelhi /gandhi smriti and darshan samiti